UNIVERSAL LIBRARY

OU_220405

AWARIT

AWARIT

AWARIT

TENSOR

Call No. M 29 M Accession No. 5057

Author Many

Title Manu-brush with the Bhaya &

Medhatthi 1922

This book should be returned on or before the date last marked below.



Index to Manu=Smrti.

Adhyaya I.

| 'A'- letter, milked | out of Voc | la | | | | 881 |
|-------------------------------------|--------------|------------|-------------|--------------|-------------|----------|
| Abhilása—longing | | | | | | 166 |
| Abh iv ád a na — Moan | ing of | | | ••• | ••• | 394 |
| Ablution -Final | | | | | *** | 151 |
| Absorption in desi- | res | | ••• | | | 166 |
| Accomplished Stud | | to be mad | le for | | | 416 |
| • 29 | -descr | ves hono | r from King | ; . . | | 419 |
| Action | | | | 64, | 69, 70, 92, | 148, 168 |
| "Good and | ad feature | s of | ••• | | ••• | 148,15 |
| , -jointly wi | th knowled | ge—bring | s roloaso | | ••• | 2 |
| " -none, with | out desire | | *** : | | | |
| Accosting-Formu | la of | | | ••• | | |
| Acts | ••• | | | ••• | *** | |
| Activity | | | | | ••• | |
| Àchama na | | | | | | |
| Āchāra | ••• | | | | | |
| 'Achdrashchaiva sa | idhûnam ' | | | | ••• | |
| Acharyaexcels to | en Upádhyá | yas - | | | ••• | |
| " —is excell | ed by fathe | r | | | • • • | |
| Âdau | | | | | | |
| Adharma | ••• | | | | 10, | |
| Adhikarana—of th | e winnowir | g basket | | • · · | ••• | |
| Adhvaryu | ••• | ••• | | | | |
| Adhyûyas | | ••• | | | | |
| Adhyétavyam | | *** | | ••• | | |
| Âdițya | | ••• | | | | |
| Adhyâcha ri la | | ••• | | | | |
| ' Adhyuşita ' | , | ••• | | | | |
| Advaita | | | | | | |
| Agastya | ••• | ••• | ••• | | | |
| ' Âgâvo ugaman ' | ••• | | | | | |
| Agni | | | | | | |
| Agni-Indra | ••• | | ••• | ٠,,, ۱ | | |
| "—example of | name | | | ••• | | |
| Agnihotra - prese | ribed in sev | reral rese | ensional te | xts | | |
| Annihotein | | | | | | |

| | | | | | | PAGE |
|-------------------|------------|----------------|-----------|---------------|-----------|-----------|
| Agnihotra | 1 | 11, 15, 69, 17 | 7, 179, 1 | 82, 214, 228, | 224, 280, | 366, 410 |
| " -Living e | | the occasio | | | | 328 |
| ,, —homa | | ••• | ••• | | | 228 |
| Agnîşomîya | | ••• | | | | 63,188 |
| Agni-Soma | | | | | | 86,448 |
| Agnirvai | ••• | | ••• | | | 177 |
| Agnistoma | | ••• | | ••• | | 423 |
| Agreeable-What | is-mean | s of knowin | g Dharm | a | | 218 |
| - | ting of—co | | ٠ | | | 218 |
| Âgneya | | ••• | ••• | | | 18 |
| ' Aguimlê ' | | | | | | 327 |
| Àghára-offering | | | | | | 186,198 |
| Aghamarşana- ma | ntra desti | oys sin | | | | 384,344 |
| Age - a ground of | • | | | | | 409 |
| ' Agna áyâhi ' | | | | | | 327 |
| Agra/anma | | ••• | | | | 235 |
| Âhitâgn i | | ••• | | | ••• | 326 |
| 'Ahina' | | ••• | | | ••• | 288 |
| Ahorátrá | | | | ••• | | 108 |
| Ahavan iya | | | ••• | | ••• | 11,249 |
| Âjyapa | | | ••• | ••• | | 88 |
| Åkrøgena rajaså- | | | a | | | 282 |
| Îkâsha | | | | | 42 | , 98, 119 |
| | from Mind | 1 | | | | 120 |
| ,, | e quality | | | | | 119 |
| şu | | | | | ••• | 55 |
| ns—Subsisting | on-cona | l to fasting | ••• | ••• | *** | 480 |
| -to be got i | - | _ | | | | 416 |
| -Method of | | | | | | 291 |
| hty power | | | | ••• | | 68 |
| tran- | | | | | | 60 |
| 11411 | | ••• | | | ••• | 439 |
| ag-to be | | y Religiou | | | | 470 |
| -Zodiac | | | ••• | | | 266 |
| 7- 7704740 | | | | ,,, | | 85 |
| atá ' | | | ••• | ••• | | 170 |
| 1, | | | ••• | | | 170 |
| • | ••• | | | | | 8 |
| | | | ••• | | | 82 |
| 108- | foremost | | ••• | | ••• | 189 |
| -6- | | | ••• | ••• | ••• | 56 |
| | | | | ••• | ••• | 398 |
| ır: | | Bråhmanas, | | | | 484,485 |
| | | | ••• | | | 286 |
| | ••• | ••• | ••• | | | 61 |
| | ded by Re | ligious Stu | | ••• | | 470 |
| | ui | | | | | 442 |

| | | | | | | | PAGB. |
|---------------------|-------------|----------|-----------|------------------------|-------------|------------|------------|
| Aigirasa- | referred to | O | | ••• | | | 432 |
| Angira's s | on-taught | his fatl | iers, and | called the | m'little | sons' | 413,430 |
| Angiras | | | | | | | 78,204 |
| Anna prâsk | una-cerer | nony | | | | ••• | 273 |
| ,, | | th mon | th | | | | 278 |
| " | | | family e | | ••• | | 278 |
| Anuvâ k as | | | | | | ••• | 178 |
| Antyesti | | | ·•• | | | | 230 |
| Apastambe | | | | | | ••• | 268 |
| | enjoins n | | | | | | 192 |
| Apes | | | | | | | 82 |
| Apâna | | •• | ••• | ••• | ••• | ••• | 190 |
| Apiirva | | •• | ••• | ••• | ••• | ••• | 181 |
| - | | •• | ••• | ••• | ••• | ••• | 80,84 |
| Apsaras | | | | ••• | ••• | ••• | 282 |
| | -excluded f | | | ••• | | ••• | |
| | -Brahmana | | | | ction with | ٠ | 283 |
| | riendship a | ınd Equa | ility amo | ong | ••• | | 406 |
| Aramb ha n | | | ••• | ••• | ••• | ••• | 329 |
| | u—hankerir | g after | visible : | ren wards | •• | ••• | 221 |
| Archayitve | î. | •• | | ••• | ••• | ••• | 19 |
| Arms | | | | ••• | ••• | | 74, 188 |
| Arthaváda | : . | | 10 | 3, 2 2, 33, 40, | 58, 130, 14 | , 198. 227 | |
| Arthavâda | -to be con | strued | with Inju | anctions | ••• | ••• | 184-195 |
| 10 | -also inju | nctive | | | ••• | ••• | 185 |
| •• | -Use of | ••• | | | | ••• | 188 |
| ,, | and Man | tras-a | ithoritat | ive | ••• | ••• | 198 |
| ,, | -First D | scourse | , wholly | | | | 144, 157 |
| ., | —Attainii | g of Im | mortalit | y, is | | | 170 |
| ,, | and Mar | itras | | • ••• | | | 199 |
| ., | -Injunct | ive pote | ncv of ~ | questioned | | | 199 |
| •• | -Authori | • | - | - | | | 200 |
| Arundhati | | | | | | | 81, 489 |
| Âryas | | | | | | | 286 |
| Aryâva rt a | | | | ••• | ••• | | 236,238 |
| • | · defined . | | | | | ••• | 285 |
| •• | -Literal n | | | | | | 236 |
| 11 Augus | | | | | | | 398 |
| Arogya Astrology | | | ·•• | | | ••• | 266 |
| Astronom | | | ••• | | | | 108 |
| Ashrama | - | | | | | ••• | 248 |
| | | | | 157, 159, 17 | | | 4 |
| Aşţakû B | | | | | | | 274 |
| | ites—indica | - | | | ••• | ••• | 286 |
| | ku-girdle— | | TAG TOL E | | Υ, | ••• | 158 |
| Ashes-W | | ••• | | ••• | ••• | ••• | 206 |
| Aşva medh | | ••• | ••• | ••• | ••• | 07 55 | |
| Asuras | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | | 66, 80, 84 |
| Ass | | • • • | ••• | *** | | | 8 |

| | | | | | | PAGE. |
|-----------------|--------------------------|-----------------|-------------|--------------------------|-------------|------------|
| A shval iyana S | shakhá of Rgve | da—8hyena | , not fo | und in | ••• | 411 |
| ,, | —Somayága, no | t found in | | | | 411 |
| ,, | — <i>V≀îjapeya</i> , not | found in | ••• | ••• | | 411 |
| ,, | — Bṛhaspatisav | a, not found | l in | | ••• | 411 |
| ,, | —Gṛhya | | | | | 258 |
| Attributes | ••• | | | ••• | | 43, 44, 90 |
| Atheists | | | | | | 216 |
| " —ru | led out of 'self | -satisfactio | n ' | | | 207 |
| Atharvana8 | | | | ••• | | 179 |
| Atharva | ••• | ••• | | | | 4 |
| Atharva Vede | aDaily study | of-to begi | n with ' | Teacher's we | o rd | 331 |
| ,, | Shakhas | ••• | | ••• | | 178 |
| ,, | - Vedic chara | | estione | ed | | 179 |
| Atirátras | • • • | | ••• | | | 174 |
| Atha mahávro | atam | | | | | 177 |
| Atmaván | | | | | | 149 |
| Atindriya | | | | | | 27 |
| Atmanastus | | ••• | | | | 206 |
| Âtmabhût | | | | | | 211 |
| Âtman-deno | ting prependra | | ••• | | | 163 |
| | itated upon | | ••• | ••• | | 254 |
| | -to be avoided | by Religion | | | | 470 |
| | erdict on study | | | | | 180 |
| Atri | | | | | | 78 |
| Author | | | | | | 1 |
| Aupanáyanan | | | | | | 276 |
| Auspicious | ··· | | | | | 246 |
| Austerity | | ••• | | 61, 64 , 78, 83. | | |
| | -futile—if disp | | | | , 02, 120 | 360 |
| | for Vedic stud | | atou | | ••• | 445 |
| | honoured like | • | wife | | ••• | 402 |
| | of—to be clasp | | | n <i>a</i> on ioneno | | |
| Authority-C | | cu, when on | | | | 403 221 |
| Audpikî vers | | ••• | ••• | ••• | | |
| Avakîrnin ri | | ••• | ••• | ••• | ••• | 299 |
| Avakirni | tes | ••• | ••• | ••• | ·•• | 480 |
| | lent—to subsist | l | ••• | ••• | ••• | 474,479 |
| | | | | !wala ba ana | | 480 |
| 11 " | | | | ively by one | | 480 |
| Avyakțam | *** | ••• | • • • | ••• | ••• | 26 |
| Avi—sheep | ha ensilad bu | Dalisians G | 4m.don4 | ••• | ••• | 289 |
| | be avoided by | - | | ••• | ••• | 470 |
| Avyayibhava | *** | ••• | • • • • | ••• | ••• | 27 |
| 'Ayana' | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 111 |
| Ayuşam | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 296 |
| Ayurveda | hi'a roturn (| reating | ••• | | ••• | 179 |
| | | | | | | |

В

| | | | | | | i Aus, |
|--------------------|------------|------------|--------------|--------------|---------|----------|
| Bad characters-F | Extermina | tion of | | | ••• | 152 |
| Bâdaráyana | | | | | ••• | 20 |
| 'Bahvrcha' | ••• | | | | | 259 |
| Bahuputra-a ber | edictory | name | | | | 272 |
| Bahuvrihi | | | | | | 311 |
| Balwaja-girdle -al | lternative | for Vais | hya | | | 286 |
| Balabhid | • • • | | | | ••• | 188 |
| Barbarians | | | | | | 286 |
| Basta-goat | | ••• | | . • . | | 284 |
| Bandhu- | | | | | | 281 |
| Bandhutva | | | | | | 280 |
| Bauddha | ••• | | | | | 37, 216 |
| Baudhâyana-enjo | ins name | s to be of | two or fou | r letters | | 268 |
| Bath-Moaning of | Injunction | on of | | | ••• | 447 |
| " Injunction | - | | tinuance of | Restraint | s and | |
| Observano | ces | | | | | 447 |
| Beginning of stud | v—its me | aning | | | | 828 |
| Being | , , ,,, | | | | | 88 |
| Beasts | ••• | | •• | ••• | | 82, 85 |
| Begging bowls | | ••• | | | | 158 |
| Begging of food— | | | | | | 877 |
| Beetles | | omaca o | | | | 88 |
| Bestowers of gifts | | | | | ••• | 127 |
| Bhùritejasah | | | | | ••• | 78 |
| 'Bhagavân'— Mean | | | | ••• | | 8 |
| Bhrgu | | | | ••• | 20, 78, | 104, 105 |
| Bhûta | | | •• | *** | ,, | 24 |
| Blessed Lord | | | | | | 93 |
| Blessed one | | ••• | | ••• | ••• | 8 |
| Bliss | | ••• | | ••• | | 124 |
| Birth-of Brahmay | | | *** | | | 426 |
| Bilva - wood for B | | | | | | 290 |
| Birth - through 8a | • | | perishable | ••• | | 428 |
| " – Vedic-He | | | • | · | | 429 |
| Rites of | | | | | 9, 246, | 249 266, |
| " -At Brahmic | | er is 'Fat | her' | | | 459 |
| , - ,, | | is ' Mot | | | | 459 |
| " —First—from | | | | | | 454 |
| "—Second—al | | | | ••• | ••• | 458 |
| Mhind ofte | | | - | | | 458 |
| " — in womb—i | | | ••• | | | 427 |
| " —Rites done | | | umbilica l c | | | 246 |
| 'Bhaiksam' | | •• | | | ••• | 292 |
| Bhasya-Upanisad | | | | ••• | • | 348 |
| | | | | | | |

| | | | | | | PAGE, |
|---------------------------|--------------|--------------|-------------|------------|----------------|----------------------------|
| ' Bhavat'—form of | addressi | ng the Initi | ate | | | 400 |
| Bhavati—form of | addressin | g a lady | ••• | ••• | | 400,401 |
| Bhavati bhikşâm (| dehi'— | | ••• | | | 249 |
| Bh îk şâ | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 292 |
| Bhojaka | ••• | | ••• | ••• | | 173,174, |
| Bhikşus | ••• | ••• | | | | 173 |
| Bhûḥ-Bh uva ḥ-Svaļ | -milked | out of thre | e Vedas | | | 336 |
| 'Bhoh'—to be use | ed in salu | tation | | | | 396 |
| Birds | | | | | | 82, 85 |
| Blood-relations-1 | 'riendship | and Equali | ty among | | ••• | 406 |
| Body | 5 ··· | ••• | | | | 45 |
| Body-made godl | y, by Vedi | c study | ••• | | | 251 |
| Brahmáñjali-exp | lained | | ••• | | 326, | 3 2 7, 3 2 9 |
| Brahmasatra—dai | ly recitati | on of Veda | | ••• | | 374 |
| ' B r ahmáhuti ' | ••• | *** | | ••• | *** | 375 |
| Brahmâ—creates | Mind | *** | ••• | | | 117 |
| Brahma-Day and | night of | | | | , | 112, 116 |
| Brahmâ- | | 32, | 33, 34, 36, | 40, 41, 52 | 2, 75, 76, 91, | 92 , 406 |
| "disappea | rance of | ••• | | | | 93 |
| " —Priest | | | | | | 125 |
| Bráhma tírthu— | ••• | | | | 305. | 306, 307 |
| . , — d | lescribed | | ••• | | , | 308 |
| Brahmic glory-fe | or boy des | iring upana | iyana in fi | fth year | r | 277 |
| | - | cy in Vedic | •- | | | 279 |
| ,, ,, | | | | | | 181 |
| * Bráhmí '-explai | | | | ••• | | 255 |
| ,, | | | ••• | ••• | | 254 |
| B ra lima n | ••• | ••• | | ••• | ••• | 254 |
| 'Brahman'-in th | | | | | ••• | 327 |
| " | | *** | | ••• | | 9, 69, 92 |
| Brahman—Sâvitri | in the mo | | ••• | | | 846 |
| | | ed by daily | | | | , |
| • | years | ••• | | | | 347 |
| | • | y means of | | liscussed | | 254 |
| " –Knowe | | | | | ••• | 124 |
| Brâhmîya n kriyatê | | ••• | | | ••• | 259 |
| Brahmâyajña | ••• | | | | | 253 |
| Brahmabandhu | | ••• | | | | 280 |
| Brahmacharis-to | | | | | | 284 |
| ,, | | h of hemp, | | ••• | | 284 |
| Brahmavâdin | ,, 0.00 | | | | ••• | 171 |
| 'Brahmavarta' | ••• | | | ••• | | 234, 239 |
| | | about usa | | | | WUZ, 400 |
| ,, -D | atory | | | | | 288 |
| Brahmarsis | | | | | | 234 |
| Brahmarşidesha- | next to R | | | | | 234 |
| . • | donasibad | | | | ••• | 804 |

| | | | | PAGE. |
|---------|---|----------|------------|------------|
| Brâhman | a—Birth of—in Veda | | ••• | 426 |
| ** | -his name should be auspicious | | ••• | 267 |
| Brahman | as—seniority among—by knowledge | ••• | ••• | 438 |
| ** | | | 8, 52, 73, | 74, 125 |
| ,, | -without learning-mere name | ••• | ••• | 484 |
| ,, | - " " -like wooden olepha | ants | ••• | 434 |
| ,, | - " " - " leathern dee | | ••• | 434 |
| 1) | -devoid of Veda-is worthless | | | 435 |
| ,, | -of Bråhmavarta and Brahmarsidesh | na—to | teach | |
| | Dharma to others | | • | 235 |
| ** | -of Brahmâvarta and Brahmarşidêsha- | -is like | eunuch | 435 |
| ,, | -name should connote peace | | | 269 |
| ,, | -should shrink from reverence | | | 440 |
| • | - " seek disrespect | | | 440 |
| 9) | -Superiority of | | ••• | 187 |
| ,, | -superior, regarding Dharma | | ••• | 187 |
| •• | -disiring piety-should constantly rep | est Ved | | 454 |
| ,, | -cldest | | ••• | 187 |
| " | -For-Veda-reciting is highest penanc | 30 | ••• | 454 |
| ,, | -created out of mouth | | ••• | 188 |
| " | -kesluinta ofi -n sixteenth year | | | 810 |
| ,, | -best among men | | ••• | 180 |
| ,, | -with friendly disposition | | ••• | 858 |
| " | -departing from Right Behaviour | | | 148 |
| ., | a—should be asked his 'welfare' | | ••• | 808 |
| " | —with convictions | | ••• | 140 |
| " | - to be treated as 'Father' by Kşattri | | | 408 |
| ,, | -who acts up to firm convictions | , 2, 200 | your onder | 140 |
| " | -For-the Savitrî lapses in sixteenth y | mar | | 280 |
| ,, | -knowing Brahman | | | 140 |
| ,, | -Of-Initiation by Gayatri | | | 281 |
| | -the eternal incarnation of Virtue | | ••• | 141 |
| " | - For-Gayatrî verse is 'Savitrî' | ••• | ••• | |
| ** | -born for the sake of Virtue | ••• | ••• | 280 140 |
| ٠, | -ceases to be related to Gâyatrî | ••• | ••• | |
| ", | -should not have any connection with | | ••• | 282 281 |
| ** | Brahmachârî—to wear black deer ski | - | | 284 |
| •1 | homnon alath | | ••• | |
| ٠, | " Abandald mindl | | ••• | 284 |
| " | - " - " threefold girdl | | ••• | 285 |
| ', | - " - " girdle of Muñj | | ••• | 285 |
| ** | For—sacrificial thread of cotton | ••• | ••• | 288 |
| " | —should have staff of Bilvu or Paldsha | ••• | ••• | 289 |
| *, | For - staff should reach his hair | ··· 、 | | 290 |
| ** | partaker of Supreme Bliss | ••• | ••• | 141 |
| 11 | Functions of | ••• | *** | 188 |
| ,, | -supreme on Earth Naming of—boy, on the tenth or twelfth | dor. | ••• | 141 |
| 91 | naming of boy, on the tenth of twellen | usy | *** | 266 |

| | | | | | | PAGE, |
|-----------------------------|----------------|-----------|------------|-------------|-------|--------------------|
| Brahmanas-Supren | ne Lord of | all being | ŗs | *** | | 141 |
| " —guardia | n of Virtu | е | | | | 141 |
| "—owner | of all thing | gs | ••• | ••• | | 142 |
| " -deserve | es everyth | ing | | ••• | | 142 |
| "Other | people en | joy thin | gs only | through | good | |
| will | of | | | | ••• | 142 |
| " – Upa na | yana of—ir | eighth : | year | ·•• · | | 276 |
| "Parivr | aja k a | | | | | 54 |
| " -Institu | ites promu | lgated f | o r | *** | ••• | 143 |
| | ority of-d | lescribed | , by way | of eulogium | ı , | 143 |
| "Murde | r of | ••• | | | | 10,15 |
| | ly and exp | ound the | Institut | | | 144 |
| Brahmanas-part o | f Veda | | | | | 177 |
| Brahmana-texts | | | | | | 57 |
| Brâhma marriage | | ••• | | | | 152 |
| Breath-control | | | | | | 150 |
| Breath-suspension | | | | | | 333, 334 |
| " | -highest a | ustority | | | | 347 |
| Brhadaranyaka Up | nişad | | | | | 254 |
| Brhadrathantra | | | | | | 312 |
| Brhat-Sâman | | | | | | 812 |
| Brhaspatisava no | t found in | | iana shák | | | 411 |
| Brother's wife-Fe | | | | | | 404 |
| Bridegroom-Way | | - | | ••• | | 416 |
| Buddha | | | | ••• | | 173 |
| Buddhi | | | | | | , 118, 161 |
| Bugs | | | | | | 83.86 |
| Bulls | | | | | | 56 |
| Butter-Feeding e | | | | | | 257 |
| | | | ••• | ••• | ••• | 207 |
| | | | | | | |
| • | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | C | | | | |
| 0-1 | | | | | | |
| Calumniating- to 1 | | by the R | eligious | Student | ••• | 471 |
| Castes | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | 8 |
| " —Intermed " —Different | | | ••• | ••• | ••• | 8 |
| 177 - 11-11 | |)I | ••• | ••• | ••• | 138 |
| " - Four | | *** | ••• | ••• | ••• | 148 |
| " —a ground | or subcrio | • | ••• | ••• | ••• | 409 |
| , —Duties of | | | | | 1 | 53,155 24 3 |
| Casuist's argument | | iuthority | or sacrif | | ••• | 213 |
| " " | ** | ** | ,, | -contro | vered | 214 |
| Cattle | | | ••• | ••• | ••• | 82, 85 |
| Cattle-tending-fu | nction of t | no Vaish | ya | •• | ••• | 135 |

| | | | | | | PAGE. |
|------------------------|----------|----------------|-------|---------------|-----------|------------|
| Cause | | ••• | | | | 36 |
| " and effect- | -connot | ს | | -** | ••• | 208 |
| Cavities—to be to | uchod v | with water | | | | 298 |
| Cavities' -means | holes i | n the head | | | | 801 |
| Celestial regions | | | | | | 79 |
| <i>Chakşuşa</i> — Manu | ••• | | | | | 107 |
| Chârvákas | | | | | ••• | 216 |
| Ohaityas | | | | | ••• | 11 |
| Ohauda | | | | | ••• | 246 |
| Chaturvidham | | · | | | ••• | 219 |
| Chandala | | | | ••• | ••• | 238 |
| " - seeing | food, m | akes it impur | v | | | 296 |
| Chastisement of p | upils | | | | | 436 |
| Charity | | | | | | 125, 132 |
| Charudati an aus | picious | female name | | | ••• | 271 |
| Chaturdashi | | ••• | | | | 374-875 |
| Chhándogya · U pani | şad—qu | oted | | 25 ,128, 160, | 167, 194, | 348, 432 |
| Child Sacrament | on birt | h of | | | | 257 |
| "-teaching V | eda, is | father' | | ••• | | 480 |
| ., -Kavi-taug | ht his f | athers, and e | alled | them 'little | sons' | 180-481 |
| Child '-connotes | ignora | nt person | | | | 431 |
| Childrenmake b | ody god | ly | ••• | | | 251 |
| Citizens-Friends | hip and | equality amo | ong | ranges with | in ten | |
| years | | | | | | 406 |
| Chándráya na | •• | | ••• | *** | 150 | 0, 442-443 |
| Chida What is | | | | ••• | | 271 |
| Chidakarana cere | mony | ••• | | ••• | ••• | 274 |
| Clean pupil - to be | e taugh | t for 'merit' | | | | 379 |
| Clan-name | | ••• | | ••• | ••• | 260 |
| Clasping of the fe | | lained | | ••• | ••• | 328 |
| ,, ,, | -Me | thod of | | | | 330 |
| Cleanlines | | | | • | | 462 |
| " ·-one o | f the fi | rst duties tai | ight, | after Initiat | ion | 324 |
| .,expla | ined | | | | | 324 |
| Cloth-to be worn | by Br | ahmachâris | | ••• | | 284 |
| Cleansing of thin | | | | | | 152 |
| Clothing - Light- | - | ed | | | | 326 |
| Clouds | | | | ••• | ••• | 81 |
| Clumps | | ••• | | ••• | | 90 |
| Colour | | ••• | | | , | 44 |
| " — Quality | | ••• | | | | 121 |
| Collyrium—to be | | | | dent | | 470 |
| Comets | | | | ••• | | 91 |
| Competent-pupil | | | | | | 379 |
| Competent—pupi | | | | | | 151 |
| Cooked sacrifices | | | | | | 423 |
| Company-nurific | | | ••• | | | 146 |

| | | | | | | | I AUD. |
|-----------|-----------|-------------------------|----------------|-------------|--------|-----------|----------------|
| Compulso | ry acts | 144 | | ••• | | 148, 164, | 254, 256 |
| 71 | | -done wi | thout ide | a of reward | | ••• | 25 6 |
| Conflict | of autho | rities | ••• | ••• | ••• | | 223 |
| ., | -betwe | en Vedic | texts | | | ••. | 228 |
| ,, | - " | ,, | me | ans option | | ••• | 328 |
| ,, | - " | ,, | | ample of | | ••• | 224 |
| Control | | | | | | | 854 |
| Constitue | | | ••• | ••• | ••• | ••• | 90 |
| Concepti | | | | ••• | ••• | | 7,229,245 |
| Consecra | | | | ••• | ••• | | 249 |
| ,, | | | t peculian | | | | 247 |
| Copses | | | ··· | | | | 90 |
| • | | | | nducive to | | | • |
| Countries | | ults | | | | | 239 |
| | | | | | | | |
| " | - | | - | ompted by | | | 239 |
| | | | - | orming duti | es | *** | |
| ,, | - | ed –desci | | ••• | ••• | ••• | 231 |
| ,, | fit for | the perfo | rmance of | Dharma | ••• | ••• | 231 |
| Country- | - between | n Himâlay | a and Vin | dhya | ••• | | 235 |
| | | by the go | | | | | 231 |
| Congluti | nation | | | | | | 47 |
| Cooking | | ••• | | | | ••• | 47 |
| Configura | | ••• | ••• | | | | 47 |
| Consecra | | ••• | | | | | 245 |
| Consciou | s entitie | | | | ••• | ••• | 92 |
| Concaion | tions Ro | callantion | of Dight. | eous men_i | | | |
| Conscien | tious ive | COHECTION | or reigno | | | | 170 100 |
| | _ | 0. | | 10 | dge of | Dnarma | 172,189 |
| Corporea | | | ••• | ••• | ••• | ••• | 24 |
| Course o | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 442 |
| Creator | | | | ••• | ••• | ••• | 98 |
| ., | -of all t | • | ••• | ••• | ••• | ••• | 253 |
| Creation | | | | ••• | ••• | ••• | 23,124 |
| - " | | ent for t | | ••• | ••• | ••• | 124 67 |
| | - | ent on ka | | ••• | ••• | ••• | 90 -9 1 |
| Creepers | | ••• | ••• | ••• | ••• | •• | 227,280 |
| Cremator | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 212 |
| | | de and Co | 1rti, proh | ihitad | : | ••• | 213 |
| ,, | | | | Intea | ••• | ••• | 68 |
| Creature | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 88 |
| Crocodil | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 96 |
| Crow's te | | on of r elia | hility | ••• | ••• | ••• | 281 |
| Culture- | | | - | ••• | ••• | ••• | 205 |
| Custured | пен | ••• | ••• | ••• | ••• | | 4U0 114 197 |

D.

| | | | | | | PAGE. |
|-----------------------------|-------------------|------------|--------------|-------------|-----------|-------------|
| Dadhi-stands for W | ordly Pro | sperity | | | | 376 |
| Da iva-tírtha | ••• | *** | ••• | | 30 | 5, 306, 307 |
| " —desc | ribed | | | | ••• | 308 |
| Darkness | | | | | 21, | 24, 90, 98 |
| Darshapûr namâsa | | | | 12, 166, | 298, 329 | 8, 428, 482 |
| Dates-Punya | | | ••• | | ••• | 266 |
| " - Rikta not ce | ommended | | | | ••• | 266 |
| Day | | ••• | | | ••• | 108, 109 |
| " —of Brahmâ | | | | ••• | | 112 |
| Dancing—to be avoi | ided by Re | eligious S | tudent | | | 470 |
| Dákinî -a harsh nan | | | | | | 271 |
| Day and Night | | | | ••• | | 108-109 |
| " —of | Pitrs | | | | | 110 |
| | gods | | | | ••• | 111 |
| | Brahmâ | | | | | 114 |
| ' Dâshatayîranu' | 21 (111111 | | | ••• | *** | 200 |
| Declamatory | | | | | | 145 |
| Deep sleep | | ••• | | | | 25 |
| | ••• | | ••• | ••• | | 82,85 |
| Deer | | ••• | ••• | ••• | | 198 |
| Deity—Definition of | I dinawaa | | ••• | ••• | | 490-491 |
| | | | and Amth | nasidan | | 491 |
| ., —forms of—di Delusion | | | | | ••• | 159 |
| | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 95 |
| Depression | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 98 |
| Departure | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 16 |
| Descriptive passage | es | ••• | ••• | ••• | ••• | 362 |
| Dêvadâru | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| Dêvas | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 37, 55, 61 |
| Deva d atta | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 77 |
| Degrees of respect | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 406 |
| Desire | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 61 |
| " -never appe | | | ••• | ••• | ••• | 358 |
| " —has its roo | | ght | ••• | ••• | ••• | 167 |
| Desires—several—C | | | ••• | ••• | ••• | 354 |
| " -Restraint | ofmeanii | ng of | ••• | ••• | | 354 |
| " —has its roo | • | • | ••• | ••• | ••• | 169 |
| ., -prohibited | | _ | | | ••• | 171 |
| " Prohibitio | n of—as ex | plained b | y Vedan | tins | ••• | 171 |
| "—Renunciat | ion of—be | tter than | attainm | ent | •• | 359 |
| " —not right | to be abso | rbed in | ••• | *** | ••• | 163 |
| " —No absence | e of | ••• | ••• | ••• | ••• | 168 |
| Dharma | | | 5, 9, 21 | 52, 61, 126 | , 181, 14 | 7, 161, 178 |
| " — described | as milk | | ••• | ••• | ••• | 376 |
| " Person en | | | | ••• | ••• | 227 |
| " —to be taugl | ht by Brah | maņas resi | ident in l | Brahmåvar | ta and | |
| Brahmar | | | | | ••• | 231 |

| | | | | | | | PAGE. |
|-----------|--|-------------|-------------------|------------------|-------------|-------------|-------------|
| Dhurma- | -Five kinds | ofacco | rding to | Smṛtivivar | na | ••• | 243 |
| | -Varaņa | ••• | ••• | | | | 248 |
| ,, - | –Ashrama | | ••• | ••• | | | 243 |
| ,, - | –Var <i>nás</i> hrai | та | | | | | 243 |
| ,, - | -Guna | ••• | | | | | 248 |
| | -Source of | | | | ••• | ••• | 243 |
| | Treatise or | -should | supply d | definitions | | | |
| *, | | ••• | | | | | 314 |
| ,, | -perfect in i | | | ••• | | | 125 |
| | -Variations | • | | | ••• | | 132 |
| | -expounded | | | | | | 148 |
| • • | -adumbrate | | • | | ••• | ••• | 148 |
| | -Highest-is | • | | ••• | ••• | ••• | 149 |
| | -expounded | | | ••• | ••• | ••• | |
| | • | • | | ••• | ••• | ••• | 149 |
| | -The term- | • | | ••• | ••• | ••• | 181 |
| | | | | ••• | ••• | ••• | 157 |
| | -Sources of | | e of | ••• | ••• | 1 | 57,172 |
| | -how learnt | | ••• | ••• | ··· | ••• | 181 |
| " | - has four fo | et | ••• | ••• | ••• | ••• | 195 |
| ** | - Double sen | se of the v | vo rd— (1) | act and (2) |) merit | ••• | 201 |
| ,, - | -Right unde | erstanding | of | | | | 218 |
| 1, | - Knowledge | of-for po | ople not | addicted | to pursui | t of | |
| | wealth an | d pleasure | 9 | | ••• | | 22 0 |
| ,, - | -For seckers | of—Reve | aled wor | d, the sole | authority | ••• | 220 |
| ,, - | -The Brâhm | aṇa, in m | atters re | lating to | ••• | ••• | 197 |
| Dharmas | hâstra-con: | sits of Sn | ıŗti | | *** | | 211 |
| ., | and V | eda—abov | e critici | sm | | | 211 |
| Dhanasic | ddhi—an aus | picious na | ame | | | | 268 |
| Dîksita | | | | | | | 400 |
| Dhruva | | ••• | | | | | 81 |
| | rman—a nan | e connoti | ng wealtl | | | ••• | 269 |
| - | arman – an a | | | | | ••• | 268 |
| Dîksanîy | | - | | | | | 399 |
| Dialectic | | • | | | | | 216 |
| Dialoculo | -Reliance | | | ••• | | | 218 |
| Dint W | hat is—which | - | | orit 9 | | | 465 |
| | irbhûyâḥ—a | | | | ••• | ••• | 396 |
| | | | | | ••• | ••• | 440 |
| • | ct – Bráhmai e I – In – a ll | • | | . all the re | | | 157 |
| | | | | • | | | |
| • | on-Vitiate | | - | ~ | | ••• | 360 |
| - | of damaged | | i, etc. | ••• | ••• | ••• | 316 |
| | -Times of | | ••• | ••• | ••• | *** | 158 |
| | ed for living | | ••• | | | ··· | 242 |
| Dissoluti | | | ••• | 22, 25, 52, | 58, 67, 98, | 95, 97, 11° | |
| •• | Interme | | ••• | ••• | ••• | ••• | 117 |
| | contemptible | e name | ••• | ••• | ••• | ••• | 269 |
| Divina R | Aino | | | | | | 94 |

| | | | | | | PAGE. |
|---------------------|-------------|--------------|-----------------|----------|-----------------------|-----------|
| Divine Cycles | ••• | | | | | 114 |
| Divinities | ••• | | | | | 54 |
| Dṛṣadvatî | | ••• | | | | 281 |
| Dvijâtîn â m | | | ••• | | | 230 |
| Dualism | | | . | | | 54 |
| Duryodhana-a na | me connec | ted with | | | | 268 |
| Dvdpara | | | | | 114. | 130, 132 |
| Dynasties-Laws | | ••• | ••• | | | 155 |
| Duty-defined | | | | | | 17 |
| "of living | | | | | | 492 |
| Duties | | | | | ••• | 245 |
| " —of Twice-b | | | | ••• | ••• | 322 |
| | ,,, | | | | | 155 |
| | | ••• | | ••• | | 5 |
| C1 . | | | | ••• | | 324 |
| | | | ••• | ••• | ••• | 209 |
| "to be enter | - | | T:4!-4!- | | ••• | |
| .,, taugl | ht to the p | - | | | ••• | 324 |
| " – " | ,, | | anliness | ••• | *** | 324 |
| 11 11 | ** | _ | ht Behavio | our | ••• | 324 |
| ,, - ,, ,, | ** | | e-tending | ••• | • • • | 324 |
| ,, ,, ,, | ,, | -Tw | llight Dev | otions | | 824 |
| "of the Ini | tiated Boy | ••• | ••• | ••• | ••• | 377 |
| 99 | ,, | —other th | an Fire-Ki | ndling—i | neum- | |
| bent, | in succeed | ing life-sta | ges also | ••• | ••• | 377 |
| | | | | | | |
| | | | | | • | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | , | 7 | | | |
| | | | E | | | |
| Earth | *** | : | | | ••• | 30, 32 |
| ., -after wate | r | ••• | ••• | | | 122 |
| " odourThe | quality of | | | | ••• | 122 |
| Hast-Facing of- | | ting—brin | gs longevi | ty | | 296 |
| Eastern Ocean | ••• | | | | | 285 |
| Eating-with fac | | | | | gevity | 296 |
| | | South | | fame | - | 296 |
| ,, – ,, | ** | West- | | | perity | 296 |
| ,, ,, | •• | | - " leads to | • | | 296 |
| ,, ,, | ** | MOPUL | | one true | | 3 |
| Economics | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | |
| Ekdha sacrifice | ••• | ••• | ••• | | | 288 |
| Egoism | *** | ••• | ••• | 38, 48 | 3, 44, 45, 4 1 | |
| Egg | ••• | | | | | 2, 41, 76 |
| Egress ceremony | | | be perfor | rmed in | fourth | |
| | mont | | *** | ••• | ••• | 278 |
| 19 | -for Shad | lra also | .,. | ••• | ••• | 278 |

PAGE.

•••

...

828

380

| Elemental Princip | les | | ••• | | | 43 |
|---------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|--------|------------|
| ,, | -Substa | ances | | 46, 47, 48, | 49, 66 | , 120, 122 |
| Elements— | | ••• | | | | 67 |
| Elements-Rudime | ntary | | | | | 38 |
| Elephant | | | | | | 70 |
| Elder-On approac | h of—the | vital breat | ths of the | vounger r | ush | |
| out | | | | | | 382 |
| " -Salutation | of-brings | | | | | 391 |
| , ,, | - ,, | merit | ••• | ••• | | 391 |
| ,, - ,, | - ,, | fame | ••• | | | 391 |
| .,, | ,, | strength | | | | 391 |
| Equanimity under | ill-treatme | 1,5 | | | | 440 |
| Energy | ••• | ••• | ••• | ••• | | 44,91 |
| Entitled | | | ••• | | | 227 |
| 'Entire Veda '-An | other exp | lanation of | | | | 186 |
| EnquirerUnlawfu | | | | | | 881 |
| ,, ,, | -incurs | unpopulari | tv | | | 38 |
| Esoteric treatises- | | | | | | 419 |
| | | rnt along | with Veda | | ••• | 454 |
| | -Brahmana | | | | | 438 |
| Eternal Laws | | | | | | 155 |
| Eunuchs | | | | | | 26.2 |
| Evolvent | | ••• | | | | 121 |
| Original | ••• | | | | | 24 |
| Evolutes | ••• | | | | | 44 |
| Example—as a sour | | | | | | 221 |
| Exigetics | | ···· | | | ••• | 144, 220 |
| Exhortations | *** | | | | | 180 |
| External philosoph | | ••• | | | ••• | 158 |
| Existent and Non-e | | ••• | | | ••• | 36, 43 |
| Expiation | | ••• | ••• | ••• | | , |
| 12x practom | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 153 |
| | | | | | | |
| | | F | | | | |
| Father—excels ter | - | | | | | 425 |
| " —excelled b | | | ••• | | ••• | 425 |
| ' Father '—name ap | plied to or | e who brin | igs about h | irth in V | eda | 429 |
| Father-in-law-For | | | ••• | | | 401 |
| Father's sister—to | be treated | as mother | · | | ••• | 403 |
| Fasting | | ••• | *** | ••• | | 150 |
| Feet | | ••• | ••• | ••• | | 74, 198 |

" 'clasping'-explained ...

". " —Method of ...

| | | | PAGE. |
|--|---------------|-------|---------------------|
| Final Bath—Fire-kindling and other duties to | continue til | 11 | 377 |
| Final Release | ••• | | 2, 254 -2 55 |
| Fire-tending-one of the first duties taught af | ter Initiatio | on | 324 |
| "—explained | | | 325 |
| .,to be continued by the Initiated | | th | 3 7 7 |
| Fire-Circumambulating of-before going for a | lms | ••• | 291 |
| Fires—Science of the Five | ••• | ••• | 200 |
| Fire-laying Rite | ••• | | 423 |
| Fishes | ••• | ••• | 8 2 , 85 |
| Five Fires—Science of | ••• | ••• | 200 |
| Flavours-to be avoided by Religious Student | | ••• | 469 |
| Flaxen cloth to be worn by Kşattriya and Brá | ihmaņa | ••• | 284 |
| Flies | | | 83, 86 |
| Female | ••• | ••• | 76 |
| Females-Sacraments for | | ••• | 320 |
| " " ,, all, but without me | ıntru | *** | 320 |
| "—No Upanayana for | ••• | ••• | 321 |
| " - " Residence with Teacher for | ••• | | 301 |
| " - " Fire-tending for | | | 321 |
| " -For-Upanayana consists of Marriag | e | .,. | 321 |
| ,,, -service of Husband, constit | utes Resid | lence | |
| with Teacher | | | 321 |
| ,, - ,, -Household duties, constitute Fi | re-tending | | 821 |
| ,, —Rites for | то тошить | ••• | 264 |
| ,, —not related to one—should be address | sed as 'Lad | lv ' | 400 |
| " | " 'Ble | • | 400 |
| | " 'Sist | | |
| Feeding of Brahmanas—a form of disposal of sa | | | 400 |
| to 1 0 C - 4- | CITICIAI IBA | | 484 |
| m., | ••• | ••• | 488-484 |
| | ••• | ••• | 484 |
| " ceremony | ••• | ••• | 273 |
| ", ", —in the sixth month … | | ••• | 273 |
| Food—obtained in alms—to be made over to Te | | | 294 |
| " -to be eaten with face towards the East | ••• | ••• | 294 |
| " — " worshipped | ••• | ••• | 302 |
| ,, -not to be disparaged | ••• | ••• | 302 |
| "—to be rejoiced at | ••• | ••• | 302 |
| " – " welcomed | ••• | ••• | 302 |
| " -worshipped -imparts strength | ••• | ••• | 303 |
| " —eaten irreverently, brings ruin | ••• | ••• | 308 |
| ,, -Leavings of-not to be given to any one | • ••• | ••• | 808 |
| "—in between-forbidden) | | ••• | 883 |
| " – " – explained | ` | ••• | 304 |
| " -Over-eating-forbidden | | ••• | 808 |
| " -Particles of-should not be carried on l | юау | ••• | 308 |
| Tomful | * | | 150 |

| | | | | | PAGE. | | |
|---|-----------------|-----------|----------|-------|-------------|--|--|
| Food-Forbidden | | | | • • • | 152 | | |
| " -Formula for beggi | | | • • • • | | 292 | | |
| " -to be begged first | 0 | | | | 294 | | |
| Formula—to be renounce | | | | ••• | 330 | | |
| " Daily start and | - | | stuaj | | 330 | | |
| | 37-1 | urveda | | *** | 381 | | |
| ,, ,, ,, | 410 | | | ••• | 331 | | |
| ,, - ,, ,, | D. | | ' | ••• | 331 | | |
| ,, -,, ,, | " Rgv | | ••• | ••• | | | |
| ,, -,, | " Atha | | ••• | ••• | 381 | | |
| " -for bogging for | | ••• | ••• | ••• | 292 | | |
| Freedom from distemper- | | - | • | *** | 398 | | |
| " disease— | ٠, , | , Shûdra | • ••• | ••• | 398 | | |
| Friendly disposition-ma | kes Brāhmaņa | ٠ | ••• | | 353 | | |
| Frightful cpcle of births | and deaths | ••• | | ••• | 92 | | |
| Fruit of the Veda | ••• | ••• | | | 149 | | |
| Fruit-bearing trees | ••• | | | | 88 | | |
| Friendship-among citize | ens-ranges w | ithin ten | vears of | age | 406 | | |
| " — " artists- | | , five | • | ,, | 406 | | |
| " – " learned | | , thre | | ,, | 406 | | |
| | elations—rang | | | | 406 | | |
| 4 - 4 3 | | | | orme | 408 | | |
| ·- | ••• | ••• | ••• | ••• | 252 | | |
| Fuel-Laying of | ••• | ••• | ••• | ••• | | | |
| " - to be placed 'in th | | ••• | ••• | ••• | 478 | | |
| Functions | ••• | ••• | ••• | ••• | 47 | | |
| " —of castes | ••• | ••• | ••• | ••• | 138 | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | G | | | | | | |
| Gadflies | ••• | ••• | ••• | ••• | 83,86 | | |
| Gandharva | ••• | ••• | ••• | ••• | 61,80 | | |
| Gairgâ | ••• | ••• | ••• | | 102 | | |
| Gambling | ••• | ••• | ••• | ••• | 15 2 | | |
| " —to be avoided | l by the Religi | ous Stude | nt | ••• | 471 | | |
| 'Gana-Dharma' | | ••• | | ••• , | 243 | | |
| Garbhastama—time for B | râhmana's Upo | mayana | | ••• | 276 | | |
| Garbhádhána | | | | | 247 | | |
| Gđvi | | | | ••• | 58 | | |
| Gavimayana | | | ••• | | 129 | | |
| | | | | | | | |
| Gautama 193,201,224,244,255,256,290,309,310,311,312,326,328,834,335,359,378 899,406,413,461,469,471,478,482 | | | | | | | |
| • | 10,201,200,2/1, | • | | | 909 | | |
| Gautuma Háridrumata | ••• | ••• | ••• | ••• | 283 | | |
| Gautamu-Sûtra | | ••• | ••• | ••• | 289 | | |
| "—an arth | | ••• | •• | ••• | 255 | | |
| Gentle pupil-to be taug | nt for merit i | | ••• | *** | . 379 | | |

| | | | | | | PAGE. |
|------------------|--------------|------------|----------------|---------|-----------|-------------|
| Gârgî | | | | | | 254 |
| 'Garlanded'—Me | aning of | | ••• | • • • • | | 455 |
| Garland-means | ronunciat | ion of | Restraints | by H | teligious | |
| | Student | | | | ••• | 456 |
| Gâyatrî—versc | ••• | ••• | | | ••• | 386 |
| " -related | to Brāhma | 11 | ••• | | ••• | 282 |
| " – verse—i | is the Sávi | trî for tl | ne Brâhmaṇa | | ••• | 282 |
| " -along w | ith Pranaz | a and Sh | iras | | ••• | 834 |
| " -verse- | Origin of | | | | ••• | 33 7 |
| " metre—fo | r initiation | of Brâh | mana | | ••• | 281 |
| " —to be re | peated a 1 | 000 times | · | ••• | | 342 |
| " A 1000 tin | nos' repeti | tion of | lestroys min | or sins | ••• | 343 |
| " Without | -Twice-b | orn man | becomes ope | n to od | lium | 845 |
| Generation | | ••• | ••• | ••• | | 46 |
| (thrta-scent | | | ••• | | ••• | 469 |
| Girdle-investitu | ıre | | ••• | | | 276 |
| " -to be wor | | manas | | ••• | | 285 |
| " -of Muñjo | - | • | hmacharis | | | 285 |
| | tring for B | • | | | | 285 |
| | n fibres fo | | | | ••• | 285 |
| " -threefold | | | ••• | | | 285-286 |
| " -of even t | hickness | | ••• | ••• | | 285-286 |
| " -soft and | smooth | | ••• | ••• | | 285-286 |
| " -of Kusha | , an altern | ative for | Brâhmana | ••• | | 286 |
| " -,, Ashmai | itaka, , | . ,, | Kşattriya | | | 286 |
| " -" Balvaj | | | Vaishya | | ••• | 286 |
| " - Damaged | • | | to water | ••• | | 315 |
| | | placed | *** | | ••• | 315 |
| | ving of—m | an not | entitled to re | ligiou | s acts | 460 |
| | uring Obs | | | ٠ | | 463 |
| Giving of gifts- | _ | | | | | 134 |
| ,, – | ,, | | ishya | • • • | | 135 |
| Gnats | ••• | *** | | 140 | | 83, 85 |
| Goat-skin-to be | | | | | *** | 284 |
| Godliness | | | ••• | ••• | ••• | 258 |
| God | ••• | | ••• | ••• | ••• | 67,68 |
| Gods-Creation | | ••• | *** | ••• | ••• | 54 |
| Gods | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 138 |
| Goodness | | ••• | ••• | ••• | ••• | 91 |
| Gold -Feeding t | | | ••• | | ••• | 257 |
| Go-balivarda | | | | ••• | | 380 |
| Gomán – a name | | | | | | 269 |
| Golden Egg | | | | | | 89 |
| Go-sharman—an | | | | | ••• | 268 |
| Gotra-rsis | | | ••• | | ••• | 46 |
| Gotra | ••• | ••• | ••• | | | 259-266 |
| Good-highest | | ••• | | ••• | | 15- |
| | | | | | | 10 |

| | | | | | | PAGE. |
|---------------------|-------------|--------|---------------|---------|---------|-----------|
| Good men—Qualifi | cations of | | ••• | ••• | ••• | 158 |
| Grammar | | ••• | ••• | ••• | ••• | 158 |
| Great | ••• | ••• | ••• | | 14 | 4,209,220 |
| Great Soul | ••• | ••• | | | | 96 |
| Great Sages | ••• | | ••• | | ••• | 5,18,19 |
| Grass-girdle | ••• | | | ••• | | 246 |
| Graha-yága | ••• | | | | | 253 |
| Grandfather | ••• | | | | | 32-33 |
| Grass-bed | | ·•• | | | | 252 |
| Grasses | | | ••• | | | 90 |
| Grávan | | | | | | 55 |
| Great Night | | | | | | 26 |
| Great Principle-I | ntelligence | o | | | | 118, 120 |
| Great Sacrifices | | | ••• | | | 152 |
| ,, —n | nake body | godly | | | ••• | 251 |
| Greed | | | | ••• | ••• | 159, 161 |
| Gross | | | ••• | | | 66 |
| Gross Body | | | ••• | | | 47 |
| Grhyasûtras | | | 193, 247, 257 | 258, 27 | | |
| Grhyamantras | ••• | | | | | 200 |
| Grtsamada | ••• | | | ••• | | 467 |
| Greatness attained | | | | | | 432 |
| Greatest—Teacher | | | | | | 482 |
| Grhyas | | | ••• | | | 258 |
| as the W | | | ••• | | | 258 |
| | | | | ••• | ••• | 258 |
| tha Vá | | | | | | 259 |
| Guchchha | | *** | ••• | | | 50 |
| Gulma | | | | ••• | | 90 |
| Guilds—Laws rega | | | ••• | | | 155 |
| Gunds—Laws rega | ituing | | | | | 378 |
| Guru-Meaning of | title | | | | ••• | 422 |
| , —one who per | | | | ••• | | 422 |
| | pports wit | | | | ••• | 422 |
| | | | | | ••• | |
| " —also one wh | o benents | оу шеа | us of Knowle | age | ••• | 429 |
| | | | | | | |
| | | _ | _ | | | |
| | | E | L | | | |
| Hails | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 81 |
| Haimavatî | | ••• | ••• | ••• | • • • • | 102 |
| Hard-heartedness | ••• | | ••• | ••• | ••• | 70 |
| Harsh words-not t | to be used | ••• ` | ••• | ••• | ••• | 439 |
| Harmlessness | ••• | ••• | ••• | ••• | | 70, 78 |
| Happiness | | | ••• | | ** | 61 |
| Harmony | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 44, 91 |
| Haridrum ata | | ••• | ••• | ••• | ••• | 283 |
| 'Hayana'—is samu | itsara | ••• | ••• | ••• | ••• | 432 |

| · | | | | | | | 4=0 |
|--------------------|--------------------|---------------|-------------|-------------|---------|-------------|----------------|
| Hate | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 159 |
| Heart | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | 161 |
| Heaven | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 14, 82, 64, | |
| | m'—a forn | | | | periors | ••• | 40 L |
| - | cloth—for l | Brāhmaṇa | Brahmach | a ri | ••• | *** | 284 |
| Hermaph | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 76, 264 |
| Heretics | Laws reg | arding | ••• | ••• | ••• | ••• | 155 |
| | ınd Earth | ••• | ••• | • • • | ••• | ••• | 82, 42 |
| Highest | good | ••• | ••• | | | ••• | 154 |
| High-sou | led | | ••• | ••• | | ••• | 19,88 |
| Himâlayı | a | | | | ••• | ••• | 235-236 |
| Himsâ | ••• | *** | | | ••• | ••• | 187 |
| Himavat | ••• | | | ••• | ••• | ••• | 102 |
| Hiranyal | tsa | ••• | | | | ••• | 80 |
| History | ••• | ••• | | | • • • | ••• | 220 |
| Hiranya | garbha | | | ••• | 22, 26, | 30, 32, 33, | 102, 387 |
| Hiranya | sharman — a | n auspicio | us name | | | | 268 |
| | -Non-obse | | | | | | 378 |
| • | -not observ | | | ie auxilia | aries | | 373 |
| ", - | - ,, | _ | nection w | | | ited at | |
| ,, | | • | | | Oblati | | 373 |
| ., - | ,, | , in dai | ly recitati | ion | | | 374 |
| Homa | ,,, | | | | | *** | 225, 252 |
| | -perishable | | ••• | ••• | *** | | 350 |
| " | Feeding of | | | | | | 257 |
| - | to be avoid | | | | ••• | | 469 |
| Hotr | | | | | | | 125 |
| | ld duties— | | | | | | 321 |
| | lder—Initia | | | | | | 152 |
| | | y Veda-re | citing by | | | | 338 |
| " | -Duti | • | | ••• | | | 253 |
| " | | study of | | | ••• | ••• | 382 |
| je Wasta kalen | aStory of | | roug by | | | ••• | 295 |
| | Life—Span | | ••• | | | | 128 |
| | • | | ••• | ••• | ••• | ••• | 64 |
| Hunger Hurtfult | | ••• | ••• | ••• | •• | ••• | 70,72 |
| | less Land Wife- | Dutter of | ••• | ••• | ••• | ••• | 152 |
| | l—Serving | | | | | | 321 |
| | _ | | | | | | 180 |
| Hymns | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | 100 |
| | | • | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | I | | | | |
| Lanoran | t person— | nellad Cabi | 14 ' | | | | 431 |
| 'Ikhê tı | - | - | ••• | ••• | ••• | | 59, 827 |
| | ment—Equ | animity u | nder | ••• | | | 440 |
| | | | | | | | |

| | | | | | | PA(III. |
|---|--------------|------------|---------|-------------|-----|--------------|
| Illusory Modificatio | ns | | | | | 29 |
| Immortals—Position | | | Right | Behaviour | | 170 |
| Immortals | ••• | | ••• | ••• | | 169 |
| Impotent | | ••• | | ••• | | 264 |
| Immovable things | ••• | | | ••• | | 88 |
| " beings | | | | ••• | | 86 |
| Immovable | ••• | ••• | | ••• | | 100 |
| Imperishible One | | | ••• | | | 101-102 |
| Impregnation | | ••• | | ••• | ••• | 151 |
| Inanimate | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 56 |
| Inconsistency | ••• | ••• | ••• | ••• | | 226 |
| Individual | ••• | ••• | | ••• | *** | 100 |
| " —souls | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 99 |
| Inertia | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 44 |
| Injunctions—Vedic | | ••• | ••• | ••• | ••• | 198 |
| " | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 9, 102 |
| Indrabhûti | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 273 273 |
| Indraráta | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 27 3 27 3 |
| Indravisnu | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| Indrajyotis | ••• | ••• | ••• | ••• | | 273 273 |
| Indradêva | ••• | ••• | ••• | ••• | | 273 273 |
| Indrasharman | ••• | ••• | *** | •• | ••• | 273 273 |
| Indrasvâmî | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 273 273 |
| Indrayashas | | ••• | ••• | ••• | | 268 |
| ' Indra '—a meritori Indra | | | ••• | ••• | | 55, 468, 469 |
| Indra Inference | ••• | ••• | | ••• | | 22-23 |
| Injuring others—to | bo ovoid | | | ••• | | 439 |
| | | | | ous Student | | 471 |
| Inner consciousnes | 49 | o y | | ous Soudene | | 90 |
| Infidel-detractor | | | | | | 215 |
| Institutes-promul | | | | ••• | | . 113 |
| " —to be st | ~ | " | ,, | ••• | | 144 |
| ., | | " | " | ••• | | 144 |
| | udied "a | | | | | 145 |
| | accruing | | | | | 146 |
| • | ve to well | | | | | 147 |
| ** | the unde | | | ••• | | 147 |
| ,, <u>.</u> | ute the hi | | | | | 147 |
| • | ts of—dec | | | | | |
| Instruction-Nov | vithout a | sking | | • | | 900 |
| | or improp | _ | | | | |
| Instructor-Unlaw | | _ | | | | |
| ,, ,, | | rs unpo | pularit | | | 004 |
| Initiate-for sacrif | | - | - | • | | 898 |
| " —to be adr | | | | - | | . 899 |
| Initiated Pay | | | | | | 875 |

| | | | | | | P≜GE. |
|--------------------|--------------|----------------|-------------------|---------|---------|--------------------|
| Initiatory Rite | | | | | ••′ | 292, 294 |
| • | ter-teach | ing of Ob | servances | | ••• | 462 |
| ., | " —gettir | | | ••• | | 462 |
| Injunctions and Pr | | | | | | 172 |
| - | ble also, wi | | inctive wo | rd | | 298 |
| Initiation | ••• | ••• | ••• | | 9, 245 | , 2 51, 276 |
| " —Exclu | ision from | ••• | | | | 282 |
| Initiated Student | ••• | | | | | 151 |
| " Househole | der | ••• | | | | 152 |
| Initiation—for Brâ | hmaṇawi | th Gâyatr. | î | | | 281 |
| " — " Kşa | ttriya— | , Tṛṣtup | | ••• | | . 281 |
| " – " Vai | shya — , | , Jagatî | | ••• | • • • | 281 |
| Intelligence | | | ••• | ••• | | 43, 44, 91 |
| " —Grea | t Principle | · | ••• | ••• | | 117, 122 |
| Intermediate body | ••• | ••• | | | | 100 |
| Invocation | | ••• | | ••• | | 180 |
| Ișți-sacrifice | | ••• | ••• | ••• | | 288 |
| lta Indra, etc. | *** | ••• | ••• | ••• | | 186 |
| Ita Indra urdhvo, | etc. | | ••• | ••• | ••• | 195 |
| Itihāsa | ••• | ••• | ••• | | 27, 50 | 6, 80, 179 |
| | | J, | | | | |
| Jábála Satyakáma | | ••• | ••• | | | 283 |
| " -Story of- | | 0 | | | | 261 |
| Jagati -metre of | | | | | | 281 |
| .,related to | • | | | | | 282 |
| Jaimini | ••• | | | | | 17, 366 |
| Janardana Mishra | | ••• | | | | 399 |
| Jarâyu | | | ••• | | | 85 |
| Jartilayavágvá | ••• | | ••• | | | 288 |
| J âtakarman | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 246,265 |
| " —Sacra | ment | | | ••• | | 257, 261 |
| ,, ,, | -wha | t it consis | sts in | ••• | | 257 |
| Jîvas | ••• | | | ••• | ••• | 99 |
| Jñáti | | •• | *** | 🗸 | ••• | 403 |
| Juhoti-yajati'—th | - | on | | | ••• | 850 |
| Jupiter and Venus | ••• | | ••• | • | ••• | 266 |
| 'Juncture' | ••• | ••• | | ••• | . ••• | 112, 114 |
| 'Juncture-end' | ••• | ••• | | 197 170 | 914 991 | 112, 114 |
| Jyotistoma | od hu sono | ating of M | | | | , 246 , 253 |
| " -excell | ed by repe | ating of M | TWIIOL S S | *** | ••• | 851 |

. K

PAGE.

| Kachchh a pâlı | | ••• | *** | ••• | | 85 |
|-----------------------|-----------|--------------|---------------|---------|--------------|--------------------------|
| Kalpa-stands for | all Subsi | idiary Scien | ces | | | 419 |
| Kâma-described a | s Ghṛta | ••• | | | ••• | 376 |
| Kalpasûtra-a Ved | ic appui | ten ance | | | | 373 |
| Kalá | | | | | | 108 |
| Kali Cycle | | | | ••• | 114, 127, 18 | 80, 131, 132 |
| Kauthuma | ••• | | · | | | 259 |
| Kârayêt | ••• | ••• | ••• | | | 265 |
| Karamûtmanâm | ••• | ••• | ••• | | | 54-55 |
| Kavi-son of Angia | ras—tau | ght his Fat | hers | ••• | | 430 |
| Kalyana-sharman- | -an ausp | icious nam | ө | | ••• | 268 |
| Kâma | ••• | | ••• | | | 181, 245 |
| "—meaning o | of the w | ord | ···• <u>.</u> | | | 166 |
| Karma | ••• | | | | | 47 |
| " —determin | es creat | ion | | | | 67 |
| Kârya | | *** | | | ••• | 15-16 |
| Kûrîrî | | *** | ••• | ••• | | 214, 256 |
| Kashyapa and other | er sages | -called 'l | Prajâpati ' | · ··· | ••• | 337 |
| Káşthá | | | ••• | ••• | ••• | 108 |
| Kashmîra - | | ••• | ••• | *** | | 240 |
| ' Kusyachit' | *** | ••• | ••• | ••• | | 304 |
| Kathas-Grhya of | ••• | ••• | ••• | | | 258 |
| Kaṭha | | ••• | ••• | ••• | ••• | 102 |
| Krithaka | ••• | ••• | ••• | ••• | 1 | 02, 178, 259 |
| Keshántika | ••• | | ••• | ••• | | 290 |
| Kesluînta | ••• | ••• | ••• | | *** | 322 |
| " —a sacrai | | ••• | ••• | | ••• | 319 |
| | • | in 16th yea | | ••• | ••• | 319 |
| | | " 22nd yea | | | ••• | 319 |
| | shya — | " 24th yea | r | ••• | ••• | 319 |
| Khadira | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 2 38, 29 8 |
| ,,, wood-for | • | • | ••• | ••• | | 289 |
| Killing-Sacrificia | | rent from o | rdinary | | ••• | 216 |
| Kindred-purified | ••• | *** | ••• | ••• | | 146 |
| King | ••• | ••• | ••• | ••• | | 68, 143, 144 |
| " —Duty of | ••• | | ••• | ••• | ••• | 152 |
| " Way to h | | | ••• | ••• | ••• | 416 |
| " and Accompl | | | - | | ect | 418 |
| ., | onour th | e Accompli | shed Stud | lent | ••• | 418 |
| Kinnaras | ••• | | ••• | | | 82 |
| Knowledge-Impo | | _ | | uted | ••• | 887 |
| ,, | | Temporal— | | | | 887 |
| ,, | | Spiritual — | | | ••• | 887 |
| " - , | | to be taugh | | | | 879 |
| " —not | to be | imparted— | | | | |
| | | | · iı | mpossib | le | 382 |

| | | | | | | PAGE. |
|------------|--------------|------------------------|-------------------|-------------|------------|-------------|
| Knowledge | —not to be i | mparted-who | ere pupil | has no des | ire to | |
| | | | 86 | rve Teach | e r | 382 |
| ,, | ,, | | | n barren se | oil | 383 |
| Knowledge | with Action- | -brings Rele | ase | | ••• | 254 |
| | f Brahman ' | ••• | | | ••• | 124 |
| Kovidara | | ••• | | | ••• | 21 |
| Kodrava gr | ains | | | | ••• | 362 |
| Kryņasāra | | ••• | | | ••• | 236 |
| 'Krpanaka | '-a contemp | otible name | ••• | | | 269 |
| Kratu . | | | ••• | ••• | | 78 |
| 'Krşnavart | man'—fire | | | | | 858 |
| Krchchhra | | *** | | | | 150, 369 |
| Krttika . | | ••• | | | | 60 |
| Krama | | | | | | 234 |
| 'Krta-cycl | | | | 112 | | 3, 131, 132 |
| ,, | -Dharma p | | | | | 125 |
| 'Kṛtvasuch | - | | | ••• | ••• | 842 |
| Ksapanaka | | | ••• | | ••• | 173 |
| 'Ksattr' | | | | | | 8, 154 |
| Ksema . | | ••• | ••• | | | 398 |
| Ksattriya | ·· ••• | | | | ••• | 8, 74, 227 |
| | | hould be powe | | | | 267 |
| | | iould connote | | ion ! | ••• | |
| " | | | | | ••• | 269 |
| | | his 'freedom | | • | ••• | 398 276 |
| | | of—in eleven | • | ••• | ••• | |
| • | - | -after twelfth | | | ••• | 265 |
| ., | | ri lapses in tv | • | • | ••• | 280 |
| ** | | f-by Tratup | • • • | ••• | ••• | 281 |
| | | e related to T | | *** | | 282 |
| ., | • • • | iêna is the Sá | | | ••• | 282 |
| ,, | Brahmachárí- | —to wear Rus | | in | ••• | 284 |
| ** | ,, | | en cloth | ••• | ••• | 284 |
| " | | Father, a | Br á hmaṇa | even 100 | years | |
| | younger | ••• | ••• | ••• | ••• | 408 |
| | | wstrin g girdle | | ••• | • • • | 288 |
| ,, | —Seniority a | mong—by val | lour | ••• | ••• | 488 |
| ,, | – For–Sacri | ficial Thread | of Hemp | ••• | ••• | 288 |
| | | of Vata and 1 | | ••• | | 286 |
| ,, | ,, ,, ; | should reach | the foreho | ad | ••• | 290 |
| ,, | — " —Kêshû | nta in 22nd y | ear | | | 319 |
| | -Functions | | ••• | | ••• | 184 |
| . " | caste | ••• | | ` | | 288, 244 |
| | á—a benedic | tory female n | ame | | | 272 |
| Kumárila | | | | | | 18, 23 |
| Kuruksêtr | u | | | | | 28 |
| ,, | | in Brahmarş | idêsha | | | 23- |
| ,, | - Mooning | | | | | 284 |

| | | | | | | PAGE. |
|-----------------|----------------|----------------------|-----------|------------|--------|------------|
| Kurus | | | | | | 7, 234 |
| Kusha grass | ••• | | | • • • • | | 90,288,252 |
| - | ternative fo | r Brahmach | | | | 286 |
| ,, | s seat for V | | | | ••• | 388 |
| Kushala | | ••• | | | ••• | 398 |
| Kustha—a scen | | ••• | | | | 469 |
| 'Kûţa'—means | | | | | | 334 |
| Kuvêra | | ••• | | | | 80 |
| nucciu iii | ••• | ••• | ••• | | ••• | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | L | | | | |
| | | L | | | | |
| Land | | | ••• | ••• | ••• | 60 |
| Land-cultivatio | n | ••• | ••• | ••• | | 181 |
| ,, | -functio | n of <i>Vaishy</i> e | u | | | 135 |
| Lugna -same as | Muhûrta | | | | ••• | 266 |
| · Laláţasamnita | h ' | | | ••• | | 291 |
| Lakşmî | | | | | | 299 |
| Laukika knowle | edge | | ••• | | | 387 |
| Law | | | | | | 23 |
| " -Origin of | *** | ••• | | | ••• | 102 |
| Law-suits-Occ | | ••• | ••• | ••• | ••• | 152 |
| Laws-Eternal- | | | | | | 155 |
| Learned | 01 000 | | ••• | | | 155, 160 |
| Learned men— | Friandehin | | | | ••• | 406 |
| | Among Brâb | | | ••• | ••• | 140 |
| | _ | • | | ••• | ••• | 231 |
| Learning—a con | | - | | , | ••• | • |
| | to Brâhma | * | - | | | 385 |
| ,, | " | , 'Impart | | | er' | 385 |
| ,, | 31 39 | , 'Guard u | ie ' | ••• | ••• | 385 |
| ,, | ,, ,, | , 'Expoun | d me to | Brâhmaņ | a, who | |
| | | is nev | er carele | ss ' | ••• | 385 |
| ,, | ,, ,, | , ' Expoun | d me to | Brâhmap | a, whe | |
| | | is pu | re and se | lf-control | led | 385 |
| " —a gr | ound of res | pect | | | | 409 |
| Leavings of foo | d-not to b | e given to a | ny one | | | 308 |
| • | ning of | | | | ••• | 303 |
| Lightnings | | | | ••• | | 81 |
| Libationsmak | e hody god | | | ••• | | 251 |
| | onnection v | | | ••• | ••• | |
| Livelihood-Me | | | | ••• | ••• | 246 |
| Living—Distre | | | | ••• | ••• | 152 |
| Life-breath | | ••• | ••• | ••• | ••• | 242 |
| | | :4# (1-1 | ··· | ••• | ••• | 59 |
| Light—endowe | • | • | ır ' | ••• | ••• | . 121 |
| after wi | ич | | | | | 191 |

| | | | | | | | PAGE. |
|-----------------|--------------------------|--------------|-----------------|-------------|-------|---|---------------------|
| Lice | | | | | | | 83, 86 |
| Lion | | | | | ••• | | 70 |
| Logic | | | | | ••• | | 144, 220 |
| Love an | d Hat e | ••• | ••• | ••• | ••• | 159, | 160, 201 |
| Love | | | | | | | 159 |
| Locus | | | | ••• | | | 287 |
| Lomu ka | | | | | | ••• | 84 |
| Lord | | ••• | | | 8 | 31, 67, 68, 6 | 9, 70, 76 |
| Loving | behaviour t | towards and | estors, etc | : . | | ••• | 465 |
| Lunar | mansions | | | ••• | | ••• | 60 |
| " | asterisms | bigin with | Shravişth | a | | | 266 |
| ,, | datos – aus _l | picious, the | fifth, etc. | | ••• | | 266 |
| •• | ** | ••• | ••• | | ••• | | 265 |
| 11 | asterisms | ••• | | ••• | | | 265 |
| Lying - | to be avoic | led—by Rol | igious Stu | dent | | | 471 |
| | | | M. | | | | |
| ' M ' -a | syllable m | ilked out of | the Vedas | · · · · | ••• | | 336 |
| Muitro | Bráhma ya | uchyate | | •• | | | 358 |
| ' Madhu | '-stands i | for Release | | | | | 376 |
| Madhu | chchhan d as | | ••• | ••• | | | 467 |
| M ahâbh | uîrata | | ••• | •• | ••• | 37, 55, | 310, 399 |
| Muhábh | ıdşya | | ••• | *** | ••• | 209, | 394, 437 |
| Mahádh | iana~a nar | ne connecti | ng wealth | | ••• | | 260 |
| Mahávy | ahrtis –Wi | th Savitrî— | is the ' Me | outh of Bra | ahman | • | 346 |
| Mangal | á Dêvî | ••• | | | • • • | | 271 |
| M an gal | a-sharma n - | -an auspici | ons name | ••• | | | 268 |
| Mangal | lyu m—a n ai | ne | | ••• | ••• | | 267 |
| Mainyus | thânàni | ••• | | ••• | ••• | *** | 413 |
| Marria | ge-ritessa | ıme as Upar | iayana, for | r women | ••• | | 3 21 |
| Major I | Premises | ••• | | ••• | | | 28 |
| Mauñjî | -bandhanu | | ••• | ••• | ••• | | 276 |
| ' Mahês | hvar a ' | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 84 |
| Mauñjî | | ••• | •• | <i></i> | ••• | ••• | 286 |
| Mantra | ••• | | ••• | ••• | 22, 8 | 80, 130, 182, | . 19 5, 19 8 |
| Mantra | -repeating | -excels off | erin g s | ••• | ••• | ••• | 351, 8 52 |
| | ,, | Inaudib | le—excols | the audib | le | ••• | 351 |
| | •, | Mental | | " all kir | nds | ••• | 351 |
| | 17 | -excels | Great Sac | rifices ' | | | 852 |
| | 17 | -leads to | success | | | ••• | 353 |
| Mantra | -text | ••• | ••• | | ••• | | 12 |
| Mantro | -authorite | ative | ••• | ••• | ••• | *** | 186 |
| 19 | Uses of | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 186 |
| ,, | and Arthav | adu | ••• | ••• | ••• | ••• | 193 |

| | | | | | | PAGE. |
|-------------------|----------------|-----------|------|-------------|---------------|-------------------------------|
| Mantra - accowpan | ies Rites | | | | | 28 |
| "—indicative | | action | | | | 195 |
| " -Rites don | | | ••• | | | 227 |
| " -Imparter | | er' | | ••• | | 431 |
| Manu | | | ••• | | 102, 104, 107 | . 148, 155 |
| ., -Injunctions | | the worl | | -, -, 0, 1, | | 228 |
| • | | | | | | 77 |
| " —Assertion's c | | | ła | | ••• | 208 |
| " -Recollection | | | | | | 189 |
| " —Sváyamhuva | | ••• | | *** | | 230 |
| " - Method of o | | | | ••• | | 196 |
| Manava | ··· | ~, | | | | 9, 20, 102 |
| Man-foremost amo | | | | ••• | | 139 |
| Manus | | | | | | , 106, 107 |
| Manvantara | ••• | | | | 106, 107, 129 | |
| | égime of M | | ••• | ••• | | 128 |
| | | | | | | |
| Mahat | ••• | ••• | ••• | ••• | 37, 38, 89, | |
| Mahat-tattvu | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 118 |
| Mahân | ••• | ••• | | ••• | ••• | 118 |
| Man | ••• | ••• | ••• | | ••• | 67, 167 |
| Male child | *** | ••• | ••• | ••• | | 261 |
| ,, — asigni | fication of | gender in | expr | noise | | 261 |
| Male | *** | ••• | | | | 76 |
| ., -character | | | | | | 263 |
| Matter | | | | | | 97 |
| Mati | *** | | | | | 118 |
| Masculinity | *** | | | | ••• | 262 |
| Maruts | | | | | *** | 55 |
| Mandu | | | | | | 34 |
| Madhyadésha—desc | ribed | | | | | 2::5 |
| Mango blossoms | ••• | | | | | 72 |
| Madhu-Honey | | | | | *** | 469 |
| Master | | | | | | 72 |
| Marichi | | | | | | 3, 102 , 105 |
| Marriage-Deliniti | | | ••• | | | 152 |
| Mahânâmnika Upar | • | | ••• | | | 443 |
| Médus | | | ••• | | | 236 |
| Menstrual period | ••• | | | | | 229 |
| 'Mêdhitithi'—a m | | | | ••• | | 268 |
| Meteors | | | | | | 81 |
| Method of study | | | | ••• | ••• | 442 |
| Ministers | | | | ••• | | 72 |
| Middle country—d | | | ••• | | | 285 |
| Mimamsa | | | | | | 8 , 2 09 , 2 20 |
| Mimams-áSútra | ••• | | | | 182, 190, 23 | |
| Mêmûmenbas | ••• | | | | | 214 |

| | | | | | | | PAGE. |
|--------|-------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|----------|-----------------|
| Minor | sins—washe | d by 1000 j | apa of Gar | yatrî | | | 343 |
| Mind | | | | 6, 27, | 28, 43, 46, | 47, 118, | 119, 161 |
| ,. | - 'existent' | and 'non- | existent' | | | | 117 |
| ** | -created by | y Brahma | | | | ••• | 117 |
| ** | -applied to | creation | | ••• | ••• | 100 | 117 |
| ** | -subdued, | all purpose | s are acco | mplished | ••• | | 368 |
| ** | -collected | | | ••• | | | 6 |
| •• | -the elever | th organ | ••• | | ••• | | 357 |
| ** | -Subjugation | on of—lead | ls to subju | igation of | all else | | 357 |
| ** | -Pure-bri | ngs reward | 1 | ••• | | | 437 |
| Mitra | v aru ņ a | | ••• | ••• | | | 468. |
| Mixed | l castes | *** | ••• | ••• | | | 152 |
| Mlech | chha | *** | | ••• | | 238, | 240, 241 |
| 17 | dêsha | | | ••• | ••• | | 286, 238 |
| M lech | chhas—Who | are | | | ••• | 236, | 238, 241 |
| Mothe | r-more vene | erable than | aunts | | ••• | | 403 |
| ,, | -excels a t | housand fa | thers | | ••• | ••• | 425 |
| ,, | -Food to b | e first beg | ged from- | -after Init | iation | | 294 |
| Mothe | r's sister—F | ood to he b | egged fro | m | | | 294 |
| | ,,to | be treate | d as mothe | er | | | 403 |
| Mothe | er-in-law-to | he treated | like Teac | her's wife | | | 402 |
| Mokşa | -described | s 'honey' | | | ••• | *** | 376 |
| | yllable ' Om ' | | | an | | | 347 |
| Moths | | | | | ••• | | 83 |
| Mone | y-lending-fu | nction of \ | /aishya | | | | 185 |
| | y-Giver of | | | rit | | ••• | 379 |
| Mouth | · · · · | | | ••• | ••• | | 74, 18 8 |
| ,, | -the pures | t part | | | ••• | ••• | 139 |
| Moun | tains | ••• | • | | ••• | ••• | 60 |
| ' Mode | ıka' | | | | ••• | ••• | 178 |
| Modif | cations | | | | | | 29 |
| Moral | ity — Eternal- | expounde | ed | | ••• | ••• | 148 |
| ,, | highest | Dharma | | | ••• | ••• | 149 |
| | am gám daiva | | | ••• | | ••• | 490 |
| ' Mugi | | ••• | | ••• | ••• | ••• | 178 |
| ' Muhi | îrta' | • • • | | | ••• | ••• | 108 |
| ,, | -means | Lagna | | ••• | ••• | ••• | 266 |
| ' Mûre | ihâvasikta' | | | ••• | | ••• | 8 |
| | grass | | | | ••• | ••• | 244. 285 |
| Music | al words | ••• | ••• | ••• | | | 134 |
| ٠,, | instrumen | ts Playin | g of—to l | be avoided | l by Relia | zious | 4=- |
| | · St | udent | ••• | ••• | ••• | ••• | 470 |
| | | | N | | | | |
| N | | | | | | | 200 |
| Name | Manualos a | | ••• | ••• | | | 268 |

| | | | | PAGE, |
|-----------------------------------|--------------|-------------|-----|---------|
| Name-'conducive to merit' | | | | 268 |
| for Vaishyas-examples of | | | | 269 |
| " -Meritorious- " | • | • • • | | 268 |
| " - Inauspicious " | | | | 268 |
| , -for Brahmanas- , | ••• | | ••• | 268 |
| " – " Ksattriyas– " | ••• | | | 268 |
| ., -of Brâhmana, should connote | ' peace ' | | | 269 |
| ., ,, Kşattriya, ,, ,, | ' protection | on ' | | 269 |
| ., - ,, Vaishya, ,, ,, | ' prosperi | t y' | | 269 |
| ., _ ,, shudra, ,, ,, | ' submissi | veness ' | | 269 |
| " -ending in 'svâmî' | | | | 270 |
| " " 'datta ' | | | | 270 |
| " – " 'bhāti ' | | | | 270 |
| " -connoting submissiveness- c | vamples of | | | 270 |
| " - " prosperity- | , | ••• | | 270 |
| " -of woman, should be soft, eas | sily pronou | ncible | | 271 |
| " " examples of | · | | | 271 |
| ,, ,,counter-example | es of | • • • • | | 271 |
| " - " -heart-captivating | | , | | 271 |
| " - " -Examples of-of | | | | 271 |
| " -to be pronounced, when acco | | - | | 891 |
| Names-auspicious-for women | | | | 272 |
| "—benedictory— " | ••• | | | 272 |
| Naming of Brahmana—after tenth of | | | | 265 |
| " Ksattriya— " twelftl | - | | | 265 |
| " Vaishya— " fifteentl | | ••• | | 265 |
| Criterion of above view | | | | 265 |
| "- ceremony- on tenth or tw | | | ••• | 265 |
| ,,—is done, according to family | | | | 278 |
| 'Naimittika-Dharma,' | , 0.1.56//// | · | | 243 |
| Naiyâyikas | | | ••• | 219 |
| Nâmadheya – naming | ••• | | | 265 |
| ' Naityakam vidhim ' | | | | 372 |
| Nara | | ••• | ••• | 34 |
| (Managaraha) | | ••• | ••• | 107 |
| | ••• | ••• | | |
| Narayana | ••• | ••• | ••• | 84 |
| Nårada | ••• | ••• | ••• | 78,102 |
| Någa | | ••• | ••• | 80 |
| · Näripuruşatoyandmantaram mahad | lantaram | ••• | | 284 |
| 'Nava-shraddha' | ••• | ••• | ••• | 462 |
| Nether regions | ••• | ••• | | 42 |
| 'Nibandhana'—same as 'bandhana' | ••• | ••• | ••• | 247 |
| Nigama | ••• | ••• | ••• | 220 |
| Night | ••• | ••• | ••• | 108-109 |
| " —Great | | ••• | ••• | 26 |
| Nirgrantha | *** | | ••• | 174 |

| | | | | | | PAGE |
|----------------------------|-------------|-----------|--------------|-------|----------|------------|
| Nirukta | ••• | ••• | | ••• | 56,57,22 | 80,898,424 |
| "a Vedic a | ppurtenan | ice | | ••• | | 87: |
| " —' aṅga '— l | imhs of Ve | da | | | | 459 |
| ' Nişekâdih ' | ••• | ••• | | | | 229,245 |
| ' Nise k a ' | | | | | ••• | 250 |
| Niş kráman a ceremo | ny | ••• | ••• | | ••• | 278 |
| 99 | —to be | performe | ed in fourth | month | ••• | 279 |
| " | for Si | iûdra als | ю | | ••• | 278 |
| ** | | ding to f | amily custo | m | ••• | 278 |
| ' <i>Nivîţa</i> '—explaine | | ••• | ••• | | ••• | 314-315 |
| " method, | connected | with so | rcery | | | 315 |
| 'Non-duality' | | | | | | 87 |
| ' Non-dualistic ' | | ••• | ••• | | | 29 |
| ' Non-Katha ' | | ••• | ••• | | | 260 |
| Nourishment | | | ••• | | | 74 |
| 'Northern Course' | ٠ | | ••• | | | 111 |
| North-Eating with | h face towa | ards—lea | ds to the T | rne | | 296 |
| Nyâya-sûtra | | | ••• | | | 28 |
| | | O | | | | |
| Oblations—to Pitrs | | ••• | ••• | | | 138-139 |
| Objects of Sense- | | n from | ••• | ••• | | 184 |
| Observances—Met | | ••• | | | ••• | 151 |
| | e body god | • | ••• | | *** | 251 |
| | edic Stud | • | • | ••• | ••• | 448 |
| | e taught, a | fter Init | iation | ••• | ••• | 462 |
| Oceans | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 60 |
| Ocean—Eastern | ••• | ••• | ••• | ••• | | 285 |
| -Western | | ••• | | ••• | *** | 235-286 |
| Officiating at Sacri | | | - | ••• | ••• | 188 |
| 'Officiating Priest' | | | ••• | ••• | ••• | 423 |
| Offerings - make bo | | | | ••• | ••• | 251 |
| • | | _ | us Student | ••• | ••• | 467 |
| ,, ., ., | - " - | ** | •• | ••• | ••• | 465 |
| " " Fathers | | ,, | " | ••• | ••• | 465 |
| 'Oh, Sir'— to be pr | | | | | | 395 |
| '.Om'-to be prono | | - | | • | of Veda | 882 |
| | | | ath-suspen | sions | *** | 883 |
| " —milked out | | | | ••• | ••• | 336 |
| "—is the Highe | | ın | ••• | ••• | •••. | 347 |
| " — " imperish | | ••• | ••• | ••• | ••• | 849 |
| " — " Brahma | : | ••• | ••• | ••• | ••• | 849 |
| Draidnati | | | | | | 940 |

PAGE,

| Onkâra | | ••• | | ••• | | 386 |
|---------------------|----------------|---------|-------------------|-------|-----|-------------|
| Occasional dutie | es | | | | | 244 |
| Odour | | | | | | 44 |
| Optional acts | *** | ••• | | | | 148, 255 |
| Organs | ••• | | | | *** | 48 |
| " -of sens | ation | | | | | 48, 49, 356 |
| | l of-explain | ed | ••• | | | 827 |
| Control | l of | | ••• | | | 355 |
| ., -enumer | ated | | | | | 355 |
| " of actio | on | | | | | 357 |
| " – " Mind | l | | ••• | | | 357 |
| | ment to - lead | ds to s | uccess | | | 357 |
| | ation of ,. | | ,, | | | 357 |
| | jugated by n | | | *** | | 359 |
| | | | ozing out of v | | | 362 |
| | d, all purpos | | | | | 363 |
| Origin of World | | | ··· | ••• | | 21 |
| | | | | | | 86 |
| • | | ••• | ••• | ••• | ••• | 86 |
| Osadhayah | | ••• | ••• | ••• | ••• | 304 |
| Over-eating-ex | - | ••• | ••• | ••• | ••• | 305 |
| | stroys healtl | | ••• | ••• | ••• | |
| *** | ts off life | | ••• | ••• | ••• | 305 |
| ** | rs Heaven | ••• | *** | ••• | ••• | 305 |
| ** | he avoided | ••• | ••• | ••• | ••• | 305 |
| Oviparous | ••• | | ••• | ••• | | 85 |
| | | 1 | P | | | |
| Paippaládaka | ••• | | | | | 178 |
| Palásha | ••• | | ••• | | | 288 |
| • | r Brahmana' | s stañ | | | | 289 |
| Pañchálas-comp | • | | | | ••• | 234 |
| Pañcharâtra | ••• | | | ••• | | 174 |
| · Pañchasharáva | Rite' | | ••• | | | 263 |
| Paramesthî | ••• | | ••• | ••• | | 211 |
| · Paráshara-gotra | | | ••• | | | 467 |
| | -Reis of | ·•• | ••• | ••• | ••• | 467 |
| P <i>âramp</i> arya | indea in | | | | ••• | 283 |
| Páraskara – proh | | | or in Nominal | offix | ••• | 267 |
| Páraskara-Grhi | | ··· | | | ••• | 274 |
| Parisankhya | 1 | | | | ••• | |
| Pavana | ••• | ••• | ••• ′ | ••• | ••• | 241 |
| Pashu-sacrifice | ••• | ••• | ••• | . *** | ••• | 245, 462 |
| | | ••• | ••• | ••• | ••• | 288 |
| Patanjali | *** | ••• | ••• | | | 219 |

| | | | | | | | PAGN. |
|------------|--------------------|---------------------|--------------|-------------|--------------|---------|--------------------|
| Parivrája | k a | | ••• | ••• | ••• | ••• | 5 5 |
| Pashupata | 1 | ••• | ••• | ••• | | | 174 |
| · Payah '- | -stands for | r Merit | | | | | 376 |
| Pânini | 4, 27, 35, | 51, 58, 83, 8 | 37, 113, 137 | . 170, 199, | 245, 281, 28 | 89,802, | 812, 813, |
| • | | 826, 883, 8 | | | | | |
| | | 427, 433, 44 | | | , , , | , | , , |
| Persons- | | o performa | | | | | 227 |
| Perennial | | | | | | | 87 |
| Philology | ••• | | | | • • • | | 209, 220 |
| Pishitásh | ın a | | | ••• | | | 88 |
| Pishácha | | *** | *** | | | 80, 8 | 33, 84, 85 |
| Pîlu-wood | l-for Vai | shya's staf | ī | | | | 289 |
| · Pindanv | áháryaku ' | | | | | | 462 |
| Pitr-tirth | u | | | | | 306, | 306, 307 |
| ,, | descri | bed | | | ••• | ••• | 308 |
| Pitrs | ••• | | | | ••• | 50 | 138, 139 |
| "R | ales re offe | rings to | | | | | 152 |
| " —Da | y and Nig | ht of | | | ••• | • • • | 110 |
| Pingala | ••• | | | | | ••• | 51 |
| Planets | | | | | ••• | | 60 |
| Plants | ••• | | ••• | | | | 86 |
| Pleasure- | Paiu | | | ••• | ••• | | 63-64, 90 |
| Pleasure | | | ••• | | | ٠. | 220 |
| Pleiades | ••• | ••• | ••• | | ••• | | 60 |
| Poets | *** | | *** | ••• | | ••• | 77 |
| Porpoise | ••• | | ••• | | | | 85 |
| Power-is | s moral an | d physical | strength | ••• | ••• | | 279 |
| Prakṛti | | ••• | ••• | | ••• | | 38 |
| Prána | ••• | | ••• | ••• | ••• | ••• | 99-100 |
| Pradhâna | *** | ••• | | | ••• | ••• | 39 |
| Principle | s | ••• | | ••• | | ••• | 40, 48 |
| Pregnanc | y – Libati | ons in com | lection wi | th | ·. | | 246-247 |
| Preat | ••• | | | | | | 71,82 |
| Prachina | vî tî—e xpl | ained | | ••• | | ••• | 314 |
| ,, | method | isacred (| o Pitrs | | ••• | ••• | 815 |
| ' Praisas | · | ••• | ••• | ••• | ••• | | 474 |
| Prajšpati | i 4, 20, | 51, 58, 6 5, | 67, 68, 71, | 72, 76, 93, | 102 133, 1 | 86, 137 | , 182, 183, |
| | | _ | vanue ant | of the tr | da. | | |
| ,, | | the Savitri | | | | ••• | 336 |
| 50 | | applied to | | | | ••• | 337 |
| | | e denotiug | | ••• | ' | | 268 |
| Präjäjäp | atya-tirtka | | ••• | ••• | ••• | | , 856, 307 |
| | , | -described | | ••• | ••• | ••• | 808 |
| | ••• | ••• | ••• | | ••• | ••• | 259 |
| Pratilom | u castes | *** | ••• | ••• | ••• | ••• | 286 |
| Pranava | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 340 |

| | | | | | PAGE. |
|--|-----------|------------|-------------|--------------|------------|
| Pranava to be pronounced i | u boginni | ng and at | end of V | edic – | |
| reading | | | ••• | *** | 332 |
| " -expressed by Oñk | | | ••• | | 386 |
| , - milked out of the | | | | | 336 |
| , - to accompany Gayo | | ••• | | | 334 |
| Prachetas | | | | , | 78 |
| Practice of good men '-A na | | eable to w | hat | | 231 |
| Practice—explained | | | | | 232 |
| of good men | ••• | | ,, | 172, | 205. 232 |
| ., based on greed and | | | es -not s | author- | |
| itative | | | | | 175 |
| A-uthority of-que | stioned | | | | 176 |
| —of cultured men | | | | | 205, 211 |
| 1) - 1) 1) | | s of know | | m a | 218 |
| " " " | | action of- | _ | | 218 |
| ., -prompted by visib | | | | | 233 |
| Prayers | | | | | 180 |
| 'Priest'-meaning of | | | | | 423 |
| Priests | | | | | 72,127 |
| Primordial Matter | | | | | 97 |
| · Prati dadimi madhuno, ' etc | | | | | 257 |
| Prayaga | | | | | 235 |
| 1171-44 111 | | | | | 235 |
| Prayaja- Tanûnapa t | | | | ••• | 260 |
| 'Prastaram' | ••• | ••• | | ••• | 252 |
| ' Praharati' | ••• | | ••• | | 252 |
| Property-Division of | | | | | 152 |
| Protecting—a function of K | | | | ••• | 184 |
| 'Présua' | | | | , | 270 |
| · Prosperity -to be asked -c | | | in g | | 398 |
| ' Production '-is birth in we | omb | | | | 427 |
| Prohibition | | | • | | 9,200 |
| I TOMICION | | | | | 236 |
| L WOOM O | | | | | 246 |
| · Punyaih ' · Punarmam, etcverse to b | w recited | | | lent, on | |
| wet dream | | | | , | 474 |
| | | | | | 152,246 |
| Purification Putana Offerings to | | | | *** | 273 |
| Putidiru—a scent | | *** | ••• | | 461 |
| Putralabha—an auspicious n | | | | | 267 |
| | | ••• | | | 265 |
| | | | . 53, 56, 9 | 09, 118, 122 | , 179, 220 |
| Purity-of Mind and Speech | | | | | 437 |
| Pursuit of Wealth and Pleas | mres-inc | compatible | | | |
| Sutant of Megini end Lices | | Dharmu | | | 226 |
| December | | | | 35, 39, 4 | 8, 51, 262 |
| Purusa | ••• | | | ••• | 247 |

index to vol. 1

| | | | | | | PAGE. |
|------------------|-----------------------|-----------|------------|-------|-------|------------|
| Puști' | | ••• | | | | 270 |
| Pulaha | | ••• | | | | 78 |
| Pulastya | ••• | | | | | 78 |
| Puryastaka | ••• | ••• | | | | 99-100 |
| Pupil—to begin | | | | | | 830 |
| | stop, , | | ,, | . Let | | |
| | stop! | | ** | | | 330 |
| " -specially | - | | ••• | | | 379 |
| ,, - ,, | - | umerated | ••• | | | 379 |
| ,, - ,, | | | for the s | | Merit | 879 |
| " -Chastise | •• | | | | | 436 |
| | | Q | | | | • |
| Quarters | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 42 |
| Quarelling-to b | oo avoided by | Religious | Student | ••• | ••• | 478 |
| | | R | | | | |
| Rahasya – expla | ined | ••• | ••• | ••• | ••• | 420 |
| Rains | ••• | | • | ••• | ••• | 181 |
| Rainbow | ••• | ••• | | ••• | *** | 81 |
| Rajas | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 44 |
| ' Rafan '-stand | s for Ksattri | ya | ••• | ••• | *** | 277 |
| Râkşa | ••• | | ••• | ••• | ••• | 270 |
| " -connote | d by Kşattriy | a's name | ••• | ••• | ••• | 270 |
| ' Rusu' — Variou | s me an ings o | ſ | ••• | ••• | ••• | 470 |
| Râkṣasa | ••• | ••• | ••• | ••• | 61, | 80, 84, 85 |
| • Râṇâyanîya ' | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | 178 |
| Rathânga | ••• | ••• | ••• | ••• | | 55 |
| Râtri-satra | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 186, 199 |
| Rational beings | - foremost a | nong anim | ate ones | ••• | ••• | 189 |
| Raivata-Manu | | ••• | ••• | ••• | ••• | 107 |
| Ravi | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 57-58 |
| Residence with | | r women- | serving of | | ١ | 821 |
| Repetitions in | | ••• | ••• | ٠ ١ | ••• | 214 |
| Resplendent O | • | ••• | ••• | ••• | ••• | 138 |
| Rewards—Han | kering after | ••• | ••• | ••• | ••• | 221 |
| Resolution | | ••• | | ••• | ••• | 167-168 |
| Recompense-1 | None possible | for paren | ts | ••• | ••• | 525 |
| Reasonings | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 209-218 |
| Recollection- | | | ••• | ••• | ••• | 190 190 |
| | naged on Ved | я | | | | 1340 |

| | | | | | | PAGE. |
|---|-----------------|-------------------------|--------------------|------------|-------------|-------------|
| Recollectio | ns (Smṛti)—co | nstitute Dh | urmash <i>ā</i> st | ra | ••• | 211 |
| ** | | | | | 175,189,190 | ,203,211 |
| ** | -Authority of | -questione | d | ••• | | 189 |
| 11 | - ", " | -establishe | ed | ••• | | 189 |
| | connoted by Br | âhmaņas na | me | ••• | ••• | 27 0 |
| - | of gifts | ••• | ••• | ••• | ••• | 127 |
| | ips—spiritual a | nd uterine | ••• | ••• | ••• | 283 |
| Religious 6 | | | ••• | 211 | , 297, 372, | |
| ,, | -Rules | or | *** | *** | •• | 464 |
| •• | -should | not conve | erse, lying | g down, | with | |
| | | Teacher | ••• | ••• | ••• | 496 |
| ** | ,. | stand whi | | | ng | 497 |
| ** | ,, | have bed | | at lower | than | |
| | | Teach | | ••• | ••• | 498 |
| ** | " | • | unce his 1 | | name | 499 |
| • | ,, | " mimic | Teacher's | | ••• | 499 |
| " | •• " | " " | ** | speech | | 499 |
| ** | ,, | " | | deportm | | 499 |
| ** | - " | | to Teach | | | 499 |
| ,, | - ,, | | ip Teache | | | 500 |
| •• | - ,, | ** | indward o | or lee-wa | rd of | 500 |
| | | | acher | ••• | ••• | 502 |
| ** | • | t with Teacl | | | ••• | 508 |
| ** | ,, | ** | " boa | | ••• | 508 |
| ** | ,• | ` " | | ses | ••• | 508 |
| ,, | - "., | , ", | " can | | ••• | 508 478 |
| ** | | place fuel- | | | | |
| ** | | offer fuel to | | - | | 478 332 |
| ** | -First s | • | | ••• | ••• | 338 |
| 99 | | merit, perta perform | | on faile | ure of | 990 |
| " | -snouta | begging | • | on ram | are or | 479 |
| | thould | perform | | on faile | *** | 210 |
| ,, | -snoura | fuel-offeri | - | | | 479 |
| | | subsist on | 9 | | | 480 |
| ,, | - " | | od given | | | 100 |
| •• | ,, | exclusi | | Dy One | poraon | 480 |
| | may on | t freely at | | ees in hor | our of | 300 |
| ** | gods | vircoi, av | | | | 481 |
| | • | t freely at p | | ees in ho | our of | .01 |
| 11 | - Pitrs | | регитац | | loui oi | 481 |
| | • | shave bair, | or wear if | in braide | · · · · | 518 |
| ** | | study, who | | | | 498 |
| | - ", | do what is | - | - | | 498 |
| ** | | control his | - | | | 494 |
| | - ", | | speech | | ••• | 494 |
| " | " | ,, ,, | | | | 404 |

| | | PAGE. |
|-------------------|---|---------|
| Religious Student | -should not touch foot of Teacher's young w | ife 510 |
| ,, | - may salute young wife of Teacher on t | he |
| | ground | 512 |
| •• | -should not be in village, after sunrise | or |
| | sunset | 518 |
| * | - " raise arms at times of study | 495 |
| ** | - " daily attend to Twilights | 516 |
| ** | " remain well-behaved … | 495 |
| ,, | , ,, guarded | 495 |
| •• | - " eat food inferior to Teacher's | 496 |
| ** | -may accept food, offered with respect | 440 |
| 19 | —should sleep after the Teacher | 496 |
| ** | - " avoid gazing at women | 470 |
| ,, | - " " Lying | 473 |
| ., | fast for the day, if the sun ris | ses |
| | while he is asleep | 514 |
| ,, | - " avoid injuring others | 471 |
| ** | -sleeping at sunrise or sunset, incr | |
| | grievous sin | 516 |
| 11 | -should always sleep alone | 474 |
| ,, | - ,, not allow his manhood to run out | 474 |
| ,, | - , do what is done by juniors, if it | |
| ,, | good | 517 |
| ,, | - ,, ,, that in which his mind finds say | |
| " | faction | 517 |
| ,, | -breaks his vow, if manhood intentions | |
| ,, | allowed to run out | 474 |
| | *** | |
| " | -on wet dreams, should recite the ve | |
| | 'Punarmam' | 474 |
| ** | -should fetch jar of water | 475 |
| ** | " flowers | 475 |
| 11 | " cowdung | 475 |
| 10 | ,, Earth | 475 |
| " | - " Kusha-grass | 475 |
| ** | - ,, beg alms | 475 |
| ** | ,, fetch ,, from houses not devoid | |
| | Veda and Sacrifices | 476 |
| ** | - " not beg alms from Teacher's family | |
| 1) | -, " " paternal or mat | er• |
| | nal relations | 477 |
| 1* | - may beg from these, when other houses | not |
| | available | 477 |
| • | - " beg all over the village | 478 |
| ** | ahould avoid persons of ill-repute | 478 |
| ** | - " place fuel on Fire | 465 |
| . ** | - " make daily offerings to Deities | 465 |
| 19- | - " ", Sages | 465 |

| | | | | | | | PAGE. |
|-----------|------------------|-------------|----------------|--|--------------|---------|---------|
| Religious | Student-s | hoald | m ake d | laily offerings to | Fatho | rs | 465 |
| ,, | | ,, , | worshi | p deities | ••• | | 465 |
| , | | ,, 1 | ive wi | th his Teacher | | ••• | 464 |
| | | " (| bserv | e all rules | ••• | ••• | 464 |
| | _ | ,, 8 | abjaga | ate organs | ••• | | 464 |
| ** | tc | absta | in fron | n honey | | ••• | 469 |
| ,, | | ,, | ** | meat | ••• | ••• | 469 |
| | , – | •• | ,, | scent | | *** | 469 |
| 31 | | ,, | •1 | garland | ••• | ••• | 469 |
| • | , – | •• | ,, | flavours | ••• | | 469 |
| ,, | | •• | •• | women | | | 469 |
| ,, | | •• | •• | killing | ••• | ••• | 469 |
| ,, | | ** | ** | anointing | *** | ••• | 472 |
| •• | | ,, | 11 | collyrium | ••• | ••• | 472 |
| ** | | ** | •• | shoes | ••• | | 472 |
| ,, | - | 11 | ,, | umbrella | | | 472 |
| | | | •• | attachment | | ••• | 472 |
| | | ** | •• | anger | | ••• | 472 |
| | , - | ,, | ,, | avarice | | ••• | 472 |
| ,, | _ | •• | •• | dancing | | ••• | 472 |
| ,, | _ | •• | •• | singing | | ••• | 472 |
| , | | ,, | ,, | playing on m | nsical | instru- | |
| | | | | | me | ents | 472 |
| ,, | **** | ,, | •• | gambling | ••• | ••• | 473 |
| | _ | ,, | ,, | quarrel | | | 473 |
| •1 | | " | ,, | calumniating | ••• | ••• | 473 |
| R k | , | • | | | | | 57, 177 |
| | noans stars | | ••• | ••• | | ••• | 368 |
| Rgveda | | . 4, 22, | 29, 30 | , 9 7, 54, 5 5, 5 6, 58 | | | |
| | -Beginning | | | ••• | ••• | | 827 |
| | | | | addressed by T | cacher | ••• | 331 |
| | hākhās | | | | ••• | ••• | 178 |
| | Word-is V | eda | | ••• | ••• | | 211 |
| " | -Rel | | | ••• | ••• | | 209 |
| ,, | • | | | f knowing Dha | | | 220 |
| ,, | | • | | leads to Supre | | | 210 |
| ,, | | | | uthority' | | | 220 |
| Renuncia | | | ••• | | ••• | | 152 |
| ,, | | if dis | | n vitiated | ••• | | 360 |
| Restraint | | | | ,, | ••• | •• | 360 |
| | ••• | | " | ,,, | ••• | | 67-168 |
| Reverence | amfor olders | hrino | g longe | vity, merit, fam | | | 391 |
| | | | | of-does not d | | | J |
| | eering—One | _ | | 71-400s 1100 4 | | | 397 |
| | -Degrees of | | ••• | | | | 406 |
| • | Grounds of | | ••• | ••• | ••• | ••• | 407 |
| ••• | o ground of | | | ••• | ••• | ••• | 400 |

| | | | | | | PAGE. |
|---|---------------|------------|----------|----------|---------|-------------------|
| Rescension-only | | | | ituals | | 411 |
| Reverence—Brahm | aṇa should | shrink fro | m | ••• | | 440 |
| Regions | | ••• | ••• | ••• | ••• | 74 |
| Recluse - Duties of | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 152 |
| Reptiles | | ••• | ••• | ••• | | 84 |
| Rites of Impregna | | rmer of—is | s called | 'Guru ' | | 422 |
| Right Conduct | ••• | •• | ••• | ••• | | 149, 462 |
| Rivers | , | ••• | ••• | ••• | ••• | 60 |
| Rinsing-scriptura | | ••• | ••• | ••• | | 298 |
| | , after food | | ••• | ••• | ••• | 298 |
| " -reiterate | | ••• | ••• | ••• | ••• | 299 |
| Right Behaviour | *** | | | | | 149 |
| | one of the fi | | ., | | | 324 |
| | explained | ••• | ••• | ••• | ••• | 324 |
| • | What is | | ••• | ••• | ••• | 169 |
| Righteous pupil-t | | | | ••• | ••• | 379 |
| " person | | ••• | ••• | ••• | ••• | 172 |
| Right and Wrong Rikti dates—not o | | ••• | ••• | ••• | ••• | 21, 28 |
| Root Evolvent | | | ••• | ••• | | 266 |
| 'Root of Dharma' | Anathan a | | ••• | | | 17, 68, 93 184 |
| Rohini | | • | | ••• | ••• | 60 |
| Roaming deer | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 237 |
| | | | ••• | ••• | *** | 7, 87 |
| ļtņis Rtviks | | ••• | | ••• | ••• | 59 |
| Rtu | ••• | | | ••• | | 72 |
| 'Rudimentary Ele | | ••• | ·•• | | ••• | 38, 120 |
| 65.41 | ostances | | | ••• | | 45, 48, 49 |
| Rudra | | | | ••• | | 55, 489 |
| Rules for Religion | | | ••• | ••• | ••• | 464 |
| Ruru deer-Skin | | | | | | 284 |
| 'Ruru' | • | • | | | | 284 |
| | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 204 |
| | | s | | | | |
| Sacrifices-procee | d from Thou | ight | | | | 167 |
| | | | | | | 251 |
| Sacrificial act -L | | ••• | | ••• | | 236 |
| Sacrificial Thread | | or Ksattri | ya | | | 288 |
| | -woollen , | | | \ | | 288 |
| | -of cotton, | , Brâhman | a | | | 288 |
| | -worn ove | r the shou | lder | | | 288 |
| •• | -triple | ••• | ••• | | | 288 |
| | -twisted u | pwards | ••• | | ••• | 288 |
| | -may be of | silk also | ••• | | ••• | . 289 |
| Sacraments | ••• | | | | 227, 24 | 5, 246, 258 |
| Rule | es relating | to | ••• | | . 111 | 151 |

| | | | | Ρ. | AGE. |
|--|-------------|------------|---------|------|------------|
| Sacraments-Persons for whom presc | ribed-are | entitled | to | | |
| Scripture | ••• | | | | 227 |
| bring about spiritual effect | ts | | ••• | | 247 |
| " — " natural " | ••• | | | | 247 |
| ,subserve purposes of acti | ions and ri | tes | | | 248 |
| , -mentioned along with non | -sacrament | š | | | 256 |
| " -for females | | | | | 320 |
| " - " -all, but withou | t mantra | | | | 320 |
| " —summed up | | ••• | | | 332 |
| Sacramental rites-Performer of is 'G | uru' | | | | 422 |
| Sacred Thread - stands during Observar | | | | | 463 |
| " —Damaged—to be throw | | r | | 315, | 468 |
| " to be replaced | | ••• | | | 815 |
| Sacrificial Initiation means ' Fire-kind | lling ' | | ••• | | 459 |
| 'Sanctified in self'-explained | | | • • • • | | 442 |
| Sapindas | ••• | ••• | | | 468 |
| Samûnodakus | ••• | ••• | | | 468 |
| 'Sandhyâm' | | ••• | | | 265 |
| Sarasvati | ••• | | | 235, | 489 |
| Sâmaveda | | | | | , 58 |
| n | | | | | 827 |
| 61 (11 2 | | | | | 178 |
| 24 " 2.1 1 | | | ·•• | | 312 |
| D. D | ••• | ••• | ••• | | 312 |
| "—Kathantara Sāman | | | 57, | 177. | |
| Sanan | | | | .,, | 388 |
| Sarttrinatrustrus Sarttri-Birth through-real | ••• | ••• | ••• | | 428 |
| (Mathaniat second Probais | binkh | ••• | ••• | | 459 |
| . verse—Each foot of—milked out | | the three | Vadaa | | 836 |
| —Exclusion from | | | | | 282 |
| ,, | ••• | ••• | ••• | | |
| ,, -Reciting of-at twilights | • | ••• | ••• | | 337 |
| ,, -repeated, preceded by Vyahrti | | ••• | ••• | | 887 |
| " stands for Upanayana | | ••• | • • • • | | 280 |
| ,, -repeated at twilights, brings | | | | | 837 |
| " -with 'Om' and 'Mahavyahrtis | - | | | | 346 |
| " -Daily reciting of-for three | years—lead | s to Supre | me | | |
| Brahman | ••• | ••• | ••• | | 347 |
| " -Nothing higher than | ••• | ••• | ••• | | 347 |
| " -to be repeated at twilights | ••• | ••• | ••• | | 364 |
| " - " " in morning, sta | - | ••• | ••• | 864, | |
| " – " " evening, sea | | ••• | ••• | 364, | |
| , -recited in morning twilight, de | | | •• | | 369 |
| | " day | | ••• | | 869 |
| " -to be recited with clean body | | ted mind | ••• | | 311 |
| " — " seated on kusha- | - | ••• | ••• | | 372 |
| " —lapses for Brāhmaṇa, in sixtee | | | ••• | | 280 |
| - Kenttuire twon | transant - | | | | 990 |

| | | | | | | PAGE. |
|-------------------|--------------------|------------|---|-------------|-------------|------------|
| Savitri -lapse | s for Vaishya, | in twenty- | fourth y | ear | | 280 |
| | ules regarding | | | ••• | | 387 |
| " — F | ormulas of | ••• | | | | 391, 395 |
| ., te | one who impa | rts knowle | edge | | | 387 |
| ,, -0 | f illiterate elde | ers – Form | ula for | | | 803 |
| ,,, | , elders bring | s longev | ity, m | crit, fame | and | |
| | strength | | ••• | ••• | ••• | 391 |
| ,, | , women | ••• | ••• | ••• | ••• | 393, 394 |
| ,,F | orm of returni | ng | | ••• | | 396, 398 |
| ., -0 | ne ignorant of | proper for | m of ret | arning gree | eting—do | es |
| | not deserve | | ••• | ••• | | 397 |
| Salutation | ••• | | ••• | ••• | ••• | 1 |
| Satra-Daily | reciting of Ved | la, is | ••• | ••• | ••• | 375 |
| ' Satra '—a sa | crifice | | | | ••• | 288 |
| Samidhenî ve | rses | | | | ••• | 299 |
| • Samásena • | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | 243 |
| * Sambhavash | cha ' | ••• | | ••• | ••• | 243 |
| ' Samskára' | ••• | | | | | 245 |
| · Saktûy juhot | i' | | | ••• | | 249 |
| 'Sávitra ' | ••• | | | | | 251 |
| · Samidhamàd | ladhy a t ' | | | ••• | | 252 |
| ' Saudáminí ' | ••• | ••• | | ••• | ••• | 81 |
| Satiation | | | ••• | | | 64 |
| Saurya | | | | | | 54 |
| Sunriya | ••• | | ••• | | | 163 |
| Saurya charu | | | | | | 13 |
| ' Sauryancha: | runnirmpet ' | | | | | 181 |
| · Samaya ' | ••• | | | ••• | | 225 |
| • Samayâdhyr | uşita' | ••• | | | | 225-226 |
| 'Satyakáma | | | ••• | ••• | | 283 |
| Sántaráláh | | | | ••• | ••• | 234 |
| ' Sadasat ' | | ••• | | | ••• | 36 |
| · Samsára ' | ••• | | | ••• | | 154 |
| | benedictory fer | | | | | 272 |
| · Samvatsara | - | | ••• | | | 129 |
| Sadbhih | | | | | | 158, 160 |
| Saura | ••• | | | ••• | | 130 |
| Sacrifice | | | | 54, 57, 13 | 25, 127, 13 | 2, 212 476 |
| | tile, if disposit | | | ••• | | 860 |
| 8 avana | ••• | *** | | ` | ••• | 138 |
| | a function of t | he Brâhma | ına | | | 188 |
| ,, - | , ,, ,, | Kşattri | | | | 184 |
| ,, - - | . ,, ,, | Vaishya | - | · · · | | 135 |
| Sacrificial ac | | | • | | ••• | 224 |
| ,, | -may be don | e at sunri | | ••• | | 22 |
| ,, | - " | " dawn | | | ••• | 22 |
| " | - " | before s | | ••• | | 22 |

| | | | | | | Page |
|-----------------------------|--------------------|-----------|----------|-------------|-----------|------------|
| | • | | | | | 287 |
| Sacrificial accessor | | ••• | ••• | ••• | ••• | 284 |
| Samantapanchaka | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | |
| 'Samsharya' | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 240 |
| · Sahasrâmshuh ' | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 32 |
| Sarvasvá ra | | ••• | | ••• | ••• | 215 |
| | lts of—accr mer | | | | per- | 279 |
| | | ••• | ••• | | 93 35 | 7, 98, 208 |
| Såûkhya Sánlam Kanila | ••• | ••• | ••• | ••• | | 15, 48, 99 |
| Sánkhya-Káriká Salvation | ••• | ••• | ••• | ••• | | 92 |
| | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 99 |
| Samàna | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 78 |
| Sages | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 80 |
| Sarpa | 1.21 1 | ••• | ••• | ••• | ••• | 202 |
| Samadhi—means ' | | ••• | ••• | ••• | ••• | - |
| Satya | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 178 |
| Sangrahini | | | | ••• | ••• | 181 |
| Salutary advice— | Behaviour to | owards gi | ver of | ••• | | 505 |
| Seasons | ••• | ••• | ••• | ••• | | 71 |
| Serpent | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 70, 85 |
| Semi-divine Being | s | ••• | •• | ••• | ••• | 80 |
| Self | ••• | ••• | ••• | *** | *** | 100 |
| Self-Existent | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 137-188 |
| Self-Supreme, The | • | ••• | ••• | ••• | | 99 |
| Seeds | ••• | ••• | | | 3 | 0, 86, 100 |
| Self-Existent One | | ••• | ••• | *** | ••• | 137-138 |
| Selfishness-depre | ecated | ••• | | ••• | ••• | 163 |
| 'Self-satisfaction | '-Several e | xplanaton | s of | ••• | ••• | 172 |
| ** | Detractiv | ig of—cer | sured | ••• | | 207 |
| ** | | | ••• | ••• | ••• | 218 207 |
| ** | -of the R | | ••• | ••• | ••• | 178 |
| ** | -question | | | Th | ••• | |
| 91 | -is source | | · | Duarma | ••• | 206 |
| Sensation - Five of | U | ••• | •• | ••• | ••• | 43 |
| Sexless persons- | • | ••• | ••• | . *** | *** | 264 |
| Sexual pleasures | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | 220 |
| Service | ••• | | ••• | ••• | ••• | 71 |
| Sense-perception | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 219 |
| Seven Great Sage | es | ••• | ••• | ••• | ••• | 4 |
| 'Self-born,' The | | ••• | | ••• | ••• | 26, 39 |
| Sense-organs | ••• | ••• | ••• | | ••• | 38, 44 |
| | ojugated—er | e neither | grieve | nor rejoice | ડક … | 361 |
| Self-consciousnes | is | ••• | ••• | ••• | ••• | 48 |
| Scriptural act | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 169 |
| " knowl | edge—Impa | rter of—t | o be sal | ated | ••• | 387 |
| Scriptures | ••• | | ••• | 9, 127, 221 | , 227, 22 | |
| 'Scripture'—stan | ds for the w | ork of M | anu | ···. | | 221 |
| Scorned Brâhma | na—sleeps i | n comfor | t | ' | | 441 |
| " | -wakes up | in " | ••• | ••• | | 441 |
| | | | | | | |

| | | | | | | PAGE. |
|-----------------------|--------------|--|-----------|----------|-------|------------|
| Scorned Brâhmana-g | goes about i | n comfort | | | ••• | 441 |
| Scorner-perishes . | | | | | | 441 |
| Serving of Teacher- | helps acqui | sition of | learning | ••• | | 513 |
| Service-function of | the Shûdra | | | ••• | | 136 |
| " of Parents | and the Pro | ceptor-t | the Highe | st Austo | erity | 523 |
| Self-controlled Brahm | | | | | than | |
| | incontrolled | | _ | re Veda | ••• | 388 |
| Seniority-by knowle | | | • | ••• | ••• | 433 |
| " – "valour | ,, | Kasttri | | ••• | ••• | 433 |
| " — " riches | ,, | Vaishya | | ••• | ••• | 483 |
| ., ,, age | " | Shûdras | | ••• | ••• | 488 |
| Sister-food to be be | | | | ••• | ••• | 294 |
| " -Elder-to be | | | | ••• | ••• | 408 |
| 'Sister'form of add | | | | ••• | ••• | 400 |
| Skin-prescribed-st | - | | nces also | ••• | ••• | 463 |
| Skins-to be worn by | | | •• | ••• | ••• | 284 |
| " —damaged—to b | | | | ••• | ••• | 315 |
| ,, - ,, | • | | •• | ••• | ••• | 813 |
| | | | • | ••• | | 146 |
| | | | ••• | ••• | | 212, 375 |
| Soma-sacrifice | | | ••• | ••• | ••• | 285, 288 |
| Soma-Yaga-not four | | ., | ikhā | ••• | ••• | 411 |
| Speech-Pure-bring | | | ••• | ••• | • • • | 437 |
| Spring | T | | | ••• | ••• | 181 |
| Spiritual Knowledge | | | | | ••• | 387 283 |
| " relationshi | • | | ••• | ••• | ••• | |
| | vealth—call | - | | ••• | ••• | 519 |
| -1 | | | ••• | ••• | ••• | 61 |
| 4 | | • | ·•• | ••• | ••• | 237 |
| | | | ••• | ••• | ••• | 236 |
| Sharat—a season | | | ••• | ••• | ••• | 186 |
| 'Sharman'—the end | | | | ••• | ••• | 267 |
| | ndago to na | | ••• | ••• | ••• | 268 |
| 'Shasvat-, apa' | ••• | | ••• | ••• | ••• | 374 |
| Shâkya | | | ••• | ••• | ••• | 173 |
| ' Shevadhiştesmi ' | | •• | ••• | •• | ••• | 885 |
| 'Shatruntapa'—a na | • | | ower | ••• | ••• | 268 |
| 'Shavaraka'—a cont | - | | ••• | ••• | ••• | 269 |
| 'Sharmişthâ'—a har | | | ••• | ••• | ••• | 271 |
| 'Sharmavati-an aus | • | |) | , | ••• | 272 |
| Shakunika - Offering | gs to . | •• | ••• | ••• | ••• | 278 |
| 'Shanatantavî' | | •• | ••• | ••• | ••• | . 286 |
| Shatr affix | | •• | ••• | ••• | *** | 296 |
| ' Sharîra samskâralı | | ••• | ••• | ••• | ••• | 245 |
| Shåstra | | ••• | ••• | ••• | ••• | 5, 102 |
| Shatapatha Bráhma | ja . | ••• | ••• | ••• | ••• | 250 |
| Shakala-homa | | •• | ••• | ••• | ••• | 252 |
| 'Shîlar'-explained | ••• | ••• | ••• | *** | ••• | 201-202 |

| | | | | | PAGE. |
|-------------------------------|--------------------|---------------|-------------|------------------|----------|
| 'Shila'-a source of knowled | ge of Dhar | ma | | | 201 |
| " -Separate mention of | -objected | to | | | 202 |
| ,, - ,, ,, | justified | | | | 202 |
| " -What it stands for? | | ••• | | | 202 |
| " and Smrti conjunct | | | | | 203 |
| 'Shişţa' | ••• | | | | 205 |
| 'Shoes'-to be avoided by Re | | | ••• | | 470 |
| Shoes and Umbrealla—the leas | | be present | ted to Tea | cher | |
| | nal Bath | ••• | ••• | ••• | 587 |
| Shiras-to accompany Gayatra | · | ••• | ••• | ••• | 334 |
| Shodashî vessel | ••• | ••• | ••• | 1 | 74, 207 |
| Shraddha-performed by son- | | | ••• | ••• | 486 |
| " —results accruing to | | | | ••• | 486 |
| Shravistha-the starting poin | | | • | ••• | 266 |
| Shreyasi-a heart-captivating | female na | me | ••• | ••• | 272 |
| Shûdra | *** | ••• | ••• | ••• | 72, 246 |
| " —All equal to—before | | | | ••• | 461 |
| " —to be asked his 'free | | | ••• | ••• | 398 |
| " —in the tenth stage of | | • | | | 414 |
| " - 'wealth' and 'relati | | grounds of | respect for | r | 415 |
| " -Seniority among-by | - | ••• | ••• | ••• | 433 |
| " -Offering of leavings | to | ••• | ••• | ••• | 304 |
| " -No sacraments for- | with mant | ra | ••• | ••• | 268 |
| " -Name of -should be | • | | ••• | ••• | 267 |
| ,, – ,, – ,, | expressive | of 'submi | ssiveness | `••• | 269 |
| " -No Tonsure for | ••• | ••• | | ••• | 275 |
| " -Functions of | ••• | ••• | ••• | ••• | 136 |
| " -Duty of | | *** | ••• | ••• | 152 |
| " - may reside in any la | nd | | ••• | ••• | 239 |
| " —studying scripture | ••• | ••• | ••• | ••• | 227-228 |
| " —to obtain knowledge | of scriptt | ıros throu | gh Bráhma | រាំន | 229 |
| ' Shreyas'good | ••• | | ••• | ••• | 436 |
| ʻ Shrutopakriyay a ' | ••• | ••• | *** | ••• | 429 |
| ' Shrutiratharvángiras/h ' | ••• | ••• | ••• | ••• | 179 |
| Shruti-Dharma-Expounded | in | ••• | ••• | ••• | 149 |
| Shruti | ••• | ••; | ••• | ••• | 160 |
| · Shriyan ' | | | | ••• | 296-297 |
| 'Shri' | ••• | ••• | ••• | ••• | 296 |
| 'Shyena' | ••• | ••• | ••• | 187, | 278, 411 |
| " -Result accuring to | | - | rmer of | ••• | 278 |
| " —not in the Ashvalay | ana Shâ k h | å | ••• | ••• | 441 |
| Shurasenakas—comprised in | - | desha | ••• | ••• | 234 |
| Sister-One shall not sit alon | | | ••• | | 512 |
| Smṛti 12, 102, 149, 162, | 166, 175 , 19 | 98, 232, 233, | 334, 315, 3 | 8 6, 809, | |
| " —equal to Veda | *** | ••• | ••• | ••• | 212 |
| " based on ,, | ••• | ••• | ••• | ••• | 172 |
| -a means of knowing | Dhurma | | ••• | | 281 |

| | | | | | PAGE. |
|-----------------------------------|-----------|-----------------------|----------|--------|----------|
| SmrtiHeterodox | ••• | | | | 178 |
| " -Detracting of censu | red | | | | 218 |
| " -Foundation of author | ity of—d | iscussed | ••• | | 191 |
| " -Alternative views ab | out | ••• | | | 191 |
| ,, - ,, ,, - | set forth | in Vivaran | a | | 191 |
| " and Veda—Close connec | tion bety | reen | | | 192 |
| " " -Conflict betv | reen | | | , 1 | 93, 196 |
| 1) 1) | -not | optional | | *** | 193 |
| " Vedic texts in suppo | rt ofinf | erred | | | 197 |
| " -Writers of-related | to Veda | | | | 197 |
| " —texts … | | | ••• | ••• | 226 |
| " -prompted by visible | e motive | -not author | ritative | | 283 |
| " —lay down duties | | | | | 253 |
| Smrtiviveka-quoted | | | | 10, 1 | 192, 198 |
| Smrtivivaraya - describes fi | ve kinds | of Dharma | | | 248 |
| 'Smṛtishile cha tadvidam' | | | | 189, 1 | 201, 204 |
| ., -ox | plained | | | | 204 |
| · Smṛtishile ' | ••• | | | | 203 |
| Smårta Dharma | | | | | 176 |
| Somapa | | | | ••• | 80 |
| Sound | | | | | 44 |
| " —quality of Ākāsha | | | | ••• | 110 |
| " -Portetious | | | ••• | ••• | 81 |
| Soul-Exit of individual | ••• | ••• | ••• | · · · | 98 |
| 'Southern Course' | | ••• | | ••• | 111 |
| Singing-to be avoided by R | | | | | 472 |
| Sick person - Way to be mad | | ••• | | | 416 |
| Sipping of water - Exact qua | | ••• | | ••• | 312 |
| ,, Pitr way | | | ••• | | 305 |
| • | | ough to read | | | 312 |
| Daiva wa | | | | | 305 |
| • | • | ough to reac | | | 312 |
| " —Prājāpaty | - | | | | 305 |
| "for Vaish | - | | ••• | ••• | 812 |
| | - | touching th | | ••• | 312 |
| , -, , | expl | | | ••• | 313 |
| "—Methods | • | | ••• | | 305 |
| ~ | | he right ha | | ••• | 314 |
| Duéhma v | | no tigne na | | ••• | 305 |
| Alutaa | | | | ••• | |
| Sipping of water—which is | | - • • • | ' | ••• | 308 |
| An he des | | | шу | ••• | 310 |
| | | animess North or F | Po at | ••• | 310 |
| Slumber of the Divine Bein | | | | ••• | 810 |
| Slips | B | ••• | | ••• | 94 86 |
| 'Sîmantonnayana' | ••• | ••• | ••• | ••• | 247 |
| Silence—Truth better than | ••• | ••• | ••• | ••• | 847 |
| MINORAL TERRITORIST OFFICE DIRECT | ••• | *** | *** | ••• | .,4 |

| | | | PAGE. |
|--|---------------|-------------|------------|
| Sleeping on ground—to be continued Final Bath | by Initiat | • • | ill 877 |
| Sprinkling | | | 249 |
| Spotted deer | ••• | | 286 |
| Suataka | ••• | | 300,304 |
| Son-One's own-to be taught for Meric | t | | 379 |
| Source of knowledge of Dharma-Releva | ancy of | ••• | 172 |
| South-Eating, with face towards -brin | | ••• | 296 |
| 'Soul'-stands for the Heart and the Na | avel | ••• | 309 |
| " Great | ••• | ••• | 96 |
| " —Welfare of | ••• | ••• | 149 |
| Staff-Damaged-to be thrown into wat | er | ••• | 815 |
| " " " replaced | *** | ••• | 315 |
| " of Bilia and Palasha-for Bi | • | ••• | 289 |
| " - " Vata and Khadira " K | | ••• | 289 |
| " " Pilu and Udumbara " Va | | ••• | 289 |
| " - " Brahmana-should reach hi | | ••• | 290 |
| " | ,, forehead | | 290 |
| | , nose | | 290 |
| " -denotes the particular shape of | of wood car | ried . | 290 |
| " — Qualities of … | *** | ••• | 291 |
| Stars | ••• | *** | 81 |
| Standing and sitting for the life-long | Student | *** | 589 |
| ·Sthânásanaviháraván' | ••• | | 589 |
| Studentship-unflinchingly kept-leads | s to Highes | t Place | 539 |
| 'Stealing of Veda'—explained | ••• | ••• | 386 |
| Student-Avowed-to subsist on alms | ••• | | 480 |
| " - " subsisting on alms, | - | Fasting | 480 |
| " —Learning to be imparted to p | | ••• | 385 |
| ** | elf-controlle | rd | 385 |
| ,, ,, ,, ,, ,, ,, | ualified | | 885 |
| Study | ••• | ••• | 3 |
| " -a function of the Brahmana | ••• | ••• | 133 |
| " " " Kṣattriya | ••• | ••• | 184 |
| " " Vaishya | ••• | ••• | 185 |
| " Course and Method of | ••• | ••• | 442 |
| " Rules of | ••• | ••• | 326 |
| " with face to the north | ••• | ••• | 326 |
| " -after sipping water | ••• | ••• | 326 |
| " — with hands in 'Brahmánjali' i | form | ••• | 326 |
| " " light clothing … | ••• | ••• | 326 |
| " — " organs under control | | ••• | 326 |
| ,, -of Veda-At beginning and c | | chor's feet | to 327 |
| be clasped | ••• | | 327 |
| ,, - ,, - with joined palms | th ' Om ' | ••• | 900 |
| ,, — to begin and end wi | ` | | 528 |
| "—Meaning of 'beginning' of | | | 999 |
| | | 141 | *** 000 |

| | | | | | | | PAGE. |
|------------|--------------|--------------------|---------------|------------|-------|-----------------|---------------|
| 8trî ratn | am duşkulâ | i i | | | | | 529 |
| Suktavák | ena | | ••• | | | | 352 |
| Summer | •• | | | | | | 131 |
| Sukhâdi | group | | | | | | 233 |
| · Sushlist | ângi'—a ha | ırsh female | e name | ••• | | | 271 |
| ' Suvadar | ıâ' | | | | | ••• | 271 |
| Supreme | Being | | | | | • | 26, 37, 58 |
| ,, | Brahman | | ••• | ••• | | 1, | 27, 96, 348 |
| ,, | Bliss | ••• | | | | | 181 |
| ,, | God | | | | | | 258 |
| ** | Lord | | | | | 81, 33 <u>,</u> | 39, 41, 124 |
| ,, | Self | | ••• | | | | 99 |
| •• | Soul | | ••• | | | | 96, 99 |
| *1 | happiness | obtained | | ••• | | | 210 |
| Sürya | ••• | | ••• | | | | 468 |
| Sadera | | | | | | | 183 |
| Sub-caste | 08 | | | | | | 281, 284 |
| Subtile | ••• | ••• | ••• | | | | 28, 66, 100 |
| ., с | omponents | | | | ••• | 4 | 4, 45, 46, 47 |
| Subtle be | ody | | | | | | 99 |
| Sûtras | | | | ••• | | | 2 |
| Sun | | | ••• | | ••• | | 32, 108-109 |
| Sun-god | ••• | ••• | ••• | | ••• | | 74 |
| ., - | -to be wors | shipped, b | efore going | g for alms | ••• | | 291 |
| Sunrise | | | | ••• | ••• | ••• | 174 |
| ., | for sacrific | ial acts | ••• | • • • | ••• | ••• | 224 |
| ., | -Beforeti | ime for sac | erificial act | ts | ••• | ••• | 224 |
| Sustaini | ıg | | ••• | ••• | ••• | ••• | 47 |
| Sunîti | ••• | ••• | *** | ••• | ••• | ••• | 55 |
| Summing | up—of Dia | | | ••• | | ••• | 243 |
| 19 | — " Sec | ction on Sa | craments | ••• | ••• | ••• | 322 |
| Suparna | | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 80 |
| | ry Sciences | | | | ••• | ••• | 456 |
| Superior | One shou | | | | ••• | ••• | 389 |
| ** | - " " | not sit | on same co | | ••• | ••• | 389 |
| ,, - | - ,, ,, | •• | - | epared for | ••• | ••• | 389 |
| | – addressin | | | of | ••• | ••• | 401 |
| | -Behaviou | | | | ••• | | 505 |
| Svadhá c | offering—E | | | | | unced | |
| • | | before | Upanayana | l | \ | ••• | 461 |
| 'Svadhye | • | ••• | ••• | ••• | ••• | | 251,373, 376 |
| | ișa Manu | ••• | ••• | ••• | ••• | | 107 |
| | huva Manu | ••• | ••• | ••• | ••• | 106, 1 | 07, 148, 230 |
| *Svastyu | | • • • | ••• | ••• | ••• | ••• | 147 |
| | am pustah ' | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 62 |
| * Svayam | | ••• | ••• | ••• | ••• . | ••• | |
| Sweat-be | orn | | ••• | *** | 141 | 111 | 85 -86 |

| | | | | | PAGE. |
|---------------------------|------------------|-----------------|------------|---------|----------|
| | Т | | | | |
| 'Tadvidâm' | | | | | 189, 203 |
| 'Tadil' | | | | | 81 |
| · Taittiriya Bráhmana · | ••• | | | | 179 |
| " Upanisad | | | | | 348 |
| Tamas | | | | | 44 |
| Tâmasa Manu | | | | ••• | 107 |
| Takşaka | ••• | | | | 80 |
| Tanûnapât-prayûya | | ••• | | | 280 |
| Tarka | *** | | ••• | | 220 |
| TarpanaMeaning of | | | | | 467-468 |
| Taste | | | | | 44 |
| " -quality of water | | | | | 122 |
| 'Tat savilur' varenyam | | ••• | ••• | | 337 |
| • | not <i>Gáy</i> a | | *** | ••• | 337 |
| • • | | | ••• | ••• | 133 |
| Teaching—a function of Br | • | | ••• | ••• | • |
| . —to be done, with | | | ••• | ••• | 486 |
| " " ,, by n | ieaus of so | oft words | ••• | | 436 |
| Teacher | ••• | | ••• | | 144 |
| " —is father at Seco | nd Birth | ••• | | | 459 |
| Pupil's gift to | | | | | 536 |
| — called 'father,' | | nt of impart | ing Veda | | 460 |
| " —Gift to—at Fina | l Bath | ••• | ••• | ••• | 536 |
| Name of-not to | be pronc | unced | ••• | | 499 |
| —Son of—impart | ing instr | nction-to | be treated | l as | |
| Teache | er | ••• | | | 508 |
| ., , Limbs | not to be | shampooed | of the | | 508 |
| " - Gait of—not to | he mimick | ed | | • • • • | 499 |
| " -Speech of- |)• | | | | 490 |
| Deportment of- | ,, ·· | | | | 499 |
| ., -Behaviour towa | rds son of | ••• | | | 505 |
| Gift to-to the | best of on | e's capacity | · | | 536 |
| , -Intellectual-Be | haviour t | owards | | | 50: |
| Defamer of—bec | | | ••• | | 500 |
| " Ladies of -of sa | | * | red as Te | acher | 509 |
| ** | her caste | | nonoured | with | |
| salutation | | | | ***** | 509 |
| aband not be w | orshinned | . when anor | ν | | 500 |
| abould not be m | | | | ••• | 501 |
| Wite of not to | | | | ••• | 500 |
| • , | | | _ | ••• | |
| .,, | ,, ,, | by shampo | - | ••• | 500 |
| ,, ,, ,, |), i) | in dressin | _ | | 509 |
| " – " – when | | should not | nave ner | feet | p 44 |
| | hed | | ••• | ••• | 510 |
| " – " –to be s | | the ground | | ••• | 513 |
| ,, ,, _ ,, | | ily | | ••• | 518 |
| ., —Teacher of—sho | uid be tre | ated as Tea | cher | | 508 |

| | | | | PAGE. |
|---|-----------|----------|---------|------------|
| Teacher-Well-being of-to be looked | after by | Initiate | ed Boy, | |
| till Final Bath | | | | 377 |
| " -Gifts for-enumerated | ••• | | | 537 |
| " —Son of—a specially qualified | d pupil | ••• | | 379 |
| " - " -to be taught for Mc | | | | 379 |
| Tenderness . | | | | 70 |
| Temporal act | | ••• | | 169 |
| " knowledge-Imparter of-to | be salute | | | 387 |
| Tendrils | | ••• | | 90 |
| Terrestrial | | ••• | | 85 |
| Tenth day-indicates end of impurity | | ••• | | 265 |
| Tenth stage of life-a tile of respect for | or Shúdra | ••• | | 414 |
| , -Way to be made for | | | | 416 |
| Text of Treatise | ••• | | | 105 |
| Thighs | ••• | | ••• | 74,133 |
| Thickets | | ••• | | 90 |
| Threshing of corn | | | | 248 |
| Thoft | ••• | •• | | 127,199 |
| Thought-origin of Desire | ··· | ••• | ••• | 1.67 |
| " – " Sacrifices … | | | | 167 |
| •• | ••• | ••• | ••• | 167 |
| | ••• | ••• | ••• | |
| " – " Restranits " – What is | ••• | ••• | ••• | 167 |
| ,, | ••• | ••• | | 167 |
| "precedes Desire and Volition | | ••• | | 167 |
| Thread-Sacrificial-worn over should | | ••• | | 288 |
| ., ,,of cotton, for Bra | - | ••• | | 288 |
| " – " – hempen, " Kşa | | ••• | ••• | 288 |
| " – " —woollen, " Vai | | ••• | ••• | 288 |
| " – " – worn single or th | | sacrific | es | 288 |
| ., - ,may be of silk also | 0 | ••• | ••• | 289 |
| Time | ••• | ••• | ' | ออ |
| ,, —Creator of | ••• | ••• | *** | 60 |
| "—Measures of … | ••• | ••• | ••• | 108 |
| " Cycles of | ••• | ••• | 112 | , 113, 114 |
| Tonsure | ••• | ••• | 9 | , 246, 274 |
| " -during first or third year | | | | 274 |
| " —not for Shûdra | | ••• | | 275 |
| Tortoise | | | ٠. | 85 |
| Touching with water-the cavities | | | | 308 |
| " – " head | | \ | | 308 |
| " soul | | | | 308-809 |
| Touch | | ••• | | 44 |
| "—quality of Wind | ••• | ••• | ••• | 120 |
| Touchableness | | | | 248 |
| m | | | | 9 |
| m 1 11 0.01 1 | ••• | | | 100, 154 |
| • | | | | 91, 189 |
| Trees | ••• | ••• | ••• | 91, 100 |

| | | | | | | PAGE. |
|----------------|---------------------------------|------------|------------|-------------|------------|-------------|
| Treta | ••• | ••• | ••• | : | 114, 128, | 131, 182 |
| Truth | ••• | ••• | ••• | ••• | | 125-186 |
| "bett | er than silence | , | | ••• | | 347 |
| Truthfulness | | ••• | ••• | | • • • | 70, 78 |
| Trade—a fun | ction of the Va | ishya | ••• | | | 135 |
| 'Trdivankasa | h : | | | | | 139 |
| Tradition | ••• | ••• | | | | 238-234 |
| Triad of Fires | -Father, Motl | ner and | Precepto | or | | 524 |
| Treatise | ••• | | | | ••• | 2 |
| " on I | harma—should | supply | definition | ns and exp | planations | 314 |
| Transference | -Instance of | ••• | ••• | | | 205 |
| Trstup-metr | e for initiation | of Kşat | ttriya | | ••• | 281 |
| " -rela | ted to Kaattriy | a | ••• | | ••• | 282 |
| ' Traividya ' | ••• | ••• | ••• | | | 458, 462 |
| Triad-of Gag | <i>jatri</i> —to be r ej | oated a | 1000 tim | es | ••• | 352 |
| Twice-born p | ersons | | | | 216, | 245-246 |
| ,, | Meaning of the | term | | | | 458 |
| ,, | castes | | | | ••• | 2 0 |
| | The first birth | of-is | from moti | her | | 458 |
| ** | persons-shoul | | | | ries | 289 |
| | The second bi | | - | | | 458 |
| | signification of | | | | | 240 |
| • | The third birtl | | - | - | | 458 |
| " | me-based upo | | | | | 458 |
| | an, should lear | | | | ayunu | 442 |
| " | | | | for Vedic | learning | 442 |
| ,, | | | his Teach | | | 442 |
| " | • | | ed in self | | | 442 |
| " | -reading | | • | ndergoes | highest | |
| ,, | penance | | | | | 45 ő |
| | -labouring o | wan atl | on things | | loombaa | |
| " | Veda-be | | | | learning | 450 |
| | Taint of w | | | *** | ••• | 450 |
| Twilliald De | epeating Savitr | | move-t fre | | ••• | 246 387 |
| ., | eaning of | ı av | | | ••• | 360 |
| N7 | t standing at m | venina | | | ··· | 900 |
| , —No | leads to being | - | | ., | vening | 956 |
| " Pray | | 5 breate | u as ingu | | ••• | 370 838 |
| ., - | -compulso: | ev. | ••• | | | 388 |
| " " | —Section de | - | | | ••• | 364 |
| " " | -during S | _ | | repeated | till the | 904 |
| ", " | Sun rise | | | - oponiou | | 364 |
| | Sun 1130 | | | | | 904 |
| ., ,, | appear | ,, | | ** | " stars | 364 |
| | 'Om ' wit | h avery | manton t | o he neon | ounced at | 332 |
| n n | | - | | apt often I | | 002 |

| | | | | , | | PAGE. |
|-----------------|--------------|----------------|--|-----|----------|------------|
| Twilight devoti | ons-explai | ned | | | | 325 |
| " " | - | laily attended | l to | | | 325 |
| " | | • | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | U | | | | |
| 'U'letter-mil | ked out of t | he Vedas | | | | 336 |
| 'Ubhayatodatah | | ••• | | | | 85 |
| 'Udagayanam' | | ••• | | | | 111 |
| Udgatr | | ••• | | | ••• | 125 |
| 'Udite' | ••• | *** | | ••• | | 225 |
| " hotavya | | ••• | | | | 225 |
| Udumbara wood | | | | | | 289 |
| U d âna | ••• | *** | | | | 99 |
| Udbhid | ••• | ••• | | ••• | | 6,183-184 |
| Udbhijja | | | | | | 86 |
| Umbrella—to b | | | | | | 472 |
| Umbrella and | | | | | | |
| | | Final Bath | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | | | 587 |
| Umbilical cord- | | | | | | 257 |
| Unscen | | | | | ••• | 458 |
| Unmanifest | | | | ••• | | 26, 122 |
| Universal Disse | | ••• | | | | 22 |
| Untruthfulness | | ••• | | | | 216 |
| Unreliability | ••• | ••• | | | ••• | 216 |
| Uncles Form | | | ·•• | | | 401 |
| | | eated like Te | | | | 402 |
| 'Upajānante' | | | | | | 86 |
| 'Upádhyáya' | | | | ••• | | 421 |
| | | aches for a 1 | | | | 421 |
| ,, | | | ly of Ve | | | 421 |
| ,, | . ,, | | iary Scie | • | | 421 |
| | | m 'Âchârya' | | | | 421 |
| · (Ipasparshana | | | | , | ••• | 299 |
| Upanisads | ••• | | | | | 309 |
| • | alled ' Vedá | | | | ••• | 420 |
| | hásya—rofe | | | | ••• | 348 |
| | aittiriya | | | \ | | 348 |
| ** | hhândogya | | | ••• | | 348 |
| | laitri | | | ••• | ••• | 348 |
| ** | re esoteric | | | | | 419 |
| Upanayana | | | ••• | | | . 247. 276 |
| | real. imne | rishable and | | | 221, 240 | 428 |
| | alled ' Vedi | | | | ••• | |
| ** | | | ••• | ••• | ••• | 420 |
| 7, —11 | torgitte ye | ar, for Bráhn | urin | | ••• | 276 |

| | | | | | | PAGE. |
|--|--|---|---|--|----------------------|---|
| Upanayai | ıa-in eleventh | vear for Ksat | triva | | | 276 |
| ,, | | " " Vaisl | • | ••• | | 276 |
| ,, | -marked by | | | | | 459 |
| ,, | -Other name | s for | | ••• | | 276 |
| ,, | -name of a s | acrament | | ••• | | 276 |
| ,, | - in: fifth year | for Brâhman | a bov desi | ring Bra | hmic | |
| " | 2 | • | | glory | | 277 |
| •• | -, sixth ,, | " Ksattriya | , ,, | | er | 277 |
| ,, | - " eighth " | " Vaishya | ,, ,, | busi | ness | 277 |
| ٠, | Age for to | be counted fr | om concep | tion | | 279 |
| ,, | -for Females | -Marriage R | ites | | | 321 |
| 'Upavita | ' - name of a p | eculiar manne | er of weari | ng cloth | | 288 |
| · Upavîti | n'-explained | | | | | 314 |
| ' Urvashi | r' ' | ••• | ••• | | | 80 |
| ' Usage ' | | | | *** | | 6 |
| ** | -of a countr | y-the condit | ions of reli | ability | | 231 |
| ,, | -Local-not | authoritative | | · | | 232 |
| | relationship ' | | | | | 283 |
| Uttama 1 | Мани | ••• | | | ••• | 107 |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | v | | | | |
| Vaishya | | v | ••• | ••• | | 8, 74, 227 |
| Vaishya '' | Name of-sho | ••• | p r osperity | , ··· | | 8, 74, 227 269 |
| ** | | uld connote ' ¡ | | , , | | |
| " | Upanayana of | uld connote ' in thirteent | h year | | ••• | 269 |
| " | Upanayana of Initiation of- | uld connote 'j —in thirteent -by Jagatî met | h year tre | | ••• | 269 276 |
| ** ** ** | Upanayana of Initiation of- ' Vishvârûpân | uld connote 'pin thirteent -by Jagati met i,' etc., is the | h year tre Sûvitrî for | | | 269 276 282 |
| " | Upanayana of Initiation of- ' Vishvarûpûņ related to Jag | uld connote 'p —in thirteent —by Jagati met i,' etc., is the pati metre | h year tre Sâvitrî for | | | 269 276 282 282 |
| ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** | Upanayana of Initiation of- ' Vishvârûpân | uld connote 'p' in thirteent by Jagati met i,' etc., is the guti metre to wear goat | h year tre Sâvitrî for | | | 269 276 282 282 282 |
| 11 21 11 11 11 11 | Upanayana of Initiation of- ' Vishvárûpâņ related to Jag Brahmachári- | uld connote 'p' in thirteent by Jagati met i,' etc., is the guti metre to wear goat , wool | h year tre Sâvitrî for -skin | | | 269 276 282 282 282 282 |
| ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** | Upanayana ofInitiation of' Vishvärüpänrelated to JaçBrahmachäri | uld connote 'j —in thirteent -by Jagati met i,' etc., is the puti metre -to wear goat - ,, wool - ,, hem | h year tre Savitri for -skin len cloth | | | 269 276 282 282 282 284 284 |
| 11 11 11 11 11 11 | Upanayana oiInitiation of Vishvärüpän related to Jag Brahmachäri " | uld connote 'j —in thirteent -by Jagati met i,' etc., is the puti metre -to wear goat - ,, wool - ,, hem | h year tre Savitri forskin len cloth pen girdle llen Sacred | Thread | | 269 276 282 282 282 284 284 285 |
| 11 11 11 11 11 11 | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpāņ related to Jag Brahmachāri " " | uld connote ' i'—in thirteent by Jagati met i,' etc., is the guti metre by wool my wool my wool my wool my wool | h year tre Savitri forskin len cloth pen girdle llen Sacred | Thread | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 |
| 11 11 11 11 11 11 11 | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpāņ related to Jag Brahmachāri " " | uld connote ' i'—in thirteent by Jagati met i,' etc., is the guti metre by wool my wool my wool my wool my wool | h year tre Savitri forskin len cloth pen girdle llen Sacred of Pilu and | Thread Udamba | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 |
| 11 11 11 11 11 11 11 11 | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpāņ related to Jaç Brahmachāri " " " Upanayana of | uld connote ' —in thirteent by Jagati met i,' etc., is the puti metre —to wear goat —, wool —, hem —, wool —to hold staff o | h year tre Savitri forskin len cloth pen girdle llen Sacred of Pilu and | Thread Udamba | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 289 |
| 11 11 11 11 11 11 12 11 12 11 | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpāņ related to Jag Brahmachāri " " " Duty of Functions of | uld connote 'j' —in thirteent —by Jagati met i,' etc., is the guti metre —to wear goat —, wool —, hem —, wool —to hold staff c is ' Prosperity | h year tre Savitri forskin len cloth oen girdle dlen Sacred of Pilu and | Thread Udamba | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 289 153 |
| " " " " " " " " " " " " " " " | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpāņ related to Jag Brahmachāri " " " Duty of Functions of to be asked h | uid connote 'j' —in thirteent —by Jagati met i,' etc., is the puti metre —to wear goat —, wool —, hem —, wool —to hold staff o is ' Prosperity ong —by grains | h year tre Savitri forskin len cloth oen girdle dlen Sacred of Pilu and | Thread Udamba | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 289 153 135 |
| 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpāņ related to Jag Brahmachāri " " Duty of Functions of to be asked h Seniority amo | uid connote 'p' —in thirteent —by Jagati met i, 'etc., is the puti metre —to wear goat —, wool —, hem —, wool —to hold staff o is ' Prosperity ong —by grains each his nose | h year tre Savitri forskin len cloth nen girdle llen Sacred of Pilu and and riches | Thread | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 289 153 135 398 |
| 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpāņrelated to Jag | uld connote 'i' —in thirteent —by Jagati met i,' etc., is the puti metre —to wear goat —, wool —, hem —, wool —to hold staff o is 'Prosperity mg —by grains each his nose —in twenty-fou | h year tre Savitri forskin len cloth pen girdle tlen Sacred of Pilu and and riches rth year | Thread | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 153 153 398 433 290 |
| 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpāņ related to Jag Brahmachāri " | uld connote 'p' —in thirteent —by Jagati met i,' etc., is the puti metre —to wear goat —, wool —, hemp —, wool —to hold staff o is 'Prosperity ong —by grains each his nose —in twenty-fou fter fifteenth | h year tre Savitri forskin len cloth pen girdle tlen Sacred of Pilu and and riches rth year lay | Thread | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 289 153 185 398 438 290 |
| 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 | Upanayana ofInitiation of Vishvārūpān related to Jag Brahmachāri "- | uld connote 'p' —in thirteent —by Jagati met i,' etc., is the puti metre —to wear goat —, wool —, hemp —, wool —to hold staff o is 'Prosperity ong —by grains each his nose —in twenty-fou fter fifteenth | h year tre Savitri forskin len cloth pen girdle tlen Sacred of Pilu and and riches rth year lay | Thread | | 269 276 282 282 282 284 284 285 288 153 185 398 438 290 319 |

| | | | | | | r AGE. |
|--------------------------|--------------|-----------|------------|------------|-------------|--------------------|
| Vuidika knowledg | e | | | | | 387 |
| Vaideha | | | | * | ••• | 154 |
| 'Vaidikaih karmab | hih,' etc. | | | | | 263 |
| Vaisheşîkas | | | | | 27, | 37, 122 |
| 'Vaishvadeva' | | | | | | 152 |
| Vaivasvat Manu | | | | | ••• | 107 |
| 'Vaishvadevim san | grahiņîm,' (| etc. | | | | 181 |
| Vaishvânara sacrif | ice | | | | | 486 |
| ' Vd/a saneyaka ' | | | ••• | | | 178 |
| 'Vájapeya' | | | ••• | | | 186 |
| Vajapeya-not fou | nd in the Â | shvaliya | na Shákha | i of Rgyed | a | 411 |
| Vajsaneyins - The | Grhya of | | | ••• | | 259 |
| Vanspati | | | *** | ••• | | 88-89 |
| Vârtika on Panini | | | | | | 245 |
| ' Va r ṇa-dharma' | | | | | · · | 243 |
| 'Varnáshrama-dha | rma ' | | | | | 243 |
| Váchastoma | | | | | 180 | , 199, 2 00 |
| Vasanta | | | | | | 181 |
| 'Vasantáya Kapin | ialán álabha | te' | | | | 181, 186 |
| 'Vasat'—The syll | | | itation of | daily mant | tras | 375 |
| 'Vasatketam' | | | | | | 375 |
| Vampirist | | ••• | ••• | | | 214 |
| Vashistha | | | | ••• | 34 | 1, 78, 384 |
| " —a mer | itorious nat | ne | | | | 268 |
| " clan | | | ••• | ••• | ••• | 260 |
| Vasuki | | | | | | 80 |
| Vâtsyâyana-auth | or of a wo | rk on Ar | ts | ••• | | 387 |
| 'Vața'-wood for | Kşattriya's | staff | | | | 289 |
| 'Vayû'-a merito: | | | ••• | | ••• | 268 |
| Vayu | ••• | | *** | ••• | | 57, 58, 59 |
| Veda | | | | 4, 5 | 3, 126, 129 | , 180, 158 |
| " -Entiro-to | be learnt | | | | | 443, 467 |
| " -Study of | ••• | ••• | ••• | | | 163 |
| " — " —e | extends to ' | learning | of its mea | ining' | 444 | , 145. 447 |
| ,, -to begin w | ith 'Om' | | | ••• | | 332 |
| " " end | ,, 'Om' | | | | *** | 332 |
| " – " be done | , seated on | Kusha | ••• | ••• | | 333 |
| ,, ,, ,, ,, | with three | Prándy | ams | | | 333 |
| " -Syllables | | | | | | 336 |
| ., -makes bod | y godly | ••• | | , | ••• | 251 |
| " -to be learn | t along wit | h Esoter | ic Treatis | | | 443 |
| ,, ,, | by Auster | ities and | l Observar | ices | | 443 |
| "one or moi | • | | ••• | | | 443 |
| ., -extends to | | | | | | 4,445,447 |
| " —Injunction | - | ying—im | - | mprehensie | | |
| meanin | | | · | | ••• | 440,452 |
| What it m | _ | | Injunction | | | 452 |

| | | | | | | I AGE. |
|---------|----------------------------|--------------|--------------|------------|--------|--------|
| Veda –t | he name applies | to entire | collection | of Mant | ra and | |
| | Brâhmaya | ••• | ••• | ••• | ••• | 452 |
| ,, | applies to portions | also | ••• | | ••• | 452 |
| ,, i | ncludes the Subsi | diary Scien | ces | | ••• | 458 |
| ,,t | o be constantly re | epeated by | Brâhmana e | lesiring p | iety | 454 |
| ,, -I | Reciting of—is the | highest p | enance' | | ••• | 454 |
| .,1 | Vithout—one labo | uring over | other this | igs, make | s one | |
| | Shûdra | ••• | • • • | | ••• | 456 |
| ** | hree in number | ••• | | ••• ` | *** | 251 |
| ,,1 | njunction of stud | y of | ••• | ••• | ••• | 259 |
| ,, l | Pronouncement of | • • • | | | | 224 |
| ,, -/ | l <i>rthuvádas</i> – autho | ritative | | ••• | | 186 |
| ,, — I | Mantras | ,, | ••• | ••• | ••• | 186 |
| ,, -N | lames — | ,, | | | ••• | 186 |
| ,, | uthority of entire | -proved b | y argumen | t | | 187 |
| " and | l Smrti-A close | annection l | between | ••• | | 192 |
| ,,(| Certain texts of- | nay have be | en lost | | | 192 |
| ,, -I | oss of texts of | | | | | 198 |
| ,, | mbodies all know | edge | | | | 208 |
| ,, - i | s Revealed Word | | | | | 211 |
| | For imparting - Te | acher is cal | led . Fathe | er' | | 460 |
| | ot to be pronounc | | | | | 461 |
| |)ne is Shûdra, befo | | | | | 461 |
| | Recitation of -for | | | ilk | | 375 |
| ,, | | | | oney | ••• | 375 |
| | Expounder of—not | •• | ** | ••• | •• | 383 |
| | Stealing ' of-exp | | | | | 386 |
| | one who fills both | | -should | he regar | | • • • |
| ,, , | Father and A | | | | | 424 |
| ,, - | Imparter of-more | venerable | than Prog | enitor | | 426 |
| ,,j | Brâhmana's 'birth | ' is | ••• | ••• | | 426 |
| ,,] | For study of—the | Twice-born | n man sho | uld accui | nulate | |
| | | | sanctity | ••• | ••• | 442 |
| ,, | " – the T | wice-born n | nan should | be 'sancti | | 440 |
| | | self' | ••• | ••• | ••• | 442 |
| - | Rules for the stud | | | . *** | ••• | 326 |
| | At end of study of- | | | clasped | ••• | 337 |
| | should be studied | • | - | ••• | ••• | 327 |
| | Each foot of Saviti | | ut of | ••• | ••• | 336 |
| " -] | Reciting of -by H | | | ••• | ••• | 338 |
| ,, | ,. | —if disposi | tion vitiate | ed | ••• | 367 |
| | Daily reciting of— | | ••• | ••• | ••• | 375 |
| " an | d Dharmashástra – | above crit | icism | ••• | ••• | 211 |
| ,, | is untruthful | •• | ••• | ••• | ••• | 214 |
| " – | Inconceivable | ••• | ••• | ••• | | 11,14 |
| ,, - | Authority of mant | ras of—que | stioned | | ••• | 183 |
| " – | not untruthful | <i></i> | ••• | | | 214 |
| | is inconsistent | | ••• | · | ••• | 214 |

| | | | | | PAGE. |
|-------------------------------|-------------|------------|-------------|---------|----------|
| Vedanot " | | | | ·•• | 214 |
| " —contains repetitions | ••• | | | | 214 |
| " -does not contain repet | itions | | ••• | | 214 |
| " -Detractor of-'Infide' | | | ••• | | 216 |
| " -a means of knowing Dh | arma | | | ••• | 218 |
| "Eternal | | | | ••• | 11,14 |
| " —Creation of | | ••• | | | 57 |
| " Declamatory passages i | in— author | itative | | ••• | 184 |
| " -Authority of -question | ed | ••• | | ••• | 174 |
| " -Authority of entire-q | uestioned | ••• | | | 182 |
| " – " non-injand | etive passa | ges - ques | tic ned | | 182 |
| " — " declamato | ry passage | s-questio | ned | | 182 |
| " Authority of names-qu | restioned | in | | | 183-184 |
| " -the root source of Dhan | ·ma | | ••• | | 172,180 |
| " —Contradictory statemen | nts in | | | | 174 |
| ., -is source of Dharma-s | ın establis | hed fact | | | 176 |
| " -What it stands for? | | | | ••• | 177 |
| " - Etymology of the word | | ••• | | | 178 |
| " -Divisions of | | ••• | ••• | | 178 |
| " -Passages describing on | ly three - | are Arthau | áda | ••• | 180 |
| Vedāņgas | ••• | | | | 219 |
| Vedānļa | | | | | 1,27 |
| · Vedânta'—stands for cannons | of the Ve | da | | | 420, 436 |
| " " Upanişi | ads | ••• | ••• | | 420 |
| " -a name of Upanisa | ıd | | ••• | | 420 |
| 'Vedasiddhanta' | | | ••• | | 437 |
| ' Vedic birth'-One who bring | s about—is | s Father | | | 429 |
| 'Vedic Sacraments-stands for | e Upanaya | na ' | | | 321 |
| · Vedie merit'-Meaning of | | ••• | ••• | | 341, 367 |
| " —brought about by 8 | ávitri, at | Twilights | | | 337 |
| " -declaration | ••• | | ••• | | 164 |
| "Study … | | | | 3, 230- | 251, 346 |
| " "—Injunction of | | | | | 259 |
| "Rites … | | | ••• | | 245 |
| " Sacrifices | | | ••• | | 258 |
| ,, acts | | ••• | | | 164 |
| " Commentaries | ••• | | ••• | ••• | 220 |
| " anomaly … | | | | | 87 |
| " Rescension | | ••• | , | | 214, 258 |
| " Triad … | | | ` | | 179 |
| Veneration-won by study | | | ••• | | 434 |
| " -not won by age | | | ••• | | 484 |
| Vertical Phosphoroscence | | | | | 81 |
| Veno | | | ••• | | 55 |
| Vegetable | | | ••• | ••• | 85, 90 |
| Vice | ••• | ••• | 63, 70, 73, | | |
| Vidhána | ••• | | | | 11. 18 |

PAGE.

| Vidhi | | | | | | 14,103 |
|-----------------------|-------------------|----------------|---------------|-------|-----------------|------------|
| Vishvajit | | | | | 13, 165, 182, | 199, 254 |
| Vishvâmitra | | ••• | ••• | | | 467 |
| Vishvám i tra- | -a meritorious n | ame | ••• | | | 268 |
| Vishakhin—a | uthor of a work a | n Art | š | | | 387 |
| Vishvedevas | | ••• | | | | 139, 181 |
| Vital Breaths | s-recovered by | saluti | ng elders | | | 390 |
| Village prope | erty | | ••• | | ••• | 163 |
| · Vishvârûpa | ii, etc.—is Savi | tri foi | · Vaishya | | | 282 |
| Vîşuu | | | | | 55, | 204, 468 |
| · Visauryonii | kalpayatu,' etc. | | ••• | | | 229 |
| Virtues | *** | | ••• | ٠ | | 151 |
| " –m | ay be taken from | all so | urces | | | 531 |
| ' Viraj ' | | | | | | 76-77 |
| Virochana | ••• | ••• | | ••• | | 80 |
| Vivarana-se | ts forth argume | nts p | roving author | ity - | of entire | |
| | Veda | ••• | | | | 187 |
| Vinashana | | ••• | ••• | ••• | | 235 |
| ,, | where the Saras | <i>vti</i> dis | appeared | | ••• | 235 |
| Viviparous | ••• | ••• | ••• | | | 85 |
| Vindhya | | | ••• | | ••• | 235-236 |
| Vindhyavásin | | ••• | ••• | | | 98 |
| Virtue | | ••• | ••• | | 63, 70, 73, 92, | 99, 125 |
| " —lose | s one foot in cae | h Cyc | ele | | ••• | 127 |
| , and Vice | · | | | | 63, 70, 73 | , 92, 99 |
| Vivasvat-sute | ι | | ••• | | | 107 |
| Vows | | | | | | 167 |
| Vrkşa | | | ••• | | | 87-88 |
| Vrttra | ••• | | | | ••• | 80 |
| 'Vrati'-sta | nds for Religiou | s Stud | ent | | | 480 |
| 'Vrátya' | | | ••• | | | 845-348 |
| - | luded from Savi | | | | | 282 |
| | relationship to b | | hlished with | | | 283 |
| Vrihi corn | | | | | | 384 |
| " and yav | | | • | | | 270 |
| Vyákarana | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 210 |
| Vyahrtis | | | | | ••• | 340-341 |
| | o accompany Gáy | | ••• | | | 384 |
| | he Injunction fo | | | | | 837 |
| Vyása | | | | | 28, 98, 295, | |
| 'Vyatipâta' | | | | | 20, 80, 200, | 266 |
| r garr para | , | ••• | ••• | ••• | ••• | 200 |
| | | | | | | |
| | | 7 | W | | | |
| Waking and | | ••• | ••• | | | 94 |
| 19 | −of Br | ahmá | ••• | ••• | | 101 |

| | | | PAGE. |
|--|--------|--------|--------------|
| Way-to be made for one in chariot | ••• | | 416 |
| " - " ,, the Tenth Stage of | life | | 416 |
| " - " suffering from disease | ••• | ••• | 416 |
| " - " ., carrying a burden | ••• | ••• | 416 |
| " - " a woman | ••• | ••• | 416 |
| " - " the Accomplished Student | ••• | ••• | 416 |
| " " " King | • • • | ••• | 416 |
| " - " Bridegroom | | | 416 |
| Wandering Mendicant | | ••• | 153 |
| Water | ••• | ••• | 42 |
| " -Taste, the quality of | | | 122 |
| ., -Creation of | ••• | | 30 |
| " —the offspring of 'Nara' | | | 34 |
| "—after Light | ••• | | 122 |
| " -Sipping-necessary before eating | ••• | ••• | 298 |
| 'Welfare' | ••• | • • • | 147, 181 |
| " -to be asked of the Brahmana | ••• | ••• | 398 |
| " —of soul | | ••• | 149 |
| Wealth | ••• | | , 200 |
| " and Pleasures-Pursuit of-incompl | ete, w | ithout | |
| knowledge of Dharma | · | ••• | 220 |
| " -a ground of respect | | | 439 |
| ,, —and Spiritual Merit, are called 'good ' | | | 519 |
| Witnesses-Examination of | ••• | | 152 |
| Wife-Taking of | | | 152 |
| Wind-after Âkâsha | *** | | 120 |
| " -vehicle for 'all odours' | | ••• | 120 |
| Wisdom | | ••• | 148 |
| " oozes out—if one's organ oozes out | | | 862 |
| Wise men-guarded in their behaviour towards | | ••• | 510 |
| Wife-Gem of a-may be taken, even from a base | | | 5 2 9 |
| —may be obtained from all sources | | | 531 |
| Wise saying — ,, ,, ,, ,, ,, ,, | | ••• | 581 |
| Women—Names of—should be easily pronouncible | | | 271 |
| ,, —to be avoided by Religious Student | | ••• | 469 |
| "Examples of names of | ••• | ••• | 471 |
| Contained to be smalled by Dellatons (| | | 471 |
| Manakina at | | | 471 |
| Mha aandikiana ak | | | 152 |
| Wan to be made for | ••• | | 416 |
| | \ | | 510 |
| h.l 0 . 1 Maria manage and manage | | | 511 |
| ,, —capable of leading men astray | | | 512 |
| Womb—Taint of—removed | ••• | | 246 |
| Woollon cloth—to be worn by Vaishya Brahmach | | | 284 |
| Worms | | | 88 |
| Words—Cutting—to be avoided | | | 439 |
| | | | |

PAGE.

| World | | | | | | 25, 4 3 |
|----------------------|---------------|------------|-------------|-----|-----------|----------------|
| "-creation | | | ••• | | | 38 |
| " —Trio of | | | | | ••• | 138 |
| " Coming int | o existen | ce of | | | | 151 |
| ,, , | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | Y | | | | |
| | | | | | | |
| 'Yadaştâkapalo bl | | te | ••• | •• | ••• | 850 |
| Yâga | ••• 、 | ••• | ••• | ••• | ••• | 225, 252 |
| " —is perishabl | | ••• | *** | | ••• | 350 |
| Yûjnavalkya—reffe | | ••• | ••• | | *** | 147, 335 |
| "quot | ed | | ••• | | 331, | 334, 341 |
| ' Yannavakapâlaļı,' | etc. | ••• | *** | | | 350 |
| Yama | | ••• | ••• | | ••• | 204 |
| ' Yâvajjîvam ' | | ••• | | | | 182 |
| Yajurveda Shákhá: | s | | | | 4, 29, 52 | , 58, 178 |
|) 1)) | -Begin | ning of | | | | 327 |
| Yajna | | | ••• | | | 225 |
| Yâjyâ-hymns | | ••• | · | | | 375 |
| Yajuş | | ••• | ••• | ••• | | 57, 177 |
| Yaj uiyu-desha | | ••• | | | ••• | 236 |
| Yajamāna | ••• | ••• | | | | 400 |
| Yaksu | | | ••• | | | 84, 205 |
| · Yânganâ pratina) | | e. indica | ites Astuká | | *** | 274 |
| Yatksurena mar, a | | | | | | 274 |
| 'Yashasyam' | | | | | | 147 |
| Yava and Vrihi | ••• | | ••• | | | 270 |
| Ye chânye Kechid | | *** | | | | 86 |
| 'Yoga'—stands for | | | ••• | | | 363 |
| • | | iated acti | | | | 363 |
| Yogsiitra—quoted | | | • | •• | ••• | 348 |
| | | | ••• | ;•• | ••• | 243 |
| Youiµ Yudhişthira | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | |
| • • | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 7 |
| Yugas | ••• | ••• | ••• | ••• | *** | 112 |
| " —of gods | !=4!o= o# | ••• | ••• | ••• | ••• | 115 |
| ,, Character | | ·•• | ••• | ••• | *** | 131 |
| " Variations | i in Duari | na – m | ••• | ••• | | 132 |
| | | | | | | |
| | | | | | | |

Index to Vol. II.

(Parts I and II.)

A

PAGE.

| Accomplished | Studen | t-not to despise the ignorant | 419 |
|--------------|--------|---|-----|
| •, | ,, | " " the poor | 419 |
| 29 | ,, | " " one of low birth … | 419 |
| ,, | ,, | -shall perform Sacrifices | 475 |
| ,, | •• | - " practise Charity | 479 |
| ** | ** | - to perform his own duty | 317 |
| ,, | ,, | -performing his own duty, attains the | |
| | | highest state | 817 |
| ** | ,; | -shall not seek wealth by means of | |
| | | 'clinging' pursuits | 317 |
| ,, | " | shall not seek wealth by means of for- | |
| | | bidden acts | 317 |
| ,, | ,, | -shall not seek wealth when he has it | |
| | | already | 317 |
| ,• | ,, | -shall not seek wealth from improper | |
| | | sources | 317 |
| ** | ,, | -not to be addicted to sensual objects | 318 |
| ,, | ,, | -in the sense of one who has finished | |
| | | his study, but continues the obser- | |
| | | vances | 139 |
| ", | ** | -to be received with the Honey- | |
| | | Mixture | 138 |
| ,, | ** | -observances of | 316 |
| ,, | ** | · "—obligatory … | 316 |
| ** | ,, | - to avoid excessive addiction to sensual | |
| | | objects, by means of mental reflection | 318 |
| •, | ,, | -to relinquish all impediments to study | 319 |
| ,, | ,, | - to maintain himself somehow | 319 |
| •• | 1, | -to keep his dress in conformity with | |
| | | his age | 319 |
| ,, | ,, | -to keep his speech in conformity with | |
| | | his age | 819 |
| ,, | ** | -to keep his thoughts in conformity | |
| | | with his age | 319 |
| ٠ ,, | ,, | -to keep his dress in conformity with | |
| | | his occupation | 819 |
| •• | ,, | -when asked-shall give-without show- | |
| | | ing signs of displeasure | 479 |
| ,, | ,, | shall not insult one with redundant | |
| | | limbs | 419 |

| | 1.04. 1 | | PAGE |
|-----------|----------|--|--------------------|
| omplished | 1 Studen | t-shall not insult those with deficien | |
| | | | |
| " | ** | | of |
| | | • | 418 |
| 11 | ** | -shall not insult very old men | |
| ** | ** | -to keep his speech in conformity wit | |
| | | his occupation | 319 |
| ,, | ,, | -to keep his thoughts in conformit | y |
| | | with his occupation | 819 |
| ,, | ٠, | - to keep his dress in conformity with | 'n |
| | | his wealth | . 319 |
| ,, | ,, | -to keep his speech in conformity with | h |
| ,, | ,, | his wealth | . 319 |
| | | to keep his thoughts in conformit | |
| ** | ,, | | |
| | | • | |
| ** | ,, | -to keep his dress in conformity with | |
| | | his learning | . 819 |
| " | " | -to keep his speech in conformity with | |
| | | his learning | . 319 |
| ٠, | ** | -to keep his thoughts in conformit | y |
| | | with his learning | . 319 |
| ,, | ٠, | -to keep his dress in conformity with | n |
| | | his family | . 819 |
| ,, | ,, | to keep his speech in conformity with | ı |
| , | | his family | |
| | | -to keep his thoughts in conformit | |
| ,, | ** | with his family | , . 31 9 |
| | | -to study Treatises enlivening Intel | |
| •1 | " | · | |
| | | ligence | |
| , | ** | -to study Treatises conducive to | |
| | | wealth | . 3 2 0 |
| • | ** | to study Vedic Scriptures | 320 |
| ,, | ٠, | " Itihāsas | 320 |
| , | ,, | - " Puranas | . 320 |
| , | " | , Science of Reasoning | . 320 |
| , . | ,, | - " works of Brhaspati | 320 |
| , | •• | - ,, ,, Ushanas | . 320 |
| | ,, | - " Astronomy | 320 |
| " | | " Madiata - | 990 |
| ,, | . " | 0.1 | |
| " | " | • | |
| ,, | " | -not to be proud of his austerity | |
| ,, | | -not to tell a lie, after sacrificing | 485 |
| • | | —shall not revile the Brâhmana | 185 |
| • | ** | -shall not advertise his charity | |
| , | " | —to study Exegesis | 820 |
| •• | ,, | " Etymologies | |
| | | - Gramma» | 320 |

| Page. | | | |
|--------------|--|--------------|------|
| 320 | ent—to study Science of Interpretation | plished Stud | comp |
| 822 | -shall never omit the Five Sacrifices | •• | ** |
| 3 2 7 | -to offer the Agnihotza, morning and evening | ** | " |
| | -to offer the Darsha-at the end of | ,, | ,, |
| 327 | the Half-month | | |
| | -to offer the Purnamasa-at the end | ,, | ,, |
| 327 | of Half-month | | |
| 580 | - to perform Harvest Sacrifice | •• | 17 |
| 330 | - ,, Adhvara Sacrifices | ,, | ** |
| 330 | - " Animal Sacrifices | ,, | ., |
| 830 | - ,. Soma Sacrifices | ** | ** |
| 841 | Duties of | 1, | " |
| | -suffering from hunger, should seek | ,, | ,, |
| 841 | for wealth from the king | | |
| | -suffering from hunger, should seek | ** | 19 |
| 041 | for wealth from one at whose sac- | | |
| 841 | rifice he officiates | | |
| 041 | -suffering from hunger, should seek | ** | ** |
| 341 | for wealth from his pupilssuffering from hunger, should seek | | |
| 341 | for wealth from rich persons | ** | " |
| 771 | -suffering from hunger, should seek | | |
| | for wealth from commended twice- | ** | ٠, |
| 341 | born persons | | |
| ••• | -suffering from hunger, should seek | ,, | ,. |
| | for uncooked food from a Shudra. | ,- | , |
| 841 | if submissive | | |
| 842 | -to worship God | ,, | ,, |
| | -to live upon gifts made through | •• | , |
| 342 | love | | |
| | -not to go about very early in the | ,, | |
| 419 | morning | | |
| | -not to go about very late in the | ** | ** |
| 419 | evening | | |
| 419 | -not to go about at midday | ** | ** |
| 419 | -not to go about with an unknown | ** | ** |
| 419 | person —not to go about with\Shûdras | | |
| 342 | | ,, | ** |
| 842 | | ** | ** |
| 094 | -never to do service \not to receive gifts, if he has pro- | ** | • |
| 842 | perty of his own | " | ,. |
| 348 | -not to wear torn or dirty clothes | ,, | |
| 844 | -to observe personal cleanliness | " | •• |
| 344 | —to keep his hair clipped | ,, | •, |
| 344 | beard | ,, | |

| | | | I AUD. |
|-------------|----------|---|---------|
| Accomplishe | d Studer | nt—to keep his nails clipped | 844 |
| •1 | ,, | -shall wear white clothes | 344 |
| ** | ,, | - " remain pure in all matters | 844 |
| ,, | ,, | - ,. ,, engaged in Vedic study | 344 |
| ,, | ,, | - " " in what is con- | |
| | | ducive to welfare | 844 |
| ,, | ,, | -to carry a bamboo stick | 844 |
| ,, | ,, | - ,, ,, water-pot filled with | |
| | | water | 844 |
| ,, | ** | -shall wear the sacred thread | 344 |
| ,, | ** | ,, carry kusha grass | 344 |
| ,, | ,, | - " wear gold ear-rings … | 844 |
| ,, | ,, | -not to look at the rising Sun | 347 |
| ,, | ,, | -not to look at the setting " | 347 |
| 91 | 91 | — " " eclipsed " | 347 |
| ** | ,, | - " " " Sun reflected in | |
| | | water | 347 |
| ** | 29 | -shall accumulate spiritual merit | 486 |
| 91 | ,, | —not to look at the Sun at midday | 347 |
| ** | 19 | -should not step over the rope to | |
| | | which a calf is tied | 847 |
| ** | 91 | -not to run while it is raining | 347 |
| ** | ,, | -not to look at his own reflection in | |
| | | water | 847 |
| | •• | -has no companion in the other world | |
| | | except spiritual merit | 486 |
| ,, | •• | -should pass by a clay mound, leaving | |
| | | it to the right | 347 |
| ** | 1) | -should pass by a cow, leaving it to | |
| | | the right | 347 |
| •• | •• | should pass by a deity, leaving it to | |
| | | the right | 347 |
| ,, | | -should pass by a Brahmana, leaving | |
| ,, | ,, | him to the right | 347 |
| | ,, | -should pass by clarified butter, leav- | ,,,, |
| ,, | " | ing it to the right | 347 |
| | | · · | 044 |
| 79 | ** | -should pass by honey, leaving it to | |
| | | the right | 847 |
| " | ** | -should pass by a cross-way, leaving | 0.45 |
| | | it to the right | 347 |
| 79 | ** | -should pass by well-known trees, | |
| | | leaving them to the right | 347 |
| ** | 11 | -never to approach a woman in her | 640 |
| | | courses | 348 |
| ** | " | -never to sleep on the same bad with | |
| | | han while in hon courses | 040 040 |

| | | | | PAGR |
|-----|-------------|--------|---|------------|
| Acc | omplished 8 | Studer | nt-by avoiding the woman in her | |
| | | | courses, obtains strength, vitality, | |
| | | | intelligence and longevity | 349 |
| | ,, | ,, | -shall not eat with his wife | 349 |
| | ,, | ** | - " " look at his wife, while she | |
| | | | is eating | 349 |
| | ,,,* | ,, | - shall not look at his wife, while she | |
| | | | is snoring | 349 |
| | ,, · | ,, | -shall not look at his wife, while she | |
| | | | is yawning | 849 |
| | 11- | ,, | -shall not look at his wife, while she | |
| | | | is at her ease | 349 |
| | ,, | 19 | not to look at his wife applying col- | |
| | | | lyrium to her eyes | 851 |
| | ** | ** | -not to look at his wife when she is | |
| | | | anointing herself | 352 |
| | ** | ** | -not to look at his wife when she is | |
| | | | uncovered | 352 |
| | | ,, | -not to look at his wife at the time | |
| | ,, | ", | of delivery | 352 |
| | ,, | ** | shall not eat with only one piece of | |
| | " | " | cloth on him | 352 |
| | | | | |
| | ** | ** | —shall not bathe naked | 352 |
| | ** | ** | - ,, ,, urinate on the road | 352 |
| | ,, | ** | — ,, ,, on ashes | 352 |
| | ** | ** | -, , on haunts of cows | 352 |
| | ** | ,, | , , on ploughed ground | 852 |
| | •• | 11 | ,, ,, in water | 358 |
| | ** | ** | - ,, ,, in an oven | 858 |
| | ,, | ** | , ., on a mountain | 353 |
| | ** | ** | ,, ,, in a ruined temple | 353 |
| | ** | ** | — " " on an ant-hill | 858 |
| | •• | ., | ,, ,, in holes in which | |
| | | | animals live | 358 |
| | ,, | •• | , ., ,, walking | 358 |
| | ,, | ", | , standing | 358 |
| | * | ,, | - " " " on river-bank | - 358 |
| | ** | ** | - ,, ,, on mountain-top | 358 |
| | ** | ** | -not to pass fæces or urine-in front | |
| | | | of wind | 858 |
| | ,, | ,, | - " " " -in front | |
| | | | of Fire | 359 |
| | ** | ** | -, ,, ,, -in front | |
| | | | of a Brahmana | 358 |
| | ., | •• | - , , , —in front | |
| | • | ,, | of the Sun | 359 |
| | | | | |

| | | | | | | | | | PAGE |
|--------------|---------|------|-------|---------|--------|--------|---------------|----------|------|
| Accomplished | d Stude | nt-n | ot to | pass i | fæces | ort | ırine— in | front | |
| | | | | | | | of | water | 353 |
| ** | ,, | | •• | ,, | ,, | ,, | -in fro | nt of | |
| | | | | | | | eo | ws | 353 |
| ,, | ,, | _ | ,, | ,, | •• | on b | are groun | d | 854 |
| ,, | " | -s | hould | ,, | •• | on g | round co | vered | |
| | | | | | | with | leaves or | grass | 854 |
| ,, | ,, | | ** | ,, | •• | with | restraine | d speech | 854 |
| ,, | ,, | _ | ,, | ,, | •• | with | body co | vered | 854 |
| 17 | ,, | | ,, | ,, | ,, | facia | ng North | , dur- | |
| | | | | | | in | g day | ••• | 355 |
| *1 | 11 | - | ** | ** | ** | facir | ng South | ı, at | |
| | | | | | | n | ight | ••• | 355 |
| ,, | ** | _ | ** | 19 | ** | facir | g north d | luring | |
| | | | | | | T | wilights | | 355 |
| 19 - | ., | | ,, | •• | " | facir | ng any | direc- | |
| | | | | | | · ti | on, in sha | de or | |
| | | | • | | | d | arkness | | 855 |
| ,, | ,, | | ,, | •• | ,. | wher | there is | dan- | |
| | | | | | | ge | er | *** | 855 |
| ,, | ,, | _ | shall | not bl | low fi | re wi | th his mo | uth | 856 |
| ,, | ,, | | •• | 100 | k at | a nake | ed woman | | 356 |
| ,, | ,, | _ | | | | | things iu | | 356 |
| ,, | | | | | | | at the Fir | | |
| " | ,, | | | | | | er himse | | 356 |
| •• | ,, | _ | | o step | | | | | 356 |
| ,, | •• | | | - | | | der his fe | | 356 |
| " | •• | | | - | | | ngerous | | 356 |
| ,, | ,, | | | o eat a | - | _ | _ | | 357 |
| | | _ | ,, | sleer | • | | , | ••• | 357 |
| " | ., | _ | " | trave | | | , | | 357 |
| | ., | _ | " | | | he gr | | • | 857 |
| ** | •• | | | | | - | n garland | | 357 |
| ** | •• | _ | " | | | | a deserte | | 001 |
| ** | " | | ** | la | | | | | 358 |
| | | _ | | | _ | ce to | his super | | 358 |
| *1 | ** | | ** | | | | a woma | | |
| ** | •• | | " | | | urses | | | 358 |
| | | | | | | | | | |
| 19 | ,, | - | ,,, | ., | | | e uninvit | | 358 |
| .9 | "" | | to ur | | | right | hand—in | Fire- | |
| | | | | | oode | | ••• | - *** | 858 |
| ,, | 79 | | " | | | his 1 | nght har | nd in | |
| | | | | | w-pe | | | | 358 |
| •• | •• | _ | ** | | | | ht hand i | | |
| | | | | pr | esen | ce of | Brâhmaņ | as | 858 |
| •/ | ., | - | " | unco | ver h | is rig | ht hand d | uring | |
| | | | | Ve | dic : | recita | tion | | 858 |

INDEX TO VOI. · II

| | | | | PAGE. |
|--------------|---------|------|--------------------------------------|-------|
| Accomplished | l Stude | nt—n | ot to uncover his right hand at the | |
| | | | time of eating | 358 |
| •• | ** | - | " prevent hiefer drinking water | |
| | | | or milk | 359 |
| ,, | 31 | _ | " show rainbow to another person | 359 |
| ,, | ** | _ | " dwell long in an unrighteous | |
| | | | village | 359 |
| ** | ** | - | " dwell in a village abounding | |
| | | | in sickness | 359 |
| ,, | " | _ | " undertake a journey alone … | 359 |
| 19 | ** | - | " reside in a mountain for long | 359 |
| ** | ,, | | " dwell in a country with a | |
| | | | Shûdra king | 360 |
| ** | 31 | | " dwell in a country sur- | |
| | | | rounded by unrighteous | |
| | | | persons | 360 |
| ** | ** | - | ., dwell in a country inhabited | |
| | | | by imposters | 360 |
| ** | ,, | _ | ,. dwell in a country frequented | |
| | | | by low castes | 360 |
| ** | ** | _ | " eat anything from which oil | |
| | | | has been extracted | 361 |
| ** | 97 | _ | to avoid gluttony | 861 |
| ** | ** | | not to eat very early in the morning | 361 |
| ,, | ** | _ | ", " late in the evening | 861 |
| ,, | ,, | - | " " in evening, if he has eat- | |
| | | | en in morning | 361 |
| •• | ** | | to eat light food in the evening | 861 |
| ** | ,, | | not to exert himself without pur- | |
| | | | pose | 362 |
| ,, | ,, | | " drink water with joined palms | 862 |
| ,, | ,, | | " eat things kept in his lap | 369 |
| 1) | " | | , be too curious | 363 |
| ,, | ,, | | " dance | 869 |
| " | ,, | | ., sing | 36 |
| ** | ,, | _ | " play upon musical instru- | |
| | | | ments | 369 |
| ** | ,, | _ | " elap | 862 |
| ,, | ٠, | _ | " grind bis teeth | 365 |
| 19 | ,, | | " create enmity | 362 |
| . " | ** | - | " wash feet in vessel of white | |
| | | | brass | 36 |
| •• | ,, | _ | " eat out of a broken dish | 86 |
| ,, | " | _ | " " " defiled " | 86 |
| », | ,, | | should not wear shoes worn by | |
| / | " | | othors | 98. |

| | | | | | 1.4 | us. |
|--------------|-------|------|--------------|-------|---------------------------------------|--------------|
| Accomplished | Stude | nt—s | should | not | use sacred thread worn | |
| | | | | | by others | 864 |
| ,, | ,, • | _ | ,, | ,, | ,, ornament worn by | |
| | | | | | others | 364 |
| " | ,, | | ., | 11 | ,, garland worn by | |
| " | ,, | | " | ,, | | 364 |
| | | | | | 1 1 1 | - |
| ** | ** | | " | " | | 364 |
| | | | | | | 904 |
| 29 | " | | *, | ,• | travel with untrained | nø 4 |
| | | | | | | B 6 4 |
| ** | 17 | - | ** | ** | travel with diseased | |
| | | | | | | B64 |
| ** | 19 | | ** | ** | travel with beasts of | |
| | | | | | burden with injured | |
| | | | | | horns | 364 |
| ,, | ,, | | | ٠. | travel with beasts of | |
| ,, | " | | " | " | burden with injured | |
| | | | | | | 364 |
| | | | | | travel with beasts of | 901 |
| ,, | ** | | ,, | ** | | |
| | | | | | burden with injured | |
| | | | | | | 364 |
| ** | " | | ** | ** | travel with beasts of | |
| | | | | | burden with disfi- | |
| | | | | | gured tails | 364 |
| ,, | ,, | | shall | trave | el with trained beasts | B 6 5 |
| " | 19 | | ,, | ,, | and not goad them | 865 |
| , | " | | | | • | 365 |
| | •• | _ | " | ,, | the smoke issuing from | , |
| 19 | •, | | " | " | • | 365 |
| | | | | | • | B65 |
| 26 | 17 | |)) b.a.11 | ,, | | |
| ** | ** | _ | | | | 365 |
| ,, | " | | ** | ** | toar his nails with his | |
| | | | | | teeth | 36 5 |
| ,, | ,, | _ | 1, | ٠, | crush clods of earth | 866 |
| ,, | ,, | - | ,, | 17 | cut grass with his nails | 366 |
| ,, | ** | | ,, | ,, | do an aimless act | 3 6 6 |
| ,, | ,, | | •• | ,, | " what is likely to end | |
| | | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 366 |
| 1, | ,, | | ,, | ,, | | 367 |
| | | | | | carry on a wrangling | ,,, |
| "··· | " | | ** | ** | | 100 |
| | | | | | • | 3 6 8 |
| " | ** | - | ,, | ** | wear garlands above his | |
| | | | | | | 368 |
| ,, | ** | _ | ** | 11 | ., odourless garlands | 868 |
| " . | " | | •• | ,, | ride on the bare backs of | |
| - | | | | | cows and oxen | 168 |

| | | | | | | PAGE |
|--------------|--------|------------|------|-------|-------------------------------|------------|
| Accomplished | Studen | t—s | hall | not | t enter a walled village, | |
| | | | | | except through the gate | 868 |
| ** | ** | — в | hall | ke | ep away, at night, from | |
| | | | roo | ts of | trees | 368 |
| " | ,, | _ | ,, | nev | ver gamble with dice | 869 |
| ,, | •• | | " | | t carry his shoes | 369 |
| •• | " | _ | ,, | ,, | eat, seated on bed | 869 |
| ,, | ,, | _ | ,, | ,, | , what has been placed | |
| | | | | | in his hand | 369 |
| ** | ,, | _ | ,, | ,, | " after sunset any food | |
| | | | | | containing sesamum | 869 |
| ** | 11 | _ | ,, | ner | ver sleep naked | 868 |
| ** | " | _ | 39 | not | go about with mouth | |
| | | | | | nwashed | 369 |
| ,, | ** | _ | ,, | | with wet feet | 870 |
| " | ** | _ | ** | | sleep with wet feet | 370 |
| ** | " | _ | ** | nev | er approach a place difficult | |
| | | | | | of access | 870 |
| ** | ** | | " | ,, | "a place which is invisible | 370 |
| ** | 11 | _ | ,, | ,, | look at urine or excreta | 870 |
| " | " | - | ,, | ** | cross a river with his | |
| | | | | | arms | 870 |
| ,, | 11 | _ | ** | ** | step on hair | 871 |
| ** | " | _ | ** | " | " bones | 371 |
| " | " | _ | ** | ,, | " potsherds … | 871 |
| " | " | _ | ,, | " | " cotton-seed | 871 |
| ** | ** | | " | " | " chaff | 871 |
| " | 11 | _ | " | | associate with outcasts | 371 |
| ** | " | _ | " | ** | ", ", Chândalas " Pulkasas | 871 871 |
| ** | " | _ | " | ,, | | 911 |
| ,, | " | _ | " | " | | 871 |
| | | _ | | | ha wali tar | 271 |
| " | ** | _ | " | " | ,, ,, ,, naughty | 371 |
| ,, | " | | " | " | " " " Antyâ | 371 |
| ,, | " | | " | ,, | vasdyins | 872 |
| ,, | " | _ | ,, | | offer advice to a Shudra | 8J2 |
| , | " | _ | " | " | " leavings " " | 871 |
| | " | | ,, | ,, | " what has been pre- | |
| | | | | | pared for being offered | |
| | | | | | to the gods | 372 |
| ,, | ,, | _ | ,, | | expound the law to a Shûdra | 872 |
| ,, | ,, | _ | " | " | indicate any penance ,, | 872 |
| " | " | | " | ,, | instruct the Shadra re- | .,- |
| ** | •• | | | | garding details of | |
| | | | | | shraadha ata | 279 |

| | | | | | | | | | | | | PAGE. |
|-----|-------------|-------|------|------|---|---------------|------------|--------|--------|-------|--------|-------|
| Acc | omplished S | Stude | ոե–ո | hall | giv | e ad | vice | and | l tea | ching | gs to | |
| | | | | | | the | e Sh | ûdra | depe | ende | nt on | |
| | | | | | | hi | | | | | | 378 |
| | ,, | •• | _ | ,, | not | scrat | tch | his c | own l | head | with | |
| | • | ,. | | ., | | th ha | | | | | ••• | 380 |
| | | ,, | | ٠, | | er ba | | with | out | the | head | 380 |
| | ,, | | | | | d cat | | | | | | 000 |
| | ** | " | | ** | avoi | u cai | CHIL | ang | | , 110 | | 881 |
| | | | | | | | 1. i.u. a. | | | haa | | 901 |
| | ,, | " | ~ | ** | ** | | - | on | the | hea | | 001 |
| | | | | | | | nger | | | | | 381 |
| | " | 19 | _ | ** | not | accep | ot g | ifts | from | | king | |
| | | | | | | | | | not | bor | | |
| | | | | | | | | | the | Kṣat | triya | |
| | | | | | | | | | cast | е | ••• | 383 |
| | "* | " | | ** | ** | 19 | ,, | | from | ı sla | ught- | |
| | • | | | | | | | | er-ho | ouse- | keep- | |
| | | | | | | | | | ers | | ••• | 888 |
| | ,, | ** | _ | ,, | ** | ,, | ,, | | from | oil- | press | |
| | | | | | | | | | keep | ers | | 383 |
| | | | _ | ,, | | | ,, | | from | | grog- | |
| | 17 | ** | | " | " | " | " | | shop | | epers | 388 |
| | | | | | | | | | from | | othel- | 000 |
| | ,, | ** | _ | •• | ٠, | " | " | | | | | 383 |
| | | | | ъ., | | | | | keep | өгв | ••• | |
| | ** | ** | _ | | • | ıties (| | | ••• | | | . 386 |
| | ** | ** | | sna | | ake ı | - | | | | | 886 |
| | ** | ** | - | " | . 01 | n wal | - | | nk of | r w | ealth | |
| | | | | | | and I | Meri | t | ••• | | ••• | 386 |
| | ,, | ,, | _ | | po | nder | the | true | e me | anin | g of | |
| | | | | • | - | the ' | Veda | | | | | 386 |
| | ,, | ,, | | | on | wak | ing. | nav | | call | ls of | |
| | ,, | ,, | | , | • | natur | • | Puj | | | | 387 |
| | | | | | na | rform | | he | | ifan | tions | ••• |
| | " | ,, | | ** | po. | | | | - | | | 387 |
| | | | | | *** | (brus peat | _ | | vitrî, | | | 901 |
| | ,, | ** | _ | , | re | - | | | | BURI | luing | 997 |
| | | | | | | durin | - | | _ | | | 387 |
| | ** | ** | _ | ,, | re | peat | | | | stat | ding | |
| | | | | | | durin | _ | | ~ | | ••• | 887 |
| | ** | ** | | " | - | rform | | light | Dev | otion | s | 388 |
| | ,, | ** | v | edic | stu | dy by | | | ••• | | ••• | 389 |
| | ,, | ,, | -s | ıall | per | form | Upâl | tarm: | a on l | Full- | moon | |
| | | | | day | of S | hråva | ņa o | r Bh | âdrap | ada | ••• | 389 |
| | " | ,, | -af | ter | Upâ | karm | a, sh | all st | udy | Veda | s for | |
| | | | | fou | r mo | nths a | and a | hal | f | | | 889 |
| | " | ,, | -to | n | erfo | rm 1 | Utsaı | rjana | (su | spen | sion) | |
| | | | | • | | in M | | - | | | | 889 |
| | ,, | ,, | | | | from | | | for t | he | night | |
| | " | " | | | | saria | | - | | | | 890 |
| | | | | | | | | | | | | |

| PAGE | | |
|---------|---|------------|
| | lished Student - to study Veda regularly throughout | ccomplishe |
| 890 | the Bright Fortnights | |
| 0.01 | " - " subsidiary sciences throughout | " |
| 898 | the Dark Fort nights | |
| 39: | , - not to recite Veda indistinctly | ,, |
| 89: | " " " near a Shûdra | " |
| 891 | " — not to go to sleep-in morning, after Vedic study | ** |
| 891 | ,, — to recite Rgveda, Såmaveda and Yajurveda, every day, in nor- mal times | 29 |
| 398-402 | "— not to study the Veda on days un- fit for study | ** |
| 000-101 | " - to diligently recite Veda-when- | ,, |
| 42 | ever he finds time | " |
| 42 | ., - Vedic Study, the primary duty of | ,, |
| | ,, - remembers previous birth, by cons- | ,, |
| | tant recitation of Veda, by puri- fication, by Austerity and by avoid- | ,, |
| 42 | ing injury to living beings | |
| 40. | , - attains endless bliss by the study | ,, |
| 424 | of Veda | |
| 428 | ,, — to offer oblations to Savity, on special days | ** |
| | " — " Purificatory Oblations on spe- | |
| 425 | cial days | " |
| 42 | " — to worship the Pitrs on Astakas … | ,, |
| 425 | " — " " on Anvastakas | " |
| | , - to perform urination at a distance | ,, |
| 420 | from the dwelling-place | ,, |
| | fact meching at a distance | " |
| 420 | from the dwelling-place | ,, |
| | " — to throw foed-leavings at a distance | ,, |
| 420 | from the dwelling-place | ,, |
| | " — to perform evacuation of bowels | ,, |
| 420 | during forenoon | • |
| 426 | " – " Toilet " " | ,, |
| 426 | Doth | " |
| | alassian of the teeth | " |
| 426 | during forenoon | " |
| 426 | Duing of the ever | ** |
| | and the state days | |
| 426 | ,, — ,, worship of the gods dur- ing forenoon | . 99 |
| 427 | to go to the gods for protection | ,, |
| 427 | "— " the king " " … | " |
| | " — " Righteous Brahmanas for pro- | " |
| 427 | tection | |
| 472 | his superiors for protection | |

| | | | | PAGE. |
|------------|-----------|--|-----|-------|
| Accomplish | ed Studei | nt— shall salute his elders | | 427 |
| ** | ,, | - ,. give up his seat to elders | | 427 |
| ,, | ,, | - , wait upon elders with join | ed | |
| | | palms | | 427 |
| *1 | ,, | ,, follow behind his elders | ••• | 427 |
| ,, | ,, | ,, attend to Right Conduct | ••• | 427 |
| ** | ,, | - ,, avoid everything depende | ent | |
| | | on others | ••• | 428 |
| " | 11 | - , pursue every act that deper | ıds | |
| | | on himself | ••• | 428 |
| ** | ** | - to do that act which brings satisf | ac- | |
| | | tion to his inner soul | ••• | 429 |
| " | ,, | - shall never injure his Preceptor | ••• | 430 |
| ** | ,, | - " " " Teacher | ••• | 430 |
| ,, | ,, | - " " " Father | ••• | 430 |
| ,, | ,, | ,, ,, ,, Mother | *** | 430 |
| ,, | ,, | ,, ,, ,, elder | ••• | 430 |
| ,, | ** | — " " " Brâhmaṇas | ••• | 430 |
| ** | ,, | ,, ,, ,, cows | ••• | 430 |
| ,, | 11 | " " " any person p | er- | |
| | | forming austerities | ••• | 430 |
| ** | ,, | - " avoid atheism … | ••• | 431 |
| " | ,, | - ,, ,, cavilling at the Vedas | ••• | 431 |
| 99 | ** | - ,, ,, abusing the gods | ••• | 481 |
| ,, | ,, | — " " Hatred 🗻 | ••• | 431 |
| ** | ,, | - ,, ,, Haughtiness | ••• | 431 |
| ,, | ,, | ,, ,, Pride | ••• | 431 |
| ,, | ,, | " " Anger … | ••• | 431 |
| ** | ** | ,, ,, Hastiness | ••• | 481 |
| ** | ** | - ,, not raise the rod against anoth | | 481 |
| ** | ,, | by drawing blood from a Brahman | a's | |
| | | body, undergoes suffering | ••• | 488 |
| " | ** | - shall never threaten a twice-be | orn | |
| | | person | ••• | . 484 |
| ** | ,, | - shall never strike a twice-born per | eon | 484 |
| ** | ,, | - ,, ,, spill the blood of a ,, ,, | ••• | 484 |
| ,, | ,, | — if unrighteous—is not happy | ••• | 484 |
| ** | ,, | - whose wealth is misbegotten, is | not | |
| | | hарру | ••• | 484 |
| ** | ,, | - who is addicted to injuring others | is | |
| | | not happy | *** | 484 |
| ,, | ,, | - shall not turn his mind to unrighted | us- | |
| | | ness, even though suffering fr | om | |
| | | Righteousness | | 485 |
| ** | ,, | - to delight in Truthfulness | *** | 438 |
| ", | ,, | - " " Law | ••• | 488 |
| | •• | Right Conduct | | 488 |

| | | | | | | | | | PAGE. |
|--------------|--------|----------|---------|-----------|-------|----------|---------|------------|-------|
| Accomplished | Studen | tto .d | elight | in Clear | lines | 3s | | | 4,00 |
| 91 | ,, | —to g | overn l | nis Pupil | s acc | ording | to Lav | N | 488 |
| ,, | ,, | -shal | l keep | his spec | ch u | nder co | ntrol . | | 488 |
| ,, | ,, | | ,, | " arms | 3 | ,, , | , | ••• | 438 |
| ,, | ,, | | ,, | " bell; | y | ,, , | , | | 488 |
| ,, | ,, | -shal | | unright | eous | | | | 439 |
| ,, | " | <u> </u> | ** | -,, | | Pleasu | re . | | 439 |
| ,, | ,, | - ,, | ,, | Right | eousn | ess, if | cond | u- | |
| | | | | cir | e to | unhapp | iness | | 439 |
| ,, | ,, | - " | ,, | Right | eousi | ess, if | disa | p- | |
| | | | | pr | oved | by the | eople | | 439 |
| ,, | ** | ,, | ,, | ficklen | ess o | f hands | and fee | et | |
| ,, | ,, | ,, | ,, | | | h and e | | | 441 |
| ,, | ,, | - ,, | ", | crooke | - | | - | | 441 |
| ,, | ,, | ···· ,, | " | | | hers by | | | |
| " | • | ,, | | | _ | ought | • | ••• | 441 |
| ,, | ,, | - " | tread | the path | | ~ | | | 441 |
| ,, | ,, | - ,, | ,, | ,, ,, | | | | is | |
| ,, | " | ., | | " " | | forefa | • | | 441 |
| ٠,, | ,, | -· " | never | quarrel | with | | | | |
| .,. | ,, | ,, | | 4 | | | Priest | - | 448 |
| | ,, | ,, | | | ,, | his Te | | | 448 |
| ** | | ,, | ,, | " | | | tern a | | **** |
| ** | ,, | - " | ** | ** | ** | •• | uncle | | 443 |
| | | | | | | | | ••• ••• | 448 |
| ** | ** | _ " | ** | ** | ** | | enden | | 448 |
| ** | ,, | _ " | ** | " | " | | ildren | | 448 |
| ** | ** | _ ,, | " | " | ,, | old or s | | | 220 |
| ** | ,• | " | ,, | ,, | ,, | 014 01 1 | sons | | 448 |
| | ,, | - ,, | | ,, | ,, | doctor | | ••• | 443 |
| " | " | - " | " | " | " | patern | - | | 110 |
| " | " | ,, | ,, | " | " | Parera | tions | | 448 |
| | | | | | ,, | marria | | ••• | 448 |
| " | " | _ " | " | " | " | parent | • | | 443 |
| " | ,, | - " | " | " | " | female | | | 448 |
| " | ,, | - " | " | " | " | Brothe | | | 448 |
| " | ,, | - " | ,, | ,, | ** | Son | - | | 448 |
| | | ,, | " | " | " | Wife | | | 448 |
| ** | ** | ,, | " | ,, | " | Daugh | ter | | 448 |
| ,, | " | · ′,, | | " | ** | Slaves | | | 448 |
| ,, | " | | n offe | nded by | | | | , | 230 |
| ,, | ** | | | relative | | • | _ | | |
| | | | out he | | -, | | | | 444 |
| | | -gha | | be ad | dicte | | eceivi | nø | *** |
| " | " | 544 | presei | | | | 202111 | | 445 |
| | | -hee | • | light ex | | nished | by 1 | re- | - 10 |
| " | ,, | | | ILE DECEN | _ | | , | | 445 |

| | | | PAGE |
|-------------|----------|--|-------------|
| Accomplishe | d Studer | nt-shall not accept any gifts | 445,446 |
| ** | ,, | - not to hide his sins | 453 |
| ,, | ,, | — " be cat-like | 458 |
| 29 | ,, | -, to perform penances under false | |
| | | pretexts | 454 |
| 19 | ,, | -, , bear a badge to which he is not | |
| | • | entitled | 458 |
| ,, | ,, | -shall never bathe in others' tanks | 456 |
| ,, | " | -by bathing in another's tank, becomes | |
| ,, | ,, | tainted with the sin of the person | |
| | | who dug it | 456 |
| ,, | ** | -not to use another's conveyance | 456 |
| | | | 456 |
| ** | " | , | 450 |
| ** | ** | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | 456 |
| ** | ** | | 456 |
| ** | ** | ,, ,, ,, | 450 |
| " | ** | 1 12 1 12 | 457 |
| " | ** | | 407 |
| " | ", | - , , , lakes and tanks 'dug by the gods' | 457 |
| | | | 407 |
| ,, | ,, | , , | 457 |
| | | | 457 |
| ** | ** | | 457 |
| ** | ,, | · - | 4.77 |
| " | ,, | — by neglecting Restraints, and keep- ing Observances—falls | 457 |
| | | - shall never eat at the sacrifice per- | 407 |
| ** | ,, | formed by one ignorant of the | |
| | | | 459 |
| | | Veda | 100 |
| " | ,, | formed by a village-priest | 459 |
| | | | 400 |
| " | ** | - shall never eat food at the sacrifice | |
| | | offered by a woman | 459 |
| ** | 19 | - shall never eat food at the sacrifice | |
| | | offered by a eunuch | 459 |
| " | ** | - shall never eat food offered by an | |
| | | intoxicated person | 4 60 |
| ,, | ** | ,, ,, ,, ,, an an- | |
| | | gry person | 4 60 |
| ** | ,, | " " " " " sick | |
| | | persons | 460 |
| ** | •• | - ,, ,, contaminated by | |
| | | hair | 460 |
| " | ,, | , , , , , , insects | 460 |
| ** | ,, | - ,, avoid food intentionally touch- | |
| | | ad with the fact | 480 |

| | | | | | | | PAGE. |
|--------------|------|------|---|------|------------------------|-------|--------------|
| Accomplished | Stud | ent- | shall a | void | food seen by the Brah | mana- | |
| | | | | | slayer | | 461 |
| ** | ,, | | ,, | ,, | "touched by a w | oman | |
| | | | | | in courses | | 461 |
| ,, | ٠, | | ,, | ,, | " pecked by birds | | 461 |
| ,, | ,, | | •• | ,, | " touched by dog | ••• | 461 |
| " | ** | | ,, | ,, | " smelt by the co | | 462 |
| " | ,, | | ,, | ,, | " publicly offered | | 462 |
| 19 | ,, | _ | ** | ,, | , belonging to a r | | |
| | ., | | - | • | tude | | 462, 470 |
| ,, | ,, | _ | ,, | ,, | , of the Harlot | | 462, 470 |
| " | ,, | | ,, | ,, | " censured by the l | | , |
| ., | " | | • | | ed | 100 | 362 |
| •• | ,, | | •• | ,, | " of the thief | , | 463 |
| " | " | _ | •, | ,, | " " singer | | 468 |
| ,, | " | _ | ,, | ,, | " " carpenter | | 463 |
| ,, | " | _ | " | ,, | " " usurer | ••• | 468, 471 |
| " | " | | ,, | ,. | " " Initiated pe | | 468 |
| " | " | _ | " | ,, | " " miser | | 468 |
| " | ,, | | ,, | ,, | " " prisoner | | 468 |
| " | ,, | - | ,, | | food of an accused | | 100 |
| ,, | ** | | ,, | ,, | son | por | 463 |
| | | | | | the he | rma- | 400 |
| " | • | | " | " | phrodite | | 463 |
| | | _ | ,, | | | | 409 |
| •• | 11 | | ,, | " | ", ", "unchaste man | ••• | 468 |
| ** | ,, | _ | ,, | ,, | " " " hypocrite | | 463, 468 |
| " | | | ,, | ,, | " " " turned so | | 463 |
| | . " | _ | " | •• | " kept overnig | | 463 |
| " | ** | _ | " | | eavings of the Shudra | | 468 |
| " | " | t | | | od of the Physician | • ••• | 465, 471 |
| | ,, | | ,. | ,. | " Hunter | ••• | 465 |
| ,, | ,, | | ,, | ,, | " cruel perso | | 465 |
| " | | | " | | ne leaving on leaving | | 465 |
| •• | " | | " | •• | "the "Ugra" | | 465 |
| ** | | | ,, | • | ooked for the newly | | 100 |
| ** | ** | | " | " | livered woman | | 465 |
| | ,, | _ | ,, | iı | aterrupted by washin | o | 465 |
| " | | | ,, | | ffered by persons im | _ | 400 |
| ,, | " | | ,, | ,, - | through child-h | • | 466 |
| | | | •• | ,, | " without respect | | |
| ,, | ,, | _ | ", | | proper meat | ••• | 466 |
| " | " | | " | | od belonging to male- | | 466 |
| •• | " | | " | -50 | female | | ARP |
| | | | ,, | of | an enemy | ••• | 466 466 |
| ** | " | | ,, | | e city-lord | | , 466 |
| " | ** | - | " | | outcast | ••• | , 100 466 |

| | | | | | | | | | 1 AUM |
|--------------|-------|-------|---|-----------|-------|---------|-----------------------|-------|-------|
| Accomplished | Stude | nt—to | avoid | food | that | has be | en sneez | ed at | 466 |
| •• | ,, | | " | " of | the | Inform | er | | 467 |
| ,, | ,, | | ,, | ,, | ,, P | erjurer | | | 467 |
| ,, | ,, | | ,, | ,, | ,, s∈ | ller of | sacrific | es | 467 |
| ,, | ,, | _ | ,, | ,, | ,, A | ctor | | • • • | 467 |
| ,, | ,, | | " | ,, | ,, T | ailor | ••• | ••• | 467 |
| ** | ,, | | 19 | ,, | ,, u | ngratef | ul perso | n | 467 |
| ,, | ,, | | ,, | ,, | " B | lacksm | ith | | 468 |
| ** | ,, | _ | ,, | ,, | ,, N | i⊧âda | | ••• | 468 |
| ,, | ,, | | " | ,, | ,, st | age-pla | yer | ••• | 468 |
| ,, | ,, | - | ** | ** | " go | ldsmit | h | ••• | 468 |
| ** | ,,, | | ** | ** | " off | ered b | y playe | r on | |
| | | | | | | musica | l instruc | nents | 468 |
| ** | ,, | | ,, | ,, | " d | ealer i | n weapo | ns | 468 |
| " | ,, | | ,, | ,, | " of | iered b | y dog-ke | epers | 468 |
| " | " | _ | ** | ,, | " | | wine-se | | 468 |
| " | 74 | _ | • | ,, | ,, | | the clo | thes- | |
| " | ., | | | | | | wash | er | 468 |
| ,, | " | | 25 | ,, | ,, | ,, | Dyer | | 468 |
| " | " | | " | " | " | | Bard | ••• | 468 |
| " | ,, | _ | ** | " | " | | rson in w | hose | |
| . " | " | | " | " | " | - | nouse li | | |
| | | | | | | | aramour | | 468 |
| •• | ,, | | ** | ,, | ,, | • | e who | | |
| •, | ,, | | " | , | | ., | presen | | |
| | | | | | | | paramo | | 469 |
| ,, | ,, | | ,, | ,, | ,, | | is ent | | |
| ,, | - | | | | | | led by w | • | 469 |
| ,, | ,, | | " | 11 | ,, | | house v | | |
| ,, | | | | | | | has occi | | 469 |
| . " | ,, | | ,, | •• | whic | | sagreeal | | 469 |
| " | ,, | | ,, | | | e king | - | ••• | 470 |
| | ,, | | ,, | ,, | ** | Shûd | | ••• | 470 |
| •• | •• | _ | •• | •• | 21 | Golda | mith | ••• | 470 |
| ,, | ,, | | ,, | ,, | ,, | | her-outte | er | 470 |
| ,, | ,, | _ | • | " | ,, | Artis | | ••• | 470 |
| | | _ t | | | | oo dawa | -if he | | |
| ** | ,, | — 0 | | | | | per pers | | 4711 |
| | | _ n | | | - | | per perso y the Sh | | 471 |
| ,, | " | - 11 | | | | | addhas | luura | 450 |
| | | | | - | | | | | 478 |
| ** | ** | n | | | | | f liveli | | |
| | | | | - | _ | | m Shûdr | | 478 |
| ,, | *1 | t | | | | - | Student | on on | |
| | | | | Moon • | | | | | 410 |
| 19 | ** | — to | | | | - | Student | on on | |
| | | | the c | ignth | or t | he mon | th | | 410 |

| plished | Stude | ent—to r | emain | a 'Relig | ious st | udent'o | n the | |
|---------|-------|----------|--------|-----------|-------------|-----------|---|--|
| | | | Full 1 | Moon Da | y | ••• | ••• | |
| ** | ,, | - | ,, | 19 99 | on the | Fourte | enth. | |
| • | | | of the | e month | | | | |
| 11 | ** | -not | to bat | he after | meals | ••• | ••• | |
| ** | ., | | ,, | " whe | n ill | ••• | ••• | |
| 19 | ,, | | ., | "atı | nidnigl | ht | | |
| ** | 19 | | ,, | " with | ı his g | arments | on | |
| ** | ,, | _ | • | | n unk | nown w | ater- | |
| | , | | | | servoi | r | | |
| ,, | 19 | -shall | not | step ov | er the | shado | w of | |
| | " | | the g | - | | | | |
| ,, | 11 | -shall | _ | step ove | r the | | | |
| " | " | | | 300p 5.0 | | superio | | |
| ,, | " | _ | ** | | ,, | Superio | | |
| " | " | | " | ,, | ,, | the king | ·" • | |
| ,, | | _ | •• | ., | ,, | one aring | | |
| | 19 | | | her Acco | | ed Studen | nt | |
| | | ghell | | step over | • | | | |
| ** | 19 | 511411 | prece | - | UIIO IS | | Litto | |
| | | | • | - | | ••• | ••• | |
| " | ,, | , | ** | ,, | tho to | awny cov | ** | |
| | | | | | | awiiy cov | v | |
| " | ** | | " | " | n ho Eom | a-creepe: | • | |
| | | | | o to cros | | - | | |
| ,, | " | 1106 8 | | | | midnig | | |
| " | ** | | ,, | 17 | ** | after | | |
| ,, | ** | | ** | •• | ** | ing me | | |
| | | | | | | Shrådd | | |
| | | | | | | at the | | |
| ** . | ", | - | •• | ** | ** | | | |
| | | | | _ | | Twilig | | |
| •• | ** | -not t | o stan | d upon u | nguent | | | |
| ** | ** | - , | , | ** | ,, | used v | | |
| ,, | ** | _ , | • | 11 | ,, | urine | *** | |
| 19 | ** | " | | " | ** | ordure | ••• | |
| ,, | ** | ,, | | ** | 19 | blood | ••• | |
| 17 | ** | - ,, | | ** | ** | mucus, | - | |
| | | | | | | tings | and | |
| | | | • | | | vomitin | _ | |
| 19 | ** | -shall | pay no | attentic | n to en | emey or | ene- | |
| | | | | | | my's fr | iend | |
| ,, | ,, | - | ,, | ** | ** | unright | eous | |
| | | | | | | persor | ••• | |
| ** | ** | - | ** | ,, | ,, | a thief | ••• | |
| ** | ,, | | 23, | " | ,, | the lad | y of | |
| | | | | | | anot | her | |
| | | | | | | person | | |

| • | | | | PAGE. |
|---------------------------------------|--------------|---|------|-----------|
| Accomplished Student—shall never desp | pise the Ksa | ttriya, a | ser- | |
| pent or a | learned Bri | hamana | | 415 |
| " -not to despise | himself | | | 416 |
| " -always to seek | fortune | | ٠ | 416 |
| " ,, —shall say what | is true ar | nd agree | able | 417 |
| " , - ,, not utter a | disagreeal | ble truth | | 417 |
| | greeable u | | | 417 |
| | ncedless en | | | 418 |
| " , — " ,, dispute | with any o | ne | | 418 |
| Adhvaryu-duties of-described in t | the three Ve | edas. | | 1 |
| " -daughter given in marri | iage to-in | Dai v a ma | rri- | • |
| age | | | | 54 |
| ,, -used in the sense of 'adh | erent of the | Yajurve | | 157 |
| Adhvara-sacrifice—to be offered at | the end of s | easons | | 330 |
| Aditya—name given to great-grand | -father | J. C. | ••• | ****** |
| Afternoon-essential for Shraddha | | | | 274 |
| Aghara—name of a Libation | | | ••• | 217 |
| Agnayê svâhâ | | ··· | | 144 |
| . Agnayê tvû juştam nirvapêmi | | | | 98 |
| Âgneya | | . | ••• | 2 |
| Agni —first offering at Shraddha to b | | | | 230 |
| ,,—daily offering to | | | | 109 |
| Soma- | | ••• | ••• | • • • • • |
| Cut + 1 / | | ••• | | 109 |
| "Aguidagdha'—the name of cooked r | | ka | ••• | 109 |
| Agnihotra | ice, cake, e | ic. | ••• | 218 |
| 0 | ··· | | ••• | 158 |
| Agnihotra—taken before one's elder | | | | |
| the Superseder of his | | ner ' | ••• | 191 |
| ,, —to be offered morning and | | | ••• | 327 |
| ,, — ,, by Knowled | • | | ••• | 327 |
| " —without performing—one new harvest | | | the | -6. |
| | | •• | ••• | 881 |
| Agnișțemu | | •• | ••• | 325 |
| Agnișvâttas—sons of Marîchi | | •• | ••• | 216 |
| " —Pitrs of gods | | •• | ••• | 216 |
| Agnişomî ya | | •• | ••• | 94 |
| Agrêdidhişûpatih—explained | | •• | 183- | |
| Agrayana sacrifice | | •• | •• | 380 |
| A** ** ** *** | | | | 880 |
| Agrayana sacrifice—compulsory for | | as only t | he | |
| domestic fi | | | ••• | 333 |
| " —to be performed | with Vrîhi | , Shyâmâ | ka | |
| and Yava | | | ••• | 388 |
| Ahvaniya-fire—brought into existence | | | ••• | 21 |
| | of comp | ulsory a | nd | |
| voluntary ac | ets | | | 21 |
| Ahuta—name of a great sacrifice | • | • | ••• | 98 |
| Inna-ia Vadia at | ndv | | | 00 |

| | | | | PAGE. |
|-----------------------------------|----------------|--------------------|---------|--------------|
| Ajyabhâga -name of Libation | | | | 217 |
| Ajyapas—Pitrs of Vaishyas | ••• | | | . 217 |
| " —sons of Pulastya | ••• | | | 218 |
| Aksâralavana | | | | 275 |
| Alms-to be given, after the offer | ing to Beings | | | 116 |
| " - " to mendicant | ••• | | | 116 |
| " – " " Brahmachâr | in | | | 216 |
| " — " and water-pot, | | | | |
| meaning | • | | | 118 |
| " -different from 'gift' | | | •• | 304 |
| " -not accompanied by mant | ras | | | 304 |
| Amalgamating Rite - Sapindikara | | | | 259,260 |
| Âmiksai | | | | 98 |
| 'Amria'—to be eaten daily | | | | 295 |
| ,, —the remnant of sacr | | | | 295 |
| Anognidagdha—the name of Soma | | | | 218 |
| Angiras -father of Havismat Pit | | • | | 218 |
| Animal sacrifices to be offered | - | | | 327 |
| | | ••• | | |
| Antaka—Bali-offering to | ••• | ••• | ••• | 110 |
| Anumati-daily offering to | | | | 109 |
| Ancestors—at rites in honor of | | of one lo | arned | |
| Brâhmaṇa, beneficial | ••• | ••• | ••• | 153 |
| Antyávasáyin-born of Nisada m | other and Chi | ludála fath | er | 372 |
| Anváhárya-name of monthly Sh | râddha | | | 147 |
| " -to be performed with | commended n | eat | | 147 |
| " -name of the fee p | aid to priest | s at the | Dar5a- | |
| Pûrņamâsa | *** | | | 147 |
| Anvastakas-Pitrs to be worship | ped on | | | 425 |
| 'Apasavya'-in the case of offe | ring into Fire | means to | nvar ds | |
| the South | ••• | | | 236 |
| 'Apasavya' -in the case of po- | | | Pitrs | -00 |
| means the manner w | *** | | • | |
| thumb and the indes | | | | 236 |
| Apastamba-Rule provided by- | | | | |
| ,,deprecates eating w | | *** T.::4:.4: | ••• | 125 |
| | | initiation | ••• | 464 |
| Ap-pati—Bali offering to | | ••• | ••• | 110 |
| Apas—offering to—in water | · · · · | ••• | ••• | 111 |
| Aruni | | ••• | ••• | 164 |
| Ascetic—not to be treated as g | | ••• | ••• | 338 |
| 'Ash-like'—Brahmana—describe | | | | 1 2 0 |
| Astrologywho lives by-shou | | at Sh r âdd | na and | |
| Sacrifice | • ••• | ••• | ••• | 185 |
| Astronomy-to be studied by th | e Accomplishe | d Student | · | 320 |
| Aṣṭakâs—enumerated | | ••• | | 425 |
| Aşṭakâ-offerings-expiation for | beef-eating | applies to | cases | |
| other than | | | | 285 |

| | | | | | PAGE. |
|-------------------|-----------------------------|-------------|------------|-----------|------------|
| Aştakâ Shr | âddha-to be performed in | Marriage | Fire | | 87 |
| , ,, | " Pitrs to be worship | ped on | ••• | | 425 |
| Âshvalâyar | a—Grhyasûtra quoted | ••• | ••• | ••• | 71, 149 |
| Asura mar | riage—not commended for the | 10 Twice- | born | ••• | 64 |
| ** | "— defined | ••• | ••• | ••• | 57 |
| ** | ,,- not commended for | | naņa | ••• | 47 |
| " | "- lawful for the Brah | • | ••• | ••• | 46 |
| ** | "— " " Kşatt | • | ••• | ••• | 46 46 |
| ** | "— " ,, Vaisl | - | ••• | ••• | 46 |
| ÷ " | "— " " Shûd | | ••• | ••• | 46 |
| Arşa marri | | maṇa | ••• | ••• | 64 |
| 39 | "—defined | ··· | | ••• | 04 |
| " | ,,-not commended for the | | | ••• | 66 |
| * , " | "—qualities of the son bo | | | | 00 |
| Ashra ma — | the word stands for all du | - | | tne | 13 |
| | married man | | h | | 19 |
| Atr-decia | res Twice-born person to be | | | ying | 40 |
| ** | a Shûdra girl | ••• | ••• | ••• | |
| Atharva-Ve | eda – also a Veda | | ••• | ••• | 10 |
| ** | "-deals with magical sp | | | ••• | 10 |
| ** | "- " no such sac | | no Jyotişi | oma, | 10 |
| | and the like | *** | W W J | ••• In | |
| ** | "-cannot be grouped wi | | | | 11 |
| ** | "— " classed unde | | Vedas ' | ••• | 11 |
| 29 | ,,-included under 'svåd | | ••• | ••• | 11 |
| 71 | "— " "Vedi | e study | *** | ••• | 11 |
| Atithi-de | | ••• | ••• | ••• | 125 |
| | -Brâhmana | | | 1 -4 | 138 |
| Atharva-V | eda-adherents of-exclude | | being fe | d at | 100 |
| | Shraddha—according to s | | ~ | ••• | 168 |
| | undeserving of gifts at Shr | | Sacrinces | | 171 |
| | to be avoided | ••• | 4.50 | | 431 |
| - | -name given to the Uktha | portions of | or Samaveo | 1a | 168 |
| Aupasada | | ••• | ••• | ••• | 238 485 |
| • | -trickles away by vanity | ••• | ••• | • •• | |
| ' Ayâshchâg | ganêsyanabhishusti'… | ••• | *** | ••• | 217 |
| | | | | | |
| | В. | | | | |
| | -goes to perdition | ••• | ••• | ••• | 367 |
| Báhlika co | untry-frequently outrun b | y barbari | ans—not t | o be | |
| | lived in | ••• | ••• | ••• | 360 |
| | ffering to Elementals | ••• | ••• | ••• | 98 |
| | means of worshipping Ele | | ••• | ••• | 105 |
| 1190 | d in the genue of Rhûtvaiña | oniv : | | | 143 |

| | | | | | PAGE. |
|---|----------------|--------------|------------|------|-------|
| Bali-offerings-not obliga | tory for Brål | maņas livin | gon gleani | ngs | |
| and picking | ;s | ••• | ••• | | 312 |
| " " –made after | r Bråhmanas | have been fe | d at Shrâd | dha | 272 |
| " " —to be plac | ed in all dire | ections | | ••• | 110 |
| " -to Indra | • | ••• | ••• | | 110 |
| " " —to Antaka | ••• | ••• | | ••• | 110 |
| " " – to Ap-pati | ••• | | | | 110 |
| " "—Indu | ••• | ••• | ••• | | 110 |
| | e-without n | nantras out | of food co | ok- | |
| ed in ever | ning | ••• | ••• | ••• | 143 |
| Ball-at Shråddha-to b | e made out o | of the remna | it of mate | rial | |
| offered to th | ne gods into | Fire | ••• | ••• | 237 |
| ., -to be offered in the | e Apasavya fo | rm -facing | the South | | 237 |
| " " on Kus | ha blades | | ••• | | 238 |
| "— " at Shra | âddha-to be | smelt | ••• | ••• | 240 |
| ,, — ,, ,, | | portion to b | | t of | 241 |
| ,, — ,, ,, | | nanas to be | fed with | ••• | 241 |
| | nct to each a | | ••• | ••• | 261 |
| " — offered at Shråddi | ** | | ••• | ••• | 278 |
| " " | - " " | " Brâhmai | na | ••• | 278 |
| ", — " | ,, ,, | " Goat | ••• | ••• | 278 |
| ,, — ,, ,, | ,, ,, | " Fire | •• | ••• | 278 |
| ,, ,, ,, | | wn into Fire | | ••• | 278 |
| ,, – ,, | | en to birds | ••• | ••• | 278 |
| ,, - the middlemost-t | | by Lawful v | vife, desi | rous | |
| | of a son | ••• | *** | ••• | 278 |
| Barhisads -the Pitrs of I | | | ••• | ••• | 217 |
| Bath— wife to be taken, | | ~ | ••• | ••• | 19 |
| " — stands for a rite | - | | • | ••• | 19 |
| "—;to be taken on pe | | | | | 19 |
| " — marks the end of " — which forms par | | | - | | 19 |
| what marks the | | | distinct i | | 10 |
| Baudháyana—quoted | | | ••• | ••• | 19 |
| • | ••• | | ••• | ••• | 346 |
| Beef-expiation presrit | | - | | part | |
| from Madhupark | • | ••• | ••• | ••• | 285 |
| Bedding—one of the thir | ngs that must | be offered t | o a guest | ••• | 124 |
| "—offer of—shoul | ld never fail | in a good ho | ise | ••• | 124 |
| Bhadrakâli-offering to- | at the Feet | | ` | | 112 |
| ' Bhaikşa '-used in the s | ense of cook | ed food | | | 303 |
| Bhiksá—a mere handful | ••• | | | | 804 |
| " - different from I | Pratigraha | | ••- | | 804 |
| Bhṛgu | ••• | ••• | ••• | ••• | 65 |
| " —named 'Kavi' | | | ••• | ••• | 218 |
| -a gotra | | | | | 24 |

| | | PAGE. |
|--|-----|-------|
| Bhrgu-decdares that Twice-born person to be an outcast v | vho | |
| begets children on Shudra wife alone | *** | 40 |
| 'Bhūta'— different meanings of the word | | 339 |
| Bhūtayajīu—is offerings to Elementals | | 88 |
| " -also called 'Brāhmya-Huta' | • | 98 |
| "is Bali | | 93 |
| Birds - offering for-to be placed on the ground | | 115 |
| Boy - presenting himself for Initiation | ••• | 18 |
| 'Body of light'-means pure Consciousness | ••• | 116 |
| Blanket-especially sacred at Shraddha | ••• | 251 |
| Brhaspati-works of-to be studied by the Accomplish | hed | |
| Student | ••• | 320 |
| Brahma-marriage-lawful for the Brahmana | | 46 |
| ., ,, —defined | | 51 |
| , -qualities of the son born of | ••• | 65 |
| 'Brahmacharya'-stands, sometimes only, for avoidance | of | |
| intercourse with women | | 16 |
| , - retained, if one avoids his wife on the i | or- | |
| bidden days and on eight other days | | 82 |
| · Brahmic glory '-meaning of | | 68 |
| Brahmayajña-not to be repeated in the evening | | 143 |
| " —is Teaching | | 93 |
| " —also called 'Ahuta' | | 98 |
| 'Brâhma-Huta'—a name for a great Sacrifice | ••• | 98 |
| 'Brûhmya-Huta'-a name for the offerings to Brûhmanas-gue | sts | 99 |
| Brahma-offering to-as the centre of the Household | ••• | 112 |
| Bráhma-muhûrta—defined | ••• | 386 |
| Brahmasattra—is living by gleaning and picking | ••• | 309 |
| Brahmanahood-falling from-in the case of marrying a Shu | dra | |
| girl-means that his children are n | on• | |
| Brâhmanas | | 41 |
| Bráhmana-must marry a Bráhmana girl | ••• | 35 |
| ., —may ,, a Kṣattriya ,, | | 37 |
| ,, ,, a Vaishya ,, | ••• | 37 |
| — ., ,, a Shûdra ,, | | 37 |
| " — should not marry a Shûdra girl … | | 38 |
| " — marrying Shûdra girl optional | ••• | 38 |
| "—may marry ", "only under abnormal circu | um- | |
| stances | ••• | 39 |
| ,, —taking a Shudra wife, goes to perdition | | 41' |
| " — having begotten a son on a Shûdra wife, falls | on | |
| from Brâhmanahood | | 41 |
| ,, -rites offered by -if dominated by a Shûdra wif | e | 40 |
| are not accepted by gods, Pitrs, or guests | ••• | 42 |
| " — Brāhma, Daiva, Arşa, Prājāpatya and Gandha | rva | |
| forms of marriage—lawful for | ••• | 47 |

| | | PAGE. |
|----------|---|-------|
| Brāhmaṇa | -Brāhma, Daiva, Arṣa and Prājāpatya forms, especially | |
| | commended for | 47 |
| ** | Brâhma, the best form of marriage for | 48 |
| ,, | -Daiva and Prajapatya forms of marriage, are the | |
| | second best for | 48 |
| ,, | -Arsa form of marriage is third in point of com- | |
| ", | mendation for | 48 |
| ,, | - Gândharva form of marriage is the fourth for | 48 |
| | -Asura form of marriage is the fifth for | 48 |
| ** | Marriage without imposition of any conditions, | |
| " | commended for | 64 |
| | | 107 |
| ,, | | 101 |
| ,, | -to offer Homa daily out of food cooked for Vishvê- | 108 |
| | dévas | 100 |
| " | -by daily honouring all beings, becomes endowed | 115 |
| | with a body of Light | 115 |
| ** | - by daily honouring all beings, goes to the Highest | |
| | Place | 115 |
| 17 | -alms and water-pot to be given to | 118 |
| 11 | -'Ash-like'-Rites presented to-become lost | 119 |
| ,, | 'Ash-like' explained | 120 |
| | - offering thrown into the mouth-fire of-effulgent | |
| | with learning-saves from sin | 120 |
| ,, | staying unhonoured in one's house, takes away all | |
| | merit | 122 |
| ٠, | - staying even for one night, is a 'guest' | 124 |
| '' | -living in the same village-not a guest | 125 |
| | - should not advertise his family and gotra, for the | |
| ,, | purpose of obtaining a meal | 129 |
| | -bragging about family and Gotra-for obtaining | |
| *** | food—becomes a feeder on filth | 129 |
| | at the end of Household stage—should consign all | |
| ** | belongings to his son and retire into solitude, | |
| | | 499 |
| | and give himself up to Meditation | 501 |
| ** | summing up of the Duties of | 901 |
| ** | -should offer the Pindanvaharyaka, month after | |
| | month | 146 |
| ,, | -feeding of-the principal factor in Shraddha | 148 |
| 17 | -which and how many-to be fed at Shraddha | 148 |
| ,, | -to be avoided at Shråddha | 148 |
| ** | -two-to be fed at the rites in honor of the gods | 149 |
| ,, | -threeto be fed at the rites in honor of Pitrs | 149 |
| ,, | -only one, at each rite | 149 |
| " | -one-to be fed in honor of each ancestor | 149 |
| | -an odd number of-to be fed at Shråddha | 150 |
| " | - an even , , - , at rites in honor of | |
| ", | gods | 150 |
| | | |

| | | | | | | | Page, |
|------------------|--------------------------|----------|------------|---------|------|------|-------|
| Br âhma ņ | a –a large number should | not be | invited | to Shrâ | ddb | ıa | 151 |
| ,, | -to be invited to Shr | addha- | -should l | e thor | oug | hly | |
| | examined | | | | | | 158 |
| ,, | -thoroughly versed in | the Ve | da-is th | e chan | nel | for | |
| | offerings to gods | | | | | | 153 |
| ,, | -thoroughly versed in | the Ve | da-is th | e chan | nel | for | |
| | offerings to Pitrs | | ••• | ••• | | ••• | 153 |
| ., | -real-only when his to | n anc | estors on | the m | oth | er's | |
| | side and ten on th | | | | | | |
| | have been learne | l in th | e Veda | | | ••• | 154 |
| ** | -divided, according to | qualific | ation | | | | 158 |
| ,, | -not to be examined, a | t the | Rite in | honor | of | the | |
| ,, | gods | | ,,, | | | | 170 |
| •• | to be examined carefu | lly at | | s in ho | nor | of | |
| ,, | Pitrs | | ••• | | | | 170 |
| ,, | -Thieves-undeserving | of gif | ts at Si | hråddha | es s | and | |
| | Sacrifices | • | | ••• | | | 171 |
| ** | -outcasts-undeserving | of gif | ts at Shr# | ddhas a | and | | 171 |
| | Sacrifices | _ | ••• | *** | | ••• | 171 |
| ** | -cunuchs-undeserving | of g | ifts at 8 | hråddh | a a | ınd | |
| | Sacrifices | | | ••• | | ••• | 171 |
| •• | -atheists-undeserving | of g | fts at S | bråddh: | as a | and | |
| | Sacrifices | | | | | ••• | 171 |
| •, | -with braided hair, she | ould b | e avoided | at Shi | âdd | lha | |
| | and Sacrifice | | | | | | 172 |
| ,, | not learnedto be avoi | ded at | Shråddha | and Sa | erif | lee | 172 |
| " | -a hairless | ,, | ,, | 11 | ,, | | |
| ,, | -gambler | ** | ,, | ,, | ,, | | 172 |
| ,, | -Sacrificer for Hosts | | ,, | | ,, | | 172 |
| •• | -Healers | ,, | | ,, | ٠,, | | 174 |
| ,, | -Temple-attendants | ,, | ,, | ** | " | ••• | 174 |
| ,, | -Meat-sellers | ., | ,, | ,, | ** | | 174 |
| ,, | living by trade | | ,, | 11 | ,, | ••• | 174 |
| ,, | -servant of village | 11 | ,, | ,, | ٠, | ••• | 174 |
| ,, | -King | " | ,, | | ,, | ••• | 174 |
| ,, | -with deformed nails | | ,, | ** | ,, | | 174 |
| ,, | -with black teeth | ٠, | ,, | ,, | ., | | 174 |
| ,, | -opposing his superior | ,, | ** | ,, | ,, | ••• | 174 |
| ,, | -who forsakes the Fires | ,, | ,, | ,, | ,, | | 174 |
| ** | -who lives by usury | 17 | ,, | ** | ,, | | 174 |
| ,, | -who is invalid | •• | ,, | ,, | ,, | ••• | 175 |
| ,, | -who is cattle-tender | >7 | 1, | | ** | ••• | 175 |
| ** | -who supersedes Elder | | | | | | |
| | brother | ,, | ** | " | ,, | ••• | 175 |
| ,, | —who neglects the Grea | t | | | | | |
| | Sacrifices | | | | | | 17K |

| | | | | PAGB. |
|--|----------|-----------|------------|-------|
| Bráhman a—w ho is inimical to Bráhmanas | to be a | voided at | Shrâd- | |
| dha and Sacrifice | ••• | ••• | | 175 |
| " -who has been superseded | | | | |
| by Younger Brother " | ,, | ** | , | 175 |
| " —who is member of a corporation | ,, | ,, | ,, | 175 |
| "—who is an actor " | ,, | ,, | ,, | 177 |
| " —who has broken the vows | | | | |
| of continence " | ,, | ,, | ,, | 177 |
| " — " has a Shûdra wife " | ,, | ,, | ,, | 177 |
| " - " is the son of a remarried wo | man | ,, | ,, | 177 |
| " - " one-eyed- " | ** | ,, | ,, | 177 |
| " - " permits a paramour in his ho | uso | ,, | ,, | 177 |
| " - " teaches for a stipulated fee | ,, | 19 | ,, | 178 |
| " - " is taught by a paid teacher | | ,, | ,, | 178 |
| " — " teaches a Shûdra " | ,, | ,, | ,, | 178 |
| ,, ,, is taught by a ,, ,, | ,, | ,, | " … | 178 |
| , —whose speech is reprehensible | " | | ,, | 178 |
| "—who is the son of an adultress | ,. | ,, | ,, ··· | 178 |
| | - | " | ** | 178 |
| "— " " " a widow – " — " forsakes his mother | ,, | ** | ,, | 179 |
| A 11 | ,, | ,, | •• | 179 |
| | ** | ,, | ., | 179 |
| "— " " superior "— " has formed connection with | outanate | " | ,, | 179 |
| | | | ,, | 181 |
| | " | ,, | ,, | 181 |
| "— " prisoner " " | ** | ** | ,, | 181 |
| "—eats the food of an adultress' so |)L | " | ,, | |
| "—who sells Soma " " | ,, | ** | 39 | 181 |
| "— " sacrificial merit " | ,, | ,, | ,, | 181 |
| "— " voyages by sea " " | " | " | ,, | 181 |
| "" is a bard ", " | ** | ,, | ,, | 181 |
| "— " deals in oils " " | ** | ** | ,, | 181 |
| "—,, perjures " " " | " | ** | ,, | 181 |
| " — " quarrels with his father | ,, | 31 | ,, | 182 |
| " — " keeps a gambling house | ,, | " | ,, | 182 |
| "— "is a drunkard " " | ** | ,, | ,, | 182 |
| " — " " afflicted with foul disease | ,, | ,, | ,, | 182 |
| "— " " accused of sins— " | ,, | ** | 9 | 182 |
| " — " " a hypocrite " " | ,, | 29 | ,, | 182 |
| " — " deals in essences " | ,, | ,, | ,, | 182 |
| " — " makes bows and arrows | " | ,, | \ " | 183 |
| " -whose wife dallies with others | " | ** | ,, | 183 |
| " —who makes love to his brother | s widow | , | ,, | 188 |
| " — " injures a friend " | ,, | ,, | ,, | 188 |
| " - "subsists by gambling " | ,, | ,, | ,, | 188 |
| " - " is taught by his son " | ,, | ,, | ,, | 188 |
| "— " isepileptic " " | " | " | ,, | 185 |
| " - " has scrofulous swellings | " | ,, | ,, | 185 |

| | | PAGE. |
|-----------|---|-------|
| Brâhma | na-suffering from Leucoderma-to be avoided at | |
| | Shråddha and Sacrifice | 185 |
| " | -backbiter-to be evoided at Shråddha and Sacrifice | 185 |
| ,, | lunatic- ,, ,, ,, ,, ,, ,, | 185 |
| ,, | -blind- ,, ,, ,, ,, | 185 |
| ,, | -derider of the Veda-to be avoided at Shraddha | |
| | and Sacrifice | 185 |
| *1 | -tamer of Elephants-to be avoided at Shråddha and | |
| • | Sacrifice | 185 |
| ,, | -tamer of Horses -to be avoided at Shraddha and | |
| ,- | Sacrifice | 185 |
| 76 | tamer of Bullsto be avoided at Shraddha and | |
| '• | Sacrifice | 185 |
| ,, | -tamer of Camelsto be avoided at Shraddha and | |
| " | Grant Grant | 185 |
| | sacrince | |
| ,, | | 185 |
| | | 100 |
| ,, | -subsisting on Astrology-to be avoided at Shråddha | 185 |
| | and Sacrifice | 100 |
| 91 | -who keeps birds-to be avoided at Shraddha and | |
| | Sacrifice | 185 |
| ,, | -teacher of warfare to be avoided at Shraddha and | |
| | Sacrifice | 185 |
| ,, | -who diverts water-courses to be avoided at Shrad- | |
| | dha and Sacrifice | 186 |
| | -who obstructs water-course-to be avoided at | |
| ** | Shraddha and Sacrifice | 186 |
| ,, | -House-planner—to be avoided at Shråddha and | 100 |
| " | Sacrifice | 186 |
| | -Messenger-to be avoided at Shrâddha and Sacrifice | 186 |
| ,, | Mass wlants. | 186 |
| ,, | Tree-planter, , , , , sporting with dogsto be avoided at Shråddha | 100 |
| *, | | 186 |
| | and Sacrifice | 186 |
| ,, | | 100 |
| ,, | -defiler of virgins-to be avoided at Shraddha and Sacrifice | 186 |
| | | 100 |
| ٠, | —who is cruelto be avoided at Srhåddha and Sacri- | |
| | fice | 186 |
| ,, | —who lives on Shadras—to be avoided at Shraddha | |
| | and Sacrifice | 186 |
| ,, | -who sacrifices for Ganas-to be avoided at Shrad- | |
| | dha and Sacrifice | 186 |
| ,, | -devoid of right conduct—to be avoided at Shråddha | |
| | and Sacrifice | 187 |
| | -without vigour-to be avoided at Shraddha and | |
| ,, | | 187 |
| | Sacrince | 401 |

| Bráhman | a-who isconstant beggar-to be avoided at Shråddha | PAGE. |
|-------------|--|-------|
| Di diinidi, | and Sacrifice | 187 |
| | -living by agriculture—to be avoided at Shråddha | 10, |
| 11 | and Sacrifice | 187 |
| | -suffering from elephantiasis—to be avoided at | . 10, |
| ** | Shråddha and Sacrifice | 187 |
| | -who is spoken ill of by good men-to be avoided | 101 |
| ,, | | 187 |
| | | 101 |
| *** | -who deals in sheep—to be avoided at Shråddha and Sacrifice | 188 |
| ,, | -who keeps buffalces—to be avoided at Shraddha and | |
| " | Sacrifice | 188 |
| | -who marries a woman who has had another husband | |
| ** | -to be agoided at Shraddha and Sacrifice | 188 |
| | -who cyrries dead bodies—to be avoided at Shråddha | |
| ** | and Sacrifice | 188 |
| | -the learned-should avoid, at Shraddas and Sacri- | 100 |
| " | fices, all such Twice-born men who are of repre- | |
| | | 188 |
| | -who is not learned, becomes quenched like the | 100 |
| 19 | · · · - | 189 |
| | fire of dry grass | 189 |
| " | —Sacrificial offering—not to be presented to | 190 |
| ,, | -unworthy of the line -results of making gifts to | 190 |
| ** | -devoid of self-restraint-food eaten by-is con- | 100 |
| | sumed by demons | 190 |
| ,, | -demons consume food eaten by-if unworthy of | 400 |
| | company | 190 |
| 11 | -Blind man should not look at-during dinner | 197 |
| ** | -one-eyed man should not look at-during dinner | 197 |
| " | -Leper ,, ,, - ,, | 197 |
| 19 | -one afflicted with a foul disease-should not look | |
| | at-during dinner | 107 |
| ** | -officiating at Shudra's sacrifice should not touch- | 198 |
| " | -should not accept gift from one who officiates at | |
| | Shûdra's sacrifices— | 198 |
| ** | -gift to-one born of a remarried woman is like | |
| | libation poured on ashes | 199 |
| ,, | -food given to one-' unworthy of company'- is | , |
| | wasted | 260 |
| 71 | -knowing Veda and its meaning is sanctifier of | |
| | Company'— | 20 |
| ,, | -Expounder of Veds and its meaning is 'Sancti- | |
| | fier of Company'— | 20 |
| ,, | -Student, is 'Sanctifier of Company' | 204 |
| " | —who gives a thousand, is sanctifier of Company | 20- |
| ,, | -centenarian, is " " " | 204 |
| | these to be furthed on Whitelibe Jam on on one | |

| | | PAGE. |
|--------|--|-------------|
| Bráhmo | na-when invited for Shraddha shall remain self-con- | |
| | trolled | 207 |
| ,, | -when invited for Shraddha, shall not recite the | |
| " | 37 - 3 - | 207 |
| | | |
| ** | -Pitrs follow the invited | 207 |
| " | — " attend upon— | 207 |
| ,, | -invited to Shraddha, by neglecting it, incurs sin | 208 |
| ,, | -invited to Sacrifice, by neglecting it, incurs sin | 208 |
| ,, | -invited to Shråddha, if dallies with women, im- | |
| | bibes all the sin of the performer | 209 |
| | -Somapa Pitrs worshipped by | 211 |
| " | -when offering libations, should pronounce Gotra- | 211 |
| ** | | 215 |
| | name | |
| " | Somapa—the Pitrs of— | 217 |
| " | —Pitṛs of: Anagnidagdhas, Agnidagdhas, Kâvyas Bar- | |
| | hişads Agnişváttas, and Saumyas | 218 |
| ,, | -in honor of gods, to be engaged first | 223 |
| ,, | -engaged in honor of gods, guards the offerings to Pitrs | 223 |
| ,, | -seats for-at Shraddha- of kusha grass | 228 |
| ,, | -at Shraddha to sit on Kusha-seat-after ablutions | 228 |
| | -at Shraddha-to be worshipped with perfumes and | - |
| " | | 228 |
| | 0 | |
| ** | -water to be presented to—at Shråddha | 229 |
| ** | -sesamum, with kusha-blade, to be presented to- | |
| | at Shrâddha | 22 9 |
| ** | -permitted by-one should make an offering into Fire | 229 |
| ,, | -offering at Shraddha, to be made into the hand of- | |
| | in the absence of Fire | 231 |
| ,, | -described as the 'God of Shrâddha' | 235 |
| ,, | - " " free from anger | 235 |
| | - , , easily satisfied | 285 |
| ,, | - , intent upon sustaining the Universe | 285 |
| ,, | -to be fed with Balls offered at Shråddha | 241 |
| ** | - | 271 |
| ,, | -water and sesamum to be poured into the hands | 0.45 |
| | of—at Shråddha | 245 |
| " | -top-portions of the Balls to be offered to—at Shråd- | 1-20 |
| , | dha | 245 |
| ,, | -food to be placed before-at Shråddha | 245 |
| ,, | - ,, served to -with both hands | 245 |
| ,, | -whatever is agreeable to-should be given ungrudg- | |
| ,, | ingly | 249 |
| | -to be kept happy at Shraddha | 250 |
| ** | • | 2 50 |
| ** | - " feed gently " | |
| ,, | - " urged to eat more at Shrâddha | 250 |
| •• | -should eat at shraddha, with speech in control | 251 |
| | , not , describe the qualities of the | |
| | food | 2 51 |

| | | PAGR. |
|-------------------|---|-------------|
| B ráhm a 1 | na-invited at Shraddha-should not eat with head | |
| | covered | 25 3 |
| ,, | -invited at Shråddha-should not eat with face | |
| | towards the South | 253 |
| ,, | -invited to Shraddha, should not eat with shoes on | 231 |
| ,, | Chândâla should not look at—while eating | 254 |
| " | D | 254 |
| " | Dia | 254 |
| • | Coalt | 254 |
| ** | molecum menen | 254 |
| ** | Manual | 254 |
| ** | , , , , , | 256 |
| ,, | -stray-seeking for food-to be fed at Shraddha | 200 |
| " | -food to be scattered before -after they have eaten | 055 |
| | Shraddha | 257 |
| ,, | -to be fed at Shraddha, in honor of one just dead- | |
| | without any in honor of gods | 258 |
| ** | -fed at Shråddha-should any 'May there be Svadhå' | 272 |
| ,, | -superior-essential at Shrâddha | 274 |
| " | -during first quarter of life, shall dwell with his | |
| | Teacher, for Vedic study | 299 |
| ,, | -during the second quarter, shall take a wife, and | • |
| | live in the house | 299 |
| ,, | -means of subsistence for | 300 |
| ,, | -shoud adopt such means of livelihood as involves | . 1 |
| | the least trouble to living beings | 300 |
| ,, | -for bare subsistence, should have recourse only to | |
| | his irreproachable occupations | 301 |
| ,, | -to live by 'Truth' | 302 |
| ,, | - ,, , 'Nectar' | 302 |
| ,, | - " " 'Death ' | 302 |
| ,, | - ", "'Super-death' | 302 |
| ,, | - ,, , 'Truth and Falsehood' | 302 |
| " | -never to live by the 'living of the Dog' | 302 |
| | to live on what is obtained by Gleaning and Picking | 308 |
| ** | | 802 |
| " | " | 802 |
| ** | what is sultimation | 302 |
| ,, | , what is ,, ,, cultivationFor-begging involves humiliation | 305 |
| " | -to live by Trade | 305 |
| ** | • | 805 |
| •• | -For-living by service, is the 'living of dogs' | 306 |
| ** | -may possess a granary full of grain | |
| ** | -may possess a jar full of grain | 806 |
| " | - ,, ,, what is required for three days | 306 |
| " | - ,, be one who does not possess enough for the | 000 |
| | morrow | 806 |
| ** | -not having enough for the morrow, is superior to | 0^- |
| | one having enough for three days | 307 |

| | | I AUS. |
|--------|---|-------------|
| Bråhma | na-having enough for three days, is superior to one | |
| | possessing a jarful | 807 |
| ,, | -possessing a jarful, is superior to one possessing | |
| | a granary | 308 |
| ** | -having a large family to support, should possess a | |
| | granary | 808 |
| ,, | -having lesser responsibilities, should possess less | |
| ,, | and less | 807 |
| ,, | Nation for (Duct of the t | 808 |
| - | nving by 'Branmasattra,' | •00 |
| " | 'Brahmasattra' | 308 |
| ,, | -six occupations for: (1) Gleaning (2) Picking, (8) | 1000 |
| ,, | | |
| | Begging, (4) Earning without begging, (5) Trade and Agriculture, (6) Teaching and Officiating at | |
| | St | 308 |
| | | 900 |
| ** | -six occupations differently enumerated—(1) Learn- | |
| | ing, (2) Teaching, (3) Sacrificing, (4) Officiating at | |
| | Sacrifices, (5) Giving gifts and (6) Receiving gifts | 308 |
| 99 | -some-follow all six occupations | 308 |
| . " | -some-possessing a jarful of grains-adopt three | |
| | occupations | 309 |
| 91 | -Agriculture and Trade deprecated for | 309 |
| * | -living by Gleaning and Picking, called 'Yâyâvara' | 311 |
| " | -living by Gleanings and Pickings, should be | |
| | intent on Agnihotra | 311 |
| | -living by Gleanings and Pickings, should offer Isti- | |
| " | sacrifices on Moonless days | 311 |
| | -living by Gleanings and Pickings, should offer Isti- | 011 |
| ** | sacrifices on Full-moon days | 811 |
| | -living by Gleanings and Pickings, should offer | 011 |
| ** | Total manufacture in the control of | 811 |
| | ** | |
| ** | Vaishvadeva-offerings, not obligatory for | 81 2 |
| , | -Bali offerings " " " | 312 |
| 18 | —wife of—to maintain herself by the same means | 312 |
| 97 | —never to follow the worldly way of subsistence | 313 |
| ** | —to adopt perfect contentment | 314 |
| " | -to remain self-controlled | 314 |
| ** | -offering the Five Sacrifices by means of knowledge | 325 |
| ,, | -to offer Harvest-Sacrifice | 330 |
| 11 | - " Adhvara-sacrifice | 330 |
| ,, | - " Animal-sacrifice | 380 |
| " | - " Soma-sacrifice | 880 |
| ,, | -by'striking the -even with a straw-one is born in | |
| | sinful wombs | 482 |
| ** | -with Fire, not to eat new grain, without perform- | |
| •• | incline Transact Contact | |

| | | PAGE. |
|--------|--|---------|
| Bráhmo | na-with Fire, not to eat new grain, without performing | |
| | Animal Sacrifice | 332 |
| ,, | -by threatening a-one goes to hell | 482 |
| ,, | -one who spills the blood of-undergoes suffering | 438 |
| ,, | -Duties of—See under 'Accomplished Student' | |
| ,, | —not to study Veda on certain days and occasions— see under "Vedic Study" | |
| " | -cat-like-not to be given any presents | 448 |
| •• | -wicked- ,, ,, ,, | 448 |
| ,, | -heron-like- " " " " | 448 |
| | *************************************** | 448 |
| ,, | | 458 |
| ** | -cat-like-goes to hell | |
| ,, | -heron-like- ,, ,, | 459 |
| ,, | -while unclean-should not touch the cow | 420 |
| ,, | ,, ,, — ,, ,, ,, Fire | 420 |
| ,, | - ,, ,, - ,, a Brahmana | 420 |
| ,, | - ,, , - not to look at the Sun, Moon or | |
| | stars | 420 |
| | | |
| ** | - ", , -on touching the above-shall wipe | |
| | with water his organs and limbs | 420 |
| ,, | -shall not needlessly touch his cavities | 421 |
| ,, | - " " touch secret hairs | 421 |
| ,, | -shall be intent on Auspicious Customs | 421 |
| ,, | - ,, daily recite prayers | 421 |
| " | - ,, , offer oblations into Fire | 421 |
| | -to form relationships with superior people | 489 |
| ,, | 1.4.1 | 488 |
| " | | |
| •• | -should act resolutely | 490 |
| ** | —to be gentle | 490 |
| ,, | - ,, tolerant | 490 |
| ,, | -to avoid associating with cruel men | 490 |
| " | - ,, injuring others | 490 |
| ,, | —to have self-control | 490 |
| ,, | - ,, practise Liberality | 490 |
| | -may accept-from all persons-gifts of fuel, water, | |
| ** | | |
| | roots and fruits, and food, Honey and Fear- | 404 |
| | lessness | 491 |
| ,, | may accept alms offered, without begging, even | |
| | from sinful persons | 492-498 |
| | -shall not refuse gift of a Conch | 498 |
| ** | /T | 498 |
| ** | 7ha | 498 |
| ** | Doubran | 498 |
| " | -, , , , Perfumes | |
| ,, | ,, ,, ,, Water | 498 |
| ** | — " " " " " " " " " " " " " " " " | 498 |
| | — Jewels | 498 |

| | | | | | PAGE. |
|--------------------------------|----------|-----------------|----------|---------|----------|
| Brahmana-shall not refuse g | ift of a | Curd | | | 493 |
| ,, -, ,, ,, | ,, ,, | Grain | | ••• | 493 |
| - ,, ,, ,, | ,, ,, | Fish | | | 493 |
| ,, -,, ,, | ,, ,, | Milk | | | 493 |
| " - " " | " | Meat | ••• | | 493 |
| ,, - ,, ,, ,,• | ,, ,, | Vegetables | ••• | ••• | 493 |
| " —may accept gifts: | from a | ll persons, for | specific | e pur- | |
| | | • | ses | ••• | 494 |
| ,, ,, ,, ,, | goo | d persons only | -when | free | 494 |
| " -how to offer himse | | ••• | ••• | ••• | 495 |
| " —shall never misre | presen | t himself | ••• | ••• | 497 |
| Breathing-offering of Life- | | into Speech- | accomp | lishes | |
| the Five Sacı | | ••• | ••• | ••• | 324 |
| Bride-presents to-by Bride | • | _ | | ••• | 85 |
| " -to be honoured with p | resent | s by Bridegroo | m and | all her | |
| relations | ••• | ••• | ••• | ••• | 85 |
| Brother-younger-'supersed | | | - | rrying | |
| before him, or tal | | | | ••• | 191 |
| " —younger—must wait | | | | iage | 192 |
| " -superseding his clde | | - | əll | ••• | 193 |
| " —superseded by youn | _ | | , | ••• | 193 |
| " -wife of superseding | | | | | 193 |
| " —giver of girl to su | persec | ling younger | brothe | r, goes | |
| to hell | ••• | ••• | ••• | ••• | 193 |
| " —elder—should behav | | | put ob | stacles | |
| in the way of you | | | ••• | ••• | 193 |
| " -younger-should wa | it for l | nis Brother's | marriag | ge—for | |
| 6, 8, or 12 years | ••• | | | ••• | 193 |
| " —making love to the | | of dead—is to | be kn | own as | |
| 'Didhişûpati' | | | | ••• | 194 |
| " -following ' Niyoga,' i | | | ti ' | ••• | 194 |
| " —elder—equal to the | | | ••• | ••• | 444 |
| Brothel-equal, in uncleanline | | | s | ••• | 384 |
| Butter —to be served on the | groun | d | ••• | ••• | 246 |
| | | | | | |
| | | | | | |
| • | | | | | |
| | | | | | |
| | | C | | | |
| Costs manufact with 13 | | • | | | |
| Caste—marriage with a girl of | | | tted | | 38 |
| Cat-like persons—not to be r | | | ••• | *** | 335 |
| " " — may be giv | | | ••• | ••• | 336 |
| " Brahmanas—not to l | • | n giits | ••• | •• | 447 |
| " behaviour—defined | -+ 61. | | | •• | 450, 452 |
| Cattle-tender—to be avoided | | | crince | ••• | 175 |
| Ch á turmásya-sacrifice | ••• | ••• | ••• | *** | 881 |
| | | | | • | |

| | | · | | PAGE. |
|---|------------|---------------|--------|---------|
| Charity-to be practised, whenever as | uitable re | cipient | turns | |
| up | ••• | ••• | ••• | 479 |
| Ohhandogya Upanişad—referred to | | | ••• | 328 |
| " —describes the se | cience of | Five Fi | res | 203 |
| Ohândrâyana | ••• | | | 158 |
| Ohâturmâsyu—sacrifices | | ••• | ••• | 98 |
| Chandala—offering for—to be placed on | | | | 115 |
| Child—teaching of —is the Father's duty | _ | | | 14 |
| —male born, when man's seed is in | | | | 81 |
| <i>"</i> | | | | 81 |
| toda odnostka sasat | ** | ••• | ••• | 81 |
| | ••• | •• | ••• | 81 |
| "—'non-male', " " " | ••• | ••• | ••• | |
| Children—lords of Akasha | ••• | ••• | ••• | 444 |
| Class-follows-on visit-should be fed w | | ••• | ••• | 182 |
| Cleaning—essential for Shråddha | ••• | ••• | ••• | 274 |
| Commended food | ••• | ••• | ••• | 295 |
| Company-large-hampers proper trea | tment a | nd puri | ty and | |
| quality of Bråhmanas | ••• | ••• | ••• | 151 |
| Companion-in the other world-none, s | ave Spiri | tual Me | rit | 486 |
| Convivial Dinner-called the 'Gift of De | vils' | ••• | | 164 |
| Conduct-Right-brings Longevity | | ••• | ••• | 427-428 |
| " - " - " right children | | | ••• | 427 |
| " - " - " inexhaustible we | | | ••• | 427 |
| " - " -destroys everything in | | | | 427 |
| 4. 6 | | | ••• | 427 |
| the rest of Dishtismen | | | | 427 |
| Contentment—to be adopted by the Bra | | | | 812 |
| • | បបាទពុំខ | ••• | ••• | 314 |
| ,, - the root of happiness | -1 | ••• | ••• | 18 |
| 'Cow'-stands for the Madhuparka offe | - | | ••• | |
| " —Detailed procedure regarding the | | ı | *** | 481 |
| ,, -giving of-brings all rewards | ••• | ••• | ••• | 482 |
| Creature—is born alone | ••• | ••• | ••• | 487 |
| "—dies alone … | ••• | ••• | ••• | 487 |
| "—enjoys good and bad deeds al | one | ••• | *** | 487 |
| Curd—to be served on the ground | ••• | ••• | ••• | 346 |
| | | | | |
| D | | | , | |
| D | | | | |
| Daily duties—of Brahmanas | ••• | ••• | *** | 386 |
| Daiva marriage—lawful for Brahmanas | ••• | ••• | ••• | 40 |
| " " —defined … | ••• | ••• | ••• | 54 |
| " " —in-daughter given to sacrince … | Priest o | fficiatin | g at a | 54 |
| — Onalities of son born | | | | 60 |

| | | | | | PAGE. |
|--------------------------------|-------------|-------------|------------|----------|-----------|
| Dana—is formal gift | | ••• | | | 304 |
| Dandapûpa-nyaya—explained | ••• | | | | 874 |
| Darsha-Pûrnamâsa | ••• | ••• | 24, | 42,94,98 | , 142,292 |
| " " —to be offe | red by the | Accomplis | hed Stud | ent | 32 |
| " " —only—to | be perform | ed by Brâl | maņa liv | ing | |
| on glea | nings and | pickings | | ••• | 311 |
| Daughter-is the highest obje | ct of tend | erness | | | 444 |
| Daughter's son-may be fed a | t Shråddha | | | ••• | 170 |
| " —to be fed as 8 | hråddha | with speci | al care | ••• | 250 |
| " " specially sacr | red at Shri | lddha | | | 251 |
| Dâya-is property | | ••• | | | 16 |
| " —explained as Veda | | ••• | | ••• | 17 |
| Dependants-old Parents and | others (en | umerated i | n 11·10) | ••• | 97 |
| Dêvayajna-also called 'Prahi | | | | | 98 |
| " —is Homa | | | | ••• | 98 |
| Dêvasya tvû pratigrhnûmi | | | | | 58 |
| Dêvasya tvû savituh | | | | | 108 |
| Devils-gifts of-a convivial | dinner | | | | 164 |
| Dhanvantari-daily offering to |) | | | | 109 |
| Dinner-convivial-the 'gift | of devils' | • • • | | | 164 |
| Dharma-that which has been | followed l | by one's Fo | refathers | | 442 |
| Didhişûpati—defined | | ••• | | | 194 |
| Discontent-the root of unhap | piness | ••• | ••• | | 315 |
| Dogs-offering for-to be place | ed on the | ground | | ••• | 115 |
| Domestic Rites | | ••• | ••• | ••• | 94 |
| " offerings—after Shr | åddha | | | | 281 |
| " " —to be ma | de after | dismissal o | f Brahma | nas | |
| at Shrå | ddha | | | ••• | 281 |
| Dress-to be in conformity with | th Age | | ••• | ••• | 319 |
| ,, ,, ,, ,, | Occupa | tion | | | 319 |
| ,, ,, ,, , | , Wealth | ••• | | | 319 |
| », — | Learnin | g | ••• | ••• | 319 |
| 99 99 99 | Family | | | ••• | 319 |
| Dowry-to Bride permissible | , if not | appropria | ted by | her | |
| relations | ••• | | ••• | ••• | 85 |
| Draupadi | ••• | ••• | ••• | ••• | 188 |
| Duties—relating to Vedas—to | be observ | ed under t | he Precep | otor | 1 |
| ,, ,, | " | under t | he Precep | otor | 1 |
| | | for Thi | rty-six ye | ars | 1 |
| ,, ,, | ,, | under th | e Precep | tor, | |
| | | for Eigh | teen year | 18 | 1 |
| " – " – | 19 | under th | e Precep | tor, | |
| | | for Ni | ne years | | 1 |
| " – " – | ** | till Ved | as have b | een | |
| • | | got | up | ••• | . 1 |

| | | PAGE. |
|---|------------|-------|
| Duties—of Marital Life | | - 71 |
| Duty-means of knowing one's-available for the Igno | | |
| the Path trodden by his Forefathers | | 442 |
| Dyauh-Prthivi-daily offering to | | 109 |
| - Jane 1 inner many obstages on the | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| E | | |
| E. | | |
| Ekoddista (Unitary Rite)—offered to one person | ••• | 259 |
| " -First-performed on the Eleventh Day | *** | 263 |
| Elder Brother—supersession of | *** | 191 |
| " ,, —extenuating conditions | ••• | 192 |
| " -period during which one should wa | it for the | |
| marriage of | ••• | 192 |
| Elementals—have expectations from family-men | ••• | 105 |
| " —to be worshipped with Bali | *** | 105 |
| Elephant-'shadow' of the-falling Eastwards-mean | as 'after- | |
| noon' | | 287 |
| " – " " – means eclipse … | 100 | 287 |
| " " , —distinct from eclipse | ••• | 287 |
| Enemy-should never be entertained at Shråddha | | 166 |
| Etymologies-to be studied by the Accomplished Stude | | 320 |
| Eugenic rules | | 29 |
| " " —not scriptural | | 29 |
| Eunuchs—undeserving of gifts at Shraddhas and Sacri | floor | 171 |
| Dathman wat to out at Caraldon words was | | 459 |
| Exegeris—to be studied by the Accomplished Student | • | 92 |
| Expiating—Five great Sacrifices meant for | *** | 92 |
| . • | | 04 |
| Expiation -for beef-eating-refers to eating, apa | | 805 |
| Madhuparka and Aşţaká offerings | ••• | 285 |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| F | | |
| Fame-secured by honouring of guests | | 127 |
| Family-bragging about-for obtaining food-depreca- | | 129 |
| —not to be advertised, for obtaining food | *** | 129 |
| Father—named 'Vasu' | | 294 |
| " —if living—should be his child's Preceptor | ••• | 17 |
| "—is the Lord of the world of Prajapati | ••• | 444 |
| man annaint another man as Dresentes | *** | 17 |
| to manufact the shifted wife to his December | *** | 17 |
| of airl not to account any gifts from Dullause | | 88 |
| " -at Sitt-not to accept any Sites from pridegro | | 39 |

| | 1 200 |
|---|--------|
| Father-of girl-may accept a Cow and Bull, at Arşa marris | - |
| -according to some | 84 |
| " " —shall not accept anything—even in Ârșa marr | |
| " -living-Shråddha to be offered to previous ancestor | |
| "—may be fed at Shràddha, as a Brahmana … | 241 |
| Father-in-law -to be received with 'Honey-Mixture' | 138 |
| "—may be fed at Shrâddha | 170 |
| Fee—to the Teacher—some 'superior thing' | 17 |
| Feeding—method of | 227 |
| " —Place for | 227 |
| " – " " –should be clean | 227 |
| " — " " — " secluded | 227 |
| " - " " -sloping southwards | 227 |
| " - " smeared with cow-dung | 227 |
| " — Procedure to be adopted after … | 270 |
| " of Relations—at Shraddha | 280 |
| " — of Paternal relations " | 280 |
| Feet-washing - to be done at a distance from dwelling-place | ee 426 |
| Female relatives—have sovereingty over the world of Heave | nly |
| Nymphs | 444 |
| Filthy disease-offering for persons afflicted with-to | be |
| placed on the ground | 115 |
| Five Fires-are the Grhya (Domestic) Fire, the Sabhya (| So- |
| cial) Fire and the Trèta, (the three S | ac- |
| rificial Fires) | 122 |
| Fire-laying-serves the purposes of compulsory and volunts | ary |
| acts | 21 |
| " -brings into existence the Ahavanîya Fire, for t | the |
| purpose of compulsory and voluntary a | cts 21 |
| "—not an end in itself | 95 |
| " —the only means for securing the proper Fire | for |
| offerings | 95 |
| " —Sabhya —described | 122 |
| Fire-the means of cleaning water, hand and wood | 846 |
| " -not to be blown with the mouth | 356 |
| " -no unclean thing to be thrown into | 356 |
| "—feet not to be warmed at | 356 |
| " -not to be placed under oneself | 356 |
| " " stepped over | 356 |
| " — " " placed under the feet | 356 |
| Fires-if not worshipped with new grains and meat, deve | our |
| the man | 334 |
| " -Five-science of the-explained in the Upanisads | 128 |
| " - "worshipping of-leads to results suyerior to the | ose |
| of Shråddha rites | 123 |
| " -Forsaker of-to be avoided at Shraddhas and Sac | ori- |
| fices | 174 |

| | | | | PAGE. |
|-------|-----------|--|----------|---------|
| Fires | -Five- | science of-described in Chhândogya Upa | nisad | 203 |
| | | absence of -offerings to be made into the | | |
| | | of Brahmanas | | 231 |
| ,, | -two po | pints of time, for the setting up of Smarta | | 233 |
| " | —to be | $ \begin{array}{c} \text{set up-(a) on marriage} \\ -(b) \text{ on succession} \end{array} $ | | 238 |
| Five | Sacrifice | s—the Householder to eat after | | 185 |
| ,, | 19 | -to be repeated in the Evening-except | t Brah- | |
| | | ma-yajña and Pitṛyajña | | 148 |
| " | " | -desribed in detail | ••• | 322 |
| 19 | " | -(1) to the Sages, (2) to the Gods, (8) | to the | |
| | | Elementals, (4) to Men and (5) Pitr | B | 322 |
| ,, | ** | -obligatory | ••• | 322 |
| ,, | 17 | -offered 'into the sense organs' by m | en free | |
| | | from desires | | 322 |
| ,, | ,, | - offered 'into the sense organs' by Bra | hmaņas | |
| | | living in Pickings and Gleanings | ••• | 828 |
| ,, | ,, | - 'offered into sense organs' means the re | strain- | |
| | | ing of the organs | ••• | 323 |
| ** | ,, | -' offered into sense organs' stands for t | he first | |
| | | morsel of food eaten with the | mantra, | |
| | | 'Prâṇâya svâhâ' | | 324 |
| ,, | ** | -accomplished by the act of Breathing, | which | |
| | | is the sacrifice of Life-breath into | speech | 324 |
| ,, | ,, | -accomplished by the act of Breathing | y-only | |
| | | for one who is cognisant of the r | eal pa- | |
| | | ture of the Soul | | 324 |
| ,, | ,, | -offered by means of knowledge | | 325 |
| " | ,, | - ,, ,, -only by or | ne who | • 20 |
| ., | • | knows the real nature of the Soul | | 325 |
| Flag | of virtue | -who displays,-is 'cat-like' | ••• | 450,452 |
| - | | path followed by-to be trodden | ••• | 441 |
| 79 | | " -regarding alliances- to be trodden | | 442 |
| " | | "—followed by—to determine the right | | *** |
| " | | of conduct, in cases of doubt | | 442 |
| Food- | -onlv-t | o be given to Hypocrite, arriving as guest | | 386 |
| | ,, | ", ,, cat-like person " " | •••• | 386 |
| " | | Transm Mh. | ••• | 386 |
| " | " | ,, ,, Heron-like ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, | ••• | 336 |
| | | s of—to be thrown at a distance | | 426 |
| | _ | by player on musical instruments to be av- | | 468 |
| | | Janlanda massana | | 468,471 |
| ,, - | " | dog koonorg | ,, | 468 |
| ,, - | ,, | mine rellane | | 468 |
| " - | | aluthaa maahan | *** | 468,470 |
| ,, - | - ,, | dwar | ,, | 468 |
| ,, - | - " | bard ,, | ,, | 46R |
| | | | | |

| | | | | | PAGE. |
|----|-----|--------|--|-------|---------|
| 00 | d-c | ffered | l by person having a paramour in his house, to |) be | |
| | | | avoided ,, ,, | ••• | 468 |
| ,, | | ,, | " bearing the presence of paramour, " " | ••• | 469 |
| , | _ | ,, | in a house where death has occurred, ,, ,, | | 469 |
| , | | ,, | that is disagreeable to be avoided | | 469 |
| , | _ | 99 | by king, to be avoided | ••• | 469 |
| , | - | ,, | "Shûdra " " | | 470 |
| , | - | ,, | " goldsmith " " | | 470 |
| , | | ,, | " leather cutter " | | 470 |
| , | _ | ,, | " artisans " | | 470 |
| , | - | ,, | " physician " | | 465,471 |
| , | - | ,, | " hunter " | | 465 |
| , | _ | ,, | " cruel person " | | 465 |
| , | _ | ,, | ,, one living on leavings, to be avoided | | 465 |
| • | t | o be a | voided—belonging to Ugra | | 465 |
| , | _ | ,, | -cooked for the newly-delivered woman | | 465 |
| , | | ,, | -interrupted by washing | | 465 |
| , | | " | -offered by persons impure by child-bir | | 466 |
| | | " | - , without respect | | 466 |
| , | | " | -improper meat | | 466 |
| , | _ | | -belonging to a male-less female | | 466 |
| | _ | " | -offered by enemy | | 466 |
| | _ | " | | | 466 |
| • | | ** | | ••• | 466 |
| | _ | ,, | | ••• | 466 |
| | _ | " | —which has been sneezed at | ••• | 467 |
| • | _ | " | -offered by Informer | ••• | 467 |
| , | _ | " | " " —Perjuror | ••• | 467 |
| | _ | " | ", "—Seller of sacrifices | ••• | 467 |
| • | _ | " | " " —Actor | ••• | 467 |
| , | _ | " | " " —Toilor | ••• | 467 |
| , | _ | " | " " —Ungrateful person | ••• | |
| • | _ | " | " " —Blacksmith … | ••• | . 468 |
| , | | ** | ", "—Nigāda | ••• | 468 |
| , | | 19 | " " —Stage-player | ••• | 468 |
| , | _ | 17 | | vith- | 460 |
| | | | feet | ••• | |
| , | _ | " | -belonging to Brahmana-slayer | ••• | 461 |
| ,, | | " | -, , woman in her courses | ••• | 461 |
| " | | ,, | -which has been picked by birds | ••• | 461 |
| , | | " | -, , touched by dog | ••• | 461 |
| , | | ** | - ,, smelt by the cow | ••• | 462 |
| ,, | | ,, | - ,, publicly offered | ••• | 462 |
| , | | ,, | -belonging to a multitude | ••• | 462,470 |
| , | - | ** | - " " Harlot | ••• | 462,470 |
| ,, | - | " | —what is censured by the learned | ••• | 462 |
| " | | ,, | -belonging to Thief | ••• | 463 |
| | | | - Singar | | 440 |

| | | | | | | | | | PAGE. |
|-------|-----------|--------|------------|---|---------------|-----------------------|----------------|--------|-------------|
| Food | l—to be | avoid | ed—be | longing | to | Carpente | r | ••• | 468 |
| ,, | _ | ,, | | ,, | | Userer | | | 469 |
| ,, | | ,, | | " | | Initiated | person | | 468 |
| ,, | - | ,, | - | ,, | | Miser | ••. | | 463 |
| " | _ | ,, | | ** | | Prisoner | | | 468 |
| ,, | | " | | ,, | | Accused | person | ••• | 468 |
| ,, | - | " | - | ,, | | Hermaph | rodite | | 468 |
| ,, | _ | ,, | | ,, | | Unchaste | woman | ••• | 463,471 |
| ,, | - | ,, | | ,, | | Hypocrite | • | | 463 |
| ,, | | ,, | -tha | t turned | l sour | | | ••• | 468 |
| " | | " | -tha | it kept o | verni | ght | | ••• | 468 |
| 19 | | 11 | wh | at forms | the l | eavings of | the Shû | dra | 463 |
| 19 | - | ,, | off∈ | red by i | ntoxi | cated pers | on | | 460 |
| ,, | | ,, | - | ,, | angry | ,, | | | 460 |
| ,, | | 19 | —tha | t contar | ninate | d by hair | •• | | 460 |
| ,, | - | ,, | – , | , ,, | i | nsects | ••• | | 460 |
| ,, | -non-ea | tabili | ity of- | | kinds | ••• | | *** | 472 |
| ,, | -of mise | erly | Vedic 8 | cholar, | is eq | ual to that | of the L | iberal | |
| | | rer | | | • | | | ••• | 474 |
| ,, | -of the | Libe | ral Hae | rer is sr | merio | r to that o | f the M | igarly | |
| " | | | cholar | | .perro | | | | 470 |
| Food | | | | | ohihi | ted person | | | 2.0 |
| 2.000 | a By can | 6 | fast | | Outor | - | | Julia | 471 |
| | comme | haba | | ••• | | ••• | ••• | ••• | 295 |
| ,, | -procee | | | In | | ••• | ••• | ••• | 100 |
| " | -creatu | | | | | ••• | ••• | ••• | 100 |
| ,, | | • | | | . h: 1; + : | y—to be off | ored to | ··· | 121 |
| ** | -to be s | | | | | | orou to a | guesus | 246 |
| ** | | | | | | aced on the | , . mnonn d | | 246 |
| ,, | | | • | | - | | • | | 247 |
| ,, | | | | - | | he ground a descri | | of its | 441 |
| ,, | -10 00 | BOLV | | - | ցա Խ <u>յ</u> | | рион (| | 247 |
| | | | • | ualities | | ••• | ••• | ••• | |
| 19 | - ,, | serve | ed—hot | • | | ••• | ••• | ••• | 2 51 |
| ** | ,, | ** | | le by lit | tle | ••• | ••• | ••• | 25 L |
| " | -sacrifi | | | ned | | ••• | ••• | ••• | 275 |
| | noon—es | | | | | ••• | ••• | ••• | 274 |
| Frie | ndship—t | - | - | establi | sh—b | y means o | f Shråd | ldha | |
| | | on | e falls | ••• | | ••• | ••• | ••• | 168 |
| Frie | nd nor fo | e-wi | o is ne | ither—s | hould | be fed at | Shråddh | a | 161 |
| Frie | nds not | to be | treate | d as gue | ests | | ` | | 180 |
| | "com | ing t | o visit, | should | be fed | l with wife | | | 182 |
| | | to be | fed at | Shråddh | 18. | | | | 161 |
| | •• | | | y means | | | | ••• | 161 |
| | | | | • | _ | råddha, m | ake it fu | ıtile | 162 |
| | - | , | ., | ,, | | erifices. | ,, | ,, | 162 |
| | | | | ned at 8 | Shråd | dha | ••• | *** | , 166 |

G.

| | | | | | PAGE. |
|-------------------------------|-------------|---------------|------------------|----------------|----------|
| Gándharva marriage - based o | n Lust | ••• | ••• | | 57 |
| " "—defined | ••• | ••• | ••• | ••• | 57 |
| " – lawfal f | or Bråhms | na. | ••• | *** | 46 |
| ., ,, ,, | Kşattri | ya | ••• | ••• | 46 |
| ,, ,, ,, | Vaisby: | B | | *** | 46 |
| ,, ,, ,, | Shûdra | ••• | | ••• | 46 |
| " " —not com | mended fo | r Bråhma | na | | 47 |
| | | so for—bu | | nt sac- | |
| | exts | | | | 68 |
| Garga-a gotra | | | *** | | 215 |
| Garland-adorning with-star | ads for the | a details a | t Madh | una rka | |
| offering | | | | u par na | 18 |
| Gautama17. 28. 24, 25 56. 7 | | | | 78 109 | • • • |
| 205, 270, 801, 809, | | | | | |
| Gaytari-with 'Shiras' to be | | | | | 240 |
| Gifts—not to be made to cat-l | - | | | ••• | |
| h | | naņa | ••• | ••• | 448 |
| ,, ,, ,, | n-like , | , | | ••• | 448 |
| " — " " Bran | | orant of V | | ••• | 448 |
| | , | is wicke | | ••• | 448 |
| " —to ignorant men destr | • | | | ••• | 447 |
| " —of sesamum, destroys | | | | *** | 446 |
| " — " gold and food, dest | • • | • | eiver | ••• | 446 |
| " — " land and cow " | the boo | • ., | ,, | ••• | 446 |
| "—" elothing " | "ski | n ,, | ,, | ••• | 446 |
| " — " clarified butter " | " ene | rgy of | ,, | *** | 446 |
| " —not to be accepted | ••• | ••• | ••• | ••• | 383, 445 |
| " -made to improper me | an, bring | calamity | to Giv | er and | |
| Receiver | ••• | ••• | ••• | ••• | 449 |
| " -ignorant giver and rec | eiver of- | sinks | | | 450 |
| " -of carriage and couch, | bring a v | vi f e | | ••• | 482 |
| " — " fearlessness, | ,, 80 | vereignty | | | 482 |
| " — " grains, | " et | ernal happ | iness | ••• | 482 |
| ,. — ,, Veda, | " eq | uality wit | h Br á hn | nana | 482 |
| " - " Veda, surpasses all | | | ••• | ٠ | 482 |
| " -spirit of the-brings s | | vards | | | 483 |
| " -to be made with respe | ct | ••• | | | 484 |
| " -trickle away-by adve | | | ••• | ••• | 485 |
| " -acceptance of | | ••• | ••• | | 491 |
| Girls -recommended for marr | iage | | | | 28-24 |
| of discount females to | | | ••• | | 29 |
| Girl —hairless to be avoide | | | ••• | | 80 |
| | | | ••• | ••• | 80 80 |
| , too much | a voideu | | ••• | ••• | 30 30 |
| gunaufinana limba | " | ••• | ••• | ••• | |
| | • | ••• | ••• | *** | 80 |
| " —garrulous — | ** | ••• | •• | ••• | 80 |

| | | | | | | | | | PAGE. |
|------|-------------------------------|--------------|----------|---------|-------------|-------|-------|---------|----------|
| Girl | -diseased | to I | e avoid | ed | | | | | 30 |
| ,, | -with reddish | neyes- " | ** | | | | | | 30 |
| ,, | -bearing the | name of an | asteri | sm—to t | e av | oided | l | | 80 |
| ,, | - " | " a | tree | | ** | ••• | | | 30 |
| ,, | - ,, | ,, ,, | river | _ | •, | | | | 30 |
| 19 | ,, | ,, ,, | low cas | te- | ** | | | | 30 |
| 19 | - ,, | ,, ,, | mounta | in | 19 | | | | 30 |
| •• | | ,, | bird | | ,• | | | | 30 |
| 11 | ,, | 11 99 | serper | ıt | ,, · | ••• | | | 30 |
| " | - " | " " | slave | - | " | ••• | | | 30 |
| 19 | ,, | • . | piring t | | " | , | | | 30 |
| ** | -with faultle | • | | | | | | •• | 81 |
| ,, | -bearing an | | ame, co | mmende | d | • · | | •• | 31 |
| 11 | elephant-ga | - | | 11 | | ••• | | ••• | 31 |
| ** | swan-gaited | | | ** | | | | | 31 |
| 97 | fine-haired, | | | •• | | ••• | | ••• | 31 |
| ** | -with fine te | | | ** | | ••• | | ••• | 31 |
| " | - , tender | | _ | . " | | ••• | | ••• | 31 |
| ** | -unmarried- | - | | | | •• | | | 82 |
| 17 | -younger tha | | | | | ••• | | ••• | 32-33 |
| ,, | -with broth | | 17 | ,, | | ••• | | | 38 |
| • " | -without bro | | | | | ••• | | ••• | 38 38 |
| ** | -whose pare | - | | - | | | | *** | .30 |
| ,, | -Full rites o | ** | | • | | | | - | 70 |
| | | Bride and E | • | | _ | | e cas | · · · · | 70 |
| | - of lower ca - Kşattriya- | | | _ | | | | *** | 70 |
| 19 | -Vaishya - | | • | | | | the | | 70 |
| " | -Shûdra - | - | ,• | | • | | | gar- | |
| " | ment-he | , ,, | " | ,, | • | 17 | ше | gar- | 70 |
| | - Father of- | | | | n hri | dear | ooni | | 83 |
| ** | | by receiving | - | - | | _ | | | 88 |
| " | -newly mari | - | - | _ | | | | | 138 |
| | ning—explain | | | | | ., | · | | 800 |
| | | ing—called | | asattra | | ••• | | | 309 |
| | " " " | — " | 'Yâyâu | | | ••• | | | 31 t |
| Giv | er of silver—o | | - | | | | | | 480 |
| ,, | ., water- | | faction | | | | | | 480 |
| ,, | " food – | | rishable | happine | ess | | | | 480 |
| ,, | 0000 milini | | able of | spring | | | | ••• | 480 |
| ,, | " lamp – | | lent ey | | | | ` | | 180 |
| " | ,, land | " land | | ٠ | | | | | 480 |
| 11 | " gold | " long | life | | | ••• | | | 480 |
| " | " house— | - | lent m | nsions | | | | ••• | 480 |
| God | ls—constant ho | nouring of | | ••• | | | | | 98 |
| 19 | -have expec | tations from | n family | -men | | | | ••• | 108 |
| ** | -to be worsh | ipped with | Homa | | | | | ••• | 108 |

| | PAGE. |
|--|----------------|
| Gods - Rites in honour of-become lost-when presented | to · |
| | 119 |
| "—even number of Brâhmanas to be fed in honour of | 150 |
| ., -food offered at rites in honor of to be given to a learned | ed |
| Brahmana | 152 |
| " -at rites in honor of—the feeding of one learned Brahma | ņa |
| beneficial | 153 |
| " -at rites in honor of-the feeding of several ignora | nt |
| Brahmanas useless | 158 |
| offerings for -to be given to the learned | 156 |
| " -Brahmanas not to be examined at the Rites in honor | |
| ., -born from Sages | 220 |
| Brahmana in honor of to be engaged first | 223 |
| " - " " - guards the offerings to Pitrs | 223 |
| a rite in honor of-at beginning and end of Shraddha | 224 |
| ,, - offerings to—defiled by the look of Chândala | 254 |
| ,, - ,, ,, Pig | 254 |
| " ·- " Cock | 254 |
| " " — " " Dog | 254 |
| " – " Unclean woman | 254 |
| " — " " " Eunuch | ∴. 254 |
| Golaka son defined | 195 |
| Gotra -what is | 214 |
| ., -is the first progenitor of the family imparting l | nis |
| name to it | 214 |
| " -is the most renowned person in the family | 214 |
| "—Subdivisions of | 214 |
| " -the forefather whom his descendants remember wi | th |
| pride | 214 |
| " -use of the name-without beginning | 215 |
| " - Parashara as-spoken of in the Veda | 215 |
| " -name to be pronounced by Brahmana offering libati | on 21 5 |
| " —Parâshara and Garga | 215 |
| "—no usage among Kşattriyas, regarding … | 215 |
| " —is indicative of descent from such Rsis as Vashist | ha, |
| Bhrgu, Garga, etc | 24 |
| " —marriage between parties of the same gotra permissib | le, |
| if Pravara different, according to Gautama | 24 |
| " —a subdivision of caste | 24 |
| " —remembered by each man | 25 |
| ,, —Paräshara | 25 |
| " —Upamanya | 25 |
| " -persons belonging to same-belong to a common sto | ck |
| and caste | 25 |
| " —diversity of—only among Brahmanas | 25 |
| " — " — not among Kattriyas | 25 |
| Vaighpag | 95 |

| | | PAGE. |
|--|-------|-------------|
| Gotra-of Kşattriya-determined by that of his Priest | | 25 |
| "—means name also | ••• | 180 |
| ,, —same—means 'sapinda' | ••• | 26 |
| " - means family, according to some | | 26 |
| " -Bragging about-for obtaining food-one becom | es a | |
| 'Feeder on filth' | | 129 |
| Grammar-to be studied by Accomplished Student | ••• | 320 |
| Grandfather—named 'Rudra' | ••• | 294 |
| "—maternal—to be fed at Shraddha | | 170 |
| "—to be fed at Shrâddha | | 244 |
| Great-grandfather—named 'Aditya' | | 294 |
| Great-great-grandfather—no offerings to—after Sapindi Ka | raņa | |
| of Father | | 261 |
| Grhya rites—are those prescribed in the Grhyasútras | | 89 |
| "—to be performed in the marriage-fire | | 87 |
| " —defined | | 87 |
| exact scope and meaning of-described | | 88-89 |
| (irhyasitra—of Ashvalayana—quoted | ••• | 71 |
| —Bathing rite prescribed in | | 19 |
| lave down unless for Home | | 108 |
| moformed to | ••• | 118,224 |
| declared mater naming at Chulddha to be ab | | 110,224 |
| tory | niga- | 240 |
| lave down that Chuiddha should be affered by | | 240 |
| to those to whom his father offers it | y One | 242 |
| laws down that the Dites of the Duthma for | m of | 242 |
| marriage, should be performed at the tir | | |
| | | 52 |
| marriage itself ,, —declare that no Shråddha is to be offered by | | 02 |
| whose father is alive | one | 244 |
| | | 244 |
| , - lays down libation into Fire, connection with | ouer- | 950 |
| ings to the recent dead | ••• | 259 |
| "—lays down Sapindikarna to be performed at | the | |
| end of the year | ••• | 25 9 |
| ,, —lays down that one ball shall not be offered | ed to | |
| several Pitrs | ••• | 261 |
| "—speaks of the Agnihotra | ••• | 327 |
| " - prescribes the Agrayana sacrifice as compu | | |
| for those who keep only the Domestic Fir | е | 388 |
| Grhya-rules-prescribe sacrifices by women | | 459 |
| Grinding-stone-a 'slaughter-house' for the Householder | | 96 |
| Great Sacrifices—serve to expiate the sin involved in the | using | |
| of the Hearth, etc | | 91-99 |
| ordained for the Householder | | 9: |
| " | j | 9 |
| ,, —exact form of | , . | 0 |

| | Pagr, |
|--|-------|
| Great Sacrifices only those compulsory, to the performance | |
| whereof one is entitled | 95 |
| " -daily performance of -saves one from the sins | |
| of the 'slaughter-house' | 96 |
| "—must be performed, daily | 97 |
| —omission of—means death | 97 |
| " —occasion for each, distinct | 100 |
| " -neglector of-to be avoided at Shraddha and | |
| Sacrifice | 175 |
| Grog-shop-equal in uncleanliness to the oil-press | 384 |
| Guests-honouring of-is 'Offering to Men' | 93 |
| Guest-not to be invited | 95 |
| " -a person invited, is not a | 95 |
| "·-is one, who comes unexpectedly | 95 |
| has expectations from family-men | 105 |
| " -to be fed-after the offering to Beings | 106 |
| "water to be offered to | 121 |
| "—seat " " | 121 |
| " -Food prepared to the best of one's ability-to be | |
| offered to | 121 |
| is one who comes uninvited | 121 |
| omitting to feed-in evening-specially sinful | 128 |
| at least bedding, resting-place, water and kind words | |
| te be offered to | 124 |
| Brahmana staying in the house for one night, is to be | |
| treated as | 124 |
| " exact signification of explained | 125 |
| " -Âpastamba's rule for the honouring of | 125 |
| "—a co-villager, not to be treated as | 125 |
| companion, , , , | 125 |
| " -one coming during Householder's absence, may not be | |
| treated as | 126 |
| " -one arriving during Householder's absence, where his | |
| wife and the Fires are—is to be treated as | 126 |
| " -arriving in the evening, should not be dismissed | 127 |
| " - " timely or untimely, should not remain with- | |
| out food | 127 |
| one should not eat what one does not offer to | 127 |
| "Honouring of—is conducive to Fame | 117 |
| " " " Wealth | 127 |
| " — " — " Longevity | 127 |
| " – " – " " Heaven | 127 |
| "—entertainment of the various grades of | 128 |
| "—Best entertainment for superior | 128 |
| "—Inferior " " inferior | 128 |
| " -Ordinary " " equal | 128 |
| —Seat to be offered to | 128 |

| | | | | PAGE |
|--------------------------------|----------------|---|-----------|-------------------------|
| Guest-Room to be offered to | | | | . 128 |
| "Bed " " | | | | 128 |
| "Following "" | | | | 128 |
| " - Attendance " " | | | | 128 |
| Food to be provided | for one-eve | en though | be arrive | |
| after the Vaishvude | va offering | | | 129 |
| " –Kattriya not—in Brá | hmaṇa's hous | е | | 130 |
| ., —Vaishya not— " | ** | ••• | | 130 |
| " —Shûdra not— " | " " | ••• | • • • • | 130 |
| " Friends not to be tre | ated as | ••• | • ••• | 180 |
| | , ,, | ••• | • ••• | |
| | , ,, | | | |
| ., -Kattriya arriving a | - | | Brâhmaṇa | |
| guests | | | | 180 |
| " -Vaishya arriving as- | | | | 131 |
| "—Shadra " "— | " | , | | 181 335-8 4 0 |
| ,, -attending upon | | | | 388 |
| " -to be honoured with s | | | ••• | 385 |
| | ood ed | | | 325 |
| " " " | rater | | ••• | 335 |
| ., ., ,, | ruits and root | | ••• | 335 |
| importor emissing ag | | | | 385 |
| ,, -follower of improper | | | | 1,0,, |
| be received | | • | | 335 |
| , -persons of cat-like b | | | | 885 |
| " -hypocrites | ,, | | | 385 |
| " -logicians | - ,, | | ••• | 385 |
| " -persons of heron-like h | | | | 385 |
| ., -Vedic scholar to be he | sa boured | *** | | 387 |
| " -person accomplished i | n Veda—to be | e honoured | las | 337 |
| " " " | , Observance | s- ,, | ,, | 337 |
| " -householders | - " | ** | ,, | 387 |
| " -is the Lord of the wor | ld of Indra | • | *** | 444 |
| | | | | |
| | | | | |
| | H. | | | |
| Hairless man-not to be fed at | Shråddhas | | | 172 |
| Hand-the taking hold of-the | predominant | factor in | marriage | 20 |
| Happiness-has its root in Cor | | ••• | ١ | 814 |
| Harvest-not to be eaten out of | | rforming | Agnihotra | 881 |
| Harvest-Sacrifice to be offere | d | | ••• | 380 |
| " " perf | ormed in the | Autumn | | 888 |
| | sary at every | | | 888 |
| Ravirbhuk | | ••• | ••• | 215 |
| -the Pitre of Keetty | ที่ พอต | | | 917 |

| | | | | PAGE. |
|--|-------------|--------------|-------|-------|
| Havismat pitrs-worshipped by Kşattri | yas | | | 211 |
| ,, ,, —sons of Angiras | | | | 218 |
| Healers—to be avoided at Sacrifices | | | | 174 |
| Hearth- a 'slaughter-house' for the Ho | useholder | | | 90 |
| " - and other 'slaughter houses'- | there is no | prohibitio | n for | 91 |
| Heaven-secured by honouring guests | ••• | | | 127 |
| Hells—twentyone—enumerated | | | | 385 |
| Hermaphrodite-food of-to be avoided | | | | 463 |
| Heron-like persons-not to be received | as guests | | | 385 |
| " " Food only to be gi | iven to | | | 385 |
| " - Brāhmaņas—not to be given | gifts | | | 447 |
| " - behaviour-defined | ••• | | | 452 |
| Hiranyagarbha—is Prajâpati | ••• | | | 211 |
| "—Manu is the son of | | | | 211 |
| Homa-is 'offering to the gods' | ••• | ••• | | 93 |
| is the means of worshipping god | s | | | 105 |
| ,-to be offered daily-out of food | cooked for | Vishvêde | vas | 108 |
| Honey-abstention from-to be withdraw | wn after V | edic Text | 8 | 15 |
| Honey-Mixture—to be offered to King | ••• | | | 138 |
| ", ", ", " Accom | plished 8ta | ident | | 188 |
| " " " " Teache | er | | | 138 |
| " " –" " Son-in- | law | | | 138 |
| , ., -, , Priest | | | | 188 |
| | -in-law | | | 138 |
| ,, ,, ,, ,, Materi | nal uncle | | | 138 |
| " -not to be offered to a | Shûdra | | | 139 |
| ", ", ", by a | Shûdra | | | 139 |
| " " " — Mahâbhârta speaks o | of—as beir | g offered | by | |
| Shûdra Vidura to Vās | udeva | | | 139 |
| " in cases like above, | the term | is used fig | zu- | |
| ratively, in the sense | of curd | | | 139 |
| ,, -is the name of a Rite | | | | 140 |
| " King to be honoured | | a sacrific | ial | |
| performance | | | | 140 |
| Learned man to be hon | oured with | ı—at a sac | ri- | |
| ficial performance | | | | 140 |
| " -to be served on the gr | ound | | | 246 |
| Hotrduties described in the Three Ved | | | | 10 |
| Household entrance into | | | | 18 |
| Household-implements—a 'Slaughter-hou | se' for the | Household | ler | 90 |
| House—stands for wife | | | ••• | 18 |
| Household duties—are those to whom sac | rificer off | ers sacrific | es | 186 |
| Householder-state—to be entered into, | | | | |
| or three Vedas | ••• | | | 18 |
| , _to be entered into | , having | learnt Vec | la, | |
| without deviating f | | | | |
| dentship | | | | 18 |

| | | PAGE. |
|----------|--|-------|
| House-ho | lder—defined as one who has taken a wife | 13 |
| ** | -state of-should follow after Learning of Veda | 14 |
| ** | -state of-only learned man entitled to | 14 |
| •, | entrance into state of-essential | 22 |
| ,, | —Duties of | 87 |
| " | -should perform the Grhya rites in the mar- | |
| | riago-fire | 87 |
| ,, | -should perform the 'Five Sacrifices' | 87 |
| ,, | - " " daily cooking | 87 |
| ,, | to perform rites in association with his wife | 88 |
| ** | There are five 'Slaughter-Houses' for | 90 |
| ,, | -The Five Great Sacrifices prescribed for | 92 |
| ,, | -all states derive support from the state of | |
| | the | 101 |
| ,, | -men in all there states are sustained, with | |
| | knowledge, by the | 102 |
| ,, | -men in all three states are sustained, with | |
| ,, | food, by the | 102 |
| | utaka ad ila tha himbaut atata | 102 |
| ", | -state of -ts the figurest state | 103 |
| 11 | great restraint demanded from | 108 |
| ** | -sages, Pitrs, Gods, Elementals and guests have | 100 |
| ** | expectations from | 105 |
| | • | 100 |
| ,, | -should fulfil his duties towards gods, sages, | |
| | guests, elementals and Pitrs | 105 |
| " | to worship sages by Vedic Study | 105 |
| ,, | gods by Homa | 105 |
| " | ,, Pitrs by Shråddha | 105 |
| " | — ,, men with food | 105 |
| " | " Elementals with Bali | 105 |
| ,, | -giving alms, obtains a reward | 107 |
| ** | should provide for reception of guests during | 100 |
| | his absence | 126 |
| ,, | -depending on food cooked in other families, is | |
| | born as one of cattle | 126 |
| , 4 | -should not drive away guest arriving in the | |
| | evening | 127 |
| ,, | —not to eat what has not been offered to guest | 127 |
| ,, | -eating before guests, is devoured by dogs and | |
| · | vultures | 184 |
| •• | -eating before newly married girls, is devoured | |
| | by dogs and vultures | 184 |
| ,, | -eating before maidens, is devoured by dogs and | |
| | vultures | *** |
| " | -eating before sick persons, is devoured by dogs | |
| | and vultures | 134 |

| | • | | PAG |
|----------|---|-----------|-----|
| House-ho | older-eating before pregnant women, is devo | ured by | |
| | dogs and vultures | ••• | 18 |
| ,, | -should eat with wife, after guests, his own | n people | |
| | and servants have dined | ••• | 13 |
| •• | -to eat what remains after the worship | of gods, | |
| | sages, men, Pitrs and Household deit | _ | 13 |
| ,, | -to eat after the Five Sacrifices | | L |
| 99 | -cooking for himself, eats sin | | 13 |
| ,, | -should eat only the remains of sacrifices | | 13 |
| " | -should not have food cooked for himsel | | • |
| ,, | even if nothing is left after the fee | | |
| | guests and others | Juling Of | 1 |
| | -to receive the King with 'Honey-Mixtu | | 1 |
| •• | • | то | |
| ** | - , the Priest , , | | 13 |
| ** | - " Accomplished Student | | |
| | 'Honey-Mixture' | | 13 |
| ** | " " Teacher with ' Honey-Mix | tture ' | 1 |
| •• | - " " Son-in-law " " | ••• | 1 |
| ,, | , " " Father-in-law " " | ••• | 1 |
| ,, | , " Maternal Uncle with " | ••• | i |
| ** | -his wife to make Bali-offerings out of fo | od cook- | |
| | ed in the evening | | ı |
| ,, | to repeat the Five Sacrifices in the ev | ening | |
| | except Brahmayajña and Pitryajña | ••• | 1 |
| ,, | to offer the 'Five-Sacrifices' into the | 'sense- | |
| | organs ' | ••• | 3 |
| ,, | -to offer seat, food, bed, water, fruits, roots t | to guests | 3 |
| " | -to be honoured as guest | | 3 |
| 19 | -Mendicant not to be regarded as | | 3 |
| " | Recluse , , , | | 8 |
| ", | Q-1-1 | ••• | 8 |
| | Denomalata | • | |
| " | | 40.0001 | 3 |
| •• | -to give food to those who cannot afford | to GOOK | |
| | their own food | | 8 |
| ** | -to apportion food to all beings, withou | it detri- | |
| | ment to himself | ••• | B |
| " | -not to quarrel with Parents, wife, son, | or rela- | |
| | tions and others | ••• | 4 |
| ,, | -renouncing quarrel with relations, becom | es freed | |
| | from all sins | | 4 |
| ** | -at the ond-shall consign everything to | bis son | 4 |
| •• | -alone in solitude-shall meditate upon | what is | |
| | good | ••• | 4 |
| iouseho | lder's stage—end of | | 4 |
| | -name of a Great Sacrifice | | • |
| | -a name for offerings into Fire | | |
| | ton met to be messioned an amount | ••• | 8 |
| | vos—not to be received as guests | | |

1

| | Page. |
|---|---------|
| Ignorant man-fed at Shraddha-swallows flaming iron | ı-balls |
| after death | 156 |
| " with learned father, is superior to the le | arned |
| man with ignorant father | 160 |
| " ., —not to be fed at Shrâddha | 172 |
| " " Brâhmana shall not eat at a Sacrifice perf | ormed |
| by | 459 |
| " " -Feeding of-deprecated | 155-156 |
| " , -fed at Shraddha, carries Pitrs to hell | 156 |
| " should not receive gifts | 447 |
| Implements -a 'slaughter-house' for the Householder | 90 |
| Imposters—not to be received as guests | 335 |
| Initiated for sacrifices—food of one—to be avoided | 463 |
| Injunction—exact meaning of | 72 |
| Indru-Bali offering to | 11 |
| Intercourse—interdicted before puberty | 71 |
| Insects—offerings for—to be placed on the ground | 115 |
| Interpretation—Science of—to be studied by the Accomp | |
| ~ . | 320 |
| Invalids—to be avoided at Shråddha and Sacrifice | |
| | |
| Invitation—method of—to Shråddha | 206 |
| " —to be given to qualified Brahmanas on th | - |
| preceding Shraddha, or on the same day | 206 |
| Isli-sacrifices—only on Moonless and Full-Moon days and | |
| stices—to be performed by Brâhmana living by Gl | • |
| and Picking | 311 |
| Itihasas—to be studied by the Accomplished Student | 320 |
| | |
| | |
| | |
| | |
| J | |
| _ | 00 |
| Japa—is 'Ahuta' | 90 |
| Jādumistha—in the sonse of Renunciate | 150 |
| Jyêştha Sâmus—are Sûman-mantars in the Aranyaka | 204 |
| Jyotistoma | 54 |
| • | |
| | |
| | |
| | |
| K | |
| 'Kâḥ svidekâkî charati'—a Vedic story | 249 |
| Kálasháka—specially suitable material for Shráddha | 23 |
| 'Kamandalu'—name based upon shape, not material | . 840 |
| Kamanaatt — name based upon snape, not materiat | 324 |
| | |

| | PAGE |
|---|---------------|
| Kavi—is Bhṛgu | 218 |
| Kavi-father of Somapâ Pitrs | 218 |
| Karmaniştha – Householder | 159 |
| Kalpasùtra | . 25 |
| 'Kâya'—stands for Prajapati | 66 |
| King—to be received with the 'Honey-Mixture' | 13 8 |
| " — " honoured " Honey-Mixture, at the approach of | |
| a sacrificial performance | 140 |
| " the word standing for all wealthy castes | 841 |
| "—equal in uncleanliness to ten brothels | 384 |
| Knowledge—shines by study | 321 |
| Krchchra-penance—to be performed by one cating prohibited | |
| food | 471 |
| Kşattriya-no diversity of Gotra and Pravara, among | 25 |
| "—Gotra of—determined by that of his priest … | 25 |
| "—must marry a Kṣattriya girl | 35 |
| "—may ""Vaishya " | 37 |
| ,, — ,, ,, Shûdra ,, | 37 |
| " — " " " " only under abnormal | |
| circumstances | 39 |
| " -Asura, Gândharva, Râkṣasa, Paishâcha forms of | |
| marriage—lawful for | 46 |
| " -Rākṣasa form of marriage, specially commended for | 47 |
| " — Prājāpatya, Gândharva, Rākṣasa forms of marriage— | |
| —lawful for | 47 |
| "—Âsura and Paishacha forms of marriage—unlawful for | 47 |
| Rakṣasa form of marriage, is the best form for | 49 |
| " —Gåndharva-Råksasa mixed form of marriage—un- | |
| lawful for | 49-5 0 |
| " -For the-there should be giving away of girl, when | |
| there is mutual love between Bride and Bridegroom | 64 |
| " girl-marrying a Brahmana—should take hold of arrow | 70 |
| " —not a guest in Bráhmana's house | 180 |
| " —arriving as guest—may be fed after Brahmana-guests | 180 |
| "Havişmat Pitrs-worshipped by | 211 |
| "—No usage regarding Gotra, among | 215 |
| " —does not retain memory of Gotra | 215 |
| —not entitled to the name 'Havirbhuk' | 215 |
| "—Havirbhuks, the Pitrs of | 217 |
| Kuhû-Daily Offering to | 109 |
| Kunda son—defined | 195 |
| Kumbhî—is jar | 807 |
| Kushu blades—Balis to be offered upon—at Shraddha | 288 |
| " "—Hand to wiped upon— " " … | 288 |
| ,, ,,essential for Shrûddha | 274 |
| | |

| • | | | | PAGE. |
|---------------------------------------|---|-------------|--------|-----------|
| 'Kusûladhânyakah' | ••• | ••• | ••• | 306 |
| 'Kusûla '-discribed as granary | ••• | | | 306 |
| 'Kutapa'-blanket made of goat-wool | l—to be | offered as | seat | |
| at Shråddha | ••• | ••• | ••• | 251 |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| L | | | | |
| | | 1 -6 D-01- | | |
| Leavings of Shraddha—to remain until | | | • | 281 |
| Learned man-being satisfied-absorb | | nerit of le | eaing | |
| 1,000 ignorant men | | | ••• | 154 |
| " " -with ignorant father- | | | orant | |
| man with learned fath | | ••• | ••• | 160 |
| " " —to be honoured with the | - | | at the | |
| approach of sacrifici | | | ••• | 140 |
| " " -used in the sense of | either P | riest or A | ccom- | |
| plished Student | ••• | ••• | *** | 140 |
| " " -one who knows the enti | ire Veda | | | 152 |
| Lêpabháginám | ••• | ••• | ••• | 239 |
| Liberality-essential at Shraddha | | | ••• | 274 |
| Life-breath-offered into Speech | | | | 324 |
| The Imperishable Sacrific | e rests | in | | 824 |
| Livelihood-Means of | | | | 297,300 |
| Logicians—not to be received as gu | | | | 335 |
| "—Food only to be given to | | | ••• | 336 |
| 'Loha'—in the sense of Black goat | | ••• | ••• | 285 |
| 1 11 | | ••• | ••• | 285 |
| " – " " goat, red all | OVE | ••• | ••• | |
| " — " " Heron | • | | *** | 285 |
| Longevity-secured by the honouring | of gues | ts | ••• | 127 |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| M | | | | |
| Madhuparka—Eating of beef in | ••• | ••• | ••• | 285 |
| " —Offering of the cow, opti | ional in | | | 18 |
| Magha-Shraddha-not binding on Agnil | hotra | \ | ••• | 298 |
| Mahábhdrata | ••• | *** | 188,24 | 9,482,492 |
| " -speaks of 'Honey-Mi | xture' | offered by | the | |
| Shûdra Vidura to Vâsı | udeva | ••• | | 139 |
| Mahânâmnikâ | ••• | | ••• | 249 |
| Maiden-in the sense of a girl who has | s not ex | | exual | |
| intercourse | | *** | | 82,6L |
| ,. —one who has not passed throu | | iage rites | ••• | 60 |
| | | | | |

| | | PAGB, |
|---|---------|-------|
| Maidens—to be fed immediately after guests | | 133 |
| Maidenhood—not destroyed by Paishacha marriage | | 60 |
| Mantras—undergo transmutation | ••• | 242 |
| Manuşya-Yajña—is offering to guests | | 93,98 |
| " —also called 'Práshita' | | 98 |
| Manu-son of Hiranyagarbha | | 211 |
| " Marîchi and others-sons of | | 211 |
| Marîchi | | 105 |
| Marîchi and others—sons of Manu | | 211 |
| " " " —constitute the 'Body of Pitrs' | | 211 |
| Marriage-fire—'Grhya rites' to be performed in | | 87 |
| " —not to be maintained by Shudra | | 88-89 |
| " relations—lords of the Region of the Waters | ••• | 444 |
| "At—Fire to be produced by rubbing together two s | ticks | 88 |
| Marriageable girls | ••• | 23-24 |
| Maruts-Offering to-at the door | | 111 |
| Marital life—Duties of | | 71 |
| Marriage—as sacrament—only with a girl of the same case | te | 35 |
| "—a sacramental rite | | 20 |
| "—a refining process | | 20 |
| " denotes taking hold of the hand | | 20 |
| " —is a sacrament for maidens | | 21 |
| " -Who is entitled to | ••• | 21 |
| Injunction of enjoins a sacrament | ••• | 21 |
| ., -brings into existence the 'wife' | | 21 |
| ,serves, through the wife, the visible and inv | risible | |
| ends of man | ••• | 21 |
| " -to be done with a girl, who is not 'Sapinda' | of his | |
| mother | | 23 |
| " -to be done with a girl, who is not of the same | gotra | |
| as his father | ••• | 23 |
| to be done with a girl, not born of unlawful | inter- | |
| course | ••• | 28 |
| ,to be done with a girl, who is beyond the fift | h step | |
| of relationship on mother's side | ••• | 28 |
| " -not to be done with a girl descended from | one's | |
| maternal grandfather or great-grandfather | | 28 |
| not with mother's sister | | 28 |
| " - " descendant of maternal great-grandn | other | 28 |
| " - " a girl of the same gotra | ••• | 28 |
| " — " " " " " " " " " " " " " " " " " " | other, | |
| according to Vashistha | | 24 |
| with a airl of the same setus recognitator b | | |
| nunciation | or re- | 24 |
| | ••• | 49 |
| ,, -, ,, ,, ,, ,, necessitates the | e per- | |
| | | |

| | | 1 14 0 44 |
|---|---------|-----------|
| Marriage—with a girl of the same Pravara, necessitates renunciation | her | 24 |
| —with a girl of the same Pravara, necessitates | the | |
| performance of Chândrâyana | | 24 |
| not with the meternal uncle's denonter | | 24 |
| -not hetween nergons of the same Proving | | 24 |
| Differentiating characteristics of the right form | | 63 |
| marmingible with a girl of the game getus if Pru | | |
| is different (according to Gautama) | | 24 |
| not permissible between parties of the same g | otra | 24 |
| | vara | 24 |
| ,with a girl beyond the seventh step, among | rela- | |
| tions on Father's side | | 25 |
| not with a girl born of Niyoga | | 28 |
| , relationship—to be avoided with certain families | | 29 |
| " " — " " a family where | | |
| ligious rites have been abandoned | | 29 |
| " —to be avoided with a male-less fam | ily | 29 |
| ", ", ", ", ", Veda-less " | | 29 |
| ,, ", family, membe | rs of | |
| which are woolly | | 29 |
| " , —to be avoided with a family, membe | rs of | |
| which suffer from Piles | | 29 |
| " -to be avoided with a family, member | ers of | |
| which suffer from Pthisis | *** | 29 |
| " , —to be avoided with a family, member | rs of | |
| which suffer from Dyspepsia | | 29 |
| " ,,to be avoided with a family, member | ers of | |
| which suffer from Epilepsy | | 29 |
| .,, -to be avoided with a family, member | ers of | |
| which suffer from Leucoderma | | 29 |
| ,, -to be avioded with a family, men | here | |
| of which suffer from Leprosy | 10015 | 28 |
| Duchibition of with minut fourthing | ••• | |
| ,, —Prohibition of —with mixed families | ••• | 20 |
| " — with tawny-haired girls, deprecated , a girl with superfluous limbs, deprecated | ••• | 80 80 |
| mith dispessed minls demonstrat | ••• | 8(|
| hairlage | ••• | 3(|
| minin mish san mush hatu | ••• | 30 |
| | •• | 80 |
| " — " garruous giris, " , , , , , , , , , , , , , , , , , , | | 80 |
| ,, —deprecated, with a girl bearing name of an a | aster- | |
| ism | | 80 |
| deprecated, with a girl bearing name of a tree | | 86 |
| | | |

| | | PAGE. |
|---------|---|-------|
| Marriag | ge-deprecated, with girl bearing name of a river | 30 |
| " | -deprecated, with girl bearing name after a low- | |
| | caste | 30 |
| 19 | -deprecated, with girl bearing name of a moun- | |
| | tain | 30 |
| ** | -deprecated, with girl bearing name of a | |
| | bird | 30 |
| ,, | -deprecated, with girl bearing name of a | |
| | serpent | 30 |
| ** | -deprecated, with girl bearing name of | |
| | a slave | 30 |
| ., | -deprecated with girl bearing a terror-inspiring | |
| | name | 80 |
| ٠, | -commended with a girl with faultless body | 31 |
| ,, | - " " " an agreeable name | 31 |
| 11 | ,, ,, ,, a swan-like gait | 81 |
| 19 | - " " " an elephant-like gait | 81 |
| ,, | - ,, ,, ,, fine hair | 31 |
| ,, | - ,, ,, ,, teeth | 31 |
| ,, | , , , tender limbs | 81 |
| ,, | -must be with one not married already | 32 |
| ,, | -with a girl younger than oneself | 32 |
| •• | , , with brother, commended | 38 |
| ,, | -with brotherless girl deprecated | 83 |
| ,, | - ,, a girl of unknown parentage, deprecated | 38 |
| ,, | -not accomplished, if it involves transgression of | |
| | prohibitions not based upon perceptible causes | 84 |
| | -in one's own caste, the first to be commended | 35 |
| ** | - as a spiritual sacrament, must be in the same caste | 35 |
| •• | ,, should be with one girl, | 90 |
| ,• | and of the same caste | 35 |
| | | • |
| ,, | -contracted with material or physical motives, may | |
| | be with girls of lower castes also | 37 |
| 69 | of Brâhmana with a Kşattriya girl | 37 |
| ,, | -, , , Vaishya , | 87 |
| ** | -, , Shûdra , | 37 |
| ,, | — "Kṣattriya " Vaishya " | 37 |
| ** | , , , Shûdra , | 37 |
| ** | -, Vaishya , Shûdra , | 87 |
| ** | -, Shûdra-only with a Shûdra , | 37 |
| ", | -, Brahmana with Shadra girl, permitted (37) and | |
| • | also prohibited | 88 |
| ,- | - "Kattriya with Shudra girl, permitted (37) and | |
| | also prohibited | 88 |
| •• | — " Brâhmaṇa with Shûdra girl, permitted only under | |
| | | 60 |

| | PAGE. |
|--|-------|
| Marriage-of Kşattriya with Shûdra girl, permitted only under | |
| abnormal circumstances | 39 |
| " - " Twice-born man with Shûdra girl, deprecated | 40 |
| " " " " makes him an | |
| outcast | 40 |
| " - " Brâhmaṇa with Shūdra girl, lands him in perdi- | |
| tion | 41 |
| " — Eight forms of | 45 |
| "rite—ends with the seeing of the constellation Ursa | 40 |
| Majon | AE |
| manical has the halding of hands | 45 |
| Gir forms of lawful for the Dukhman. | 4õ |
| | 46 |
| | 46 |
| ,, —Three forms of— ,, ,, Vaishya | 46 |
| " — " "— " " Sh ô dra | 46 |
| " -Four forms of—commended for the Brâhmana—Bşâh- | |
| ma, Daiva, Arşa and Prâjâpatya | 47 |
| " -Rākṣasa form—commended for Kṣattriya | 47 |
| , — Asura form—commended for Vaishya | 47 |
| " — " " — " Sh ûdra | 47 |
| " -Prajapatya, Gandharva and Raksasa-lawful for | |
| Kṣattriya and others | 48 |
| " — Asura and Paishacha forms—interdicted for all | 48 |
| , -Raksasa form, pormissible for the Brahmana, ac- | |
| cording to some | 48 |
| " —Brâhma form, best for Brâhmana | 48 |
| " -Raksasa " " Kşattriya | 49 |
| " -Paishâcha " defined | 58 |
| " -mixed Gândharva-Râkşasa form-lawful for Kşat- | • |
| triya | 49-50 |
| "—— " "—example of … | 50 |
| -Gandhawa fown defined | |
| DAI farm | 57 |
| - Prahme form | 58 |
| Dolars form | 51 |
| Auga Ramo | 54 |
| D A1A 4 4 4 | 55 |
| " —Prājāpatya form, " | 55 |
| " — Asura form " | 57 |
| " —The seventh step—the final stage of | 52 |
| "—complete only at the 'seventh step' | 52 |
| ., —commended—when daughter is given away with | |
| water only | 64 |
| " — with water only means that the Father should | |
| impose no conditions | 64 |
| ,, —quality of sons born of Brahma, Daiva, Arsa and | |
| Prâjâpatya | 65-66 |
| —quality of sons born of inferior forms of | 40 |

| • | | | | | PAGE. |
|-----------------------------|------------|--------------------------|---------------------------------|-------|------------|
| Marriage-Unblamable offsp | ring from | unblan | able | | 69 |
| " -Blameworthy offs | pring fro | m blame | worthy | | 69 |
| " —the rites of 'tak | ing the h | and 'pro | escribed for b | ride | |
| of the same | caste as | the bri | degroom | | 70 |
| " rites—in case of girls | marrying | higher o | eastes | | 70 |
| " After-pair should obse | erve certa | in vows, | for a few day | ys | 71 |
| " -Rules regarding | | | *** | ••• | 88 |
| ., —In daughtor's—Fa | ther shou | ıld ac <mark>ce</mark> p | t no considera | tion | 83 |
| " -In daughter's-by | y accepti | ng anytl | ning—Father | be- | |
| comes a 'child | i-seller' | | ••• | ٠. | 83 |
| "in Ârşa form of- | -presenta | tion of | a cow and b | oull | |
| to the girl's Fat | her, perm | issible, a | ecording to s | ome | 84 |
| "in Ârşa form of- | -presenta | tion of : | a cow and b | oull, | |
| not permissibl | e | ••• | •• | | 84 |
| Maternal relations-lords of | the world | d of Vish | vėdėvas | | 444 |
| Maternal uncle—to be | received | with | 'Honey Mixt | qre' | 188 |
| lord of 1 | Earth | ••• | ••• | ••• | 444 |
| Meaning-Comprehension of | the sol | e end of | Vedic study | | 3 |
| Means of livelihood | ••• | ••• | | ••• | 297 |
| Meat-selling -reprehensible | -even w | hen done | with righter | ous | |
| motive | | ••• | ••• | | 174 |
| Meat-seller—to be avoided a | t Shrâddl | na and S | acrifice | | 174 |
| Meat-vAoidance of-to be | withdrawı | n, after l | l earni ng th e t | ext | |
| of Veda | ••• | ••• | ••• | ••• | 7 |
| " —offered at Shråddha— | • | • | the Rice offe | ered | 148 |
| " unforbidden—is 'sacrif | | ' | •• | ••• | 275 |
| Men-to be worshipped with | food | | ••• | ••• | 105 |
| "—born from sages | | | | ••• | 220 |
| Mendicant—seeking for food | | | ádha | ••• | 256 |
| " —not to be treate | • | t | ••• | ••• | 338 |
| Milk-to be served on the gr | | ••• | ••• | ••• | 246 |
| " -is 'sacrificial food' | ••• | ••• | ••• | | 275 |
| Mîmânsas-ûtra | | ••• | ••• | *** | 7, 289 |
| Miser-Food given by-to be | | | | ••• | 463 |
| Mitravaruna-story of to b | | | | | 249 |
| Mortar and Pestle-a 'slaug | - | | | | 90 |
| 'Mother's Sapinda'—only up | | - | _ | some | 23 |
| " –extends | - | _ | | ••• | 23 |
| " —means n | iother's r | elations | 11p | ••• | 2 3 |
| | | | | | |
| | L., | | | | |
| (Name and alternal Late | · N | | | | |
| 'Namo vah pitarah,' etc. | | CIL A Jan | ••• | ••• | 240-241 |
| 'Namah'—the mantra ordain | | onuara | ••• | ••• | 145 |
| ' Naisthika'—student | ••• | ••• | | | 1 |

INDEX TO VOL. 11

| | | | | | | PAGE. |
|--------------|----------------|---------------|---------------|--------------|----------|-------|
| Nigada-ma | nt ra s | ••• | | | | 241 |
| ' Nişţhâ '— | is 'end' | | | | | 1 |
| Nirukta- | describes Pit | rs as Boir | gs occupy | ing the | Middle | |
| | Rigions | • • • • | | | | 242 |
| ,, | uoted in su | pport of he | onorific sig | nification | of the | |
| | - Plural | ··· | | , | | 265 |
| · Nirákrti ' | -is one who | neglects th | e Great Sa | crifices | ••• | 175 |
| ,I | neans 'one | devoid of | Vedic lear | ning '-acc | cording | |
| | to some | | , | | *** | 176 |
| Nivara an | d other wild | l-growing s | grains are | · sacrificia | d food' | 275 |
| | istinguished | | | ••• | | 72-78 |
| Nigama an | - | | | | ••• | 458 |
| • | ne who follow | | 1 'Didhisûn | | | 194 |
| | rl born of—sl | | - | | | 28 |
| ., | en though s | | | | voided | 441 |
| | ility-of four | | ,, | | | 472 |
| | | | ••• | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | 0 | | | |
| | | | | | | |
| Oblations- | -thrown in v | vater, reach | the Sun | | | 100 |
| ,, | -thrown into | the mouth- | fire of the l | eraned Br | âhwapa, | |
| | | sin and tro | | | • | 120 |
| Observanc | es-of the | Accomplishe | d Student | | | 316 |
| ** | - ,: | ,, | " -co | nducive to | Heaven | 316 |
| ,, | ,, | ,, | " – | " Г.о | ngevity | 316 |
| " | ,, | ,, | " – | ,, | Fame | 316 |
| ,, | ,, | ,, | | ligatory | | 316 |
| ,, | -may be l | | | .,, | | 457 |
| " | | ng-withou | t keeping t | he Restrai | nts. man | |
| | falls | | | | | 457 |
| Occupatio | nsirreproa | chable, for t | he Brâhma | na. enume | | 302 |
| •• | - | he Brâhman | | • | | 308 |
| Offerings | to gods—dail | • | • | | ••• | 97 |
| ,, | - | sists in po | | ions into | Fire and | |
| ,, | | rowing Bal | - | | | 98 |
| ,, | guests-dai | _ | | | | 97 |
| ,, | dependants | | | | | 97 |
| ,, | | y-essential | | ••• | ••• | 97 |
| ,, | one's own s | | | | | 97 |
| ,, | into Fire— | • | | · | | 98 |
| ,, | | als—are ' P | rahuta ' | | | 98 |
| " | | nas (guests) | | | | 81 |
| ,, | | Pitrs—are | | - | | 96 |
| ,, | to Agni—fi | | | | | 106 |
| ., | | | | | | |

| | | | | | | PAGE. |
|---------|------------------------|-------------|------------|-----------|--------|-------|
| Offerin | gs-to Soma-daily | | | | ••• | 109 |
| ,, | " Agni-Soma | ••• | | ••• | | 109 |
| ,, | , Vishvēdēvas | | | | | 109 |
| •• | "Dhanvantari | • • • | | | ••• | 109 |
| ,, | – " Kuhu | | | | | 109 |
| ,, | "Anumati | | | ••• | | 109 |
| ٠, | — " Prajâpati | | | | | 109 |
| ,, | -, Dyauh | | | | | 109 |
| *, | ·· " Prithivî | ••• | | | | 109 |
| ,, | — " Sviştakṛt | | | ••• | | 109 |
| ٠, | -at the door-to the | e Maruts | | | ••• | 111 |
| ** | -to Apasin water | · | ••• | ••• | ••• | 111 |
| 19 | - " Vanaspatis-on | the Pestl | e and Mo | rtar | | 111 |
| ,, | - " Shri-on the he | ead | | ••• | | 112 |
| 24 | - "Bhadrakali-on | the feet | | | | 112 |
| ,, | for Brahmanin t | he centre | of the Hon | ostead | | 112 |
| ٠, | "Vāstospali — , | , | ,, | ,, | | 112 |
| ,, | -to Vishvēdēvas-in | the sky | | | | 113 |
| ,, | - " Elementals roar | ning in the | e day | | | 113 |
| ,, | ,, ,, | ,, | night | ••• | | 113 |
| •• | -, be made in the | | lling | | | 113 |
| 13 | -Romant of-to be | offered to | wards the | South- | to the | |
| | Pitrs | | | | | 113 |
| ,, | -for dogs- to be pla | ced on the | ground | | | 115 |
| ,, | -for outcasts | ,, ,, | ,, | | ••• | 115 |
| ,, | — " Chândalas— | ,, ,, | ,, | | | 115 |
| ,, | - ,, persons afflicted | d with filt | hy disease | —to be p | placed | |
| | on the ground | ۱ | ••• | | | 115 |
| ,, | - " birds-to place | d on the | ground | | | 115 |
| ,. | - " insects- " | ,, | ,, | ••• | ••• | 115 |
| ,. | -thrown into the m | outh-fire (| of Bråhma | nas, efft | llgent | |
| | with learning, sav | | | | | 120 |
| ,, | none-out of the | food cook | ed for a g | uest ar | riving | |
| | after the Vaishv | adēva offe | ring | | ••• | 129 |
| 11 | -for gods-to be give | ven to the | learned | · | | 156 |
| -11 | " Pitrs- " | ,, | ,, | | | 156 |
| ,, | - ,, -, | " | man exce | lling in | learn- | |
| | | | ing | | | 159 |
| ,, | ,, gods- to be gi | ven to the | man exce | lling in | learn- | |
| | ing, austeri | | | _ | ••• | 195 |
| " | -to the ignorant, fr | | | | | 165 |
| ** | - ,, learned, fru | | ••• | ••• | , | 165 |
| ,, | -eaten by the enem | | | | | 166 |
| ., | -to be given to the | | | | ••• | 166 |
| | -Sacrificial-not to | _ | | | | 189 |
| ,, | to gods and Pitra | - | | | | |
| | - 41 | | • | | | 104 |

| | | | | | | | | PAGE. |
|-----------|----------------|----------|---------------|-------|-------------|-------------|---------|--------------------|
| Offerings | -to gods-d | efiled l | y the lool | k of | Chândâ | la | | 254 |
| ,, | - ,, Pitrs- | ,, | ,, | ,, | ** | | | 254 |
| ,, . | " gods- | ,, | ,, | ,, | Cock | | | 254 |
| ,, | - " Pitṛs- | ,, | ,, | ,, | •• | | | 254 |
| ., . | - " gods— | ,, | ,, | ,, | Pig | | | 254 |
| ,, - | - " Pitṛs— | ,, | ,, | ,, | ** | ••• | ••• | 254 |
| . ,, | – " gods | 17 | " | " | Unclean | woman | ••• | 254 |
| ,, - | " Pitṛs | ,, | 17 | 11 | ** | | ••• | 254 |
| ,, - | - ,, gods | 11 | *1 | ,, | Eunuch | | ••• | 254 |
| ,, ~ | "Pitṛs— | ** | ,, | 21 | ٠,, | | | 254 |
| | —Disposal of | | ••• | | | | | 275 |
| Offering- | materials—R | elative | merits of | | | | •• | 288 |
| Oil-press | —equal in un | cleanli | ness to te | n 6 | langhter- | houses | ••• | 384 |
| | Everything d | - | - | _ | | ••• | ••• | 428 |
| | —Offering for | | - | | - | | | 115 |
| " | —undeservin | g of gif | ts at Shrâ | ddl | has and S | acrifices | ••• | 171 |
| | | | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| , | | | | | | | | |
| | | | P | | | | | |
| | | | r | | | | | |
| | | | | | | | | |
| Pain—is | that which d | epends | on others | | | | ••• | 429 |
| Paitryají | iika Homa—n | ot into | Common 1 | Fir | 0 | ••• | | 292 |
| Pañkti-pa | îva ņa—define | ed | ••• | | | | | 201-205 |
| Pâñktya- | -Defined | | | | | ••• | | 197 |
| | ıividyâ−desc | | | ogy | a Upani: | ad | | 203 |
| | ≀i—Different e | | | | | ••• | | 203 |
| Paishách | u—the lowest | | _ | | •• | ••• | ••• | 45 |
| ,, | marriage—la | wful f | or Vaishy: | а. | | ••• | | 46 |
| ,, | ,, | ,, | " Shûdra | | | | ••• | 46 |
| •• | | efined | ••• | | | • • • | ••• | 58 |
| ** | "do | oes not | deprive | the | girl of ' | maidenho | od ' | 59-60 |
| " | " —8i | _ | ent perfo | orm | ance of | rites, ess | en- | |
| | | tial in | - | - | •• | ••• | ••• | 60 |
| | ,,r | ites—n | ot essenti | ial i | in | ••• | ••• | 62 |
| | ., -I | nterco | ursenot | th | e predon | ninant fac | etor | |
| | | in | ••• | | •• | ••• | | 62 |
| | ,, | ,, | -only | , se | condary : | factor in | ••• | 68 |
| | " –I | | e, kissing, | | | | ••• | 62 |
| Pânini- | | 1 | 53, 67, 68, 9 | 72, | 120, 168, 1 | 87, 196, 12 | 52, 311 | , 369, 3 82 |
| Pañchâle | a country | | | | | | | 164 |
| Parásha | ra—a gotra-n | ame | ••• | | | | | 25 |
| ,, | - gotra-Pr | | | | | ya and Pa | ìrá- | |
| | - | | shar | •• | | | | 23-24 |
| Parivari | schyâ—distin | guishe | | - | а | ••• | | 72-78 |
| ,, | —discu | _ | | | ••• | ••• | | 74-75 |

| | | PAGE. |
|--|--------|---------|
| Pârvana-Shrâddha-to be performed in the Marriage-Fi | re | 87 |
| " -to be offered-after Sapindikarana | | 260 |
| ,, —the archetype of all Shråddhas | | 264 |
| Paramesthiprána-Fire | | 96 |
| Pârashva Shúdra | | 164 |
| 'Partakers of Smearings'—at Shråddha | | 238 |
| Paryagnikarana—consists in cleaning of things | | 346 |
| Penances - performed under pretext-go to Evil Spirits | | 454 |
| Personal cleanliness-to be observed by the Accomp | lished | |
| Student | | 344 |
| Physician-Gift to-becomes pus and blood | | 199 |
| Picking—explained | | 302 |
| Pindanvaharyakato be offered every month | | 148 |
| , on the Moonless day | | 146 |
| " after Pitryajūa | | 146 |
| " " by Ksattriya and Vaishy | a also | 146 |
| Pindapitryajña-not to be offered by one whose father is | | 244 |
| ,, -not to be offered into Common Fire | | 293 |
| Pious vanity-to be avoided | | 485 |
| Pitrs-Remnants of offerings to be offered to-towards the | South | 118 |
| Rites in honor of-become lost, if presented to ign | | |
| Brâhmanas | | 119 |
| Food offered at rites in honor of-should be give | n to a | |
| learned Brahmana | | 152 |
| Offerings for-to be given to the learned man | | 156 |
| " -Brâhmanas to be carefully examined, at Rites in | honor | |
| of | | 170 |
| " -have expectations from family-men | | 105 |
| " to be worshipped with Shraddha | | 105 |
| " -attend upon invited Brahmanas | | 207 |
| ,, —follow ,, ,, | | 207 |
| " are foremost gods | | 209 |
| " " free from anger | | 209 |
| " - · " intent on purity | | 209 |
| " " chaste | | 209 |
| ., -, rid of all means of offence | | 209 |
| , supremely blessed | | 209 |
| " -Origin of | | 211-220 |
| Mode of worshipping | | 211 |
| Somapás-worshipped by Brahmanas | | 211 |
| "—Havişmat— " " Kşattriyas | | 211 |
| are the sons of Marichi and other sages | | 211 |
| ., -Man's own forefathers, are his | | 211 |
| " -Somapa-never spoken of as recipients of offerin | ıgs | 212 |
| " -beings of tremendous power | | 213 |
| " -of Sådhyas-Somasads | | 216 |
| — gods—Agnisvâttas | | 216 |

| | | PAGE. |
|----|--|----------------|
| it | rs-of Daityas-Barhisads | 217 |
| ,, | -, Dânavas-, | 217 |
| •• | - ,, Yaksas - ,, | 217 |
| ,, | -, Gandharvas, | 217 |
| ,, | - " Uragas " | 217 |
| ,, | -, Râkşasas— ,, | 217 |
| ,, | -,, Suparnas- ,, | 217 |
| | -, Kinnaras-, | 217 |
| " | - " Brâhmaṇas—Somapâs | 217 |
| •• | Waste to a Wastehlands | 9177 |
| ** | 77 1.3 2 2 | 915 |
| ** | C13 A 3 | 0.15 |
| ** | • | |
| ** | - " Brâhmanas: Anagnidagdhas, Agnidagdhas, | • |
| | Barhisads, Agnisvâttas and Saumyas | 218 |
| " | -mentioned in the Veda-Anagnidagdha and the | |
| ,, | -Endless sons and grandsons of the principal ga | • |
| ,, | -born of Sages | 220 |
| 11 | -pleased with what is offered in clean places | 227 |
| ,, | - " " " on water-banks | 227 |
| ,, | " " " " in secluded places | 227 |
| | -Offering to-to be made after offerings to . | Agni and |
| | Soma-Yama | 230 |
| ,, | -to be saluted with mantras, at Shraddhas | 238 |
| ., | -Several meanings of the term | 241 |
| •, | -described in the Nirukta as Beings occupying th | |
| •, | Regions | 242 |
| | | |
| " | to be thought of, when food is offered to Brâhn | • |
| | Shârddha | 245 |
| ,, | -Stories, related at Shråddha, liked by | 249 |
| ,, | -partake of food, so long as it is hot | 253 |
| ,, | - , , , invitees eat silently | 258 |
| ,, | - ", ", ", do not des | eribo the |
| | qualities o | f the food 258 |
| | Offerings to-defiled by the look of Chandala | 254 |
| | " " " Dog | 254 |
| ,, | ,, ,, Pig | 254 |
| ,, | | . 254 |
| •• | ,, ,, Unclean won | |
| | Eunuch | 254 |
| ** | Food to be offered to—at Sapindikarana Shrad | |
| •• | -in connection with Sapindikarana—stand for gi | · · |
| 19 | great-grandfather and great-great-grandfath | |
| | Offering of water, after bath, brings all re | |
| ,, | - | 390 |
| | offering to | 400 |
| " | —to be worshipped on Astakás | 422 |
| | Anziasta leas | 926 |

| | | FAGN, |
|---|-----------|----------|
| Pitrya rite-performed on Moonless day-is beneficial | to the | |
| dead | | 151 |
| , Performer of-reaps benefits after death | | 151 |
| Pitryajña-The monthly Shraddha to be performed after | | 146 |
| " -is Tarpana | | 98 |
| " -also called 'Huta' | | 98 |
| " -not to be repeated in evening | | 143 |
| Pleasure—is that which depends on one's own self | | 429 |
| Polity—Science of—to be studied by the Accomplished S | | 320 |
| Portents-Floating of stones, appearance of stars during | | • |
| day, etc | | 402 |
| Prâduskarana | | 89 |
| · Prahuta '-name for the offering to Elementals | | 99 |
| - O+ C | | 98 |
| 0.119 | ••• | 98 |
| | ••• | 99 |
| ,, — ,, water-offering to Pitrs | ••• | 46 |
| Prajapatya marriage—lawful for Brahmanas | ••• | |
| ., ,, —defined | ••• | 55 |
| ., ., —mantra—formula used at | ••• | 56 |
| , —not commended for the Twice-born | *** | 64 |
| , —Quality of son, born of | ••• | 66 |
| Pravara—What is | *** | 24 |
| —a subdivision of gotra | | 24 |
| " name given to names of cortain Rsis, to whom | one is | |
| related | | 24-25 |
| Difference in-makes marriage possible between | ı partics | |
| of the same gotra | ••• | .24 |
| is name given to Rsis related to a gotra | ••• | 24 |
| mentioned in Sûtras along with each gotra | | 25 |
| remembered by each man | | 25 |
| Diversity of -only among Brahmanas | | 25 |
| not Vastaina | | 25 |
| " – " – " Vaishyas … | | 25 |
| of Postituing Astonmined by that of his Date. | | 25 |
| Watahan | | 25 25 |
| Same Batana | ••• | 26 |
| Preceptor—Duties relating to Vedas—to be observed un | der | 19 |
| " —Bath to be taken, on permission of | | |
| Novelouten distinguished from Destriction | ••• | 19 |
| 11 | ••• | 72-78 |
| Dududia | ••• | 74-75 |
| Prayaja—name of a Libation | ••. | 217 |
| Prayannevåsmallokåt | ••• | 262 |
| Pregnant womento be fed immediately after guests | | 138 |
| 'Prêta'—exact signification of the term | ••• | 261 |
| Priest—to be received with the 'Honey-Mixture' | ••• | 138 |
| "—may be fed at Shraddha | ••• | 170 |
| -is the Lord of the world of code | | 444 |

| | | | | PAGE, |
|--|--------------------|------------------|---------|-------|
| Pratigraha—different from Bhikşa | | ••• | | 304 |
| " -is acceptance of gifts, off | ered with | a view | to some | |
| transcendental result, ar | nd is rece | ived with | mantras | 304 |
| Pride of austerities—to be avoided | ••• | | | 485 |
| Puberty-to be waited for, before inter | course | | | 71 |
| Pulustya—father of Ajyapa Pitrs | | | | 218 |
| Pupils-to be corrected with the rod | | ••• | | 481 |
| " - " governed, according to | | ••• | | 488 |
| Purannas— to be studied by the Acco | mplished | l Student | · | 320 |
| Purity—essential for sacrifices | | ••• | | 274 |
| | | | | |
| R | | | | |
| Rain proceeds from the Sun | · | | | 101 |
| " Food produced from | | ••• | ••• | 100 |
| Rajan-standing for all wealthy castes | | | | 341 |
| Râkşasa-marriage-defined | ••• | | | 58 |
| " —Destinction between | n Gândh | a rva and | ••• | 58 |
| " —takes away unprote | ected Sh | râddha | | 223 |
| Recluse-Duty of feeding-specially p | rescrib e c | l for | ••• | 102 |
| Religious student-not to do any teac | hing | ••• | | 102 |
| Religious students-Two kinds of | ••• | | | 102 |
| Renunciate-Helping anybody, prohibi | | ••• | | 102 |
| " -Expounding of the meaning | ng of V | Veda, spe | əcially | |
| prescribed for | ••• | ••• | | 102 |
| Renunciate—not to be treated as guest | ••• | ••• | | 388 |
| Restriction-Example of-from Shrauta | literatu | re | *** | 78 |
| " " Smårta | " | ••• | | 73 |
| "distinguished from Preclu | usion | ••• | *** | 72-74 |
| Return-Wife to be taken after | ••• | ••• | | 19 |
| " —is a rite, consisting in the of | foring o | f Madhu | parku | |
| and other things, indicat | ting end | of stud | y and | |
| return to Father's home | ••• | ••• | ••• | 19 |
| " -No actual-in cases where St | udy has l | een carri | ed on | |
| under Father | ••• | ••• | ••• | 19 |
| " taken by some people to st | | | thing | |
| which forms part of marris | - | • | | 19 |
| " connotes the renouncing of Res | traints a | nd Observ | ances | 20 |
| Ryvedu | ••• | | | 61 |
| "—name applied to the Samhita | text of | Ten Man | dalas, | |
| divided into 64 adhyāyas | ··· , | ••• | ••• | 168 |
| " —sacred to the gods … | | *** | ••• | 406 |
| Red-haired man—not to be fed at Shrade | dha · | | | 172 |

| | | | | PAGE. |
|---|-------------|------------|--------|--------------|
| Relations-Feeding of-at Shraddha | *** | ••• | | 280 |
| " -not to be treated as guests | | ••• | | 180 |
| ,, -on visit-should be fed wit | h wife | | | 132 |
| "—may be fed at Shraddha | ••• | ••• | | 170 |
| Relationships and Connections | ••• | ••• | | 489 |
| " "to be for | | - | - | 489 |
| Remnant of food-fallen on the groun | nd—is the | share of d | atiful | |
| servants | ••• | ••• | | 2 58 |
| " —of food—the share of those | who have | died wi | thout | |
| sacraments | ••• | ••• | ••• | 257 |
| " -of offerings—to be offered | l to Pitra | towards | s the | |
| South | | ••• | ••• | 113 |
| Request for benediction of ancestors- | | | ••• | 277 |
| Resting place one of the things that | | | guest | 124 |
| " " —Offer of—should not fa | _ | d house | ••• | 124 |
| Restraints—must be observed | ••• | ••• | | 457 |
| "—Neglecting—man falls | | ••• | | 457 |
| "—more obligatory than Obse | | | | 458 |
| Righteousness—if conducive to unhapp | | | | 439 439 |
| " —if disapproved by the p | - | | ••• | 427 |
| Right Conduct—destroys everything in —the root of Righteous | • | | . • • | 427 |
| 4 - 1 44 - 2 - 3 - 4 - | 1688 | *** | •• | 427 |
| | ••• | ••• | ••• | 427 |
| 1 | an | | ••• | 427 |
| | | | | 427 |
| | | | | 438 |
| ", ", -to be delighted in Ruchitam'—syllable to be pronounced | | | | 272 |
| 'Rudra'—name given to Grandfather | | | ••• | 294 |
| Address Mande Stvon to Grandiather | ·•• | ••• | ••• | 201 |
| | | | | |
| | | | | |
| s | | | | |
| 3 | | | | |
| · Sabhya' Fire -described | ••• | • • • | | 122 |
| Sacred days | ••• | ••• | | 78 |
| Sacred Thread-to pass over right | shoulder, | when off | ering | |
| Shrâddha | ••• | ••• | | 289 |
| " —to be worn constantly | | | | 352 |
| " —not to be treated as s | | or cloth | | 352 |
| Sacrificial food—essential for sacrifices | 3 . | | | 274 |
| " "—defined | ••• | | | 2 7 5 |
| Sacrifice-futile, if friends form the pri | | tor at it | | 162 |
| " Eunuchs undeserving of gift | s at | ••• | | 171 |
| " —Atheists " " " | ** | ••• | ••• | 171 |
| " —Outcasts . " " " | ** | ••• | | 171 |
| " —Thieves " " " | ,, | | | 171 |

| | | | | PAGE. |
|----------|--|---------|-------|-------|
| Sacrific | ceHealers to be avoided at | | *** | 174 |
| ,, | -Temple-attendants to be avoided at | | ••• | 174 |
| ,, | -Meat-sellers ,, ,, | ••• | | 174 |
| 11 | -Traders ,, ,, ,, | | | 174 |
| ,, | -Village servant . " " " | ••• | | 174 |
| ,, | -King's sorvant " " " | ••• | ••• | 174 |
| ,, | One with deformed nails, to be avoided | at | ••• | . 174 |
| ,, | -, ,, black teeth, ,, ,, | ** | *** | 174 |
| ,, | -Opposer of superiors,, | ** | ••• | 174 |
| ,, | -Forsaker of Fire, , , , | ** | | 174 |
| ,, | -Userer, " " | •• | ••• | 174 |
| | -The Invalid, ,, ,, | ** | ••• | 175 |
| ,, | -Cattle-tenderer, ,, ,, | ,, | ••• | 175 |
| •• | -Supersoder of Elder Brother,, " | ,, | | 175 |
| , | -Neglector of the Great Sacrifices, to b | e avoid | ed at | 175 |
| ,, | -One inimical to Brâhmaṇas, | | *** | 175 |
| ,, | , superseded by younger brother, | ,, | | 175 |
| ,, | -Member of a company, | ,, | ··· | 175 |
| ,, | —An actor, | ,, | ••• | 177 |
| ,, | -Breaker of vows of continence. | ** | | 177 |
| ,, | -Husband of a Shudra woman, | ,, | | 177 |
| ,, | -Son of a remarried woman, | •• | | 177 |
| ,, | -A one-eved man, | ,, | | 177 |
| • | -One who admits his wife's paramour | " | *** | 177 |
| ,, | -,, , teaches for a stipulated fee | ,, | ••• | 178 |
| ,, | - , , is taught by a paid Teache | r ,, | ••• | 178 |
| ,, | -Pupil of a Shûdra, | ** | | 178 |
| ,, | -Teacher,, ,, | ,, | | 178 |
| ,, | -One who is reprehensible in speech, | ,, | ••• | 178 |
| " | -Son of an adultress, | ** | | 178 |
| " | -, , a widow, | ** | ••• | 178 |
| ,, | -Forsaker of Mother, | ,, | | 179 |
| ;, | _ , Father, | ,, | | 179 |
| " | " " Superior, | ,, | | 178 |
| | -One who is connected with outcasts, | ,, | ••• | 178 |
| ,, | -House-burner, | ,, | ••• | 181 |
| ,, | -Prisoner, | ,, | | 181 |
| ,, | -One who eats food of an adultress' so | on, " | | 181 |
| " | —Seller of Soma, | ,, | | 181 |
| ** | -Sea-voyager, | ,, | ••• | 181 |
| " | -Bard. | ,, | ١ | 181 |
| " | —Oil-dealer, | ,, | | 181 |
| ,, | -Periuror, | ,, | ••• | 181 |
| ** | -Perjuror, One who sells his sacrificial merit, | " | | 18 |
| ,, | la mith his Vether | ,, | ٠٠, | 182 |
| ,, | -, , quarrels with his rather, | ,, | ••• | 189 |
| | | | | |

| | | | PAGE. |
|---|---------------|-----|------------|
| Sacrifice—Drunkard, to be | avoido | dat | 182 |
| " -One afflicted with foul disease, | ,, | | 182 |
| ., -, accused of sins, | ** | *** | 182 |
| " —The hypocrite, | ,, | ••• | 182 |
| " — " dealer in essence, | ,, | ••• | 182 |
| " -Maker of bows and arrows, | *1 | ••• | 188 |
| " —One whose wife dallies with another, | ,, | *** | 183 |
| ., -, who makes love to his Brother's w | idow, | ** | 183 |
| " — " " injures a friend, | ** | *** | 183 |
| " — " , subsists by gambling, | ,, | ••• | 183 183 |
| " — " , is taught by his own son, | " | ••• | 185 |
| " —An epileptic, " One with scrofulous swellings, | •• | ••• | 185 |
| auffaring from Laugadarma | ** | ••• | 185 |
| The healthiten | " | ••• | 185 |
| Tunatia | " | | 185 |
| blind man | " | *** | 185 |
| doridor of the Vode | " | | 185 |
| ,, — ,, tamer of Elephants, | " | ,,, | 185 |
| " – " Bulls, | " | | 185 |
| , - , , Horses, | " | | 185 |
| " – " " Camels, | ,, | | 185 |
| , —One subsisting on stars, | ,, | | 185 |
| , —Bird-keeper, | ,, | | 185 |
| , -Teacher of warfare, | ,, | ••• | 185 |
| " -The diverter of water-courses, | ,, | | 186 |
| " - Obstructor " " " | 11 | ••• | 186 |
| "—House-planner, | 19 | ••• | 186 |
| "—Messenger, | 19 | ••• | 186 |
| ,, —Tree-planter, | 1) | ••• | 186 |
| " -One who sports with dogs, | ** | | 186 |
| " —The Falconer, | ** | ••• | 186 |
| "—Defiler of virgins, | ** | ••• | 186 |
| ,, —The cruel man, | ,, | ••• | 186 |
| "—One subsisting on Shudras, | " | ••• | 186 |
| "— " who sacrifices to ganas, | " | | 186 |
| " — " devoid of Right Conduct, | ** | ••• | 187 |
| ,. —Man without vigour, | ,, | ••• | 187 187 |
| ., -The constant beggar, ., -One who lives by agriculture, | ** | ••• | 187 |
| and and an Annual Manhaudiants | " | *** | 187 |
| | ,, | ••• | 187 |
| mt - d | " | ••• | 188 |
| hadele lancare | ,, | ••• | 188 |
| " — " bunalo-keeper, " "Husband of a woman, who has had and | ,, ther hu | _ | |
| to be avoided at | | | 188 |
| | | ••• | ••• |

| | | | FAGR |
|----------|---|---------|---------|
| Sacrific | e-Carrier of the dead, to be avoided at | ** | 188 |
| " | -nullified by sons of other men's wives " | | 196 |
| 11 | -By neglecting invitation to, a Brahmana incurs | sin | 208 |
| 99 | —excelled by Shråddha " | | 228 |
| 99 | -sustainer of ,, | ••• | 228 |
| " | -King to be honoured with 'Honey-Mixture,' | t the | |
| | approach of | | 140 |
| ,, | -Learned Man " " " " | ,, | 140 |
| ** | -defiled by the look of Chandala | | 254 |
| ,, | — " " " Dog | | 254 |
| ,, | - " " " Pig , … | | 254 |
| 11 | ,, ,, Cock | | 254 |
| ٠,,, | - " " " Unclean woman … | | 254 |
| ,, | - " " " Eunuch | | 254 |
| ** | -The syllable 'ruchitam' to be pronounced at | ••• | 272 |
| " | -Essentials for | | 274 |
| 99 | -The Imperishable-rests in Speech and Life-bre | ath | 324 |
| ,,, | -One should not go to a-uninvited | | 358 |
| ,, | -performed by the illiterate, to be avoided | | , 459 |
| ,, | - ,, a woman, ,, | | 459 |
| 19 | - " " Eunuch, " | | 459 |
| " | - " " the village-priest " | ••• | 459 |
| ,, | ,, with faith, and with well-begotten w | | |
| | becomes imperishable | | 478 |
| " | -One should not tell a lie, after performing | *** | 488 |
| Sages | -have expectations from family-men | | 108 |
| ,, | -to be worshipped by Vedic study | | 100 |
| " | -the term may stand for the Vedas | | 108 |
| Salt-n | on-alkaline—is 'sacrificial food' | | 274 |
| Sambha | jani-a convivial dinner-the 'gift of devils' | ••• | 164 |
| Samagá | na-name given to the singing of Sama verses | | 168 |
| Sâmave | da-related to Pitrs | • | 406 |
| ,, | -Sound of-impure | ••• | 406 |
| Samapt | ika-the name to be applied to one who has learn | nt the | |
| _ | 'three thousands,' i.e., the whole Samaveda | | 167 |
| · Bampe | nnam'—syllable to be performed at Âbhyudayîka 1 | Rite | 272 |
| Sanctif | er of Company | ••• | 201-205 |
| ,, | " -purifies the company defiled by | y the | |
| | presence of men unworthy of con | npany | 201 |
| ,, | ,, -to be always sought for | | 201 |
| .,, | "—defined ". \ | ···· | 201 |
| ,,, | " -one who is foremost in Vedic lore | and | |
| | Sciences | | 201 |
| ,, | " -one who is born in a family of | men | |
| | learned in the Veda | | 201 |
| 29 | " -one who has learnt the 'Trinachi | keta ' | 203 |
| ., | " - " " knows the science of Fig | e Fires | 208 |

| | | | | | | PAGE. |
|-------------------------|--|-------------|---------------------------------------|---------------|---------|---------|
| Sanctifler of | Company-one v | vho has lea | rnt the ' | Trisuparno | α' | 203 |
| ** | ,, -,, | " knows | the six-l | imbed scie | ence | 208 |
| 1) | ., - ,, | " is born | of a won | an marrie | d in | |
| | | the B | åhma for | m | ••• | 208 |
| •• | " – " | " sings t | he Jyesth | a-Sâmas | | 203 |
| ** | " —Vedi | c learning | , essentia | l characte | eris- | |
| | | | thers, add | litional qu | ıali- | 244 |
| | | ations | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 41 | | 208 |
| 11 | | | | the mean | nng | |
| | | the Veda | ,,, | Trade end | | 204 |
| ,, | • • | - | | Veda and | 1 118 | 904 |
| | | eaning | ·•• | ••• | ••• | 204 |
| ** | •• | Student is | | | • • • | 204 |
| ** | | iver of a | | | ••• | 201 |
| "; | | Centenaria | | *** | | 204 |
| | y texts—essenti | | | | | 274 |
| Sapindikara | ıa-Amalgaming | Rite-tin | ae for c | livision, a | fter | |
| | Father's | | | | | 284 |
| . ** | Shråddha in | | one jus | t dead, to | be | |
| | offered up to | | | ••• | ••• | 258 |
| " | -to be perfor | | | • | ••• | 259 |
| ,, | —Shrâddha to | three anc | estors, no | ot to be offe | ∍red | |
| | until | *** | ••• | ••• | ••• | 259-260 |
| ** | -After-offeri | ngs to be | made to | the three | an- | |
| | cestors | ••• | | | ••• | 260 |
| *1 | -to be perfo | med, prec | eded by o | ffering to | the | |
| | gods | | ••• | ••• | • • • • | 260 |
| •• | - Food to be o | | | ••• | | 260 |
| " | ,, | | erson jus | | ••• | 260 |
| •• | Mantra — ad | dressed to | the pe | rson rece | ntly | |
| | dead | ••• | *** | ••• | | 265 |
| ,, | - Details of- | | *** | ••• | | 264-269 |
| ** | -only partia | | | | h of | |
| | • | f grandfat | _ | | ••• | 268 |
| ** | -If grandfat | | | | o be | 269 |
| Natural bases | united to t | mose or mi | guer ance | stors, at | ••• | 133 |
| Satyabháma | rakala | ••• | ••• | ••• | ••• | 18 |
| Satyakâma J | uomu | ••• | ••• | ••• | ••• | 178 |
| Satyakâma Sast de be | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | ••• | ••• | ••• | ••• | 121 |
| | offered to guest | J | Junima ka | | | 121 |
| | women—the even ale child | cays con | | ··· | iñ or | 80 |
| | women—the unev | en days co | nducive t | o conceivi | ng of | |
| | male child | | ••• | *** | · | 80 |
| " —of v | women—defined | ••• | | | | 71,79 |
| " — | " – indicate | s capacity | for conce | ption | ••• | 71 |
| " — | " —comprise | s the fir | st sixtee | n days of | the | |
| | 000350 | | | | | 79 |

| gaagan | of Waman Aust fann der | l | .1 | | PAGE |
|------------------|----------------------------|----------------|---------------------|---|---------|
| GCasUII- | of women-first four day | | eleventn | and | =0 |
| | thirteenth days, depre | | ••• | ••• | 79 |
| | -to be saluted at Shråddha | | | | 289 |
| 99 - | " " " " | -facing the | North | ••• | 289 |
| | rol-to be retained by the | Brahmaṇa | ••• | ••• | 814 |
| | Order of—among rites | ••• | ••• | ••• | 223 |
| | of village—to be avoided | at Shràddha | and Sacrif | lce | 174 |
| | -of King ,, | ,, ,, | ,, | | 174 |
| Service- | the 'living of the dog' | ••• | ••• | | 306 |
| Sesamun | -specially sacred at Shri | iddha | ••• | | 251 |
| •• | -to be scattered on the | ground, at Shr | âddha | ••• | 250 |
| ,, | -Food containing -not t | o be eaten aft | er ::unset | | 369 |
| Sh a ñku- | -quoted | | ••• | | 289 |
| Shaunak | -declares that Twice-box | n man to be s | n outcast | who | |
| | begets a son on Shû | dra wife | | | 40 |
| Shráddh | akalpa—quoted | | | | 208 |
| Shráddh | ı | | | | 146-200 |
| ,, | -the means of worship | ing Pitrs | | | 105 |
| ,, | to be offered daily | | | | 106 |
| ,, | - " " with food | | | | 106 |
| ,, | - ,, ,, wate | r | | | 106 |
| ,, | - " " " milk | | | | 106 |
| | - ,, ,, roots | | | • | 106 |
| " | | | | | 106 |
| ** | - , , , rutt | | | ••• | 106 |
| ,, | -a part of the Five Grea | | ••• | ••• | |
| " | <u>-</u> | | | ••• | 106 |
| ,, | -at least one Brâhmana | | y at | | 107 |
| ** | -Daily-does not deman | | | ••• | 107 |
| ** | ., | omission of Ve | | | 107 |
| 19 | " " | avoidance of | | nter- | |
| | course | | | *** | 107 |
| *, | named 'Piṇḍânvāhârk | aya'—to be | offered e | very | |
| | month | ••• | ••• | ••• | 146 |
| ,, | - 'Pindanváháryaka' d | stinct from | V ais hva | dêva- | |
| | Shráddha | ••• | ••• | ••• | 146 |
| ,, | -The monthly—is called | ' Anvâhârya ' | ••• | •••• | 147 |
| ** | —Anváhárya—to be perfo | rmed with co | mmended | meat | 147 |
| ,, | ,,obligatory | ••• | | | 147 |
| ** | -to be performed with c | urds | | ••• | 147 |
| ,, | " . " bi | atter | ••• | | 147 |
| ,, | - ", ", m | ilk | ••• | | 147 |
| ;, | ,, ,, oa | kes | ` | ••• | 147 |
| ,, | meat is only the sauce | for seasoning | th e rice of | lered | |
| | at | ••• | ••• | | 148 |
| ,, | Feeding of Brahmanas, | | factor in | | 148 |
| | -Three Brahmanas to be | | | | 149 |
| ,, | -One Brahmana " | " | | | 149 |
| ** | ~~~)) | " 3 | | | |

| | | PAUD _e |
|---------|--|-------------------|
| 8hráddh | u-One should not indulge in large company, at | 149, 151 |
| ,, | One Brahmana should be fed in honor of each ancesto | r 149 |
| ,, | -One Brahmana should not be fed for all ancestors | 149 |
| ** | -At least three Brahmanas should be fed at | 150 |
| ** | —An odd number of Brahmanas, to be fed at | 150 |
| ** | -A large company at-hampers proper treatment | 151 |
| ,, | - " " -interferes with place … | 151 |
| ,, | - " " - " time | 151 |
| ** | - " " - " purity | 151 |
| ., | ,, , qualities of | |
| | Brâhmanas | 151 |
| " | -called 'Pitrya' | 151 |
| ,, | - " " -performed on Moonless day … | 151 |
| ** | ,, ,, ,, ,, is bene- | 151 |
| | ficial to the dead | 151 |
| ,, | One who performs—reaps benefits after death Food offered at—should be given to a learned | 101 |
| ** | Brâhmana | 152 |
| | alman to a Duthanana ta aandu | 104 |
| | cive to great results | 152 |
| | -to the Vishvêdêvas, is the 'rite in honor of the gods' | |
| " | -By feeding at least one learned Brahmana at-one | |
| " | obtains full reward | 153 |
| ,, | -No rewards obtained by feeding ignorant Brahmanas | |
| " | at | 153 |
| | -Brahmana to be fed at-to be thoroughly examined | 153 |
| ** | -distinctly enjoined as benefitting the ancestors | 157 |
| " | -A friend not to be fed at | 161 |
| ,, | -One who is neither friend nor foe, should be fed at | 161 |
| " | -brings no reward, if friends form the principal | |
| ,, | factor at it | 162 |
| | -By making friendships through-one falls off from | |
| ** | heavens | 168 |
| | | |
| ** | one who has the for a friend, falls from heaven | 163 |
| ** | Making of Friendships by means of is a custom with 'devils' | |
| | | 164 |
| ** | -Friend may be entertained at | 166 |
| 91 | -Enemy should never be entertained at | 166 |
| " | -Adherent of the Rgveda, thoroughly versed in it, | |
| | to be fed at | 166 |
| •• | -Adherent of the Yajurveda, thoroughly versed in it, | |
| | to be fed at | 166 |
| ,, | -Adherent of the Sâmaveds, thoroughly versed in it, | |
| | to be fed at | 166 |
| ,, | -One should not feed a mere student, at | 167 |

| | one brings ever-lasting satisfaction to hi | ន |
|----|---|----|
| | ancestors | • |
| ** | —to be performed on a Moonless day | • |
| :5 | -Persons fed at-should be learned | • |
| •• | - ,, ,, - ,, of right behaviour | • |
| ,, | ,, ,, — " well-known family | • |
| 11 | - " " - " son of a learned father | |
| ,, | - ,, ,, - ,, not be related to the per former | |
| | M-4 | |
| , | | |
| •• | Cintonia aon | |
| ** | Dath as in Issu | |
| ٠, | (n). | |
| •• | | |
| ,, | Daughter's son, , , , | |
| •• | A malmatina | |
| ,, | -A relative, ", ", | |
| ,, | -Priest, , , , | |
| •• | -The person, at whose sacrifice the performe | |
| | officiates—may be fed at | • |
| ** | -Brahmanas to be carefully examined at | • |
| ,, | -Thieves undeserving of gifts at | •• |
| ** | -Eunuchs ,, ,, | • |
| " | -Atheists " " " | • |
| " | -Outcasts " " " | • |
| ,, | -One with braided hair, not to be fed at | • |
| ,, | -Ignorant man, ,, ,, | • |
| ,, | -Hairless " " " | • |
| ,, | -Gambler, ,, ,, | |
| ,, | -Those who sacrifice for hosts, not to be fed at | |
| , | -The Student, , , | |
| •• | -Red-haired man, ", ", | • |
| , | -Durvâla, not to be fed at | • |
| , | -One who officiates at Vrātyastoma, should not be | 8 |
| | fed at | |
| , | -Healers, to be avoided at | |
| , | -Temple-attendants, to be avoided at | |
| 11 | Meat-sellers ,, ,, | |
| , | -Traders ,, ,, | |
| , | -Village-servant " " | • |
| ,, | -Servant of King " " | |
| , | -One with deformed nails, to be avoided at | |
| , | - " black teeth " " " | |
| | -Opposer of superior ,, ,, | |
| • | | |

| | | | | PAGE. |
|--------|--|-------------|---------|-------|
| Shrádo | tha—Invalids, to be avoided at | ••• | ••• | 175 |
| ,, | —Cattle-tender, " " | *** | | 175 |
| ** | -Superseder of Elder Brother, to be | avoided at | ••• | 175 |
| ,, | -Neglecter of Great Sacrifices, ,, | ,, | | 175 |
| ,, | -One inimical to Brahmanas, " | •• | | 175 |
| ,, | - ,, superseded by younger brother, |) 19 | ••• | 175 |
| ** | -Member of a Company, | • | | 175 |
| ,, | -Actor, | •• | | 177 |
| ,, | -One who has broken the vows of c | ontinence. | to be | |
| | avoided at | | | 177 |
| | -Husband of a Shûdra woman, to be a | to bobles | | |
| ** | • | | | 177 |
| ** | Son of remarried woman, | ,, | ••• | 177 |
| " | -A one-eyed man, | ,, | ••• | 177 |
| " | -One who admits his wife's paramoun | c, ,, | ••• | 177 |
| ** | —Paid Teacher, | ,, | ••• | 178 |
| ** | -Pupil of a paid Teacher, | ,, | ••• | 178 |
| ,, | —Teacher of Shûdra, | ** | ••• | 178 |
| • 1 | —Pupil ", ", | ,, | • • • • | 178 |
| 19 | One of reprehensible speech, | ,, | ••• | 178 |
| ,, | -Son of an adultress, | " | ••• | 178 |
| ,, | " a widow, ´ | ,, | | 178 |
| ,, | -Forsaker of his Mother, | ** | | 179 |
| 19 | - " " Father, | ,, | | 179 |
| . ,, | — " " Superior, | ,, | ••• | 179 |
| " | -One connected with outcasts- | ,, | | 179 |
| ,, | -House-burner, | " | | 181 |
| 19 | -Prisoner, ,, ,, | ••• | | 181 |
| ** | -Eater of food of an adultress' son, to | be avoided | i at | 181 |
| ,, | -Soma-seller, to be avoided at | | *** | 181 |
| ,, | -Sea-voyager, ,, | | | 181 |
| ,, | -Bard, , | | | 181 |
| ,, | -Oil-dealer, " | | | 181 |
| ,, | -Perjuror, , | | | 181 |
| ,, | -One who sells his sacrificial merit, to | | | 181 |
| | - , , quarrels with his Father, t | | | 182 |
| ** | -Keeper of a gambling-house, | | | 182 |
| ,, | -The Drunkard, | ', | | 182 |
| " | One afflicted with foul disease, | ,, | ••• | 182 |
| " | -, accused of sins, | 11 | ••• | 182 |
| ** | | " | *** | |
| ,, | -The Hypocrite, | ,, | /00 | 182 |
| ,, | Dealer in Essence, | ** | *** | 182 |
| " | -Maker of bows and arrows, | than manag | - 4- | 188 |
| ** | -One whose wife dallies with ano | oner perso | u, to | *00 |
| | be avoided at, | | -13-3 | 188 |
| 19 | - ,, who makes love to Brother's wido | w, to be av | Maed | |
| | at | | | 188 |

| | | | | PAGE. |
|------------------------------------|--|--|--|---|
| a-One who injures a friend, should | be avoi | ded at | | 183 |
| - " " subsists by gambling, " | ,, | | ••• | 183 |
| -,, ,, is taught by one's ov | vn son, | should | be | |
| avoided at | | | | 183 |
| -An Enileptic, should be avoided a | t | | | 185 |
| | | avoided | laí | 185 |
| | | | | 185 |
| | | | | 185 |
| | | | | 185 |
| D11 1 | | | | 185 |
| " | | | | 185 |
| •• | | | | 185 |
| Dati. | | | | 185 |
| ., ., ., ., | | | | 185 |
| | | | | 185 |
| · / // // · · · · / | | | | 185 |
| | | | | 185 |
| • • | | | | 185 |
| | | | | 185 |
| | | | | 186 |
| · · | | | | 186 |
| | | | | . 186 |
| 9 . | | | | 186 |
| • | | | | 186 |
| • 0, | | | | 186 |
| • | | | | 186 |
| | | | | 186 |
| ** | ,, | | | 186 |
| | ,, to bo as | | | 186 |
| | | | | 187 |
| | | | | 187 |
| 9 | | | | 187 |
| 50 . | | | | 187 |
| | | | | 187 |
| · | | | | 187 |
| | u men, | | | 188 |
| | | | | 188 |
| | n boinn | | | 100 |
| | ilicu w | omin, o | | 188 |
| | roidad s | .t | | 188 |
| | | ••• | | 196 |
| • | | | | 206-210 |
| | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | |
| • | | | | 200 |
| | - | | | 203 |
| • • | | | Conou | 20 |
| | - ", " subsists by gambling, " - ", " is taught by one's over avoided at | - ", " subsists by gambling, " ", - ", " is taught by one's own son, avoided at -An Epileptic, should be avoided at -One with scrofulous swellings, should be - ", suffering from Leucoderma, ", - The Backbiter, ", - ", Lunatic, ", - ", Blind man, ", - ", derider of the Veda, ", - ", tamer of Elephants, ", - ", ", Bulls, ", - ", ", Camels, ", - One who subsists on stars. ", - Bird-kceper, ", - Teacher of Warfare, ", - Diverter of water-courses, ", - House-planner, ", - Messenger, ", - Tree-planter, ", - Sporter with dogs, ", - The Falconer, ", - ", defiler of virgins, ", - ", who sacrifices to the Gauas, to be avoided at - ", who is ill spoken of, by good men, - The sheep-dealer, ", - ", buffalo-keeper, ", - ", usband of a previously married wavoided at - ", carrier of the dead, to be avoided a - ", carrier of the dead, to be avoided a - ", carrier of the dead, to be avoided a - ", carrier of the dead, to be avoided a - ", carrier of the dead, to be avoided a - ", carrier of the dead, to be avoided a - ", carrier of the dead, to be avoided a - ", carrier of the dead, to be avoided a - ", carrier of the dead, to be avoided a - "At the approach of—three qualified B be invited on the preceding day or the - The Brahmana invited to—shall remain series. | - ", " is taught by one's own son, should avoided at | - ", " subsists by gambling, " " - ", " is taught by one's own son, should be avoided at |

| | | PAGE |
|---------|---|------------|
| Shráddh | u-the Brahmana invited to—shall keep all Observances | |
| | and Restraints of the 'Snataka' | 207 |
| ,, | -Performer of -shall remain self-controlled | 207 |
| ,, | - " - " not recite Veda | 207 |
| ,, | - " - " keep all Observances and Res- | |
| | traints of the 'Snátaka' | 207 |
| ,, | -One neglecting invitation to-incurs sin | 208 |
| ,, | -Invited to—if one dallies with a woman, one imbibes the sin of the performer | 201 |
| | ** | 20. |
| ,, | vessels to be used at | |
| " | lity | 221 |
| | -excels Sacrifices | 22 |
| " | -sustained by , | 223 |
| " | protected by Brâhmana, engaged in honor of gods | 22 |
| ,, | -taken away by Râksasas -if not protected | 228 |
| ,, | -to begin and end with an offering to gods | 224 |
| ,, | -should never ,, ,, ,, Pitrs | 224 |
| " | Method of feeding Brâhmanas at | 227 |
| ,, | -Place for-should be clean | 227 |
| ,, | - ,, - ,, secluded | 227 |
| ,, | - ,, - ,, sloping southwards | 227 |
| ,, | - ,, - ,, smeared with cowdung | 227 |
| ,, | -Brâhmana at -to be seated, after ablutions, on | |
| | kusha-seat | 228 |
| . ,, | -Brahmanas at-to be worshipded-with perfume and | |
| | garlands | 228 |
| ,, | -Water, sesamum and kusha-blade to be presented | |
| | to Brahmanas, at | 229 |
| ,, | -An offering to be made into Fire, when permitted by | |
| | Brahmanas, at | 228 |
| " | Sacrificial food to be first offered to Agni aad Soma- | |
| | Yama, at | 230 |
| ** | -In the absence of Fire, offerings to be made into the | |
| | hands of Brahmanas, at | 231 |
| 99 | -Brâhmaṇa is the Fire, at | 231 |
| ** | -may be performed, whenever one comes across a | |
| | Sanctifier of Company, on a journey | 231 |
| " | -may be performed, whenever one comes across | |
| | specially commended marerials | 281 |
| ** | -may be performed, even when one is away from | |
| | home and Fire | 232 |
| ** | Brahmanas described as the 'gods' of | 285 |
| " | - , , , free from anger , , , easily satisfied | 285 285 |
| " | intent man sustaining the | 200 |
| ** | Universe Intent upon sustaining the | 285 |
| | | |

| | | | PAGE. |
|----------|---|--------|-------|
| Shråddlu | a—offering into Agni, in 'apasavya' form | | 286 |
| ,, | -Balls for offerings to Pitrs at-to be made out | of | |
| | remnants of materials offered to gods-in Fire | | 287 |
| ٠, | -Balls to be offered in the 'apasavya' form, at | ••• | 287 |
| 31 | - " " facing South, at … | ••• | 235 |
| ,, | - " " on kusha-blades, at | | 238 |
| ,, | -Hand to be wiped """ " | ••• | 238 |
| ** | - " " for the sake of ' Partakers of Smea | ır- | |
| | ings, at | ••• | 238 |
| 91 | —Six Seasons, to be saluted at | ••• | 239 |
| " | -Pitrs, ,, with mantras, at | | 239 |
| ,, | -Gâyatrî with 'Shiras'-to be repeated at | ••• | 240 |
| ** | -Remnant of water, to be poured near the Bal | ls, | |
| | offered at | ••• | 240 |
| ** | -Balls offered at-to be smelt | | 240 |
| ,, | -Small portions to be taken out of Balls, offered at | | 241 |
| ** | -Brahmanas to be fed with small portions of Bal | lls, | |
| | offered at | ••• | 241 |
| ** | -to be offered to previous ancestors, if Father livi | ng | 241 |
| ** | -Father to be fed as a Brahmana, at | | 241 |
| ** | -to childless uncle, necessary | ••• | 242 |
| ** | -Balls to be offered to Grandfather and Great-gran | ıd- | |
| | father, if Father living | ••• | 244 |
| ** | -No-by one whose Father is living | ••• | 244 |
| " | -to be offered to Father and Great-grand-father, Grandfather is living and Father dead | if | 244 |
| " | -Grandfather may be fed at | | 244 |
| •• | - Water and Sesamum to be poured into the hands | of | |
| | Brahmanas, at | ••• | 245 |
| ** | -Top portions of Balls to be offered to Brahmanas, | at | 245 |
| ** | -At-Food to be placed before Brahmanas | ••• | 245 |
| ,, | -At- ,, served with both hands | ••• | 246 |
| ** | —Tears never to be shed, at | ••• | 247 |
| •• | -Anger to be avoided, at | •• | 247 |
| ,, | —Untruth " " | ••• | 247 |
| ,, | -Food not to be shaken, at | ••• | 247 |
| ** | -At-Food not to be touched with foot | ••• | 247 |
| " | Tears shed at—transfer the food to ghosts | ••• | 248 |
| ** | -Anger at-transfers the food to enemies | ••• | 248 |
| | -Untruth at-,, ,, dogs | ••• | 248 |
| | -Touching of food with feet, at-transfers it to | | 248 |
| | mons | ••• | 248 |
| | -At-what is agreeable to Brahmanas, should | he | 440 |
| ,, | given ungrudgingly | | 249 |
| ,, | -Vedic stories, to be related at | ••• | 249 |
| ,, | -Vedic Texts, to be recited at | ••• | 249 |
| | Legal Institutes | | 240 |

| | | IAOD |
|--------|--|------|
| Shrádá | ha-Stories, to be recited at | 248 |
| ,, | Historics, ,, ,, | 249 |
| ** | -Legends, " " | 249 |
| ,, | -Supplementary Texts, to be recited at | 249 |
| ,, | Offerer of—should be happy | 250 |
| ** | - " - " make the invited Brâhmanas happy | 250 |
| ,, | - " -shall feed Brahmanas gently | 250 |
| ,, | - , - , urge , to eat more | 250 |
| ,, | -At-Daughter's son to be fed with special care | 250 |
| •• | -,,-Blanket to be offered as seat | 250 |
| ** | -,, -Sesamum to be scattered on the ground | 250 |
| 19 | Daughter's son, specially sacred at | 251 |
| 19 | -Blanket, ,, ,, | 351 |
| ,, | -Sesamum, ", ", | 251 |
| ,, | -Cleanliness, specially commended at | 251 |
| 19 | -Absence of anger, ", ", | 251 |
| ,, | , ,, haste, ,, ,, ,, | 251 |
| ,, | -Food offered at-should be hot | 251 |
| ,, | -Brâhmanas should eat at-with controlled speech | 251 |
| | | 251 |
| ", | -At-Invitees should not describe the qualities of food | |
| •• | -,,-,, ,, eat with head covered | 258 |
| " | -,- ,, ,, ,, face towards the | |
| | South | 253 |
| 19 | ,, ,, shoes on | 253 |
| ,, | - ,, - the Chandala should not see the feeding of guests | 251 |
| ,, | -,-, Pig , , , , , , | 254 |
| " | ,,,, Cock ,, ,, ,, ,, ,, | 254 |
| 11 | -,,-,, Dog ,, ,, ,, ,, | 254 |
| | ,, - ,, Unclean woman ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, | 254 |
| •• | -,-, Eunuch ,, ,, ,, | 254 |
| ., | -defiled by the look of the Chandala | 254 |
| ,, | ,, ,, ,, Pig | 254 |
| ,, | ,, ,, ,, Cook | 254 |
| ,, | - " " " Dog | 254 |
| ,, | _ ", " Unclean woman | 254 |
| ,, | | 254 |
| ,, | -The cripple to be kept away from | 256 |
| | ,, one-eyed man ,, ,, ,, | 256 |
| ** | - " limb-less " " " " | 256 |
| 17 | , man, with redundant limb, to be kept away from | 256 |
| ,, | -stray Brahmana seeking for food, to be fed at | 256 |
| ,, | 34 314 | 256 |
| ,, | i, i | |
| ,, | -After Brahmanas have eaten at-all kinds of food to | |
| | be mixed up with water and scattered on the | 257 |
| | | |

| | | PAGR. |
|--------|--|-------------|
| Shrádd | ha-Remnant of food, and what is scattered on Kusha | |
| | grass, at-form the share of those who have died | |
| | without sacraments | 257 |
| ,, | -Remnant of food, and what is scattered on Kusha | |
| ** | grass, at-form the share of those who have aban- | |
| | doned family ladies | 257 |
| ,, | -Remnant of food fallen at-is the share of dutiful | |
| " | servants | 258 |
| ,, | -in honor of one just dead-to be offered up to the | |
| | Sapindîkarana rite | 258 |
| ,, | -in honor of one just dead-feeding of Brahmanas- | |
| | without any rites in honour of gods | 258 |
| . 11 | -in honour of one just dead-one Ball to be offered | 258 |
| ** | -The first-in honour of the recent dead- to be | |
| | offered on the Eleventh day | 259 |
| ٠, | -on the date of death, every month, till one year | 259 |
| ,, | ,, ,, ,, year | 259 |
| ** | in honour of one person—called 'Ekoddista' | 259 |
| ** | -to three ancestors-not to be offered until the | |
| | Sapindîkarana | 259 |
| " | -Pârvana-to be offered after the Sapindikarana | 260 |
| ,, | -Sapindîkarana-to be offered | 260 |
| ** | -At " -food, " to Pitrs | 260 |
| ,, | - ,, - ,, ,, the Recent Dead | 260 |
| ** | -Ekoddişţa-First-to be performed on the Eleventh | |
| | day for the Brâhmanas | 268-264 |
| 17 | - " - " -to be performed on the Thirteenth | |
| | day for the Kşattriya | 263-264 |
| ,, | Parvana the archetype of all Shraddhas | 264 |
| ** | Monthly-has the Amavasyâ Shrâddhs for its | 201 205 |
| | archetype | 264-265 |
| " | - ,, -does not borrow details from Sapindi- | 000 |
| | karana | 265 |
| ** | to Shûdra | 270 |
| | After eating at—one should not enter the bed of | 270 |
| ** | a woman | 270 |
| | | |
| " | -After eating at—full continence to be observed | 270 |
| ,, | -Invitees to-after dinner-should be asked, 'Have | |
| | you dined well?' | 271 |
| ." | -Invitees to-should be made to wash | 27 l |
| " | ,, ,, ,, ,, addressed, 'Please rest where | 96. |
| | you choose ' | 271 |
| " | -Brahmanas fed at—should say, May there be swadha -At all—the syllable 'swadha' constitutes the highest | 272 |
| • ,, | handiation | 940 |

| | | PAGE. |
|--------|--|--------------|
| Shrádd | ha-The performer of-should inform the invitees of the | |
| | Remnants of food | 272 |
| ** | -The performer of-shall dispose of the Remnants, | |
| | according to wish of invited Brahmanas | 272 |
| ** | -The syllable 'svaditam' to be pronounced by the | |
| | performer at | 272 |
| 91 | —Essentials of | 274-276 |
| ** | —The afternoon—an essential of | 274 |
| ** | -Kusha-grass - " " " | 274 |
| ** | -Setting up of dwelling,, ,, | 274 |
| ** | —Sesamum grains— " " | 274 |
| ,, | -Liberality - , , | 274 |
| " | -Cleaning- ", ", | 274 |
| ** | —Superior Brahmanas " " | 274 |
| ** | -Request for the benediction of ancestors, at | 277 |
| ** | -Boons to be asked for from ancestors, at | 277 |
| ** | Disposal of offerings at | 278 |
| ** | -Balls offered at—to be given to the Cow | 278 |
| •• | — ,, " ,,— ,, " Brāhmaṇas | 278 |
| •• | — " " " ,,— " " the Goat … | 278 |
| ** | - ,, ,, - ,, ,, Fire | 278 |
| •• | - " " "- " thrown into water | 278 |
| ** | - Lawful wife, desiring son, should eat the middlemost | |
| | Ball offered at | 278 |
| ** | Feeding of relations at | 280 |
| ** | Domestic offerings, after | 281 |
| ** | —Leavings at—to remain till dismissal of Brâhmaṇas | 281 |
| ** | -Domestic offerings to be made after dismissal of | |
| | Brāhmaṇas, at | 281 |
| ,, | -Relative merits of materials offered at | 283 |
| ,, | -Offering of Sesamum at-brings satisfaction to ances- | |
| | tors for one month | 283 |
| | - " Rice at-brings satisfaction to ancestors for | |
| | one month | 283 |
| 79 | - " Barley at-brings satisfaction to ancestors | |
| | for one month | 283 |
| ,, | - " Maa sat-brings satisfaction to ancestors for | |
| | one month | 283 |
| •• | - , Water at-brings satisfaction to ancestors | |
| | for one month | 283 |
| | - Roots and fruits at-brings satisfaction to | P inn |
| | ancestors for one month | 283 |
| 27 | - ,, Fish-meat at-brings satisfaction to ances- | 2011 |
| | tors for two months | 283 |
| | - " Meat of Deer at-brings satisfaction to an- | |
| | costors for three months | 806 |

| | | | | | | | | | PAGE. |
|---------------|-----|---------|----------|-------|-----------------|----------------------------|----------------------|--------------|------------|
| hrû dd | ha- | Offeri | ng of M | eat o | of Shoo | p at-bring | s satisfac | tion to | |
| | | | | | an | cestors for | four mont | hs | 283 |
| ,, | | ,, | ** | ,, ,, | Birds | at-brings | satisfact | ion to | |
| | | | | | an | cestors for | five month | s | 283 |
| ,, | _ | ,, | ,, | ,, ,, | Goat | at-brings | satisfacti | on to | |
| | | | , | | an | cestors for | six months | · | 284 |
| ,, | | ,, | ,, | ,, ,, | Spott | ed Dear aton to ance | —brings sa | tisfac- | |
| | | | | | tie | on to ance | stors for | | 284 |
| | | | | | | | | | 204 |
| ,, | | ,, | " | " | | antelopeat | | | 804 |
| | | | | | | to ancesto | _ | | 284 |
| " | _ | ** | " | ,, ,, | | Deer at-b | - | | 284 |
| | | | | | | ncestors fo | | | 204 |
| ** | _ | 91 | ** | ,, , | | at-brings | | ion to | |
| | | | | | | estors for t | | ••• | 284 |
| 11 | - | " | ** | ,, , | | loes-bring | | | *** |
| | | | | | | estors for t | | ••• | 284 |
| ** | _ | ** | ** | ,, , | | at-brings | | | 201 |
| | | | | | | estors for o | | | 284 |
| ** | _ | ,, | ,, | ,, , | | oise at-br | • | | |
| | | | | | | ncestors for | | | 284 |
| " | | ** | | | | ngs satisfac | tion to an | cestors | |
| | | | | one : | • | ••• | ••• | ••• | 284 |
| ** | - | ,, | | | | ns at-bring | gs satisfact | ion to | 284 |
| | | | | | | ne year | ··· | 4 | 409 |
| " | _ | ,, | | | | -brings s | a, ti sta e ti o ii | | 284 |
| | | | | | | elve years gs satisfact | !an t aan | estors | 204 |
| ,, | | ,, | | | -orm ess tin | _ | non to and | | 285 |
| | | | | | | ne—brings | | en lan ta | 400 |
| 19 | - | " | MORU | | | ors for end | | | 285 |
| | | | | | | ors for enai ros—brings | | :an ta | 409 |
| " | | " | " | | | ors fo rend | | | 285 |
| | | | | | | t-brings s | | 40.00 | 400 |
| " | - | " | ,, . | | | - | | | 285 |
| | | | 11 | | | s for endles | | | 400 |
| " | | " | | | • | satisfaction | to ancest | | 00- |
| | | | ondl | | | ••• ••• | | 4 | 285 |
| 9.5 | | ** | | | | -brings sat | usiaction | | 905 |
| | | | | | | less time | | ••• | 285 |
| ** | | " | - | _ | | with Hor | - | - | |
| | | | | | | 13th day o | | | |
| | | | | | | f Maghai, at | | | 286 |
| ** | | ** | | | | with butter | | | |
| | | | | | • | the month | | | |
| | | | | | | ' falls towa | | , | 286 |
| ** | A | ll offe | rings at | m | ade wi | th faith and | | | 80* |
| | pen | 18 J | nexhau | 561DL | e | ••• | ••• | ••• | 287 988 |
| | | | | | | | | | |

| | | | PAGE. |
|-----------|---|-------|-------|
| Shràddha- | -Dark Fortnight, commended for | | 288 |
| | -All days beginning with the Tenth-excepting | the | |
| ,, | fourteenth-commended for | | 288 |
| ,, | Performance of - on even dates and even aster | isms | |
| ., | -brings all desires | | 288 |
| ,, | -Performance of-on odd days and odd asterism | ns- | |
| | brings prosperous offspring | | 288 |
| ,, | -Latter half of the month preferable to the for | mer | |
| | half, for | | 288 |
| ,, | -Dark fortninght perferable to the Bright, for | | 289 |
| ٠, | -Afternoon preferable to forenoon, for | | 289 |
| ,, | to be performed till death | ••• | 289 |
| ,, | - ,. ,, with the sacred thread pas | sing | |
| | over the right shoulder | | 289 |
| ., | Offerings at-to be made 'from off the left' to | the | |
| | right | | 289 |
| ,, | Offerings atto be made with Kusha in hand | | 289 |
| ,, | -not to be performed at night | | 290 |
| ,, | , , ,, the two Twilights | | 290 |
| ., | - ,, when the sun just risen | | 290 |
| ., | -to be offered thrice in the year | | 291 |
| | - ,. during Summer | | 291 |
| | , Winter | | 291 |
| ., | - ,, ,, Rains | | 291 |
| ,, | -which forms part of the 'Five Sacrifices,' t | o be | |
| , | performed every day | | 291 |
| | -thrice in the year-meant for one who has se | et up | |
| | the Fire-according to some | | 291 |
| | -No-for the Brahmana, who has set up the F | ire- | |
| | apart from that on the Moonless Day | | 292 |
| , | -Oblation into Fire - in connection with-not t | o be | |
| | offered into the Common Fire | | 292 |
| ٠, | Rewards for offering | | 294 |
| ,, | -Daily water-offering, an optional alternative | re to | |
| | the daily | | 204 |
| Shrauta | rites—in the sacrificial fire | | 89 |
| | ı-bhâşya—quoted | | 3 |
| | iya'—name applicable also to one who knows o | | • |
| | part of the Veda | | 166 |
| ,, | -Offering to be given to | | 166 |
| Shri-sûk | du—to be recited at Shrâddha | | 249 |
| | Offering to—at the Head | | 1-2 |
| | girl—may or may not be married by a Brahmana | | 38 |
| ,, | " " " Keattriya | | 38 |
| ,, | -Asura, Gândharva and Paishâcha forms of | | , 30 |
| • | riage—lawful for | | 46 |

| | | | PAGE. | |
|--|--------------|-----------|-------|--|
| Shudra-girl-marrying in higher caste- | to take | hold of t | the | |
| hem of garment | | | 70 | |
| 'Shulka'-for marriage-defined | . | | 83 | |
| " – " " —deprecated . | | •• | 83 | |
| Shudra-not a guest in Brahmana's house | | | 130 | |
| " -arriving as guest, should be fed | | nts | 131 | |
| , pronounces 'namuh,' instead of | | | 145 | |
| -also should not feed friends at Sl | | | 163 | |
| " Sukálins, the Pitrs of . | | | 217 | |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | 37 | |
| " Uncooked food, may be accepted | | | 341 | |
| | | | 372 | |
| ,, ,, to be given to thedepe | | n anoself | | |
| | _ | | | |
| F | | Solences | | |
| Daniel - a de 1 de 1 a foi 10 de 4 a 3 de | | ••• | ***** | |
| D | | •• | 450 | |
| | | •• | | |
| | | ••• | 164 | |
| Sick persons - to be fed immediately after | - | ••• | 133 | |
| 'Signs'—stand for complexion, lines on the | ie body, e | te. | 21 | |
| • | •• | •• | 102 | |
| Slaves—are one's own shadow . | | ••• | 444 | |
| Slaughter-houses-five-for the Househol | | ••• | 90 | |
| 'Suana ' the name really applies only to | | | 12 | |
| " — can apply to ending of Observa | ancos also | ••• | 12 | |
| Smarta Homa | | | 109 | |
| | | | 89 | |
| Smitaku-Making of gifts to guests, the d | uty of . | •• | 101 | |
| Somu-daily offering to | | ••• | 109 | |
| | | ••• | 218 | |
| Noma-herb —is 'sacrificial food' . | | •• | 275 | |
| Somayàga | | | 142 | |
| Soma-seller - What is given to-becomes | ordure . | ••• | 199 | |
| Somapa Pitrs-worshipped by Brahmanas | | | 211 | |
| " -name used in offerings- | -bу реор | le who a | ire | |
| ignorant of the names of | of their for | refathers | 215 | |
| Pitrs of Brahmanas . | | | 217 | |
| " —sons of Kavi | | ••• | 218 | |
| Soma sads—sons of Viraj . | | | 216 | |
| TO 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | | | 216 | |
| | | ••• | 218 | |
| Some-Yama-First offering at Shraddha, to | | | 280 | |
| 'Soma-sacrifices'—to be offered at the end | | | 380 | |
| Sons—born of other man's wives—are of to | | | 195 | |
| Son- , , , , —during | | | | |
| ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, | | Kunda' | 195 | |
| " " " " —after hu | | - | | |
| ,, — ,, ,, —atter nu | · Golak | | 195 | |
| | | | | |

| | PAGE |
|--|----------|
| Son-of 'appointed' woman | 198 |
| " -born of other men's wives, make all offerings futile | 196 |
| "—to be corrected with the rod | 431 |
| "-born of Brâhma marriage is glorious | 66 |
| " – " Bráhma, Daiva, Árşa and Prájápatya marriages, is | |
| endowed with Brahmic glory | 67 |
| " -Qualities of-born of Brahma, Daiva, Arsa and Prajapatya | |
| marriage | . 68 |
| " -Quality of-born of inferior maraiages | 67 |
| " —is one's own body | 444 |
| Son-in-law-to be received with Honey-Mixture | 138 |
| "—may be fed at Shrâddha | 170 |
| Soups—to be served on the ground | 246 |
| Speech—to be in keeping with age | 319 |
| , , , , occupation | 819 |
| " – " " wealth | 319 |
| " — " " " learning | 319 |
| " " " family | 319 |
| "offered into Life-breath | 324 |
| " —The Imperishable sacrifice, rests in | 324 |
| ,, —Control of | 497 |
| " All things are regulated by | 497 |
| " — " " have their root in | 497 |
| " — " " emanate from | 497 |
| "Stealer of is stealer of all things | 497 |
| Spiritual Merit—the only companion in the other world | 486 |
| " – alone follows Man, after death | 487 |
| " -should be slowly accumulated | 485, 488 |
| " —as companion—carries man through unfordable | |
| darkness | 488 |
| "—carries man to higher regions | 488 |
| Storiesto be related at Shraddha | 249 |
| " " " liked by Pitrs … | 249 |
| ,, of Suparņa Mitrāvaruņa, etc | 172 |
| Student-not to be fed at Shriddha | 172 |
| " -Life-long-serves Teacher till body dissolves | 1 |
| " -Religious-of two kinds | 1 |
| " -after finishing the Veda-to be honoured by his father | |
| with a cow | 16 |
| ., —not to be treated as guest | 338 |
| Studentship - Period of | 16 |
| " -Vows of-in the sense of not having intercourse | |
| with women | 14 |
| " - Vows of—some to be abandoned on finishing Veda, | |
| and some to be continued till Subsidiary | |
| Sciences have been studied | 15 |

| | PAGE |
|--|------|
| Study of Veda—the predominant factor | 8-4 |
| " —motive discussed | 3-11 |
| " Subsidiary Sciences, should follow that of the Veda | 15 |
| " -What is contained in the Veda, to begin after that | |
| of verbal text | 15 |
| Subsidiary Sciences - During the study of - the only vow to be | |
| kept up, is the avoidance of inter- | |
| course with women | 15 |
| " -to be studied throughout Dark Fortnights | 390 |
| ,, —are Phonetics, Grammar, Rituals, etc | 391 |
| Subsistence—Means of | 300 |
| · " — adopted, must be such as involve least | |
| trouble to living beings | 300 |
| " -For bare-one should accumulate wealth, by means | |
| of one's irreproachable occupations—without | |
| causing trouble to the body | 30 |
| " -hy ' Truth '-commended | 302 |
| " — " ' Nectar '— " | 809 |
| ,, -,, 'Death '- ,, | 302 |
| , Super-death', | 302 |
| ,, - ,, ' Truth and falsehood '-commended | 302 |
| " - " 'Living of the dog '-prohibited | 802 |
| ,, -,, 'Death'-deprecated | 302 |
| ,, 'Super-death'-deprecated | 302 |
| " 'Truth and Falsehood'—less deprecated | 302 |
| ,, -,, 'Truth'consists of living on what is got by | |
| Gleaning and Picking | 302 |
| " - " ' Nectar'-consists in living on what is attained | |
| unasked | 302 |
| " -" 'Death'-consists in living on alms obtained by | |
| begging | 302 |
| " -,, 'Super-death 'consists in living by culti- | |
| vation | 302 |
| " 'Truth and Falsehood '—is living by Trade | 305 |
| " - " 'Service '—is the 'living of dogs ' | 305 |
| Sukalins—the Pitrs of Shadras | 217 |
| "—are those who complete the Sacrifice | 217 |
| " — " the sons of Vashistha | 218 |
| Sun-rain proceeds from | 100 |
| 'Supersession of Elder Brother'-Exceptions to | 191 |
| Superseder , Elder Brother-defined | 191 |
| ,, , , , —to be avoided at Shråddha and | |
| Sacrifice | 175 |
| ,, —also the son, taking the Fires before his Father | 192 |
| Superseded Fider Brother—described | 191 |
| goog to hall | 198 |
| funoreding rounger brother—goes to hell | 196 |

| | | | | | | | | I Allu. |
|-----------|------------------|---|---------|-----------------|------------|-------------------|-----------------|----------|
| Suparna | Story | of- to be | relate | d at S | hrâddha | | | 192 |
| ' Sushrta | ım'—sy | llable to b | e pron | ounce | d at the (| Jostha | | 272 |
| ' Svadhıî | | syllable—c Addha | onstit | | he highes | t benedicti | on at | 272 |
| ' Snadite | | | | | | n at Shrâd | dha | 272 |
| 'Sváhá' | | | | | | ••• | ••• | 144 |
| 'Svádhá | | | • . | | ••• | ••• | | 106 |
| Svådhy | • | | | | *** | | | 106 |
| 'Svistak | | | | | '. | | | 7, 8, 94 |
| " | | ily offerin | | | ••• | | | 109 |
| " | | qualificati | | | | | | 109 |
| " | - | | | | • | | | |
| | | | | T | | | | |
| Tâṇḍava | -name | given to | Sâma V | oda te | xts relat | ing to Danc | ing | 168 |
| Tantrave | û rtik a- | quoted | | | | | | 75 |
| Tapahsv | ádhyáyo | ı ni şțha—H | eligio | ıs Stu | dent | ••• | | 159 |
| Taponis | ha-Re | cluse | | •• | | ••• | | 159 |
| Tarpana | .—is off∈ | ering to P | itra . | •• | ••• | | | 93 |
| ,, | -comp | ulsory | | | | ••• | | 95 |
| Teacher | -not to | be treate | d as g | aest | ••• | ••• | | 180 |
| ,, | —to be | received | with H | oney-M | Mixture | *** | | 188 |
| " | -may 1 | e fed at 8 | hradd | ha | | | | 170 |
| ** | -is the | Lord of t | he wo | rld of | Brahmâ | | | 444 |
| Teaching | g of chi | ld—Fatho | r's dut | у | | ••• | | 11 |
| | ,, | | | xplain d not | | n what he s | hould | 14 |
| | ,, | | | | râhmana | ••• | ••• | 98 |
| | | | | | | and Sacrif | | 174 |
| 2 | | -Gift | | | | THE REPORT OF THE | | 199 |
| Thieves- | —undes | erving of | | | | Sacrifice | ••• | 171 |
| | | e in keepi | | | | | | 319 |
| " | | ,, ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | ,, | ., | pation | | | 319 |
| " | | ,, ,, ,, | " | | th | | ••• | 319 |
| ,, | | ,, ,, | " | Lear | | | | 319 |
| ,, | | ,, ., | ., | Fami | • • • | | | 319 |
| Time-f | | | •, | | | | | 288 |
| | | true and | l false | , | ••• | ••• | | 305 |
| | | ulture-d | | | | | | 309 |
| | _ | avoided a | | | | • | | 174 |
| | | o-is neitl | | | | ••• | | 199 |
| ,, | | name of | | | | ••• | ••• | 208 |
| Trisup | | | - | | Taittirfy | a Veda | | 304 |
| • | • | o be delig | | | | ••• | ••• | 438 |
| | | son—shal | take: | a wife, | | me caste, | who is | |
| | | | | | signs ' | ••• | ••• | 19 |
| | ** | | | oute | ast, by ma | arrying a | 3hûd r a | |
| | | gri | ri | | | .,, | ••• | 40 |

INDEX TO YOL. II

| | Page, |
|---|-------------------|
| Twice-born person—becomes an outcast, by begetting a Shudra wife | 1 SOB OR 40 |
| " by having child a Shudra wife alone | ren from 40 |
| Not expiation for-for having in | ercourse |
| with a Shûdra woman | 44 |
| "—No expiation for—for begetting chi | ldren on |
| her | 44 |
| " -For-giving away of daughter, w | ith water |
| alone, is commended | 64 |
| For Ârşa marriage not commend | ed 64 |
| $-$, $-\hat{A}$ sura , $-$, , | 64 |
| " — "—Prâjâpatya " | 64 |
| " Householder-giving alms-obtains a rew | ard ' 117 |
| " persons—some excel in learning | 158 |
| " " – " " austerities | 158 |
| " " , austerities and V | edic study 158 |
| " " " " " Rites | 158 |
| " " -For-Shråddhas excel Sacrifices | 223 |
| " -just dead-Shråddha to be off | ered to- |
| up to 'Sapindîkarana' | 258 |
| " ., -just dead—Brahmanas to be fed i | |
| " ,, — one Ball to be of | |
| " —threatening a Brâhmana, goes t | |
| Twilights-Shråddhas not to be performed at | 290 |
| Twilight dovotions—the means of acquiring Long I dom, Fame and Brahmic glor | |
| U. | |
| Uchhista—described | 464 |
| Udgatr-Duties of-described in Three Vedas | 10 |
| Unrighteous man-never happy | 434 |
| " -quickly overthrown | 484 |
| Unrighteousness—cuts off the roots of the perpetrate | 485 |
| "never fails to bring its consequence | |
| , -even when temporarily successf | |
| eventual destruction | 487 |
| Unworthy of company—should not look at those wort pany, while these are eating | |
| ,, -Gifts to-is blood, marrow, f | it, etc 200 |
| Uncle-Maternal-may be fed at Shraddha | 170 |
| Unworthy of line | 188 |
| " company | 190 |
| Upamanyu—a gotra-name | 25 |
| "gotra-The pravaras of-are Vashietha, i | haradvája |
| and Ekapât | 27 |
| Upanayana—In connection with—the giving of a sup to the preceptor, enjoined | erior thing 17 |
| Updkarma—to be performed by Accomplished Stude | nt on Full- |
| Moon day of Shrayana or Bhadrapada | 889 |

| | | PAGE |
|---|--------------|---------|
| Upakarma-Vedic study to be omitted for three | days, at | 408 |
| Upámshu | ••• | 94 |
| Upanisads-The Science of the Five Fires, explai | ned in | 129 |
| Urine-not to be passed on road or ashes, etc. | ••• | 352 |
| " -to be passed at a distance from dwelling | house | 420 |
| Ushanas-Works of-to be studied by the Accomp | lished Stud | ent 320 |
| Userer-to be avoided at Sacrifices and Shraddh | as | 174 |
| " is one who lives upon interest, even who | on other me | ans |
| are available | | 174 |
| ,, -sometimes used in the sense of one wh | o accumula | tes |
| gain by interest | ••• | 174 |
| " —Gift to—has no place … | ••• | 199 |
| " -Food given by—to be avoided | ••• | 469 |
| 'Utsarjana'-(suspension) of the Vedas-on th | e first day | |
| · Bright half of Magha | *** | 389 |
| " - To desist from Vedic study, for the nigh | | 390 |
| " -Vedic study to be omitted for three day | s at | 403 |
| | | |
| | | |
| | | |
| v | | |
| • | | |
| Vaisheşikas | ••• | 181 |
| Vaishvadeva offering-Guest arriving after-sho | ald have fo | |
| cooked for him | | 128 |
| " offerings—made in the ordinary fire a | lso | 123 |
| " oblation | ••• | 281 |
| " Sacrifice | ••• | 98 |
| " Нота | ••• | 95 |
| " " —in ordinary fire also | ••• | 96 |
| Vaishvadeva-offerings-not obligatory for Braha | | on |
| Gleanings and Picking | s | 312 |
| Vaishradeva rite-by the wife-without mantras | ••• | 143 |
| Vaishya-Asura, Gåndharva and Paishachu forms | of marriago- | |
| lawful for | ••• | 46 |
| " -Prdjapatya form of marriage—the best | | 49 |
| "girl-marrying into higher caste—should | take hold | of |
| the goad | ••• | 70 |
| "not a guest in Brahmana's house | ••• | 130 |
| " —arriving as guest—should be fed with se | ervants | 131 |
| ,, $-Ajypas$ —the Pitrs of | ••• | 217 |
| " -No diversity of Gotra and Pravara amon | ng | 25 |
| " -Gotra of-determined by that of Priest | | 25 |
| ,, -must marry a Vaishya girl | ••• | 35 |
| "—nay " "Shûdra " | ••• | 37 |
| Vaishvanara-sacrifico-Principle of the | | 487 |

INDEX TO VOL. II

| | | PAGE |
|--|-------------|---------|
| Vājasaneya Samhitā | | 249 |
| Vanaspatis-offering to-on the Pestle and Mortar | | 111 |
| Vântâshin | | 180 |
| Vârdhrînasa—described | | 284 |
| Vasu—the name given to Father | ••• | 294 |
| Vashistha—agotra | | 24 |
| " Dharmashâşţra, referred to | | 24 |
| ,, —quoted | | 32 |
| ,, -father of Sukalin Pitrs | | 218 |
| " -referred to | *** | 80 |
| ,, —quoted | | 138,846 |
| ,, | | 192 |
| Vastospati-Offering to-at the centre of the Home | | 112 |
| Veda—one, two or three, to be learnt | oo ooatt | 19 |
| ,, —not to be recited, while riding a horse | ••• | 400 |
| | ••• | 400 |
| " | ••• | 403 |
| mand in the name of December 1 (f) | ••• | |
| not to be weathed subile miding a count | ••• | 18 |
| | | 408 |
| "—, " seated on barren gro "—Text of—should be studied in the same or | | 403 |
| •• | | |
| one's forefathers have studied it | ••• | 16 |
| " —not to be recited on a conveyance | ••• | 403 |
| " —One accomplished in—to be honoured as gue | | 387 |
| "—Essence of three—to be recited first | ••• | 407 |
| "—a name for 'Kusha-handful' | ••• | 346 |
| " to be studied throughout Bright Fortnights | 1 | 390 |
| " — " recited not indistinctly … | ••• | 391 |
| " " " not in the proximity of Shûd | ras | 391 |
| " — " " daily, in normal times | | 391 |
| " —Cavilling at—to be avoided … | ••• | 431 |
| " — Rk or Yajuş—not to be recited during Sâma | -chant | 405 |
| " – " " " after reading th | ie Aranya | ka 405 |
| Vedic scholar—to be honoured as guest | ••• | 387 |
| Vedic study—is a 'sacrifico' | • | 94 |
| " -daily-is compulsory | ••• | 95 |
| " —One should be constantly engaged in | | 99 |
| "—the means of worshipping Sages | | 105 |
| " —to be kept up by Accomplished Stude | nt | 389 |
| " — " carried on for four months and | a half, aft | er |
| Upākarma | | 389 |
| " —Days unfit for | ••• | 398 |
| ,, -to be omitted at night-if air is aud | ible_duri | |
| rains | | 393 |
| , - , in the day-if there is | s dust-who | |
| -during rains | | 495 |

| tudy—to l | oe omitte | d, when th | ere is | | | ••• |
|-----------|-------------------|--------------------------|--------|-----------|-----------|-----------|
| NAME OF | ,, | ,, ,, | ,, | lightn | ing | ••• |
| | ** | 99 | ** | rain | ••• | *** |
| - | 11 | • | | falling | | ••• |
| | ٠, | " clor | ıds ar | e seen | out of se | ason |
| | " | "thei | e is p | erterna | tural so | und |
| | ** | ., ,, | ,, (| arthqu | ake | |
| | ,. | 37 39 | " i | mpact o | f planet | s |
| | ,, | "ligh | tning | and th | hunder a | ppear, |
| • | | aft | er th | e Fires | have bee | n lighted |
| in | vill a ges | | | ••• | | |
| - ,, | cities | ••• | | | | |
| ,, | foul-sme | lling plac | ВS | | | |
| - ,, | a village | where a | corps | e is lyiı | ıg | |
| ٠ ,, | the pres | ence of lo | v peo | ple | ••• | |
| dur | ing weep | ing | | | | |
| in a | crowd of | f men | | | | |
| - " v | vater | ••• | | ••• | | |
| -at r | nidnight | | | | | |
| -dur | ing passi | ng of urin | e, ota | 3. | | ••• |
| · -whi | le one is | unclean | | | | |
| -whe | n one ha | s caten at | a Shr | âddha | | |
| | | ays—after | | | invitatio | n to |
| | koddista | | | | ••• | |
| | • • | rity of the | | | •• | |
| - ,, | | - | | | ,., | |
| | • | our and s | ain o | f Shråd | | |
| | he body | | | •• | | |
| | • | l, while o | ie is | lving de | | |
| | | et are th | | | | |
| ,, | | ees are tie | | | | |
| | r eating | | _ | | ••• | |
| ,, | | ood given | | | | |
| dur | ing fog | | | | | Julity |
| | 0 | of arrows | | | | ••• |
| • | | vo Twiligh | | | ••• | ••• |
| −on t | he Moonl | | | | | ••• |
| | | enth of th | | | ••• | ••• |
| ~~~ | | Moon day | | | ••• | ••• |
| | | h of the m | | •• | ••• | ••• |
| | " Moon | less day, d | onen- | 4 h | M1 | ••• |
| | " Fourt | eenth. | | | | ••• |
| | | | i, | | Pupil | |
| -tab | " Eignt | h & Full ! I during a | 4000 | uays, de | | ne Voda |
| - 00 0 | | | | | ••• | ••• |
| | " " | while sk | | | | ••• |
| *** | " " | " ja | Kals | are how | ling | ••• |
| | 81 11 | " do | gs ar | ervino | in a line | e |

INDEX TO VOL. II

| | | PAGE. |
|----------|--|-------|
| Vedic st | udy-to be omitted, when donkeys are crying in a line | 401 |
| ,, | - ,, ,, camels ,, ,, | 401 |
| ,, | -not right in cremation-ground | 401 |
| •, | - ,, near the village | 401 |
| ,, | - ,, in the cow-pasture | 401 |
| ,, | - , while one is dressed in garment worn | |
| | duting sexual intercourse | 401 |
| •, | - " after receiving presents at Shraddha | 401 |
| ٠, | - " when the village is beset with thieves | 402 |
| ** | ,, during fire-alarm | 402 |
| ,, | - , at the appearance of portents | 402 |
| •• | -the primary duty of the Brahmana | 423 |
| ,, | -brings endless bliss | 424 |
| ٠, | -to be omitted for three days, at the Upakarma and | |
| | the Utsarjana | 408 |
| " | - " " one day and night at the Astakas | 403 |
| *1 | , on the last nights of the seasons | 403 |
| ,, | - , during altercations | 404 |
| ,, | " " a fight | 404 |
| •• | - ,, in the midst of an army | 404 |
| ٠, | , during a battle | 404 |
| ,, | - , when one has just eaten | 404 |
| ** | - " during indigestion | 404 |
| ,, | - " after vomiting | 404 |
| ,, | - " when there is eructation … | 404 |
| ,, | -not to be done, without permission of the guest | 404 |
| ,, | - ,, while wind blows violently | 404 |
| ,, | - " " when bleeding | 404 |
| ,, | ,, ,, ,, wounded | 404 |
| 19 | -to be discontinued, if cattle or frog or cat or dog | |
| | or snake or mongoose or rat come between the | |
| | Teacher and the Pupil! | 408 |
| ** | -to be avoided, when place is unclean | 408 |
| ,, | — " " body " " | 408 |
| Vedapái | ragaḥ—explained | 154 |
| 'Vedas | Three '-the term does not include the Atharvaveda | 11 |
| " | -Duties of Hotr, Adhvaryu and Udgatr and of | |
| | Brahmana-priest, described in | 10 |
| Vedas- | -Which are the three | 10 |
| Vedasná | itaka—distinguished from Vratasnātaka | 12 |
| . " | -Distinction of-from Vratasnataka-explained | |
| | under Dis, IV | . 12 |
| 'Vedic | Study '-the predominant factor | 4 |
| ,, | -sanctificatory as well as fruitful | 7 |
| ** | -Results of-accrue to the twice-born Boy, duly | |
| | 8-848-4-3 | |

| | | | PAGE. |
|---|---------|-----------------|----------|
| Vegetables-to be served on the ground | | . •• | 246 |
| Vessels—to be used at Shråddha | ••• | ••• | 221 |
| " -of silver, " " , conducive to in | perish | abilit y | 221 |
| Vighasa—to be lived upon daily | ••• | ••• | 295 |
| " -name of what is left by those who must l | oe fed | ••• | 295 |
| Village priest-Brahmana-not to eat at a sacrifice | perfor | med by | 459 |
| Vishvajit | | ••• | 8 |
| Vişnu—quoted | ••• | ••• | 260 |
| Vişnuryonin Kalpayatu, &c | ••• | ••• | 61 |
| Vishvêdîvas—Offerings to—at daily Shrâddha | | ••• | 107 |
| Food cooked daily for | | ••• | 108 |
| " -Daily offering to | | ••• | ` 109 |
| " -Offering to-in the sky | ••• | | 113 |
| ,, -At Shråddha offered to-the food of | fered, | should | |
| be given to a learned Brahmana | | ••• | 182 |
| ,, —invited to Shraddha , | | | 224 |
| Vratasnātaka-is one who cuts short the Observ | ances. | before | |
| finishing his Vedic Study | | | 11-12 |
| ,, -one is entitled to the title, after h | | put in. | |
| at least, three years' work | ••• | | 12 |
| " -distinguished from Vedasnataka | ••• | | 12 |
| | betwee | n-ex- | |
| plained under Discourse IV | ••• | ••• | 12 |
| Vratyastoma-One who officiates at-should no | | fed at | - |
| Shråddha | ••• | | 172 |
| Vrsli-stands for the Shudra woman | ••• | ••• | 177 |
| " - " " woman in general | ••• | | 209 |
| Vydsa-holds that the evil of feeding unquali | | | -00 |
| Shraddha, accrues to the feeder, not | | | 156 |
| " — quoted | | | 157 |
| ,, 4,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | ••• | ••• | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| w | | | |
| | | D. 11 | |
| Water-offering-daily-an optional alternative | to | Daily | 204 |
| Shrâddha | | | 294 |
| ,, —Remnant of—to be poured near th | e Balls | , offer- | 0.40 |
| ed at Shråddha | ••• | ••• | 240 |
| " libation—with silver-vessel | ••• | ••• | 221 |
| " -to be poured in 'Apasavya' form | | | 236 |
| " jar—a 'slaughter-house,' for the Household | | ••• | 90 |
| " —to be offered to guest | ••• | | 121, 385 |
| " —one of the things that must be offered to | a gues | ե | 124 |
| | ••• | ••• | 124 |
| Wealth-secured by honouring guests | ••• | | 127 |

INDEX TO VOI. H

| | | Page. |
|-----|---|----------|
| Wes | alth—Sources of—for the Accomplished Student | 341 |
| ,, | -to be sought for from the king | 341 |
| ,, | - ,, ,, one, at whose sacrifice one offi- | |
| | ciates | 341 |
| ,, | — " " " one's pupil | 341 |
| ,, | - 'Pure' means of acquiring | 476 |
| ,, | —' Mixed ' ,, ,, | 476 |
| " | -'Black', | 477 |
| Wif | e-to be associated with the Householder in all rites | 88 |
| ,, | -friends and relations to be fed with | 182, 185 |
| ,, | —to eat with husband | 132 |
| ,, | -eats after the | 188 |
| ,, | -to eat before the husband, according to some | 185 |
| ,, | -not to eat before her husband | 186 |
| ,, | -to make Bali offerings, out of food cooked in the even- | |
| | ing | 148 |
| ,, | ,, without mantras | 148 |
| ,, | -if taken before the elder brother, the man becomes the | |
| " | 'Superseder of his older' | 191 |
| | to be toben in the second sucretion of 110s | 299 |
| ,, | One should not set with | 349 |
| " | In han a common mat, to be a common had | 349 |
| ** | wat to be to had at when the to satte | 349 |
| " | , | 349 |
| " | • - | 349 |
| ,, | -, , , , , yawning | 349 |
| ** | -, , , , sitting at ease | |
| ** | -, , applying collyrium to her eyes | 851 |
| " | -, , , anointing herself | 852 |
| " | -, , , uncovered | 352 |
| " | -, , at time of delivery | 352 |
| ** | -is one's own body | - 444 |
| ,, | -eating middlemost Ball offered at Shråddha-gets a | |
| | long-lived son, intelligent, wealthy and famous | 279 |
| " | -desirous of son-should eat the ball offered to grand- | |
| | father, at Parvana Shraddha | 278 |
| ,, | -taken by the twice-born man, to be of the same caste | 19 |
| ** | - " " " "endowed with signs" | 19 |
| 99 | -brought into existence by 'Marriage' | 21 |
| " | - serves the visible and invisible ends of man | 21 |
| " | -Only first-married girl, of the same caste, is entitled to | |
| | the title of | 36 |
| " | —to be approached only during courses, ' | 71 |
| ,, | -One should be attached to his own | 71 |
| ,, | —to be approached, when she desires | 71, 77 |
| ** | -not to be approached on sacred days | 71 |
| ** | -Rules regarding approach to one's-are of the nature | |
| | of 'Preclusion' | 74 |

| | P | AGE. |
|---|---|-------------|
| | Wife-not to be approached on 'sacred days' | 78 |
| | " -to be approached on even days of her season-by one | |
| | who desires a male child | 80- |
| | Woman-Intercourse with-to be avoided, even after the learn- | |
| 1 | ing of the Vedic text has been finished—till such | |
| , | time as the meaning of the Veda and of the Subsi- | |
| | diary Sciences is learnt | 15 |
| | " -By avoiding-on forbidden days and on eight other | |
| | days—one retains one's 'continence' | 82 |
| | , —when honoured—the gods rejoice | 86 |
| | " – " not honoured—all rites are futile | 86 |
| | " -Pregnant-to be fed immediately after guests | 133 |
| | "—Sons of 'appointed' | 195 |
| | " — " "unappointed" | 195 |
| | " -not to be looked at, naked | 35 6 |
| | "—Brahmana, not to eat at Sacrifice, performed by | 459 |
| | " —Sacrifices by—prescribed in Grhya rules | 459 |
| | " -Food of the unchaste—to be avoided | 463 |
| | Word-Kind-one of the things that must be offered to a guest | 124 |
| | " — "—should not fail in a good house | 124 |
| | Worship-done with faith and devotion, by means of offerings | |
| | of water, garland, etc | 105 |
| | - | |
| | • | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | Y | |
| | Yajñavalkya—quoted 32, 89, 150, 240, 259, 264, 362 | , 481 |
| | " -Definition by- of Brahma marriage-quoted | 51 |
| | on the giving of cows | 481 |
| | Yájuá mantras | 109. |
| | Yajurveda—not to be recited during Sâma-chant | 405 |
| | " - " after reading the end of the Veda | 405 |
| | " — " " " Aranyaka | 405 |
| | "—is human | 406 |
| | Yakşmi-in the sense of invalid in general | 175 |
| | 'Yama' and 'Niyama' | 458 |
| | • | |